

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11] No. 11] मई विल्ली, शनिवार, मार्च 17, 1973 (फाल्गुन 26, 1894)

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 17, 1973 (PHALGUNA 26, 1894)

इस भाग में भिन्न पट्ट संख्यादी जाती है जिस्से कि यह अलगं संव सन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation)

भाग 111- खण्ड 4

PART III--SECTION 4

विश्विक निकार्यों द्वारा जारी की गई विविध अधिसुचनाएं जिसमें अधिसुचन एं. आवेश, विज्ञापन और सूचमाएं सम्मिलित हैं Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

केन्द्रीय र्कार्यालय

गैर बैंकिंग कंपनी विभाग

कलकत्ता-1, दिनांक 18 नवंबर, 1972

संदर्भ सं० डी० एन० बील सी० 16/डी० जी० (एस०) -72--रिजर्व बैंक इस बात से संतुष्ट होकर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, रिजर्ब बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम, 1934 की 45 का, 45ट और 45ठ धाराओं द्वारा प्रदत्त मक्तियों और इस उद्देश्य के लिए उसे समर्थ बनाने वाली सभी प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा यह निवेश देता है कि गैर बैंकिंग विसीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 में 1 जनवरी 1973 से नीचे लिखे प्रकार से संशोधन किये जाएं, अर्थात् :---

- I. पैराग्राफ 2 के उप पैराग्राफ (1) के---
 - 1. खंड (क) को निकल दिया जाए;
 - 2. खंड (च) के उप खंड (i) में जहां कहीं 'ऋण' मन्द आता है वहां उसके स्थान पर 'एकम' शब्द प्रतिस्थापित किया जाए ;
 - 3. खांड (घ) के उप खंड (ii) में आने वाले 'कोई ऋण जो ऐसी शर्तों पर प्राप्त किया गया हो' शब्दों के स्थान पर 'कोई रकम जिसकी वापसी अवायगी के लिए निःनलिखित प्रकार से जमानत ले ली गई हो' गब्द प्रतिस्थापित किये जायें ;
 - 4. खंड (च) के उप खंड (iii) में 'किसी' मन्द के बाद आने वाले 'ऋण' मन्द के स्थान पर 'रकम' मन्द प्रतिस्थापित किया जाए और उप खंड में आने वाले 'या' शब्द और 'किसीमंजीकृत व्यक्ति से' शब्दों के बीच 'कोई प्राप्त ऋण' शब्द जोड़ दिये जायें ;
 - 5. खंड (च) के उप खंड (v) को म्नकाल । दया जाए ;

(659)

1--509GI/72

- 6. खंड (च) के उप खंड (vi) में 'ऋण' शब्द के स्थान पर 'रकम' शब्द प्रतिस्थापित किया जाए और उसमें जहां कहीं 'सरकार' शब्द आता हो वहां उसे निकास दिया जाए ;
- 7. खंड (च) के उप खंड (vii) के अंत में आने नाले 'और स्टाक एक्सचेंज या स्टाक दलाली कंपनी के मामले में प्रतिभूतियों की खरीद या बित्री के संबंध में प्राप्त कोई रक्षम' इन शब्दों को निजाल दिया जाए ;
- हंड (च) के उप खंड (viii) में आने वाले 'मीयादी, आवर्ती, प्रासंगिक या दूसरी जमाराणियों के रूप में उसके सहयोगी सदस्यों या'
 गम्दों को निकाल दिया जाए;
- 9. खंड (च) के उप खंड (ix) में जहां कहीं ''ऋण'' शब्द आया हो वहां ''रकम'' शब्द प्रतिस्थापित किया जाए और ''कंपनी के सिषणों और कोषाध्यक्षों'' शब्दों के बाद ''या किसी निजी कंपनी द्वारा अपने सदस्यों से प्राप्त की गई कोई रक्तम'' शब्द जोड़ दिमें जायें ;
- 10. खंड (च) के उप खंड (ix) के बाद निम्नलिखित परंतुक जोड़ दिया जाए :

 "परन्तु जनवरी 1973 की पहली तारीख को या उसके बाद प्राप्त किसी रकम के संबंध में, जिस व्यक्ति से वह रक्षम प्राप्त हुई हो उसने
 कंपनी द्वारा रकम प्राप्त किये जाते समय लिखित रूप में यह घोषणा कर दी हो कि उक्त व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे व्यक्ति से उधार लेकर
 या जमाराशियां स्वीकार करके अर्जित की गई निधियों में से वह रकम नहीं दी गई है।";
- 11. खंड (भ) के उप खंड (xii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए।
 "(xii) किन्हीं शेयरों या स्टाक या किन्हीं बांडों या डिबेंचरों (ऐसे बांड या डिबेंचर कंपनी की आस्तियों पर प्रभार था प्रहुणाधिकार की जमानत पर जारी किये गये हों) में किये गये अभियान के रूप में प्राप्त तब तक कोई रकम जब तक कि उक्त शेयरों, स्टाक, बांबों या डिबेंचरों का नियतन न ही जाए, और":
- 12. खंड (च) के उप खंड (xiii) के बाद खंड (जभ) के रूप में निम्नलिखित जोड़ दिया जाए: "(जभ) "जमाकर्ता" में कोई भी ऐसा व्यक्ति शामिल है जिसने कोई ऋण दिया हो";
- 13. खंड (छ) में "या आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 34 की उपधारा (3)" शब्दों के बाद "या आय कर अधिनियम 1961 की धारा 33 क की उपधारा (3) के अन्तर्गत विकास छुट के लिए निर्मित कोई रक्षित निर्धि" शब्द जोड़ दिये जार्ये;
- 14. खण्ड (ड) में "कोई ऋण या अग्रिम के रूप में" मन्दों के पहले आने वाले "वित्तीय उहायता" मन्दों के स्थान पर "वित्तीय व्यवस्था" मन्द प्रतिस्थापित किये जायें और उसमें "ऋण या अग्रिम या अन्यथा" मन्दों के बाद आने वाले "व्यापार, उद्योग, वाणिज्य या क्रवि" मन्दों की निकाल दिया आए ;
- 15. खण्ड (क) में "आवास वित्त" शब्दों के बाद आने वाले "बीमा" शब्द और उसमें "स्टाक एक्सचेंज या स्टाक दलाल कंपनी" शब्दों के पहले आने वाले पारस्परिक "लाभवाली वित्तीय कंपनी" शब्द निकाल दिये जायें;
- 16. खण्ड (ण) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए :---
 - ''(ण) पारस्परिक लाभवाली विलीय कंपनी '' से बैंकिंग कंपनी न रहने वाली ऐसी कोई कंपनी अभिनेत है जिसका प्रधान कारोबार अपने सदस्यों से जमाराशियां स्वीकार करना हो और जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 620 क के अंतर्गत केन्द्रीम सरकार द्वारा अधिस्चित की गयी हो'';
- 17. खंड (न) की उपखंड (ii) में "कंपनी के मैंनेजर" शब्दों के पहले "निदेशक बोर्ड या प्रबंध निदेशक मा" शब्द ओड़ दिमे जामें;
 - II. पैराग्राफ 3 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए:
 - "3. गैर मैं किंग वित्तीय कंपनियों द्वारा जमाराशियों की स्वीकृति :
 - (1) 1 जनवरी 1973 को और उस तारीख से-
 - (क) कोई पारस्परिक लाभ वाली दिलीय कंपनी अपने सदस्यों को छोड़कर अन्यों से जमा राणियां स्वीकार नहीं करेंगी।
 - (ख) कोई गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी मांग या नोटिस पर अदा की जाने वासी या ऐसी जमाराणि की प्राप्ति की तारी**ख से छः महीनों से** कम अवधि के बाद अदा की जाने वासी कोई जमा राणि स्वीकार नहीं करेंगी या इन निदेशों के लागू होने की तारीख के पहले मा बाद में उसके द्वारा प्राप्त की गयी किसी जमाराणि का जब तक नवीकरण नहीं करेगी जब तक कि नवीकरण की गई जमाराणि उसके नवीकरण किये जाने की तारीख से 6 महीनों के पहले प्रतिदेग न हो।
 - (打) *** ** ** **
 - (भ) कोई गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी जो किराया खरीद कंपनी या आवास वित्त कंपनी नहीं है ऐसी कोई जमाराशि, किसी ऐसी जमाराशि सिहत, स्वीकार नहीं करेगी जो उसी वर्ग (इसके बाद निर्दिष्ट वर्ग) के अंतर्गत आती ही और जो पहले ही प्राप्त की गई हो और जो कंपनी के बहियों में बकाया रहती हो और इस खंड के उप खंड (i) में उल्लिखित वर्ग में आने वाली जमाराशि, ऐसे व्यक्तियों

से ऋण के रूप में गारंटी की गयी बकाया जमाराणियां सहित, जो गारंटी प्रदान करते समन कंपनी के प्रबंध एजेंट या सिनव और कोषाध्यक्ष थे, के निम्नलिखित वर्ग की जमाराणियों के प्रत्येक अलग अलग वर्ग के लिए निर्दिश्ट सीमाओं से अबिह होते के मामले में उसे स्वीकार नहीं करेगी, अर्थात :--

- (i) गैर जमानती डिबेंचर या किसी सदस्य से प्राप्त जमारािश (जो किसी निजी कंपनी द्वारा उसके सदस्यों से पैराग्राफ 2 के उप पैराग्राफ (i) के खंड (च) के उप खंड (ix) में उल्लिखित घोषणा पर प्राप्त जमारािश नहीं हैं) या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा गारंटीकृत जमारािश, जो गारंटी देते समय निदेशक हो, कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त रिजत निधियों की कुल रािश का पच्चीस प्रतिशत ;
- ं (ii) किसी दूसरी जमाराणि के मामले में कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त रक्षित निधियों की कुल राशि का पच्चीस प्रतिशत ।
- (2) किसी भी आमंका को दूर करने के लिए इसके द्वारा यह घोषणा की जाती है कि कोई पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनी अपने सदस्यों से उक्स सदस्यों और कंपनी के बीच लिखित या निहित किन्हीं करारों में निर्दिष्ट किन्हीं अवधियों के लिए जमाराणि स्वीकार कर सकती है। स्पष्टीकरण : इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए "सदस्य" अभिव्यक्ति का तात्पर्य केवल उस व्यक्ति से होगा जो कंपनी में शेयरों के धारक के रूप में पंजीकृत (रजिस्टर) हो"

III पैराग्राफ 4 के---

- 1. उप पैराग्राफ (1) और (2) में आने वाले "1 जनवरी 1972 को" पाम्बों के पहुँले "कारोबार शुरू होने के समय" शब्द दिये जायें ;
- 2. उप पैराग्राफ 3 में "1 जनवरी 1972 की" शब्दों के पहले "कारोबार शुरू होने के समय पर" शब्द जोड़ दिये जायें ;
- 3. उप पैराग्नाफ (3) में आने वाले "पैराग्राफ 3 के उप पैराग्राफ (1) के खंड घ के उप खंड (i) में उल्लिखित प्रकार" शब्दों के स्थान पर "उप पैराग्राफ (1) में उल्लिखित चार प्रकारों में से एक या उससे अधिक" ये शब्द प्रतिस्थापित किये जायें;
- 4. उप पैराग्राफ (3) में जहां कहीं "या, यथास्थिति, बारह महीनों" शब्द आते हों, वहां उन्हें निकाल दिया जाए ;
- 5. स्पष्टीकरण में "इस उप पैराग्राफ" शब्दों और "पैराग्राफ 3(1)(घ)" शब्दों के बीच आने वाला "और" शब्द को एक स्पल्पिवराम से प्रति-स्थापित किया जाए और उसमें आने वाले "घटा दिया जाएगा" शब्दों के पहले "और निम्नलिखित पैराग्राफ 4क" शब्द जोड़ दिये जायें :

IV पैराग्राफ 4 के बाद निम्नलिखित को पैराग्राफ 4क के रूप में जोड़ दिया जाए :

" 4क पारस्परिक वित्तीय लाभवाली कंपनियों के संबंध में विशेष उपबन्ध :

जहां 1 जनवरी 1973 को कारोबार गुरू होने के समय इस विनियमावली के पैराग्राफ 2के उप पैराग्राफ (1) के खंड (च) के उप खंड (viii) के केवल संशोधन के फलस्वरूप ही किसी पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनी की ईस निदेशावली के पैराग्राफ 3 के उप पैराग्राफ (1) के खंड (घ) के उप खंड (ii) में उल्लिखित प्रकारों की जमाराशियों की राशि कंपनी की कुल चुकता पूंजी और मुल्क रक्षित निधि के पच्चीस प्रतिशत से अधिक हो वहां ऐसी कंपनी यह इतमीनान कर लेगी कि जब कभी जमाराशियां अदायगी के लिए पुग जाती हैं तब उनकी वापसी अदायगी करके या इस उपबन्ध के अनुपालन के लिए आवश्यक किसी दूसरे तरीके से ऐसी अतिरिक्त राशि को 1 जनवरी 1974 के पहले कम कर दिया जाए।"

- ए 1. पैराग्राफ 5 के वर्तमान परन्तुक के सामने नई संख्या डालकर उसे उप पैराग्राफ (1) बना दिया जाए। इस प्रकार संख्या डाले गये उप पैराग्राफ (1) में दो स्थानों पर आने वाले ''कंपनी के मैनेजर'' शब्दों और ''मैनेजर ने विज्ञापन का मजबूरन मंजूर किया हो'' शब्दों के पहले ''निदेशक बोर्ड या प्रबन्ध निदेशक या'' शब्द जोड़ दिये जायें;
 - 2. पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ (2) के रूप में निम्नलिखित जोड़ दिया जाए :
- "(2) 1 अप्रैल 1973 को और इसी तारीख से कोई भी गैर बैंकिंग विसीय कंपनी किसी भी जमाराशि को तब तक स्व बार, नबीकृत या परिवर्तित नहीं करेगी अब तक कि जमाकर्ता ने कंपनी द्वारा सप्लाई किये जाने वाले उस फार्म पर लिखित आवेदन न किया हो जिसमें इस पैराग्राफ के उप पैराग्राफ (1) में निर्दिष्ट सभी विवरण दिये जाने चाहियें।
- VI पैराग्राफ 6 के वर्तमान उप पैराग्राफ (ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए :
 - "(ii) उक्त रसीद पर कोई ऐसा अधिकारी विधिवत् हस्ताक्षर करेगा जो कंपनी की ओर से यह कार्य करने का हकदार हो और वह इस रसीद पर जमाराशि की तारीख, जमाकर्ता का नाम और जमाराशि के रूप में कंपनी द्वारा प्राप्त की गयी रकम का अक्षरों और अंकों में, बहुत ही स्पष्ट रूप से उल्लेख करेगा और साथ ही उस पर देय ब्याज की दर और उसके प्रतिदेय होने की तारीख का भी बहुत ही स्पष्ट रूप से उल्लेख करेगा।"
- VII पैराग्राफ 7 के उप पैराग्राफ (i) के खंड (खख) के रूप में निम्नलिखित जोड़ दिया जाए :
 - "(खख) प्रत्येक जमाराशिकी अवधि और नियत तारीख"
- VIII पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (ii) में "10 लाख रुपये" शब्दों और अंक के स्थान पर "5 लाख रुपये" शब्द और अंक प्रतिस्थापित किये आमें।
 IX पैराग्राफ 9 के--
 - 1. उप पैराग्राफ (क) में आने वाले "ऐसी जमाराणि की प्राप्ति" गब्दों के बाद एक स्पत्प विराम जोड़ दिया जाए और उसमें "किसी दर पर ब्याज अवा" गब्दों के पहले आने वाले "किराया खरीद वित्तीय कंपनियों के मामले में और दूसरी वित्तीय कंपनियों के मामले में ऐसी जमाराणिया प्राप्त होने की तारीख से बारह महीने" गब्द निकाल दिए जायें;

- 2. उप पैराग्राफ (ख) के (v) और (vi) खंडों को निकाल दिया जाए।
- X पैराग्राफ 10 में ''अनुसूचित बैंक'' शब्दों के बाद ''किसी भार या ग्रहणाधिकार से मुक्त'' शब्द जोड़ दिये जायें।
- XI पैराग्राफ 13 के वर्तमान परंतुक के सामने नई संख्या डालकर उसे उप पैराग्राफ (1) बना दिया जाए और उसके बाद उप पैराग्राफ (2) के रूप में निम्नलिखित जोड़ दिया जाए :
 - "(2) (i) प्रत्येक गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी इस परन्तुक के लागू होने की तारीख को या कारोबार शुरू करने की तारीख, में से जो भी तारीख बाद में आती हो उसके बाद एक महीने के भीतर रिजर्व बैंक को निम्नलिखित सूची देते हुए एक लिखित विवरण प्रस्तुत करेगी—-
 - (क) अपने प्रधान अधिकारियों के नाम और अधिकृत पदनाम;
 - (ख) कंपनी के निदेशकों के नाम और रिहायशी पते; और
 - (ग) उप पैराग्राफ (i) में निर्दिष्ट विवरणियों पर कंपनी की ओर से हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत अधिकारियों के नमूने के हस्ताक्षर ।
 - (ii) इस उप पैराग्राफ के उप खंड (i) में दी गयी सूची में यदि कोई परिवर्तन किया जाए तो उसकी सूचना ऐसा परिवर्तन किये जाने की तारीख से एक महीने के भीतर रिजर्व बैंक को दी जाए।"
- XII पैराग्राफ 14 में "कलकत्ता-1" शब्दों के बाद "या उक्त विभाग के किसी कार्यालय, जिसको उन्हें भेजने का निदेश दिया गया हो", शब्द जोड़ दिये जायें ।

XIII पहली, दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवीं अनुसूचियों के स्थान पर यहां दी गयी संबंधित अनुसूचियां प्रतिस्थापित किया जाए ।

एस० एस० शिरालकर, उप गवर्नर

गोपनीय

फार्म-एच०पी०

पहली अनुसूची

(तारीख 29 अक्तूबर, 1966 की अधिसूचना सं० डी०एन०बी०सी ।/ई०डी० (एस०)-66 का पैराग्राफ 13 देखें)

(इस फार्म के सभी भाग सभी किराया-खरीद वित्तीय कम्पनियों तथा उन सभी पारस्परिक लाभयाली वित्तीय कम्पनियों, जो अपने प्रमुख कारोबार के रूप में किराया-खरीद के लेन-देन करती हों या ऐसे लेन-देनों की वित्तीय सहायता करती हों, द्वारा भरे जाएं)

भाग I

किराया खरीद का कारोबार करने वाली या उसकी वित्तीय सहायता करने वाली कम्पनियों के पास 31 मार्च, 197 को रहने वाली जमाराशियां

			61 30 3141 431 31341
संकेत सं०	(1)	कंपनी का नाम	
	-(2)	पूरा पता	
		(क) पंजीकृत कार्यालय -	
		-	
		-	
		(ख) *प्रधान/प्रशासी कार्यालय -	
	(3)	किस राज्य में कम्पनी पंजीकृत है	
	-(4)	हैसियत* : निजी/सार्वजनिक समिति कम्पन	ी/विदेशी कम्पनी की शाखा
	(5)	कम्पनी की पंजीकरण संख्या	
	(6)	(क) स्थापना की तारीख	
		(ख) कारोबार प्रारंभ होने की तारीख	
	(7)	कम्पनी का वित्तीय वर्ष	
	(8)	कम्पनी के बैंकर(रों) का (के)	
		नाम और पता	
		*जो लागून हों उसे काट दें।	
		•	

नोट:—इस विवरणी को भरने के बाद मुख्य अधिकारी, गैर-बैंकिंग कम्पनी विभाग रिजर्व बैंक आफ इंध्या, 15, नेताजी सुभाष रोड, पोस्ट बाक्स सं० 571 कलकत्ता-1 के पास भेजा जाए।

फार्म के भाग-I को भरने के लिए अमृदेश

- 1. 31 मार्च तक की कम्पनी की स्थिति के संबंध में इस भाग की विवरणी साल में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए चाहे कम्पनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कुछ भी क्यों न हो।
- 2. वार्षिक लेखा परीक्षा को अन्तिम रूप देना/समाप्त करना जैसे कारणों से विवरणी को पेश करने में विलम्ब नहीं होना चाहिए। कंपनी की लेखा बहियों में उपलब्भ आकड़ो के आधार पर विवरणी का संकलन किया जाना चाहिए।
- 3. किसी ऐसी कम्पनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेश करनी है, किन्तु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फंड कारोबार भी करती है, चिट या कुरी करारों के अभिदानों के रूप में प्राप्त राशि को जमा राशि के रूप में नहीं समझा जाएगा; देखिए गैर बैंकिंग विसीय कम्पनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली 1966 के पैराग्राफ 2(1)(च) का खन्ड (vii)।
- 4. तारीख 29 अक्टूबर, 1966 की अधिसूचना संज्डी ब्रिंग विश्वित ।/ईब्डीब्रिंग (एसब्)-66 के पैराग्राफ 2(1)(च) में उल्लिखित कतिषय अपवादों को छोड़ कर गैर जमानती उधारों को जमाराशियों के रूप में माना जाता है।
- 5. भूतपूर्व प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोषपालों द्वारा, यदि कोई हों, गारंटीकृत गैर जमानती ऋणों को जमा राणियों के रूप में माना जाता है। यदि उपर्युक्त गैर जमानती ऋणों को अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ) में उल्लिखित और इस भाग के खण्ड (i) के संकेत सं० 1 के अधीन वर्गीकृत जमाराशियों के रूप में स्वीकार करना है तो उन्हें निम्नलिखित मानदण्डों को पूरा करना होगा:---
 - (क) ऋणकर्ता कम्पनी को वचनपत्नों द्वारा या ऋण करारों को प्रामाणित करनेवाले पत्नाचारों द्वारा उन्हें प्रमाणित करना चाहिए,
 - (ख) कम्पनी के भूतपूर्व प्रबन्ध एजेंटों या सिवबों और कोषपालों द्वारा, यदि कोई हों, अपनी वैयक्तिक हैसियत से इन ऋणों की वापसी अदायगी के लिए गारंटी दी जानी चाहिए, और
 - (ग) इन ऋणों को कम्पनी की बहियों में सावधि ऋण लेखों में रखना चाहिए। ऋणों की आंशिक वापसी अदायगी की जा सकती है; किन्तु नये ऋणों की राशि उसी लेखे में स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।

यदि उपयुक्त कोई गैर जमानती ऋण उक्त तीन मानदण्डो में से किसी की पूर्ति न करेतो उसे अधिसूचना के पैराग्राफ 3 $(1)(\mathbf{u})(\mathbf{ii})$ में उल्लिखित जमा राशि के रूप में माना जाए और इस कारण उसे यथास्थिति इस भाग के खड (\mathbf{i}) में संकेत सं० 6 या 7 के अधीन वर्गीकृत किया जाए।

- 6. फिलहाल लागू रहनेवाली किसी साहकारी विधि के अधीन पंजीकृत व्यक्ति से स्वीकृत ऋणों को, यदि वे उपर्युक्त अनु-देश सं० 5 के (क) और (ग) में उल्लिखित मानवण्डों की पूर्ति करें तो 'जमाराशि' की परिभाषा से छूट दी जाती है।
- 7. लेखों की संख्या वास्तविक अंकों में दी जानी चाहिए और जमाराणि का उल्लेख हजार रुपयों में किया जाना चाहिए। राशि को निकटतम हजार में पूर्णीकित करना चाहिए और तीन णून्यों को हटा देना चाहिए। उदाहरण के लिए रु० 4,560 की 5 के रूप में दिखाना चाहिए, न कि 4.6 या 5000 के रूप में।
- 8. विवरणी के इस भाग के खण्ड (iii) में जमा राशि प्राप्त करने के लिए अदा की गयी दलाली को ब्याज-दर में जोड़ना नहीं वाहिए, किन्तु सारणी के अन्त में पाद टिप्पणी में उसका उल्लेख कर देना चाहिए।
- 9. प्राप्त की गई कोई ऐसी रागि जिसे विभिष्ट रूप से तारीख 29 अक्तूबर, 1966 की अधिसूचना सं० डी०एन०बी०सी०-1/ई० गी०(एस०)-66 के पैराग्राफ 2(1) (च) के उपखण्ड (i) से लेकर (xiii) में उल्लिखित 'जमा रागि' से अलग किया गया है, विवरणी के इस भाग के खण्ड (i),(ii) और (iii) की मद III के अन्तर्गत विभिन्न संकेत संख्याओं के अधीन वर्गीकृत की जानी चाहिए।

न्यास के रूप में प्राप्त राशि, माल की सप्लाई या सेवाओं के लिए प्राप्त पेशगी रकम, ठेकेदारों से प्राप्त जमानत राशि और अन्य छूट प्राप्त राशियों को विषरणी के इस भाग के खण्ड (i) में सं० 10 से 17 तक के संकेतों में से किसी भी संकेत के अन्तर्गत वर्गी-कृत नहीं किया जासकता; किन्तु उन्हें उसी खण्ड के संकेत सं० 18 के अन्तर्गत दिखाया जाए।

- 10. विवरणी के इस भाग के खण्ड (ii) में उल्लिखित जमाराशियों का अवधिवार वर्गीकरण उन अवधियों के अनुसार जिनके लिए वे मूलतः प्राप्त की गई हैं पहले नवीकृत की गई हैं और निक उन अवधियों के अनुसार जहां तक उन्हें 31 मार्च अर्थात् विवरणी की तारीख से जारी रहना चाहिए, मद I और II के अधीन विभन्न संकेत संख्याओं के अन्तर्गत किया जाना चाहिए । जिन राशियों की समाप्ति की अवधि निर्दिष्ट नहीं हो या जो राशियां किस्तों में चुकायी जानी हों, उन्हें उपर्युक्त मदों के अधीन कमशः संकेत सं 10 के अन्तर्गत दिखाना चाहिए और तस्संबंधी परिस्थित की उचित व्याख्या पाद टिप्पणियों में दी जानी चाहिए ।
- 11. जमाराशियों, छूट प्राप्त उधारों और ब्याज रहित प्राप्तियों को इस भाग के खण्ड (iii) में यथास्थिति मद I, II और III के अधीन क्रमण: संकेत सं० 1, 8 और 15 के अन्तर्गत वर्गीकृत करना चाहिए।
- 12. केवल उन्ही प्रारक्षित राशियों को जिन्हें कम्पनी के तुसन पन्न में इस प्रकार दिखाया या प्रकाशित किया गया हो कि किसी सामान्य या अनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए रख लिया जाता है, 'अवाध प्रारक्षित निधियों' के रूप में माना जाए और विवरण के इस भाग के खण्ड (iv) और (v) में दिखाया जाए। किसी ऐसी दूसरी प्रारक्षित निधियों को जिसे लेखा परीक्षित तुलन पन्न में इस प्रकार

दिखाया गया हो कि उसे किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए अलग रखा गया है, हिसाब में नहीं लेना चाहिए चाहे उसके निर्माण का वास्तविक उद्देश्य कुछ भी क्यों न हो। निम्निविखित प्रारक्षित निधियों को सामान्यतः अबाध प्रारक्षित निधियों के रूप में माना जाता है :--

- (i) सामान्य प्रारक्षित निधि
- (ii) पूजीगत प्रारक्षित निधि
- (iii) प्रजीगत मोधन प्रारक्षित निधि
- (iv) आकस्मिक प्रारक्षित निधि
- (v) सांविधिक विकास छुट प्रारक्षित निधि या विकास छूट प्रारक्षित निधि
- (vi) शेयर प्रीमीयम लेखे मे जमा
- (vii) सामान्य प्रारक्षित निधि के रूप में विद्यमान अधिशोष
- 13 अधिसूचना के पैराग्राफ 13(2)(1) की अपेक्षा के अनुसार कम्पनी के प्रमुख अधिकारियों के नामों और पदनामो तथा निदेशकों के नामो और पतो की सूची संलग्न की जानी चाहिए यदि उक्त सुची अब तक रिजर्व बैंक आफ इंण्डिया को भेजी नही गयी हो ।
- 14. जब तक अन्यथा कोई सकेत न दिया जाए गैर बैकिंग विसीय कम्पनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 में दी गयी परिभाषाणं, जहां तक वे संगत हों, लाग होगी।
- 15. विवरणी पर (कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 2 में दी हुई परिभाषा के अनुसार) प्रबन्धक को हस्ताक्षर करने चाहिएं और यदि कोई ऐसे प्रबन्धक न हो तो उसपर प्रबन्ध निदेशक या कम्पनी के किसी ऐसे अधिकारी को जिसे निदेशक बोर्ड ने इस उद्देण्य के लिए विधिवत् प्राधिकृत किया हो और जिसके नमुना हस्ताक्षर रिजर्व **बै**क को पेश किये गये हों, हस्ताक्षर करने चाहिएं। यदि नमुना हस्ताक्षर निर्धारित कार्ड मे नही दिये गये हो तो विवरणी पर प्राधिकृत अधिकारी हस्ताक्षर कर सकते हैं और उनके नमना हस्ताक्षर अलग में पेश किये जा सकते हैं।
- 16. यदि विवरणी के किसी भाग /अनुभाग में कोई भी सूचना नहीं देनी है तो उसमें 'कुछ नहीं' लिखा जाना चाहिए और उसके साथ जो गये प्रबन्धक/प्रवन्ध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के प्रमाण-पत्न पर यथाविधि हस्ताक्षर किये जाने चाहिएं।

खाण्ड (I)

	बकाया जमा राणियां आदि		31 मार्च, 197 को
मंकेत स०	जमा राणियो, छूट प्राप्त उधारो और प्राप्तियो के प्रकार	लेखों की संख्या	राशि (हजार रुपयों में)
	। अधिस्चना के पैराग्राफ 3(1)(घ) और 3(1)(घ)(i)		هي المدافعة و بحد فحد الحد الحد الحد الحدد الحدد الحداث الأخراق والبروح والمرافعة والعداد
	मे उल्लिखित जमा राणि वर्ग		
1. (কা)	भूतपूर्व प्रबन्ध एजेंटों या सचियो और कोषपालो द्वारा गारंटी- कृत ऋणों के रूप में प्राप्त जमा राशिया		
2. (ख)	गैंट जमानती डिबेंचर		
, ,	सदस्य *(जो निजी मीमित कम्पनी के सदस्य नही होते) से		
- (' /	प्राप्त गैर जमानती ऋणो सहित जमा राशियां		
4. (ঘ)	निदेशकों द्वारा अपनी निजी हैसियत में गारंटीकृत गैर जमानती		
` '	ऋणों सहित जमा राशियां		
			د است النام النام وسر وسر إسم شد شد فصف نا النام فجه وست ود النام النام وسر وست
5. (ङ)	जोड़ (क-⊢ख ¦ग !-घ)		
			پ ند بد و ۱۶۰۰ ند و د و و و و و و و و و و و و و و و و
j	U अधिसूचना के पैराग्राफ3(1)(घ) (ii) में उल्लिखित जमा राणिवर्ग		
6. (च)	सावधिक जमा राणियां		
(चेच)	सहयोगी सदस्यो से प्राप्त जमाराशियां £		
7. (ভ)	कोई दूसरी जमा राशियां		
8. (ज)	जोड़ (च+छ)	ومناسف بساوره وفي ويه فنه ويو 660 ساور واست	The state of the s
o (1)	। (॥) च्या च्योज		رسين البحد المستقدات الشد البادر البدر البدر البدر البدر البدر بابد ، برد ، برد ، برد البدر البدر البدر البدر
΄a· (τ).	$+(\mathrm{II})$ काजोड़		

III छूट प्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें जमा राशियों के रूप में नहीं माना जाता [अधिस्थनों के पैराग्राफ 2(1) (च) (i) से (xiii) तक देखें]

- 10. (झ) भूतपूर्व प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोषणालों, यदि कोई हों, से प्राप्त राणि
- (ञ) निर्देशकों से प्राप्त राशि**
- 12. (ट) निजी सीमित कम्पनी के मामले में सदस्यों * से प्राप्त राशि
- 13. (ठ) कर्मचारियों से प्राप्त जमानत राणि
- 14. (ভ) কয়, বিকয় या अन्य एजेंटों से कारोबार के उद्देण्य के लिए प्राप्त राशि
- 15. (क) मिश्रित पूंजी कम्पनियों (उसी वर्ग की कम्पनियों को मिलाकर) प्राप्त राशि
- 16. (ण) जमानती उधार और बैंकों और अन्य निर्दिष्ट संस्थाओं से प्राप्त उधार
- 17. (त) विदेशी स्रोतों से प्राप्त राशि
- 18. (थ) अन्य छूट प्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें जमा राणियों के रूप में नहीं माना जाता
- 19. (द) ओड़ (इस सेथ तक)
- 20. IV उपर्युक्त I, II और III का जोड़

*ग्रहां प्रयुक्त किये गए शब्द 'सदस्य' से एक ऐसा व्यक्ति अभित्रेत हैं जो कम्पनी के शेयरों के धारक के रूप में पंजीकृत हो ।

**कृपया ध्यान दें कि ऐसे व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे ब्यक्ति से उधार लेकर या जमा राशि स्वीकार कर प्राप्त की गयी

निधियों से प्राप्त राशि को छूट नहीं दी आती [अधिसूचना का पैराग्राफ 2(1) (च)(ix) देखें]। उसकी राशि को इस वर्ग

में जोड़ने के पहले कम्पनी को उस व्यक्ति के इस आशय की एक घोषणा प्राप्त कर लेनी चाहिए।

£परस्पर साभवाली विसीय कम्पनियों के मामले में ही लागू होगा।

ৰুण্ड (II)

अमा राशियों. आधि की अवधि

31 मार्च, 197

को

	، ومن المد إمد إمد المدارس وجوجه المد بمدارس إمد المدارس المدارس المدارس وموسم ومدارس			,	·
सकेत	जमा राशियों, छूट प्राप्त उधारों	संकेत	जमा राशियों, छूट प्राप्त उधारों	लेखों की संख्या	राणि (ह्जार
सं ०	और प्राप्तियों के प्रकार	सं०	और प्राप्तियों की अवधि (अनुदेश		रुपयों में
			सं० 10 देखें)		

- त I भूतपूर्व प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोष-पालों, यदि कोई हों, द्वारा गारंटी कृत ऋणों के रूप में प्राप्त जमा राशियां, गैर जमानती द्विबेंचर, सदस्यों (जो निजी सीमित कंपनी के सदस्य नहीं होते) से प्राप्त गैर जमानती ऋणों सहित जमा राशियों और निदेशकों द्वारा गारंटी कृत गैर जमानती ऋणों सहित जमा राशियां
- मांग पर या नोटिस पर या अन्यथा
 महीने से कम अविध में प्रतिदेव
- 3 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 6 महीने से कम अविध में प्रतिदेय
- 6 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 12 महीने से कम अविधि में प्रतिदेय
- 4. 12 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 24 महीने से कम अविधि में प्रतिदेय
- 24 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 36 महीने से कम अविधि में प्रतिदेय

- 6. 36 महीने या उससे अधिक अगि। के बाद, परन्तु 60 महीने से कम अविध में प्रतिदेय
- 60 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय
- 1 से 7 तक का जोड़ [नोट सं० (i) देखें]
- 00 II जमा राशियां अर्थात् सावधि जमा राशियां और कोई दूसरी जमा राशियां
- 9. अति देय और/या अदावी
- 10. मांग पर या नोटिस पर या अन्यशा 6 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय; इनमें उपर्युक्त संकेत सं० 9 में उल्लिखित जमा राशियों शामिल नहीं हैं।
- 11. 6 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 12 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय
- 12. 12 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 24 महीने से कम अवधि में प्रतिदेग
- 13. 24 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 36 महीने से कम अवधि में प्रसिदेय
- 14. 36 महीने से या उससे अधिक अविधि के बाव, परन्तु 60 महीने से कम अविधि में प्रतिदेय
- 15. 60 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद प्रतिदेय
- 16. 9 से 15 तक का जोड़ [नोट सं० (ii) देखें]
- 000 III छूट प्राप्त ऋण और ऐसी प्राप्तियां जिन्हें जमा राशियों के रूप में नहीं माना जाता; अर्थात् निजी सीमित कम्पनियों के मामले में सदस्यों से प्राप्त उक्त ऋण और राशियां या निदेशकों या भूतपूर्व प्रवन्ध एजेंटों या सिचवों और कोषपालों से—यदि कोई हों—जमानत के रूप में कर्मचारियों से, ऋय, विऋय या दूसरे एजेंटों से प्राप्त उक्त ऋण और राशियों या मिश्रित पूंजी कम्पनियों से प्राप्त ऋण और अय्य सभी ऋण और प्राप्तियां
- 17. मांग पर था नोटिस पर या अन्यथा 6 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय
- 18. मांग पर या नोटिस पर या अन्यथा
 6 महीने या उससे अधिक अवधि
 के बाद, परन्तु 12 महीने से कम
 अवधि में प्रतिदेय
- 19. 12 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 24 महीने से कम अविधि में प्रतिदेय
- 20. 24 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 36 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय
- 21. 36 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 60 महीने से कम अविधि में प्रतिदेय

PART III—SEC. 4]	THE	GAZETTE	OF IN	DIA, M	ARCH 17,	1973	(PHALGUNA	26, 1894)	667
				60 महीने केबाद प्र	या उससे अ ।तिदेय	धिक अव	<u> </u>		
				17 से 22 त (नोट सं०	·				
0000 IV I, II और	III का ज	नोड़							
			((नोट सं∘ी	V देखें)				
(iií) संके	िसं० 16 ^ह त सं० 23	के जोड़ को खण्ड के जोड़ को ख	ड(i) के ण्ड(i)	संकेत सं० ८ के संकेत स	3 के जोड़ से मे गं० 19 से मे	ल खाना भल खान	चाहिए ।		<u>,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,</u>

जमा राशियों, आदि पर ब्याज दरें (दलाली शामिल नहीं हैं)

खण्ड (III) 31 मार्च को 197 को

संकेत सं०	जमा राशियों, छूट प्राप्त उद्यारों और प्राप्तियों के प्रकार	संकेत सं०	ब्याज दर	राशि	(हजार रुपयों में)
	भूतपूर्व प्रबन्ध एजेंटों या सिचवों और कोष- पासों, यदि कोई हों, द्वारा गारंटीकृत ऋणों के रूप में प्राप्त जमा राशियां, गैर जमानती डिबेंचर, सदस्यों (जो निजी सीमित कम्पनी के सदस्य नहीं होते) से प्राप्त गैर जमानती ऋणों सहित जमा राशियां और निदेशकों द्वारा गारंटीकृत गैर जमानती ऋणों सहित जमा राशियां जमा राशियां अर्थात् सावधि जमा राशियां और कोई दूसरी जमा राशियां	2. 5 3. 7 4. 9 5. 1 6. 1 7. 1 8. 5 9. 5 10. 7 11. 9 2	% और उससे कम % से अधिक, परन्तु 7% से कम % या उससे अधिक, परन्तु 9% से कम % या उससे अधिक, परन्तु 10% से कम 0% या उससे अधिक, परन्तु 12% से कम 2% या उससे अधिक से 6 तक का जोड़ % और उससे कम % से अधिक, परन्तु 9% से कम % या उससे अधिक, परन्तु 9% से कम % या उससे अधिक, परन्तु 9% से कम		
)% या उससे अधिक, परन्तु 12% सेकम 2% या उससे अधिक		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
		14. 8	से 13 सक का जोड़		
0 0 0 II	II छूट प्राप्त ऋण और ऐसी प्राप्तियां जिन्हें जमा राशियों के रूप में नहीं माना जाता; अर्थात् निजी सीमित कम्पनियों के मामले में सदस्यों से प्राप्त उक्त ऋण और राशियां या निदेशकों या भूतपूर्व प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोषपालों से—यदि कोई हों- जमानत के रूप में कर्मचारियों से ऋय, विक्रय या दूसरे GI/72	16. 5% 17. 7% 18. 9% 19. 10	% और उससे कम % से अधिक, परन्तु 7% से कम % या उससे अधिक, परन्तु 9% से कम % या उससे अधिक, परन्तु 10% से कम % या उससे अधिक, परन्तु 12% से कम		

एजेंटों से प्राप्त उक्त ऋण और राशियां या मिश्रित पूंजी कम्पनियों से प्राप्त ऋण और 21. 15 से 20 तक का जोड़ अन्य सभी ऋण और प्राप्तियां

000 IV I, II और III का जोड़

- नोट: (i) संकेत सं० 7, 14 और 21 के जोड़ को खण्ड (i) के ऋमशः संकेत सं० 5, 8 और 19 के जोड़ से मेल खाना चाहिए।
 - (ii) खण्ड (iii) की मद IV के जोड़ को खण्ड (i) की मद IV के जोड़ से मेल खाना चाहिए ।

खण्ड (IV)

अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1) (घ) और 3(1) (घ) (i) में उल्लिखित और मांग पर या नोटिस पर या 6 महीने से कम अवधि के बाद प्रतिदेय जमा राशि वर्गों के नियमन को दर्शाने वाला विवरण

(राशि हजार रुपयों में)

———को कारोबार समाप्त होने के समय की स्थिति उपर्युक्त जमा राशियों की कुल शुद्ध स्वाधिकृत निधियों का रकम (अर्थात् खण्ड (ii) के 25% (शुद्ध स्वाधिकृत निधियां संकेत सं० 1 और 2 का जोड़) याने चुकता पूंजी और अबाध प्रा-

युद्ध स्वाधकृत । नाध्या का 25% (मुद्ध स्वाधिकृत निधियां याने चुकता पूंजी और अबाध प्रा-रिक्षत निधि, यदि कोई हानि हुई हो तो उसके भेषांग को घटा-कर)

*कृपया बताइए कि क्या ऐसी जमा राशियों को अधिसूचना के पैरा-प्राफ 4(3) के अनुसार निय-मित कर दिया गया है। यदि नहीं किया गया है तो ऐसा न करने के कारणों को उल्लेख किया जाना चाहिए।

1

2

3

А

- 31 दिसम्बर 1971
- 31 मार्च 1973
- 31 मार्च 1974
- 31 मार्च 1975
 - नोट: *(i) यदि कुल अनियमित जमा राशियां कम्पनी की स्वाधिकृत निधियों के 25% से अधिक नहीं है तो ऐसी जमा राशियों को 1-4-1973 के पहले नियमित कर देना चाहिए।
 - (ii) यदि कुल अनियमित जमा राशियां कम्पनी की स्वाधिकृत निधियों के 25% से अधिक हैं तों उन्हें निम्न प्रकार नियमित किया जाए: (क) कम से कम शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के 25% के बराबर की जमाराशियों को 1-4-1973 के पहले, (ख) कम से कम शोष अंश के अधीश को 1-4-1974 के पहले और (ग) शोष अंश को 1-4-1975 के पहले।

खण्ड (V)

कम्पनी के लेखा परीक्षित तुलनपत्न के अनुसार इस विवरणी की तारीख की निकटतम तारीख की कम्पनी की तुलनात्मक स्थिति

	,		(राशि हजार रुपयों में)
विवरण	के तुलनपत्न के अव सार स्थिति	नु- 31-3-197 की विवरणी के अनुसार स्थिति	यदि कोई घट-बढ़ हुई हो तो उसके कारण स्थूल रूप से दिये जाएं
1	2	3	

ज—देयताएं

- 1. चुकता पूंजी
- 2. अबाध प्रारक्षित निधियां
- हानि का शेष यदि कोई हो
- 4. जमाराशियां*

1	2	3
	छूट प्राप्त ऋण/प्राप्तियां	
	- श्रुट - प्राप्त - ऋण/प्राप्तया आस्तियां	
	ऋण और अग्रिम	
7.	शेयरों, डिबेंचरों और अन्य	
	प्रतिभूतियों (बही मूल्य)	
	में निवेश	
	किराया खरीय अग्रिम	
9.	भूमि या मकानों की खरीद	
	की वित्तीय सहायता करने	
	के लिए ऋण	
10.	आय का मुख्य स्त्रोत	
	(विवरणों सहित)	
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
	*31 मार्च 197 को स	भाष्त हुए वर्ष के दौरान कुल अधिकतम जमाराणि और सम्बन्धित सारीख नीचे दी जाए :
	(i) वर्ष केदीरान आ	धकतम जमाराशियां ————————————————————————————————————
	(ह्रजार रुपयों में)	
	(ii) किस तारीख को	उपर्युक्त अधिकतम राशि थी ————————
	@खण्ड (i) के संकेत सं०	9 का जोड़ यहां दर्शाया आए।
	£खण्ड (i) के संकेत सं०	19 का ओड़ यहां दर्शाया जाए।
		प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्न :—
		यह प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी के इस भाग में दी गयी जमाराशियां कम्पनी की कारोबार
	,	सम्बन्धी वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्राप्त की गई या नवीकृत की गयीं।
	(2)	यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना के पैराग्राफ 2(1)(च)(ix) के परंतुक के अनुसार निदे-
I	(~/	शकों और सदस्यों ** ह सिखित रूप में ये घोषणाएं प्राप्त की गयी हैं कि उन्होंने कम्पनी को
- 1	ĺ	किसी दूसरे व्यक्ति से उधार लेकर या जमाराशियां स्वीकार कर प्राप्त की गयी निधियों से
Ì		रकम नहीं दी है।
Ì		
_	J	
	(3)	यह प्रमाणित किया जाता है कि कम्पनी ने जमाराशियों की अभ्यर्थना करते समय अधिसूचना के
[- 	पैराग्राफ 5(1) के उपबन्धों का पालन किया है।
[{	
1		
1_		
	-	
	(4)	यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना के पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ 2 में निर्धारित प्रणाली
		से 1 जनवरी 1973 को या उसके पहले जमाराशियां स्वीकार की गयीं हैं, नवीकृत की गई हैं
	, ,	या परिवर्तित की गयीं हैं।
	(5)	यह प्रमाणित किया जाता है कि कम्पनी ने अधिसूचना के पैराग्राफ 6 की अपेक्षाओं का पालन
		किया है।
	(e)	यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना के पैराग्राफ 7 में बतायी गयी प्राणाली से जमाराशियों
		की बहियां रखी गयीं हैं।
	(7)	यह प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी के इस भाग में पेश किए गए विवरणों/जानकारी का सत्या-
	,	पन किया गया है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और संपूर्ण हैं।
तारी	ख	प्रबन्धक/प्रबन्ध निवेशक/अधिकृत/अधिकारी के हस्ताक्षर*
••		(जो प्रमाणपत्र लागून हो उसे काट दें)
		्या प्रमाणपत्र लागून हा उस काट द <i>)</i> नाम : ———————————————————————————————————
	•	पदनाम : ———————————————————————————————————
विवर	णी के अनुलग्नक:—	Contract of the second of the
		ग पहले ही भेजे न गये हों तो उन्हें विवरणी के साथ पेश किया जाए । संलग्न ४स् तावेज के लिए सम्यन्धित
मद	के सामने चौकार में निश	नि लगा दें और अन्य मामलों में पेश किये जाने की तारीख का उल्लेख करें।
		and the second of the second o

संकेत सं० देने वाले का नाम जांच करने वाले का नाम पंच करने वाले का नाम सक्ष्यापन करने वाले का नाम

*जो लागू न हो उसे काट दें।

भाग II किराया खरीद के काराबार के विवरण (कृपया फ़ार्म के इस भाग को भरने के पहले निम्नलिखित अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें)

अन्देश

1. इस भाग के खंड (ii) की विवरणी कंपनी की 31 मार्च की स्थित के संबंध में 30 जून के पहले साल में एक बार पेश की जानी चाहिए। यदि कंपनी का वित्तीय वर्ष दूसरा हो तो खंड (ii) की विवरणी 31 मार्च की निकटतम तारीख को समाप्त होनेवाले कंपनी के वित्तीय वर्ष के संबंध में पेश की जाए; पहले छः महीने और दूसरे छः महीने को या निदेशों में वी गयी परिभाषा के अनुसार छमाही अवधि को) इस वर्ष की दो छमाहियों के रूप में माना जाएगा। इस प्रकार जिस कंपनी को 31 मार्च 1973 तक की अपनी विवरणी पेश करनी हो और जिसका वित्तीय वर्ष 31 विसंबर 1972 को समाप्त होता हो उसे केवल उपर्युक्त वित्तीय वर्ष (31 मार्च 1973 की निकटतम तारीख) के संवर्भ में, और न कि 31 मार्च 1973 के संवर्भ में इस खंड को संकलित करना होगा। इसके अलावा, वर्तमान वर्ष और पिछले वर्ष के अंत में विद्यमान बकाया ऋण 31 मार्च 1973 और 31 मार्च 1972 के स्थान पर कमशः 31 दिसंबर 1972 और 31 दिसंबर 1971 की स्थित से संबंधित हो और मंजूर किया गया नया ऋण 1 जनवरी 1972 से 31 दिसंबर 1972 तक की पूरी अवधि से संबंधित हो। वो छमाहियों में प्राप्त की गयी किस्तों 30 जून 1972 और 31 दिसंबर 1972 की स्थित से संबंधित हो। वो छमाहियों में प्राप्त की गयी किस्तों 30 जून 1972 और 31 दिसंबर 1972 की स्थित से संबंधित हो।

2. वर्तमान वर्ष के अंत के बकाया रहनेवाले ऋण की राशि पिछले वर्ष के अंत में विद्यमान बकाया ऋण और वर्तमान वर्ष के दौरान मंजूर किये गये नये ऋण में से दो छमाहियों के दौरान प्राप्त की गयी किस्तों की राशि को घटाने के बाद निकलनेवाले आंकड़ों के बराबर हो।

^{**}केवल निजी सीमित कम्पनियों के मामले में लागू है।

- 3. यह विवरणी जब पहली बार पेश की जा रही हो तब इस भाग के खंड (i) में दिये गय प्रश्नों के उत्तर क्यौरेयार दिये जाने चाहिए; उसके बाद यदि कोई परिवर्तन किया गया हो या कोई अतिरिक्त जानकारी हो तो केवल उसका उल्लेख किया जाए।
- 4. ऐसी किसी कंपनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेश करनी हो परंतु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फंड कारोबार भी करती हो किराया खरीद के लेनदेनों या ऐसे ऋणों को जिन्हें चिट फंड की आस्तियों के रूप में माना जाता हो, शामिल करने की आवश्यकता नहीं है।

खंड (1)

प्रक्तावली

(कृपया उपर्युक्त अनुवेश 3 देखें)

(अ) प्रश्न

(आ) उत्तर

- 1. क्या आपकी कंपनी किसी निर्माण कंपनी की सहायक कंपनी है या अन्यथा किसी निर्माण या व्यापार प्रतिष्ठान से संबद्ध है ? यदि ऐसी हो तो अत्यंत संक्षेप में ऐसी कंपनी के आवश्यक विवरण दिये जाएं।
- 2. आपकी कंपनी किराया-खरीद के आधार पर जिस माल का लेनदेन करती हो उसके स्कूल प्रकारों का उल्लेख किया जाए (अर्थात् मोटरगाड़ियां, टिकाऊ घरेलू वस्तुएं आदि)।
- 3. (क) अधिकांण लेखों के किराया-खरीद ऋणों के लिए आपकी कंपनी द्वारा सामान्यतः लिये जानेवाले एकसी (फ्लैट) ब्याज* (प्रतिणत वार्षिक) की दर (एक समान)* क्या है?
 - (ख) अधिकांश लेखों के कियाया खरीद ऋणों के लिए आपके द्वारा ली जानेवाली वास्तविक व्याज दर** (प्रतिशत वार्षिक) क्या है ?
 - (ग) क्या आप किराया-खरीद ऋण का वितरण ब्याज के लिए कोई अग्रिम कटौती किये बिना करते हैं ?
 - (घ) किन समयांतरों में आप ब्याज की वसूली करते हैं?
- 4. माल के किराया खरीद संबंधी बिक्री मूल्य में ब्याज के अलावा और कौन से प्रमुख प्रभार शामिल किये जाते हैं? (किराया खरीद करनेवालों के साथ किये गये करार के फार्म की एक प्रतिलिपि यदि इसके पूर्व पेश न की गयी हो तो अब हमारे पास भेजी जाए)
- 5. आपकी कंपनी जिस आधार पर किराया खरीद करनेवाले की तत्काल अदायगी की राशिया नकदी जमाराशि निर्धारित करती है? यदि यह संबंधित माल विक्री मूल्य का कोई निर्धारित प्रतिशत हो तो कृपया उस प्रतिशत का उल्लेख करें।
- 6. क्या आप किराया खरीद करनेवालों से ली गयी नकदी जमाराशि या तत्काल अदायगी पर ब्याज अदा करते हैं। यदि हां तो कृपया दिये जानेवाले ब्याज की वर (प्रतिशत वार्षिक) का उल्लेख करें।
- पूंजी और प्रारक्षित निधि और किराया-खरीदारों की जमाराशियों के अलावा आपके कारोबार की निधियों के दूसरे स्रोत क्या हैं?

^{*}ब्याज की एक सी (फ्लैट) दरका अर्थ वह दरहै जो मंजूर की गयी किराया-खरीद की पूरी राग्नि पर लगायी गयी हो, न कि देय रहनेवाली घटती, ई बकाया राणि पर लगाई गयी ब्याज दर है।

^{**}ब्याज की सही दर का अर्थ समय समय पर बकाया रहनेवाले ऋण की <mark>वा</mark>स्तविक राशि पर लगायी गयी ब्याज की दर है ।

खंड II

31 मार्च 197 को समाप्त हुए वर्ष के लिए किराया खरीद कारोबार (कृपया अनुदेश सं० 1 देखें)

(राशि हजार रुपयों में)

संकेत सं ०	किराया खरीद के माल	31 मार्च को समा चालू वर्ष मंजूर वि नया	प्त हुए के दौरान च्या गया	31 मार्च 197 को समाप्त हुए पिछले वर्ष के अंस में बकाया ऋण	चालू वर्ष	माप्त हुए ं की दो ों के दौरान	को सम् चालू वर	र्व 197 नाप्त हुए र्षे के अंत नया ऋण	(कृपया अनुदेश 2 देखें)
		राशि	करार की	रामि	30 सितंबर	31 मार्च		राशि	
			अवधि		राशि	राशि		٠.	
1	2	3	4	5	6	7	-	8	
	 (क) मोटर गाड़ियां	<u> </u>				· 			
01	ं (i) ट्रक ००० और लारियां								
02	(ii) कार								
03	(iii) स्कूटर								
04	(iv) अन्य								
	(ख) टिकाऊ घरेलू वस्तुएं								
001	(i) रेडियो रिसीवर								
002	(ii) पंखे								
003	(iii) रेफ़ीजरेटर							,	
004	(iv) सिलाई की मशीनें								
005	(v) अन्य								
010	(ग) कृषि-उपकरण : (ट्रैक्टर, बुलडोजर आदि)								
020	(घ) औद्योगिक मशीनें या औजार या उद्योग के काम आनेवाले उपकरण								
030	(ङ) अन्य सभी								
040	जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ)								

^{**}प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्न : यह प्रमाणित किया जाता है कि खंड (i) और (ii) के अंतर्गत कंपनी के किराया-खरीद कारोबार के जो आंकर्ड़ें दिये गये हैं उनका सत्यापन किया गया है और य**ह** पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और संपूर्ण हैं।

**प्रबधंक/प्रबंध निदेशक/ प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

नामः पदनामः

सारीख:

^{*} क्रुपया अधिसूचना का पैराग्राफ II देखें।

^{**} जो लागून हो उसे काट दें।

खंड (III)--(1) जमाराशियों और (2) नकदी आस्तियों के विवरण

(जमाराशियों और नकदी आस्तियों अर्थात् निम्निलिखित (1) और (2) के विवरणों के अधीन उस वर्ष के जिसके लिए विवरणी पेश की जाती हो, 31 मार्च को समाप्त हुए 12 महीनों की अविध के लिए प्रत्येक महीने के अंत में रहनेवाले आंकड़े दिये जाएं।)

(राशि हुआर रुपयों में)

संकेत						पिछल	ा वर्ष				
संख्या			अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अ ग स्त	सितंबर	अक्सूबर	नवंबर	दिसंबर
001	(2) (香)	जमाराणियां (अधिसूचना के पैराग्राफ 2 (1) (च) में परि- भाषित अर्थात् भाग I के खंड (i) के संकेत सं० 9 का जोड़ नकदी आस्तियां* नकदी में अनुसूचित बैंकों के चाल् या किसी अन्य जमा लेखे में, जो किसी		, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,							
3	(¶)	प्रभार या गहन से मुक्त हो। केंद्रीय सरकार या राज्य सरकारों की भारमुक्त प्रतिभूतियों में या दूसरी ऐसी भारमुक्त प्रतिभूतियों में जिनमें कोई न्यासी न्यास धन का निवेश करने के लिए हकदार हो।									

***प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्न : यह प्रमाणित किया जाता है कि जमाराशियों और नकवी आस्तियों के आंकड़ों का सत्यापन किया गया है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और संपूर्ण हैं।

*कृपया अधिसूचना का पैराग्राफ़ 10 देखें।

**जो लागू न हो उसे काट दें।

तारीख:

**प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर नाम :

पदनाम :

(रिजर्व बैंक आफ इंडिया के उपयोग के लिए स्थान)

अवधि	हैसियत	कारोबार	राज्य	
				संकेत सं० देनेवाले का नाम
				जांच करनेवाले का ुनाम
			!	पंच करनेवाले का नाम
				सत्यापन करनेवाले का नाम

भाग III

ऋणों और अग्निमों तथा निवेशों के विवरण (फार्म का यह भाग भरने के पहले निम्निखित अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

अनवेश

- कंपनी की 31 मार्च तक की स्थिति के संबंध में इस भाग की विवरणी साल में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए चाहे कंपनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कुछ भी क्यों न हो ।
- 2. वार्षिक लेखा परीक्षा को अंतिम रूप देने/समाप्त करने जैसे कारणों से विवरणी को पेश करने में, विलंब नहीं होना चाहिए। कंपनी की लेखा-बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विवरणी का संकलन किया जाना चाहिए।
- 3. इस विवरणी के उद्देश्यों के लिए किसी वर्ग से वही अर्थ लिया जाता है जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 373 की उपधारा (11) में दिया गया है।
- 4. वहीं उधारों को खंड (i) में दर्शाना नहीं चाहिए जब तक बही उधार के रूप में किया गया लेनदेन प्रारंभ से ही ऋण के रूप में नहीं।
- 5. खंड (i) के (IV) (6) में 'अन्य' के अंतर्गत उन पार्टियों के संबंध में अलग विवरण दिये जाने चाहिए जिन्हें कंपनी की अभिवत्त पंजी के 10% से अधिक ऋण या अग्निम प्रदान किये गये हों और वे बकाया हों।
- 6. इस विवरणी के उद्देश्यों के लिए सरकारी प्रतिभूतियों से वे प्रतिभूतियां अभिप्रेत हैं जो सरकारी ऋण अधिनियम, 1944 की धारा 2(2) के अंतर्गत "सरकारी प्रतिभृति" की परिभाषा में शामिल की गयी हैं।
- 7. किसी ऐसी कंपनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेश करनी हो, किन्तु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फंड का कारोबार भी करती हो, इनाम प्राप्त चिट अभिवाताओं से प्राप्त होनेवाली इनाम की राशि और चिट कारोबार को सुरक्षित ढांग से जलाने के लिए चिट फंडों के रजिस्ट्रारों को प्रभारित प्रतिभूतियों में निवेश की गयी राशि की सूचना विवरणी के इस भाग में देने की आवश्यकता नहीं है।
- 8. सभी शेयरों, डिबेंचरों और निवेश लेखे में या व्यापार स्टाक के रूप में रखी हुई अन्य प्रतिभूतियों के विवरण दिये आने चाहिए।
- 9. कंपनियों के शेयरों और डिबेंचरों में किये गय निवेशों को संबंधित कंपनी के प्रमुख कारोबार के अनुसार वर्गीकृत किया जाये।
- 10. अंशतः चुकता शेयरों का अंकित मूल्य संबंधित वर्ष के 31 मार्च को विद्यमान चुकता राणि हो। यदि शेयर बाजार में किन्हीं शेयरों का भाव नहीं बताया गया हो, तो प्रबंधक या प्रबंध निदेशक या निदेशक बोर्ड द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी या अन्य किसी सक्षम अधिकारी के द्वारा प्रमाणित मूल्य को 'बाजार मूल्य' स्तंभ के अंतर्गत शामिल किया जाय। दलालों के करारों में दर्शाया गया खरीद-मूल्य अथवा बिकी राशि (अंतरण शुस्क, मुद्रांक शुल्क और दलाली को छोड़कर) दिखाई जाये। तुलनपक्ष के लिए मूल्य-हास की जो व्यवस्था की गयी हो अथवा निवेशों को जो पुनर्मूल्यन किया गया हो उसका समायोजन न किया जाए बल्कि उन्हें विवरणी के अंत में पाद टिप्पणी में अलग से दिखाया जाए।

ऋण और अग्रिम

खंड (I)

बकाया ऋण और अग्निम (ऋणकर्ताओं के वर्गों के अनुसार वर्गीकृत)

31 मार्च 197 को

संकेत सं० पार्टी का नाम (राशि हजार रुपयों में)

- I. एक ही वर्गकी कंपनियां*
 - 1. 2.
 - 3.
 - 4.

आदि

- II. कंपनियां जो एक ही वर्ग की नहीं हैं*
 - 1.
 - 2.
 - 3.
 - 4.

आदि

- III. कुल कंपनियां
- IV. कंपनियों से भिन्न पार्टियां
 - 1. निदेशक
 - 2. भूतपूर्व प्रबंध एजेंट और भूतपूर्व सचिव तथा कोषपाल
 - ३. सदस्य
 - 4. मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य कर्मचारी
 - 5. खरीदने वाले, विक्रय करने वाले और दूसरे एजेंट
 - 6. अन्य (कृपया अनुवेश सं० 5 देखिए)
- V. 1 से 6 तक काजोड़
- VI. कुल जोड़ (III+V)

खंड (II)

बकाया ऋणों और अग्निमों का प्रतिभृतिवार वर्गीकरण

31 मार्च 197 को

(राणि हजार रुपयों में)

संकेत सं० प्रतिभृति

- I. खाद्य वस्तुएं
 - 1. धान और चावल
 - 2. गेह
 - 3. वालों को छोड़कर दूसरे अनाज
 - 4. चीनी
 - 5. गुड़
 - वनस्पति तेल
 - 7. अन्य सभी खाद्य वस्तुएं
- II. औद्योगिक कच्ची सामग्री
 - 8. मुंगफली
 - 9. दूसरे तिलहन
 - 10. वर्ष और कपास
 - 11. पटसन
 - 12. अन्य सभी औद्योगिक कच्ची सामग्री
- III. बागान उत्पाद
 - 13. चाय
 - 14. काफ़ी, काजू और अन्य बागान उत्पाद
- IV. निर्मित वस्तुएं और खनिज पदार्थं
 - 15. सूती वस्त्र
 - 16. जुट के बस्स
 - 17. दूसरे वस्त्र
 - 18. कोयला
 - 19. लोहा और इस्पात तथा इंजीनियरी वस्तुएं
 - 20. अन्य सभी निर्मित वस्तुएं
- V. दूसरी प्रतिभूतियां
 - 21. स्थावर सम्पति
 - 22. सोना और चांदी मुलियन तथा गहने
 - 23. बैंकों में सावधि जमाराशियां
 - 24. सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभृतियां
 - 25. मिश्रित पूंजी कंपनियों के शेयर और डिबेंबर
 - 26. अन्य सभी जमानती ऋण और अग्रिम
- VI, I से V तक का जोड़
- VII. गैर जमानती ऋण और अग्रिम
- VIII. उक्त VI तथा VII का जोड

^{*}कुनया निजी कंग्नियों के नाम तथा उनते शाध्य राशि का उड़ते**ज** निर्दिष्ट स्तंम में कीजिए । यदि स्थान पर्याप्त न हो तो एक पृथक कागज संखग्न किया जाए ।

खंड (III) बकाया ऋण और अग्निमों का उद्देश्यवार वर्गीकरण

31 मार्च 197 को

संकेत सं०

उद्देश्य

(राशि हजार रुपयों में)

- I. उद्योग अर्थात् पैराग्राफ 2(क्र) (i) में परिभाषित औद्योगिक संस्थान
- II. वाणिज्य अर्थात् थोक व्यापार, फुटकर व्यापार तथा फसलों और वस्तुओं की व्यापाही या परिवहन
- III. कृषि अर्थात् अनाज, वालें और कृषि पण्य
- IV. व्यावसायिक ऋण, अर्थात् व्यावसायिक कार्यकलापों या कारोबार की वित्तीय सहायता के लिए दिये गये ऋण
- V. व्यक्तिगत ऋण
- VI. अन्य सभी ऋण और अग्रिम
- VII. I से IV तक का जोड़

नोट: खंड (ii) की मद VIII और खंड (iii) की मद VII के जोड़ को खंड (i) की मद VI के साथ मेल खाना चाहिए।

निवेश खंड (IV)

बकाया निवेश

संकेत सं०

(कंपनियों की हैसियत के अनुसार वर्गीकृत अर्थात् वे एक ही वर्ग की है या एक ही वर्ग की नही है।)

31 मार्च 197 को

राणि हजार रुपयों में

I. एक ही वर्ग की कंपनियां*

- 1.
- 2
- 3.
- 4

आदि

II. कंपनियां जो एक ही वर्ग की नहीं है *

विवरण

- 1.
- 2.
- 3
- 4.

आदि

- III. **कंपनियों का जोड़ (I+II)
- IV. **अन्य निवेश (उदाहरणार्थं सरकारी तथा अन्य न्यासी प्रतिभूतियों में निवेश, बैंकों में रहने वाली सावधि जमाराणियां और भारतीय युनिट ट्रस्ट के युनिटों में निवेश)
- V. **可读 (III+IV)

^{*}कृपया व्यक्तिगत कंपनियों के नामों और उनमें लगायी गयी राशियों का निर्दिष्ट स्तंभ में उल्लेख कीजिए । यदि स्थान पर्याप्त न हो तो एक पृथक कागज संलग्न किया जाय ।

^{**}खंड (iv) की मद III, IV और V के जोड़ों को खंड (v) के कमशः संकेत संख्या 320, 410+500 और 600 के साथ मेल खाना चाहिए।

खंड (II) शेयरों, डिबेंचरों और अन्य प्रतिभृतियों के XXX निवेश

31 मार्च 197 को

संकेत सं० अ० कंपनियों के प्रमुख कारोबार के अनुसार वर्गीकृत उनके **गेयरों और** डिबेंचरों में निवेश

राशि (हजार रुपयों में)

. *अंकित *यही *बाजार मूल्य मूल्य मूल्य

1. बस्त्र उद्योग 100 101 (क) सूती वस्त्र (ख) जूटके वस्त्र 102 (ग) रेशम, रेयन और दूसरे कुलिम धार्ग 103 (घ) ऊनी वस्त्र 104 (জ) अन्य 105 2. चीनी 120 लोहा और इस्पात 130 4. अलोह धात् 140 5. बिजली उत्पादन और सप्लाई 150 6. इंजीनियरी 160 7. मोटरगाड़ियां और सहायक उपकरण 170 8. बिजली की मगीनें 180 9. परिवहन और बिजली की मशीनों को छोड़कर दूसरी मशीनें 190 10. परिवहन उपकरण 200 11. रासायनिक पदार्थ: 210 (क) मूल औद्योगिक रासायनिक पदार्थ 211 (ख) औषधीय तथा चिकित्सकीय पदार्थ 212 (ग) अन्य रासायनिक पदार्थ 213 12. खनन 220 (क) कोयला-खनन 221 (ख) अन्य खनन 222 13. कागज और कागज से बनी वस्तुएं 230 14. सीमेंट 240 15. खनिज तेल 250 16. माचिस 260 270 17. बागान (क) चाय 271 (ख) काफी 272 (ग) रबड़ 273 274 (घ) अन्य 18. वित्तीय कंपनियां : 280 (क) बैंक 281

(ख) बीमा कंपनियां

(ग) निवेश न्यास

20. नौवहन और दूसरे परिवहन

21. अ. अन्य कोई कंपनियां

(घ) अन्य

19. व्यापार

21. निर्माण

22. अकाओ कु

282

283

284 290

300

310

320

संकेत सं०	आ	॰ सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभृतियों में निवेश		रागि (हजार रुपयों में)			
			*अंकित मूल्य	*बही मूल्य	*बाजार मूल्य		
401	(i)	केंद्रीय सरकार के ऋण	-	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	····		
402	(ii)	राज्य सरकारों के ऋण					
403	(iii)	सरकारी बचत या वार्षिकी प्रमाणपत्न और दूसरे दायित्व					
404	(iv)	नगरपालिका ऋण और बिबेंचर					
405	(v)	पत्तन प्रबंध समिति के ऋण और डिवेंथ र					
406	(vi)	अन्य	,				
410		आ का जोड़					
500		इ० अन्य निवेश (उदाहरणार्थ वैंकों में रहनेवाली सावधि जमाराशियां और भारतीय यूनिट ट्रस्ट के यूनिटों में निवेश)					
600		अ+आ+इ का जोड़					

^{*}कृपया भाग III का अनुदेश सं० 10 पिक्ए।

यह प्रमाणित किया जाता है कि (i) से (v) तक के खंड में ऋणों, अग्निमों और निवेशों के जो आंकड़े दिये गये हैं उनका सत्यापन किया गया है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और संपूर्ण हैं।

**प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/

प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर:

नाम:

पवनाम:

तारीख:

**जो लागून हो उसे काट दें।

रिजर्व बैंक आफ़ इंडिया के उपयोग के लिए स्थान

अवधि	हैसियत	कारोबार	राज्य	
	<u> </u>			संकेत संख्या देनेवाले का नाम
				जांच करनेवाले का नाम
				पंच करनेवाले का नाम
				सत्यापन करनेवाले का नाम

गोपनीय

फार्म आई० सी०

दूसरी अनुसूची [कपया अधिसूचना सं०डी०एन० बी० सी०-1/ई० डी०(एस०)-66 तारीख 29 अक्तूबर, 1966 का पैराग्राफ 13 देखें]

(इसे उन सभी निवेश कंपनियों और सभी परस्पर लाभकारी विश्लीय कम्पनियों द्वारा भरा जाए जिनका प्रमुख कारोबार निवेश के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूतियों का अर्जन है)

^{**}प्रबंधक/प्रबंध निवेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणन्त्र :

		
	भाग-I	
	निवेश के प्रयोजनों के लिए प्रतिभृतियों का अर्जन करनेवा रहने वाली जमाराशियां।	ली कम्पनियों के पास 31 मार्चे, 197 को
संकेत (कोड) सं०	(1) कम्पनी का नाम	
	— (2) पूरा पताः (क) रजिस्टर्ड कार्यालय ———————————————————————————————————	
	(ख) *मुख्य/प्रशासकीय कार्यालय	
	-— (3) कम्पनी की रजिस्ट्री किस राज्य में हुई हैं : — (4) *हैसियत (स्टेट्स) :	निजी/सार्वेजनिक सीमित कम्पनी/ विदेशी
		कस्पनी की शास्त्रा
	(5) कम्पनी की रजिस्ट्री संख्या —————	
	(6) (क) निगमन की तारीख————————————————————————————————————	
	(७) कम्पनी का वित्तीय वर्ष (अनुदेश सं०-1 देखें)———————————————————————————————————	
	(8) कम्पनी के बैंकर (रों) का —————— नाम और पता	

नोट:--यह विवरणी तैयार करने के बाद, मुख्य अधिकारी, गैर वैंकिंग कम्पनी विभाग, रिजर्व बैंक आफ़ इंडिया 15 नेताजी सुभाष रोड, पोस्ट बाक्स सं० 571, कलकत्ता-1 को भेजी जानी चाहिए।

*जो कुछ लागुन हो उसे काट दें।

फार्म का भाग I भरने के लिए अन्देश

- 1. 31 मार्च को कम्पनी की जो स्थिति हो उसके सिलसिले में इस भाग की विवरणी वर्ष में एक बार 30 जून, के पहले पेश की जानी चाहिए, भले ही कम्पनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कोई भी क्यों नहो।
- 2. किसी भी कारण से इस विवरणी को पेश करने में विलंब नहीं किया जाना चाहिए, इन कारणों में वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा समाप्ति भी शामिल है। विवरणी का संकलन कम्पनी की बाहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाना भाहिए।
- 3. जिस कम्पनी के लिए यह विवरणी पेश करना आवश्यक है परन्तु जो अग्रणी के रूप में चिट फंड कारोबार भी करती है, उसके मामले में चिट या कुड़ी करारों के अधीन अभिदान के रूप में प्राप्त राशियां गैर जमाराशियां नहीं मानी जाएंगी; वैंकिंग वित्तीय कम्पनियां (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 के पैराग्राफ 2(1) (च) के खण्ड (vii) देखें।
- 4. अधिसूचना सं० ढी॰ एन॰ बी॰ सी॰-1/ई॰डी॰(एस॰)-66 तारीख 29 अक्तूबर, 1966 के पैराग्राफ 2(1) (च) में उल्लिखित कतियय अपवादों के साथ बे-जमानती (अनसिवयुर्ड) उधारों को जमाराशियां माना जाता है।
- 5. पहले के प्रबन्ध एजेंटों (मैनेजिंग एजेन्ट्स) या सिचवों और कोषाध्यक्षों,यदि कोई हों,व्वारा गारंटीकृत बे-जमानती ऋणों को जमाराशियां माना जाता है। उपर्युक्त बे-जमानती ऋणों को उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(ध) में उल्लिखित प्रकार की

जमाराशियां मानी जाने और इस भाग के अन्भाग (i) के संकेत संव 1 के अन्तर्गत वर्गीकृत किए जाने के योग्य होने के लिए उन्हें निम्नलिखित मानदंड पूरे करना चाहिए :—

- (क) उन साक्ष्य के रूप में या तो उधार लेने वाली कम्पनी द्वारा निष्पादित अचनपक्ष या ऋण के करार के साक्ष्य के लिए उनके और कम्पनी के बीच आदान प्रदान किये गये पक्ष होने चाहिए,
- (ख) यदि कम्पनी के पहले के प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, दवारा इन ऋणों की वापसी अदायगी (रिपेमेंट) की गांरटी दी गई हो तो वह उनकी व्यक्तिगत हैसियत से दी जानी चाहिए, और
- (ग) ये ऋणकम्पनी की बहियों में आवधिक ऋण लेखों के रूप में रखे गये दिखाये जाने चाहिए। इनकी आंशिक वापसी अदायिगयों के लिए अनुमति है परन्तु नयी राशियां एक ही लेखे में ऋण के रूप में नहीं ली जानी चाहिए।

यदि ऊपर उल्लेख किये गये प्रकार का बे-जमानती ऋण उपर्युक्त तीनों मानदंडों में से किसी को पूरा नहीं करता तो ऐसे मामले में उसे उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ)(ii) में उल्लिखित प्रकार की जमाराणि माना जाना चाहि एऔर उसे इस भाग के अनुभाग (i) में, यथास्थिति, संकेत सं० 6 या 7 के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।]

- 6. साहुकारी से संबंधित जो विधि फिलहाल लागू हो उसके अधीन रिजस्ट्रीकृत किसी व्यक्ति से प्राप्त ऋणीं को 'जमाराशि' पद (टर्म) से छूट दी गई है बशर्ते कि वे उपर्युक्त अनुदेश सं० 5 के (क) और (ग) में निर्दिष्ट मानदंडों को पूरे करते हों।
- 7. लेखों की संख्या वास्तविक आंकड़ों में दी जानी चाहिए जबिक जमाराशियों की रकमें हजार रुपयों में दी जानी चाहिए। राणि का निकटतम हजार में पूर्णांकन (राउंडेड ऑफ) किया जाना चाहिए और तीन शून्यों को छोड़ दिया जाना चाहिए। उदारणार्थ, 4,560 रुपयों की राणि 5 लिखी जानी चाहिए न कि 4.6या 5,000.
- 8. इस विवरणी के इस भाग के अनुभाग (iii) में जमाराशियां प्राप्त रकते के लिए अदा की गयी दलाली ब्याज की दर में शामिल नहीं की जानी चाहिए परन्तु वह सारणी के अन्त में पाद-टिप्पणी में दर्शायी जानी चाहिए।
- 9. प्राप्त हुई कोई भी ऐसी राशि जो अधिसूचना सं० डी०एन०बी०सी०-1/ई०बी०(एस०)-66 तारीख 29 अक्तूबर, 1966 के पेराग्राफ 2(1)(च) के उपखण्ड (i) से (iii) के 'जमाराशि' पद में विशेष रूप से शामिल नहीं की गयी है उसे इस विवरणी के इस भाग के अनुभाग (i), (ii), और (iii), में मद III के अन्तर्गत विभिन्न संकेत संख्याओं के सामने वर्गीकृत की जानी चाहिए।
 - न्यास के रूप में प्राप्त राशियां, माल या सेवाओं की पूर्ति के लिए प्राप्त अग्निम ठेकेदारों से जमानत के रूप में प्राप्त जमा-राशियां और छूट दी गयी ऐसी प्राप्त जमाराशियां जो उक्त विवरणी के इसभाग के अनुभाग (i) में संकेत सं० 10 से 17 में से किसी के अन्तर्गत वर्गीकृत नहीं की जा सकतीं, वे उसी अनुभाग के संकेत सं० 18 के सामने दर्शायी जानी चाहिए।
- 10. उक्त विवरणी के इस भाग के अनुभाग (ii) में दर्णायी जानेवाली जमाराशियों का अवधि के अनुसार वर्गीकरण मद I और II के अधीन विभिन्न संकेत संख्याओं के अन्तर्गत उन अवधियों के अनुसार किया जाना चाहिए जिनके लिए वे मूल रूप से प्राप्त हुई हों/उनका अन्तिम बार नवीकरण किया गया हो और निक उन अवधियों के अनुसार जो 31 मार्च, अर्थात उक्त विवरणी की तारीख से उनके जारी रहने के लिए बकाया हों। उन राशियों को उपर्युक्त मदों के अन्तर्गत कमण: संकेत सं० 1 और 10 के अन्तर्गत दर्शाया जाना चाहिए जिनकी पुगाई (मेच्योरिटी की अवधि निर्दिष्ट न हों या जिनकी वापसी अदायगी किंग्तों में की जानी हो और स्थित का समुचित स्पष्टीकरण पाद-टिप्पणियों में दिया जाना चाहिए।
- 11. जमाराशियों और छूट प्राप्त उधारों और जिन प्राप्तियों पर कोई ब्याज नहीं देना पड़ता, उन्हें, इस भाग के अनुभाग (iii) में यथास्थिति, मद I, II, और III के अधीन क्रमशः संकेत सं० 1 ,8 और 15 के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- 12. केवल उन रक्षित निधियों को 'मुक्त रक्षित निधियां'माना जाना चाहिए जिनको कम्पनी के तुलन-पत्न में किसी सामान्य या आनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए रखा गया दर्शाया या प्रकाशित किया गया हो और उक्त निधियों को विवरणी के इस भाग के अनुभाग (iv), और (vi) में दर्शाया जाना चाहिए। जिस किसी अन्य रक्षित निधि की लेखा परीक्षित तुलन-पत्न में दी गयी नामावली से यह संकेत मिलता है कि उसे किसी विशेष उद्देश्य के लिए अलग रखा गया है उसे हिसाब में नहीं लिया जाना चाहिए भले ही उसके निर्मित किये जाने का वास्तविक प्रयोजन कुछ भी क्यों न हों।

निम्नलिखित रक्षित निधियों को सामान्यतः मुक्त रक्षित निधियां माना जाता है:--

- (i) सामान्य रक्षित निधि
- (ii) पूंजी रक्षित निधि
- (iii) पूंजी प्रतिदान (रिडेम्पशन) रक्षित निधि
- (iv) फुटकर व्यय की रक्षित निधि
- (v) सांविधिक विकास छूट (रिबेट) की रक्षित निधि या विकास छूट (अलाऊस) की रक्षित निधि
- (vi) शेयर अधिमृल्य (प्रीमियम) लेखे में बकाया राशि
- (vii) सामान्य रक्षित निधि के स्वरूप वाला अधिशेष

- 3. जैसा कि इस अधिसूचना के पैराग्राफ 13(2) (I) के अनुसार आवण्यक है, यदि कम्पनी के प्रधान अधिकारियों के नाम तथा जनके आधिकारिक पदनाम तथा कम्पनी के निदेशकों के नाम और पते दर्शानेवाली सूची यदि अब तक रिजर्व बैंक आफ इंडिया को न भेजी गई हो तो वह इसके साथ नत्थी की जानी चाहिए।
- 14. जब तक इसके प्रतिकूल कोई संकेत न हो तब तक गैर बैं किंग वित्तीय कंपनियां (रिजर्व बैंक) निर्देशावाली, 1966 में निर्दिष्ट परिभाषाएं, ×× वहां तक लागु होंगी जहां तक वे संबद्ध हों।
- 15. इस विवरणी पर प्रबन्धक (जिसकी परिभाषा कम्पनी अधिनियम,1956 की धारा 2 में की गयी है) को हस्ताक्षर करना चाहिए और यदि ऐसा कोई प्रबन्धक न हो तो प्रबन्धक निदेशक या कम्पनी के ऐसे किसी अन्य अधिकारी को हस्ताक्षर करना चाहिए जिसे निदेशक बोर्ड ने यथाविधि प्राधिकृत किया हो और इस प्रयोजन के लिए जिसके नमूने के हस्ताक्षर रिजर्व बैंक को भेज दिये गये हो। यदि नमूने के हस्ताक्षर निर्धारित कार्ड में न भेजे गये हो तो इस विवरणी पर प्रधिकृत अधिकारी को हस्ताक्षर करने चाहिए और उसके नमूने के हस्ताक्षर अलग से भेजे जाने चाहिए।
- 16. यदि, विधरणी के किसी भाग/अनुभाग में कोई भी सूचना नहीं देनी है तो उसमें 'कुछ नही' लिखा जाना चाहिए और उसके साथ जोड़े गये प्रबन्धक/प्रबन्ध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के प्रमाण-पत्न पर यथाविधि हस्ताक्षर किये जाने चाहिए।

	अनुभाग I		
	बकाया, जमाराणियां आदि		31 मार्च, 197 को
संकेत असं०	जमाराशियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	लेखों की संख्या	राशियों (हजार रुपयों में)
2. 3. 4.	 I. अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1) (घ) और 3(1) (घ)(i) में उल्लिं जमाराशियां: (क) पहले के प्रबन्ध एजेटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों द्वारा गारंटी किये गये ऋणों के रूप में प्राप्त जमाराशियां (ख) बेजमानती डिबेंचर (ग) जमाराशियां जिनमें सदस्यों *(जो निजी सीमित कम्पनी के सदस्य न हों) से प्राप्त बेजमानती ऋण शामिल है। (घ) जमाराशियां जिनमें निदेशकों द्वारा अपनी व्यक्तिगत हैसियत से गारंटी दिये गये बेजमानती ऋण शामिल हैं। (ङ) जोड़ (क+ख+ग+घ) 	•	
7.	II. अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ) (ii) में उल्लिखित प्रकारों की जामाराणियां (घ) मीयादी जमाराणियां : चच) सहयोगी सदस्यों से प्राप्त जमाराणियां£ (छ) अन्य कोई जमाराणियां (ज) जोड़ (च十छ)		
9.	झ) $\mathbf{I} + \mathbf{II}$ का ओड़		

- IJI. छूट-प्राप्त उद्यार और प्राप्तियां जिन्हें जमाराशियां नहीं गिना जाता (अधिसूचना के पैराग्राफ $2(\mathbf{I})$
 - (च) (i) से (Xiii) तक देखें):
- 10. (जा) पहले के प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हो, से प्राप्त रकम
- 11. (ट) निदेशको ** से प्राप्त रकम
- 12. (ठ) निजी समिती कम्पनी के मामले में सदस्यों ** से प्राप्त रकम

- 13. (ड) कर्मचारियों से प्राप्त जमानत की जमाराशियां
- 14. (क) खरीद, बिक्की या अन्य एजेंटों स्त्रे कारोबार के उद्देश्यों के लिए प्राप्त रकम
- 15. (ण) मिश्रित पूंजी कम्पनियों से प्राप्त रकम (इनमें एक ही समूह की कम्पनियां शामिल हैं)
- 16. (त) जमानती उधार और बैंकों तथा अन्य निर्दिष्ट संस्थाओं से लिये गये उधार
- 17. (थ) विदेशी स्त्रोतों से प्राप्त रकम
- 18. (व) अन्य छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तिया जिन्हें जमाराशियां नहीं गिना जाता
- 19. (घ) जोड़ (ब्रासे द)

20. IV. उपर्युक्त I, II और III का जोड़

*यहां प्रयुक्त 'सदस्य' अभिव्यक्ति का तात्पर्य उस व्यक्ति से हैं जो कम्पनी में शेयर धारी के रूप में रिजस्टर है।

**कृपया यह नोट कर लें कि ऐसे व्यक्ति से प्राप्त ऐसी रकमें छूट-प्राप्त नहीं है जो उसने अन्य व्यक्ति से उधार लेकर या
जमाराशियां स्वीकार कर अर्जित की गयी निधियों में से दीं हो। (अधिसूचना का पैराग्राफ 2(1)(च)(ix) देखें)। उसकी रकम
इस प्रकार में शामिल करने के पहले कम्पनी को चाहिए कि उसने उससे इस आशय का घोषणा पक्ष प्राप्त कर लिया हो।

£परस्पर लाभवाली वित्तीय कंगिनयों के मामले में ही लागू होगा।

अनुभाग (II)

जमाराशियों आदि की अवधि

31 मार्च, 197 को

संकेत	जमाराशियों, छूट-प्राप्त
सं०	उधारों और प्राप्तियों के
	प्रकार

संकेत जमाराशियों, छूट-प्राप्त सं० उद्यारों और प्राप्तियों की अवधि (कृपया अनुदेश सं० 10 देखें) लेखों की संख्या राशियां (हजार रुपयों में)

- 0 I पहले के प्रबन्ध एजेंटों या सिववों और कोषा-ध्यक्षों, यदि कोई हों, द्वारा गारंटी किये गये ऋणों के रूप में प्राप्त कोई जमा-राशियां, बेंजमानती डिबेंचर, जमाराशियां जिनमें सदस्यों (जो किसी निजी सीमित कंपनी के सदस्य न हो) से प्राप्त बेजमानती ऋण शामिल हैं और जमाराशियां जिनमें निदेशकों द्वारा गारंटी किये हुए बेजमानती
- 3 महीनों से कम अविधि
 में मांग या सूचना (नो-टिस) पर या अन्यथा प्रतिदेय (रिपेएवल)।
- 3 महीने या उससे अधिक परन्तु 6 महीनों से कम अविधि के बाद प्रतिदेय
- 6 महीने या उससे अधिक परन्तु 12 महीनों से कम अविध के बाद प्रतिदेय
- 12 महीने या उससे अधिक परन्तु 24 महीनों से कम अविधि के बाद प्रतिदेय
- 5. 24 महीने या उससे अधिक परन्तु 36 महीनों से कम अविध के बाद प्रतिदेय

- 6. 36 महीने या उससे अधिक परन्तु 60 महीनों ये कम अविधि के बाद प्रतिदेथ
- 60 महीने या उससे अधिक अविध के बाद प्रतिदेय
- से 7 का जोड़ (नोट सं० (I) देखें)

00 II जमाराशियां अर्थातः निमादी जमाराशियां और अस्य कोई जमाराशियां

- कालातीत और/या अदावी (अनकेल्म्ड)
- 10. उपर्युक्त संकेत सं० 9 के सामने उल्लिखित जमाराशियों को छोड़कर 6 महीनों से कम अविध में मांग या सूचना (नोटिस) पर या अन्यथा प्रतिदेय
- 11. 6 महीने या उससे अधिक परन्तु 12 महीनों से कम अविधि के बाद प्रतिदेय
- 12. 12 महीने या उससे अधिक परन्तु 24 महीनों से कम अविध के बाद प्रतिदेय
- 13. 24 महीने या उससे अधिक परन्तु 36 महीनों से कम अविध के बाद प्रतिदेय
- 14. 36 महीने या उससे अधिक परन्तु 60 महीनों से कम अविध के बाद प्रतिदेय
- 15. 60 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद प्रतिदेय
- 16.9 से 15 का जोड़ (नोट सं० (ii) देखें)
- 000 III छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियाँ जिन्हें जमाराशियों में नहीं गिना जाता अर्थात निजी
 सीमित कम्पनियों के मामले में सदस्यों से या
 निदेशकों से या पहले के प्रबन्ध एजेंटों या
 सचियों और कोषाध्यक्षों यदि कोई
 हो, से प्राप्त, कर्षचारियों से प्राप्त जमानत
 की जमाराशियां, खरीद, विक्री या अन्य
 एजेंटों से प्राप्त या मिश्रित पुंजी कंपनीयों
- 17. 6 महीनों से कम अविधि में मांग या सूचना पर या अन्यथा प्रतिदेव
- 18. 6 महीने या उससे अधिक परन्तु 12 महीनों से कम अविध के बाद सूचना पर या अन्यथा प्रतिदेव

से लिये गये उधार और अन्य सभी छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां

- 19. 12 महीने या उससे अधिक परन्तु 24 महीनों से कम अविध के बाद सूचना पर या अन्यथा प्रतिदेय
- 20. 24 महीने या उससे अधिक परन्तु 36 महीनों से कम अविध के बाद सूचना पर या अन्यणा प्रतिदेय
- 21. 36 महीने या उससे अधिक परन्तु 60 महीनों से कम अविध के भाद सूचना पर या अन्यथा प्रतिदेय
- 22. 60 महीने या उससे अधिक अविध के बाद सूचना पर या अन्यथा प्रतिदेग
- 23. 17 से 22 का जोड़

[नोट सं० (iii)	देखें]		
			

0000IV I, II और III का जोड़ (नोट सं० IV देखें)

नोट :---(i) संकेत सं० 8 का जोड़** अनुभाग (i) के संकेत सं० 5 के जोड़ से मिलना चाहिए।

- (ii) संकेत सं 0 16 का ओड़ अनुभाग (i) के संकेत सं 0 8 के जोड़ से मिलना चाहिए।
- (iii) संकेत सं० 23 का जोड़ अनुभाग (i) के संकेत सं० 19 के जोड़ से मिलना चाहिए।
- (iv) अनुभाग (ii) की मद IV का जोड़ अनुभाग (i) की मद IV के जोड़ से मिलना चाहिए।

अनुभाग (iii)

जमाराणियों आदि पर ब्याज
**(दलाली को छोड़कर) की दरें

31 मार्च, 197

को

संकेत	जमाराशियों, छूट-प्राप्त उधारों	संकेत	थ्याज की द र	राशि
सं०	और प्राप्तियों के प्रकार	सं०		(हजार रुपयों में)
0 I	पहले के प्रबन्ध एजेन्टों या सिखवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, गारंटी किये गरं ऋणों के रूप में प्राप्त कोई जमाराणि- यों, बेजमानती डिबेंचर, जमाराशियां जिनमें सास्यों (जो किसी निजी सीमित कंपनी के सदस्य न हो) से प्राप्त बेजमानती ऋण शामिल हैं और जमाराशियां जिनमें निदेशकों द्यारा गारंटी किये हुए बेजमानती ऋण शामिल हैं।	2. 5% 3. 7% 4. 9% 5. 10 6. 12		ा

00 II	जमाराशियां अर्थात मियादी जमाराशियां और
	अस्य कोई जमाराशियां

- 8. 5% और उससे कम
- $9.\,\,5\%$ से अधिक परन्तु 1% से कम
- 10.7% या उससे अधिक परन्तु 9% से कम
- 11. 9% या उससे अधिक परन्तु 10% से कम
- 12. 10% या उससे अधिक परन्तु 12% से कम
- 13. 12% या उससे अधिर्म
- 14. 8 से 13 का जोड
- 000 III छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें जमाराणियों में नहीं गिना जाता अर्थात निजी
 सीमित कंपनियों के मामले में सदस्यों से या
 निदेशकों से या पहले के प्रबन्ध एजेंटों या
 सनियों और कोबाध्यक्षों, यदि कोई हों, से
 प्राप्त, कर्मेचारियों से प्राप्त जमानत की
 जमाराशियां, खरीद, बिकी या अन्य एजेंटों
 से प्राप्त या मिश्रित पूंजी कंपनियों
 से लिये गये उधार और अन्य सभी छूटप्राप्त उधार और प्राप्तियां
- 15.5% और उससे कम
- 16.5% से अधिक परन्तु 7% से कम
- 17. 7% या उससे अधिक परन्तु 9% से कम
- 18.9% या उससे अधिक परन्तु 10% से कम
- $19. \ 10\%$ या उससे अधिक परन्तु 12% से कम
- 20. 12% या उससे अधिक
- 21. 15 से 20 का जोड़

0000 IV I, II और III का जोड

- नोट: -- (i) संकेत सं० 7, 14 और 21 के जोड़ अनुभाग (i) के क्रमशः संकेत सं० 5, 8 और 19 के जोड़ों से मिलने चाहिएं।
 - (ii) अनुभाग (iii) की मद IV का जोड़ अनुभाग (i) की मद IV के जोड़ से मिलना चाहिए।

अनुभाग (IV)

उच्चतम सीमाओं की तुलना में जमाराशियों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण

(क) अधिसूचना के पैराग्राफ $3(1)(\mathbf{p})$ और $3(1)(\mathbf{p})(\mathbf{i})$ में उल्लिखित प्रकारों की जमाराणियों और उनकी निर्धारित उच्चतम सीमा

		_					(राशिया	हजार रुपयो में)
निम्नलिखित तारीख को	ऊपर उल्लेख किये गंमे		स्वामित्व	की निधिय — ्रे		उच्चतम सीमा अर्थात स्वामित्व	यदि उच्चतम सीमा से अधिक	*कृपया यह उल्लेख करें कि क्या अधि-
कारोबार बन्द होने के समय	प्रकारों की कुल जमा -	चुकता पूंजी	मुक्त रक्षित		स्वामित्व की शुद्ध निधियाँ	की शुद्ध निधियों	कोई जमाराशियां हो तो वे	सूचना के पैराग्राफ 4 (1) के अनु-
की स्थिति	रिशयां अर्थात अनु-		निधियां	की कोई बकाया	(3+4) -5	का 25%	(2-7)	सार अधिक जमा- राशियों का समा-
	भाग (I) के संकेत सं०5 का			राशि हो तो वह				योजन किया गया है या नहीं । यदि नहीं तो इस
	जोड़							का पालन न किये जाने का कारण
<u> </u>	2	3	4_			7	8	विया जाए 9

³¹ दिसम्बर, 1971

³¹ मार्च, 1973

³¹ मार्च, 1974

³¹ मार्च, 1975

नोट:--*31-12-1971 को जो जमाराशियां अधिक हों उनके कम से कम एक तिहाई अंश को 1-4-1973 के पहले घटा देना होगा; 31-12-1971 को जो जमाराशियां अधिक हों उनके दूसरे एक तिहाई अंश को 1-4-1974 के पहले और यदि उक्त अधिक राशि की कोई बकाया राशि हो तो उसे 1-4-1975 के पहले घटा देना होगा।

(खा) अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ)(ii) में उल्लिखित प्रकारों की जमाराशियों ओर उनकी उच्चतम सीमा

(31 मार्च, 197 (अर्थात विवरणी की तारीख) को स्थिति

ऊपर उल्लेख किये गये प्रकारों उच्चतम सीमा (आर्थात स्वामित्व यदि उच्चतम सीमा से अधिक की कुल जमाराशियां अर्थात अनुभाग (1) के संकेत सं०

की शुद्ध निधियों का 25%)

कोई जमाराशियां हों तो ब (1) - (2)

अभ्युक्ति (रिमाकंस)

८ का जोड़

686

1

अनुभाग (V)

अधिस्चना के पैराग्राफ 3(1)(घ) और 3(1)(घ) (i) में उल्लिखित प्रकारों की जी जमाराणियां मांग या स्चना पर या 6 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय है उनका विनियमन दर्शनि बाका विवरण

(राशियां हजार रुपयों में)

निम्नलिखित तारीख को कारो-बार बन्द होने के समय की स्थिति

कुल रकम (अर्थात अनुभाग (II) के संकेत संख्या 1 और 2 का जोड़)

उपर्युक्त प्रकारों की जमाराशियों की स्वामिश्व की शुद्ध निधियों का 25% अनुभाग (IV)(कालम) ७ देखें

^अब्पया यह उल्लेख/ कि क्या अधि-मूचना के/करें परा ग्राफ 4(3) के अनुसार ऐसी जमा-राशियों का विनिय-मन किया गया है या नहीं। यदि नहीं तो उसका पालन न किये जाने के कारण दिये जाए।

1

3

- 31 दिसम्बर, 1971
- 31 मार्च, 1973
- 31 मार्च, 1974
- 31 मार्च, 1975
 - नोट:--(i) *यदि अनियमित जमाराशियों की कुल राशि कंपनी के स्वामित्व की निक्षियों के 25% से अधिक नहीं तो ऐसी जमाराशियों को 1-4-1973 के पहले नियमित कर ली जानी चाहिए।
 - (ii) यदि अनियमित जमाराशियों की कुल राशि कंपनी के स्वामित्व की निधियों के 25% से अधिक हो तो वह नीचे लिखे प्रकार से नियमित की जाए; (a) स्वामित्व की शुद्ध गिधियों के कम से कम 25%के **बराबर की ऐसी जमाराशियों** की रकम 1-1 1973 के पटले, (ख) शेप राणि की कम से कम आधी रकम 1-4-1974 के पहले और (ग) शेष अंश 1-4-1975 के पहले।

CHATT (vir)

कम्पनी के लेखा परीक्षित तुनन-४० के अनुसार एम विवर्क की तारीख की विराधनम नारीख की इसकी तुमनामक स्थिति

(गणि हज़ार गण्यो मे)

		CONTRACTOR DE LA VIENE ANNO ANTO ANTO ANTO ANTO ANTO ANTO ANTO	
			यदि कोई घट-बढ़
विवरण	¥.;	31-2-197	हो तो उसके
	सुन्ताप-परः का आक्राप	वित्रणी के अनुनार	विष् मोटे तौर
	िविति	ि र्यान	पर कारण दिये
			जाम् ।
Mary Strains Strains was not not black throw bottle in the France prince Strain Strain Strain Strain Strain was to the	the time recover an investment of the second	annumber van mitter (z. z.) september berm (passager a. T. 19 E Principal van V. 19 E. Systember (1906) Systember (1906) Systember (1906)	and Spinish against against and the season against the season desired by the season against against against against desired by the season against agai
1		3	4

(क) देयताएं

- 1. चुकता पूंजी
- 2. मुक्त रक्षित निधियां
- 3. यदि घाटे की कोई बकाया हो तो वह
- 4. जमाराणियां*
- 5. इट-प्राप्त उधार/प्राप्तियां
 - (ख) आस्तिया
- ऋण और अग्रिम
- शेयरों, डिबेंचरों और अन्य प्रतिभूतियों में निवेश (वही मुल्य)
- 8. किराया खरीद अग्रिम
- भूमिया मकान की खरीद के वित्तपोषण के लिए ऋण
- 10. आय का प्रमुख स्रोत (ब्योरे के साथ)
 - 31 मार्च, 197 को समाप्त हुए वर्ष में अधिकतम कुल जमाराजियां और संबंधित तारीख नीचे दर्शायी जाए:
 - (i) वर्ष में जमाराणियो की अधिकास राधि (हजार कायों से)----
 - (iv) उपर्युक्त अधिकतम राणि किस तारीख को पाई गई ----

@अनुभाग (i) के संकेत सं० 9 का जोड़ यहा दर्शाया जाना चाहिए।

£अनुभाग (i) के संकेत मं० 19 का जोड़ यहां दर्णाया जाना चाहिए।

*प्रबन्धक/प्रबन्ध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्रः

- (1) <mark>यह प्रमाणित किया जाता है कि</mark> इस विवरणी के इस भाग में सूचित (रिपोर्ट) की गर्या जमाराणियों कम्पनी के **कारोबार** की <mark>वास्तविक आवश्यकताओं को पू</mark>रा करने के लिए प्राप्त/नवीकृत की गई है।
- (2) यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना के पैराग्राफ 2(1)(च)(ix) के परन्तुक की जातीं के अनुसार निदेशकों और सदस्यों** से इस आशय की लिखित घोषणाएं प्राप्त कर ली गई है कि उनके द्वारा किमी अन्य व्यक्ति से उधार लेकर या जमाराशियां स्वीकार कर आजित की गयी निधियों में से कम्पनी को रकम नहीं दी गयी हैं।
- (3) यह प्रमाणित किया जाता है कि कम्पनी ने जमाराशियों के लिए याचना (सालिसिट) करने समय अधिसूचना के पैराग्राफ 5(1) के उपबन्धों का पालन किया है।
- (4) यह प्रमाणित किया जाता है कि जमाराणियां 1 जनवरी 1973 को या उसके बाद इस अधिनियम के पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ 2 में निर्दिप्ट तरीके से स्वीकार की गई है, नर्वाकृत की गई है अथवा परिवर्तित की गई है।
- (5) यह प्रमाणित किया जाता है कि कम्पनी ने अधिसूचना के पैरिरोग्राफ 6 को अपेक्षाओं का पालन किया है।
- (6) प्रमाणित किया जाता है कि जमाराशियों के रिजिस्टर इस अधिसूचना के पैराग्राफ 7 में दर्शाये गये तरीके के अनुसार रखे जाते है।
- (7) यह प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी के इस भाग में दिये गये विवरण/दी गई सूचना का सत्यापन कर लिया गया है ओर वे हर तरह से सही और पूरे पाये गये हैं।

(जो प्रमाणपत्र लागू न हो उसे काट दें)	
	*प्रबन्धक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी,
	के हस्ताक्षर
ता रीख :	Title .
	नाम : पदनाम :
विवरण के अनुलग्नक (इन्क्लोजर्स)	वजगाम :
यदि नीचे लिखे दस्तावेज पहले ही न भेजे गयें हों तो वे सभी वि	। वरणी के साथ भेजे जाने चाहिए। कपया दस्तावेज की मद
के सामने के चौखाने (बाक्स) में अनुलग्न दस्तावेज के लिए सही का निः	
तारीख का उल्लेख करें।	
(1) इस विवणी की तारीख की निकटतम तारीख तक का लेख और लाभ हानि लेखे की एक प्रति	वा परीक्षित तुलन-पत्न
(2) नमूने के हस्ताक्षर का कार्ड (कृपया अनुदेश सं० 15 देखें)	
(3) अधिसूचना के पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ़ (2) में उल्लिखित अ	गिवेदन-पत्न की एक प्रति
(4) यदि 31 मार्च, 197 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान कोई गये हों तो उनकी एक प्रति	विज्ञापन जारी किये
(5) अधिकारियों और निवेशकों की सूची (कृपया अनुदेश सं० 13 देखें)	
(रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा काम में	न लॉई जानेवााली जगह)
अवधि हैसियत कारोबार राज्य के	्द्वारा संकेतबद्ध किया गया
क	ं द्वारा जांच की गयी
	द्वारा पंच किया गया
———— के	ह द्वारा सत्यापित किया गया
^फ जो भाग लागू न हो उसे काट दें	

भाग 11

ऋणों और अग्निमों और निवेशों का विवरण

(इस फार्म के इस भाग को भरने के पहले कृपया निम्नलिखित अनुदेश ध्यानपूर्वक पढ़ लें)।

अनुदेश

- 31 मार्च को कम्पनी की जो स्थिति हो उसके सिलिसले में इस भाग की विवरणी वर्ष में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए; भले ही कम्पनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कोई भी क्यों न हो।
- 2. किसी भी कारण से इस विवरणी को पेश करने में विलंब नहीं किया जाना चाहिए; इन करणों में वार्षिक लेखों की जो लेखा परीक्षा समान्ति भी शामिल है। विवरणी के संकलन कम्पनी की बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।
- 3. इस विवरणी के उद्देश्यों के लिए 'समूह' से वहीं तात्पर्य है जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 373 की उपधारा (II) में है।
- 4. बही ऋणों को अनुभाग (I) में तब तक न दर्शाया जाता जब तक कि उक्त बही ऋण संबंधित लेनदेन <mark>की गुरुआत से ही</mark> ऋण के स्थरूप का न रहा हो।
- 5. अनुभाग (1) के IV(6) में 'अन्य' के अधीन उन पार्टियों के संबंध में अलग अलग विवरण दिये जाएं जिनकी कंपनी की अभि-दत्त पूंजी के 10% से अधिक ऋण और अग्निम प्रदान किये गये हों और वे बकाया हों।

^{**}यह केवल निजी सीमित कम्पनियों के मामले में ही लागू है।

- 6. इस विवरणी के प्रयोजन के लिए सरकारी प्रतिभूतियों वे ही हैं जो सरकारी ऋण अधिनियम, 1944 की धारा 2(2) के अधीन 'सरकारी प्रतिभृति' की परिभाषा के अन्तर्गत आता हैं।
- 7. जिस किसी कम्पनी के लिए यह विवरणी पेश करना जरूरी है परन्तु जो अग्रणी के रूप में चिट फन्ड कारोबार करती है, उसके मामले में पुरस्कृत (प्राइज्ड्र) चिट अभिदाताओं से प्राप्त होने वाली पुरस्कार (प्राइज) राशियों और ऐसी प्रतिभूतियों में लगाई गई राशियों की सूचना विवरणी के इस भाग में देने की अवाश्यकता नहीं है जो चिट कारोबार के सुरक्षित संचालन के लिए चिटों के रजिस्ट्रार के नाम भारित की गयी हों।
- 8. सभी शेयरों, डिबेंचरों और अन्य प्रतिभूतियों के व्योरे दिये जाने चाहिए भले ही वे निवेश लेखे में या व्यापारगत स्टॉक (स्टॉक इन ट्रैड). में धारण किये गये हों।
- 9. कंपनियों के शेयरों और डिबेंचरों में किये गये निवेशों को संबंधित कम्पनी के प्रधान कारोबार के अनुसार वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- 10. अंशत: चुकता शेयरों का अंकित मूल्य वह रकम होगी जो संबंधित वर्ष के मार्च की 31 ताारीख को घुकता की गयी हो यदि शेयर बाजार में किन्हीं शेयरों का मूल्य न लगाया जाता है तो 'वाजार मूल्य' के स्तंभ के अधीन उस मूल्य को शामिल किया जाना चाहिए जो प्रबंधक या प्रबन्ध निदेशक या निदेशक बोर्ड द्वारा किसी अधिकारी या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया हो। दलालों के कारारों में दर्शाये गये खरीद मूल्य या बिक्री आगम (अन्तरण फीस, स्टाम्प शुल्क और दलाली को छोड़कर) का भी उल्लेख किया जाना चाहिए। तुलन पत्न के प्रयोजन के लिए हिसाब में लिए गये मूल्य ह्रास या किये गये निवेशों के पूनर्मूल्यांकन का समायोजन किया जाना चाहिए परन्तु उन्हें विवरणी के अन्त में अलग से पाद-टिप्पणी में दर्शाया जाना चाहिए।

ऋण और अग्रिम अनुभाग (I)

बकाया ऋण और अग्रिम

31 मार्च, 197 को

(उधारकर्ताओं के प्रकार के अनुसार वर्गीकृत)

संकेत पार्टी का नाम राशि सं॰ (हजार रुपयों में)

I कम्पनियां जो एक ही समूह की हैं*

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

आधि

II कम्पनियां जो एक ही समृह की नहीं हैं.*

- 1.
- 2.
- 3.
- 4. आदि

III कम्पनियों का जोड़ (I+II)

IV कम्पनियों को छोड़कर अन्य पार्टियां

- 1. निदेशक
- 2. पहले के प्रबन्ध एजेंट, सचिव और कोषाध्यक्ष
- सदस्य
- मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य कर्मचारी
- 5. खरीद, बिकी या अन्य एजेंट
- 6. अन्य (कपया अनुदेश सं० 5 देखें)
- V 1 से 6 तक का जोड़
- VI कुल जोड़ (III+V)

अनुभाग (ii)

बकामा ऋणों और अग्निमों का प्रतिभृतियों के अनुभार वर्गीकरण

31 मार्च, 197 की

संकेत सं०

राणि (हजार रुपयों में)

I खाद्य वस्तुएं

- 1. धान और चावल
- 2. गेह
- 3. दालों को छोड़कर दूसरे अनाज
- 4. चीनी
- 5. गुड़
- 6. वनस्पति तेल
- 7. अन्य सभी खाद्य वस्तुएं

II औद्योगिक कच्ची सामग्री

- 8. म्ंगफली
- 9. दूसरे तिलहन
- 10. रूई और कपास
- 11. कच्चा पटसन
- 12. अन्य सभी औद्योगिक कच्ची सामग्री

III बागान उत्पादन

- 13. चाय
- 14. काफी, काजू और दूसरे बागान उत्पाद

IV निर्मित वस्तुएं और खनिज पदार्थ

- 15. सूती वस्त्र
- 16. जूट के वस्त्र
- 17. दूसरे वस्त्र
- 18. कोयला
- 19. लोहा और इस्पात और इंजीनियरी बस्तुएं
- 20. अन्य सभी निर्मित वस्तुएं

V दूसरी प्रतिभृतियां

- 21. स्थावर संपत्ति
- 22. सोना और चांदी के बुलियन और गहने
- 23. बैंकों में मियादी जमाराशियां
- 24. सरकारों और दूसरी न्यासी प्रतिभृतियां
- 25. मिश्रित पूंजी कम्पनियों के शेयर और डिबेंचर
- 26. अन्य सभी जमानती ऋण और अग्रिम

VII से लेकर V तक का जोड़

VII बेजमानती ऋण और अग्रिम

VIII उत्पर के VI और VII का जोड

^{*}जिन कम्पनियों पर राशियां बकाया है कृपया उनके अलग-अलग नाम और प्रत्येक पर बकाया रकमों का उल्लेख इस प्रयोजन के लिए दिए गए स्तंभों (कालमों) में कीजिए। यदि स्थान पर्याप्त न हो तो अलग से एक कागज जोड़ लिया जाना चाहिए।

अनुभाग	Π
--------	-------

बकाया ऋणों और अग्रिमों का उद्देश्यवार वर्गीकरण

31 मार्च, 197

संकेत सं

उद्देश्य

राशि (हजार रूपयों में)

I उद्योग अर्थात पैराग्राफ 2(1) (ञा) में परिभाषित आंद्योगिक संस्था को

II वाणिज्य अर्थात थोक बाजार, खुदरा व्यापार, फसलों और वस्तुओं की आवाजाही और परिवहन

III कृषि अर्थात अनाज, दालें और दूसरे कृषि पण्य

IV व्यावसायिक ऋण, अर्थात व्यावसायिक कार्यकलापों या कारोबार की वित्तीय सहायता के लिए दिये गये ऋण

V व्यक्तिगत ऋण

VI अन्य सभी ऋण अग्रिम

VIII से लेकर VI तक काजोड

नोट:---अनुभाग (ii) की मद VIII और अनुभाग (iii) की मद VII को अनुभाग (i) की मद (VI) के साथ मेल खाना चाहिए।

> निवेश अन्भाग (IV)

बकाया निवेश

(कम्पनियों की हैसियत के अनुसार वर्गीकृत अर्थात वे उसी समूह की हैं या उसी समूह की नहीं हैं)।

31 मार्च, 197

संकेत सं ०

विवरण

राशि (हफार रुपयों में)

I एक ही समृह को कम्धनियां*

1.

2.

3.

आदि

H कंपनियां जो एक ही समृह की नहीं हैं*

1.

2.

3.

4.

आदि

III ** कम्पनियों की जोड़ (I+II)

IV **दूसरे निवेश (जैसे सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभृतियों में निवेश, बैंकों में मियादी जमाराशियां और युनिट ट्रस्ट आफ इंडिया के युनिटों में निवेश)

V **जोड (III+IV)

^{*}जिन व्यक्तिगत कं≀नियों में निवेश किया गया है कपया उनके अलग-अलग नाम और प्रत्येक में निवेश की गयी रकमों का उल्लेख इस प्रयोजन के लिए दिये गए स्तंभों (कालमों) में कीजिए। यदि स्थान पर्याप्त न हो तो अलग से एक कागज जोड़ लिया जाना चाहिए।

^{**}अनुभाग (iv) की मद संख्या III, IV, और V का जोड़ अनुभाग (v) की ऋमश: संकेत संख्या 320, 410+500 और 600 के साथ मेल खाना चाहिए। 5---509GI/72

274

(घ) दूसरे

अनुभाग (V)

बकाया शेयरों, डिबेंचरों और अन्य प्रतिभूतियों में निवेश

31 मार्च, 197 को

			_							र	ाशि (हर	ार स्पर्यो	में)	
——— संकेत ≕	क	. कम्पनियों के मुख्य कारो-	सा	मान्य शेर	पर *	अ <i>হি</i>	मान शे	यर*		डिबेंच		 	जोड़ [#]	4
सं०		बार के हिसा ब से वर्गी - 7 कृत उनके ग्रेयरों और	अंकित	बही	बाजार	अंकित	—∼- बही	 बाजार	अंकित	 -^- बही	बाजार	<i>्</i> अंकित	^ बही	बाजार
		डिबेंचरों में निवेश 	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य 	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य
100	1.	बस्त्र :												
101		(क) सूतीवस्त्र												
102		(ख) जूटके वस्त्र												
103		(ग) रेशमी, रेयान												
		और दूसरे कृत्निम धागे												
104		(घ) ऊनी वस्त्र												
105		(छ) अन्य												
120		चीनी												
130		लोहा और इस्पात												
140		अलोह वस्तु												
150	5.	बिजली उत्पादन और सप्लाई												
160	6.	इंजीनियरी												
170	7.	मोटर गा ड़ियां औ र सहा- यक उपकरण												
180	R	बिजली की मंशीनें												
190		परिवहन और बिजली												
100	J,	को छोड़कर दूसरी मग्रीनें												
200	1.0.	परिवहन उपकरण												
		रासायनिक पदार्थः												
211	• •	(क) मूल्य औद्योगिक रासायनिक पदार्थ												
212														
212		(ख) औषधीय निर्माण (ग) दूसरे रासायनिक												
213		पदार्थ												
220	12.	खनन :												
221		(क) कोयला खनन												
		(ख) अन्य खन न												
230	13.	कागज और कागज से बनी वस्तुएं												
240	14.	सीमेंट'												
250	15.	खनि ज तेल												
260	16.	माचित												
270	17.	बागान												
271		(कः) चाय												
272		(ख) काफी												
273		(ग) रबड़												
0 7 4		(स.) असरो												

संकेत सं०	푝.	कम्पनियों के मुख्य कारो- बार के हिसाब से वर्गी-	स ——-	ामान्य 	शेयर*	अ ति	व मान ।	गेयर*	<u>ডি</u>	बेंचर* _√_			জ <u>ী</u> ড়	*
40		कृत उनके शेयरों और	 अंकित	बही				बाजार 			बजार			बाजार
		डिबेंचरों में निवेश	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य	मूल्य
280	18.	वित्तीय कम्पनियां												
281		(क) बैंक												
282		(ख) बीमाकंपनियां												
283		(ग) निवेश न्यास												
284		(घ) दूसरी												
290	19.	व्यापार े												
300	20.	जहाजरानी और अन्य												
		परिवहन												
310	21.	निर्माण												
	21.	क. कोई अन्य कम्पनी												
320	22.	क का जोड़												
संकेत सं०		ख. सरकारी और दूसरी न्य में निवेश		e						(ह्जा	रा। र रुपर ———			
									* _*	कित	*बही	*	बजार	,
									п	ल्य	मूल्य	I	ा्ल्य	
									7		1/2	`.	· ·	
401	(i)	केन्द्रीय सरकार के ऋ ण		<u>. </u>							\mathcal{L}_{A}		<u>, </u>	
401	٠,,	केन्द्रीय सरकार के ऋण राज्य सरकारों के ऋण							<u>_</u>		- K.		<u>, , </u>	
401 402 403	(ii)	राज्य सरकारों के ऋण	की प्रमा	ण-पत्न	और दूसरे	दायित्व	-				. K		<u>~``</u>	
402 403	(ii) (iii)				और दूसरे	दायित्व					<u> </u>		w' '	
402 403 404	(ii) (iii) (iv)	राज्य सरकारों के ऋण सरकारी बचत या वार्षि नगरपालिका ऋण औ	. डिबेंच ः		और दूसरे	दायित्व					<i>K</i> 4		v. ,	
402 403 404 405	(ii) (iii) (iv) (v)	राज्य सरकारों के ऋण सरकारी बचत या वार्षि नगरपालिका ऋण औ पत्तन न्यास के ऋण और	. डिबेंच ः		और दूसरे	दायित्व					<i>K</i> 4		v. ,	
402 403 404 405	(ii) (iii) (iv) (v) (vi	राज्य सरकारों के ऋण सरकारी बचत या वार्षि नगरपालिका ऋण और पत्तन न्यास के ऋण और दूसरे	. डिबेंच ः		और दूसरे	दायित्व				_	χ.,	•	v., -	
402 403 404 405 406. 410	(ii) (iii) (iv) (v) (vi 理事	राज्य सरकारों के ऋण सरकारी बचत या वार्षि नगरपालिका ऋण और पत्तन न्यास के ऋण और दूसरे	िडबेंचर डिबेंचर	τ				ट आफ			K.		, · ·	
402 403 404 405 406. 410	(ii) (iii) (iv) (v) (vi 理事	राज्य सरकारों के ऋण सरकारी बचत या वार्षि नगरपालिका ऋण और पत्तन न्यास के ऋण और) दूसरे जोड़	र डिबेंचर डिबेंचर में मीयार्द	τ				ट आफ	_ 1		K.		, ·	
402 403 404 405 406 410 500	(ii) (iii) (iv) (v) (vi ख का ग, दू	राज्य सरकारों के ऋण सरकारी बचत या वार्षि नगरपालिका ऋण और पत्तन न्यास के ऋण और दूसरे जोड़ सरे निवेश (जैसे बैंकों स	र डिबेंचर डिबेंचर में मीयार्द	τ				ट आफ	_1	<u> </u>	<i>K</i> 4		a''	

अनुभाग (VI)

31 मार्च, 197 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान स्टाफ, शेयरों, बांडों और सरकारी प्रतिभूतियों आदि में किये गये निवेश की राशियां

		(राणि हजार	रुपयों में)
संकेत		बिक्री	वास्तविक
सं०	खरीद	और	निवेश
	लागत	प्रतिदान	(कृपया अनु दे श
		की	सं∘
		राशियां	10 को देखें)

- 100 1. सरकारी प्रतिभूतियां और खजाना बिल
- 101 (क) केन्द्रीय सरकार
- (ख) राज्यःसरकारें 102
- (ग) सरकारी बच्चतें या दूसरे प्रमाण-पत्र 103
- 104(घ) दूसरे

-----के द्वारा पंच किया गया

—के द्वारा सत्यापित किया गया

भाग 111

किराया खरीद कारोबार के विवरण

(कृपया फार्म के इस भाग को भरत से पहले निम्निखित अनुदेशों को सामधानी से पढ़ लें)

अनदेश

- 1. 31 मार्च को कम्पनी की स्थित के सिल्मिले में इस भाग की धारा (ii) की विवरणी वर्ष में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए। यदि कम्पनी का वित्तीय वर्ष भिन्न हो तो 31 मार्च की निकटतम तारीख को समाप्त होने वाले कम्पनी के वित्तीय वर्ष के सिल्सिले में केवल धारा (ii) की विवरणी पेश की जानी चाहिए और सम्बन्धित वर्ष की दो छमाहियों को पहली छमाही और दूसरी छमाही माना जाना चाहिए (या छपाही को निदेशों में परिभाषा की गई छमाही के समान ही माना जाना चाहिए)। इस प्रकार जिस कम्पनी को 31 मार्च, 1973 को कंपनी विवरणी पेश करनी है और जिसका वित्तीय वर्ष 31 दिसम्बर, 1972 को समाप्त होता है, उसे अपने उक्त वित्तीय वर्ष के सिल्सिले में (31 मार्च, 1973 की निकटतम तारीख के समाप्त होने तक के लिए ही) इस अनुभाग को पूरा करना चाहिए न कि 31 मार्च, 1973 के लिए। इसके अलावा चालू वर्ष और पिछले वर्ष के अंत मे बकाया। ऋणों का संबंध अभशः 31 मार्च, 1973 और 31 मार्च, 1972 के बजाय 31 दिसम्बर, 1972 और 31 दिसम्बर, 1971 तक की स्थित से नय मंजूर किये गए ऋणा 1 जनवरी, 1972 से लेकर 31 दिसम्बर, 1972 तक की सारी अवधि के लिए दिये जाने चाहिए। दो छमाहियों के दौरान प्राप्त की गयी। किरतों का संबंध 30 जून, 1972 और 31 दिसम्बर, 1972 तक की स्थित से होना चाहिए।
- 2. चालू वर्ष के बकाया ऋण की राणि पिछले वर्ष के अंत के बकाया ऋणों और चालू वर्ष के दीरान मंजूर किये गए नये ऋणों की राणि में से दो छमाहियों के दौरान प्राप्त की गयी किस्तों को घटाने के बाद निकलने वाली संख्या से मेल खानी चाहिए।
- 3. जब इस विवरणी को पहली बार पेश किया जा रहा हो, इस भाग के अनुभाग (i) के 1 से लेकर 7 तक के प्रश्न का ब्योरेबार उत्तर दिया जाना चाहिए । उसके बाद, अदि कोई परिवर्तन हुआ हो या अतिरिक्त सूचना देनी हो तो उसे सूचित किया जाना चाहिए ।
- 4. यदि किसी ऐसी कंपनी के लिए। यह विवरणी पेण करना जरूरी हो जो अग्रणी के रूप में चिट-फंड, किराया खरीद के लेन-देन या यदि किन्हीं ऐसे ऋणों का कारोबार करती हो जिन्हों चिट-फंड की आस्तियों के रूप में माना जाता है उन्हें इसमें णामिल करने की आवण्यकता नहीं है ।

अनुभाग (i) प्रक्तावली

(कृतया ऊपर का अनुदेश सं० 3 देखिये)

(क) प्रश्न

(ख) उत्तर

- क्या आपकी कम्पनी किसी निर्माता कंपनी की सहायक कंपनी है या वह अन्यथा किसी निर्माता या व्यापारी प्रतिष्ठान से संबद्ध है ? यदि ऐसा है तो ऐसी कंपनी के आवश्यक विवरणों का अत्यंत संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
- आप किराया खरीद के आधार पर जिस माल का व्यापार करते हैं उसके प्रकारों का मोटे तौर पर उल्लेख किया जाये (अर्थात् मोटर गाड़ियां, टिकाऊ घरेलू वस्तुएं, आदि।)
- (क) अधिकांश लेखों के किराया-खरीद ऋण के लिए आपकी सामान्यतः किसी (फ्लेट) ब्याज दर *(प्रतिशत वार्षिक) क्या है?
 - (ख) अधिकांश लेखों के किराया-खरीद ऋण के लिए आप कितनी वास्तविक ब्याज दर** से (प्रति वार्षिक) ब्याज लगाते हैं।
 - (ग) क्या आप मंजूर किए गए किराया खरीद ऋण में से ब्याज की रकम पहले ही काटे बिना उसका संवितरण कर देते हैं?
 - (घ) आप कितनी अवधियों (इंटरबल्स) के लिए ब्याज वसूल करते हैं ?
- 4. किराया खरीद के आधार पर की गई माल की बिकी के बिकी मूल्य में ब्याज के अलावा प्रभार की और कौन-कौन सी मुख्य मदें शामिल की जाती हैं?
 - (यदि इसके पहले किराया-खरीद करने वालों के साथ किये गए करार के फार्म की एक प्रतिलिपि न पेश की गयी हो तो उसे हमारे पास भेजने की कृपा करें।)
- जाप किस आधार पर किराया खरीद करने वाले की तत्काल अदायगी (डाउन पेमेंट) की राशि या नकदी जभाराशि निर्धारित करते हैं?

यदि वह सम्बन्धित माल के बिकी मूल्य का कोई निर्धारित प्रतिशत हो तो कृपया उस प्रतिशत का उल्लेख करें।

- 6. क्या आप किराया खरीद करने वालों से ली गयी नकदी जमाराशि या तत्काल अदायगी की राशि पर ब्याज अदा करते हैं? यदि हां हो तो उसकी ब्याज दर (प्रतिशत वार्षिक) का उल्लेख किया जाए।
- 7. पूजी, आरक्षित निधि और किराया खरीद करने वालों की जमाराणि के अलावा आपकी कम्पनी के कारोबार की निधियों के अन्य स्रोत क्या हैं?

अनुभाग II
31 मार्च 197 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए किराया खरीद, कारोबार

संकेत संख्या	किराये की वस्तु	31 मार्च 197 को स हुए चालू वर्ष में मंजूर वि गए तये ऋण	क्ये 197 को	हुए चालू वर्ष हियों के दौरा गयीं ि	की दो छमा- न प्राप्त की	को समाप्त हुए चालूवर्षके अंत मेंबकाया ऋण
		 राशि ठेके क अर्वा	r	30 सितम्बर	31 मार्च	- (क्रुपया अमुदेश 2 देखें
		- I - I	. (।(स	राणि	राशि	- राशि
1	2	3	4 5	6	7	8

- (क) मोटर गाड़ियां:
- 01 (i) दुक और लारियां
- 02 (ii) कार
- 03 (iii) स्कूटर
- 04 (iv) अन्य
 - (ख) टिकाऊ घरेलु वस्तुएं :
- 001 (i) रेडियो रिसीवर
- 002 (ii) पंखे
- 003 (iii) रैफिजिरेटर
- 004 (iv) सिलाई मशीनें
- 005 (v) अन्य
- 010 (ग) कृषि संबंधी उपकरण : (ट्रेक्टर, बुलडोजर आदि)
- 020 (घ) उद्योग में उपयोग के लिए औद्योगिक मशीनें औजार या उपकरण

^{*}ब्याज की एक सी (फ्लैट) दर का अर्थ वह दर है जो मंजूर की गयी किराया-खरीद की पूरी राशि पर लगायी गयी हो, न कि देय रहने वाली घटती हुई बकाया राशि पर लगाई गयी ब्याज दर है।

^{**}ब्याज की सही दर का अर्थ समय समय पर वकाया रहने वाले ऋण की वास्तविक राशि पर लगांयी गयी ब्याज की दर है ।

FART III—SEC. 4] INE GAZETTE OF INDIA	, MARCH 17, 1878 (TIMEGOVIT 20, 1031)
030 (ङ) दूसरे अन्य उपकरण	
040 जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ) 	
किया गया है और वे सत्यापन के बाद हर तरह से सही और पूरी	थी गयी कंपनी के किराया-खरीद कारोबार में संबंधित आंकड़ों का सत्यापन पाये गये हैं।
तारी ख	मैनेजर**/प्रबंध निदेशक/ प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर :
	नाम :
	पदनाम
	(रिजर्व बैंक द्वारा काम में लाई जानेवाली जगह)
अवधि हैसियत कारोबार	
*कृपया अधिसूचना का पैराग्राफ ii देखें ।	के द्वारा संकेतबद्ध किया गया
**जो भाग लागू न हो उसे काट दें ।	के द्वारा जांच की गयी । के द्वारा पंच किया गया ।
	———— के द्वारा पर्याक्ष्या गया । ———— के द्वारा सत्यापित किया गया ।
	Will Wall William Tall
गोपनीय तीस	ारी अनुसूची फार्म एल० सी०
अग्निम देने का कार्य करती हों)।	ढ़ारा भरा जाए, जो अपने प्रमुख कारोबार के रूप में ऋण और केंक आफ इंडिया
	ग कम्पनी विभाग
	ह लकत्ता- 1
	भाग 1
ऋण और अग्रिम प्रवान करने वाली कंपनियों के पास 3	
-	नाम
. ,	
, , <u></u>	
कार्या लय	
(অ.) *স্থান	प्रशासी कार्यालय
` '	में कम्पनी पंजीकृत है:
(4) * * ;	निजी/सार्वजनिक सीमित कंपनी/विदेशी कंपनी की शाखा
	पंजीकरण संख्या
(6) (क) स्थाप	मा की तारीख
(ख) कारो	वार प्रारंभ होने की तारीख
(7) कंपनी का	वित्तीय वर्ष
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	कैंकर (रों) का (के)
नाम और	पता
*जो लाग न हो उसे	ने कार हैं।

नोट:--इस विवरणी को भरने के बाद मुख्य अधिकारी, गैर बैंकिंग कंम्पनी विभाग, रिजर्व बैंक आफ इंडिया, 15 नेताजी सुभाष रोड, पोस्ट वाक्स सं० 571, कलकता-1 के पास भेजा जाए।

फार्म के भाग I को भएने के लिए अन्देश

- 1. 31 मार्च तक की कंपनी की स्थिति के संबंध में इस भाग की जियरणी साल में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए चाहे कंपनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कुछ भी क्यों न हो।
- 2. वार्षिक लेखा परीक्षा को अंतिम रूप देना/समाप्त करना जैसे कारणों से विवरणी को पेण करने में विलंब नहीं होना चाहिए। कंपनी की लेखा बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विवरणी का संवलन किया जाना चाहिए।
- 3. किसी ऐसी कंपनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेण करनी हैं, किन्तु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फंड कारोबार भी करती है, चिट या कुरी करारों के अधीन अभिदानों के रूप में प्राप्त राशि को जमा राशि के रूप में नहीं समझा जाएगा ; देखिए गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 के पैराग्राफ 2(1)(च) का खंड (VII)।
- 4. तारीख 29 अक्तूबर 1966 की अधिसूचना सं० डी० एन० बी०सी० 1/ई० डी० (एस०)-66 के पैराग्राफ 2(1)(च) में ওল্লিखिस कतिपय अपवादों को छोड़कर गैर जमानती उधारों को जमाराशियों के रूप में माना जाता है।
- 5. भूतपूर्व प्रबंध एजेंटों या सिचवों और कोषपालों द्वारा, यदि कोई हों, गारंटीकृत गैर जमानती ऋणों को जमाराणियों के रूप में मान जाता है। यदि उपर्युक्त गैर जमानती ऋणों को अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ) में उल्लिखित और इस भाग के खंड(i) के संकेत सं० 1 के अधीन वर्गीकृत जमाराणियों के रूप में स्वीकार करना है तो उन्हें निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करना होगा :--
 - (क) ऋणकर्ता कंपनी को बचनपत्नों द्वारा या ऋण करारों को प्रमाणित करनेवाले पत्नाचारों द्वारा उन्हें प्रमाणित करना चाहिए,
 - (ख) कंपनी के भूतपूर्व प्रबंध ऐजेंटों या सचिवों और कोषपालों द्वारा, यदि कोई हों, अपनी वैयक्तिक हैंसियत से इन ऋणों की वापसी अदायगी के लिए गारंटी दी जानी चाहिए,और
 - (ग) इन ऋणों को कंपनी की बहियों में सावधि ऋण लेखों में रखना चाहिए। ऋणों की आंशिक वापसी अदायगी की जा सकती है; किन्तु नये ऋणों की राशि उसी लेखे में स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।

यदि उपर्युक्त कोई गैर जमानती ऋण उक्त तीन मानदंडों में से किसी की पूर्ति न करें तो उसे अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ) (ii) में उल्लिखित जमा राशि के रूप में माना जाए और इस कारण उसे यथास्थिति इस भाग के खंड (i) में संकेत सं० 6 या 7 के अधीन वर्गीकृत किया जाए।

- 6. फिलहाल लागू रहने वाली किसी साहूकारी विधि के अधीन पंजीकृत व्यक्ति से स्वीकृत ऋणों को, यदि वे उपर्युक्त अनु-देश सं० 5 के (क) और (ग) में उल्लिखित मानवंडों की पूर्ति करें तो 'जमाराणि' की परिभाषा से छूट दी जाती है।
- 7. लेखों की संख्या वास्तिवक अंकों में दी जानी चाहिए और जमा राणि का उल्लेख हजार रेपयों में किया जाना चाहिए। राणि को निकटतम हजार में पूर्णिकत करना चाहिए और तीन शून्यों को हटा देना चाहिए। उदाहरण के लिए रू० 4,560 को 5 के रूप में दिखाना चाहिए, न कि 4.6 या 5,000 के रूप में।
- 8. विवरणी के इस भाग के खंड (iii) में जमा राशि प्राप्त करने के लिए अदा की गयी दलाली को ब्याज-दर में जोड़ना चाहिए, किन्तु सारणी के अंत में पाद टिप्पणी में उसका उल्लेख कर देना चाहिए।
- 9. प्राप्त की गयी कोई ऐसी राशि जिसे विशिष्ट रूप से तारीख 29 अक्टूबर 1966 की अधिसूचना सं० डी०एन० बी०सी० 1/ई०डी० (एस०)-66 के पैराग्राफ 2(1) (च) के उपखंड (i) से लेकर (xiii) तक में उल्लिखित 'जमाराशि' से अलग किया गया है, विवरणी के इस भाग के खंड (i), (ii) और (iii) की मद III के अंतर्गत विभिन्न संकेत संख्याओं के अधीन वर्गीकृत की जानी चाहिए।

न्यास के रूप में प्राप्त राशि, माल की सप्लाई या सेवाओं के लिए प्राप्त पेशगी रकम, ठेकेदारों से प्राप्त जमानत राशि और अन्य छूट प्राप्त राशियों को विवरणी के इस भाग के खंड (i) में सं० 10 से 17 तक के संकर्तों में से किसी भी संकेस के अंतर्गत वर्गीकृत नहीं किया जा सकता; किन्तू उन्हें उसी खंड के संकेत सं० 18 के अंतर्गत दिखाया जाए।

- 10: विवरणी के इस भाग के खंड (ii) में उल्लिखित जमाराणियों का अवधिकावार वर्गीकरण उन अवधियों के अनुसार जिन के लिए वे मूलतः प्राप्त की गयी हैं | पहले नवीकृत की गयी हैं और न कि उन अवधियों के अनुसार जहां तक उन्हें 31 मार्च अर्थात् विवरणी की तारीख से जारी रहना चाहिए, मद I और II के अधीन विभिन्न संकेत संख्याओं के अनुगंत किया जाना चाहिए। जिन राणियों की समाप्ति की अवधि निर्दिष्ट नहीं हो या जो राणियां किस्तों में चुकायी जानी हों, उन्हें उपर्युक्त मदों के अधीन कमशा: संकेत संब 1 और 10 के अंतर्गत दिखाना चाहिए और तत्संबंधी परिस्थिति की उचित व्याख्या पाद टिप्पणीयों में की जानी चाहिए।
- 11. जमाराशियों छूट प्राप्त उधारों और व्याजरहित प्राप्तियों को इस भाग के खंड (iii) में यथास्थिति मद I और II के अधीन क्रमण: संकेत सं० 1, 8और 15 के अन्तर्गत वर्गीकृत करना चाहिए।
- 12. केवल उन्हीं प्रारक्षित राणियों को जिन्हें कंपनी के तुलन पन्न में इस प्रकार दिखाया या प्रकाशित किया गया हो कि किसी सामान्य या अनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए रख लिया जाता है, अवाध प्रारक्षित निधियों के रूप में माना जाए और त्रिवरणी के इस भाग के खंड (IV) और (VI) में दिखाया जाए । किसी ऐसी दूसरी प्रारक्षित निधि को जिसे लेखा परीक्षित तुलन पन्न में इस प्रकार दिखाया गया हो कि उसे किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए अलग रखा गया है, हिसाब में नहीं लेना चाहिए चाहे उसके

निर्माण का वास्तविक उद्देश्य कुछ भी क्यों न हो। निम्नलिखित प्रारक्षित निधियों को सामान्यतः अवाध प्रारक्षित निधियों के रूप में माना जाता है:

- (i) सामान्य प्रारक्षित निधि
- (ii) पूंजीगत प्रारक्षित निधि
- (iii) पूंजीगत शोधन प्रारक्षित निधि
- (iv) आकस्मिक प्रारक्षित निधि
- (v) सांविधिक विकास छूट प्रारक्षित निधि या विकास छूट प्रारक्षित निधि
- (vi) शैयर प्रीमियम लेखे में जमा
- (vii) सामान्य प्रारक्षित निधि के रूप में विद्यमान अधिशोष
- 13. अधिसूचना के पैराग्राफ 13(2)(i) की अपेक्षा के अनुसार कंपनी के प्रमुख अधिकारियों के नामों और पदनामों तथा निदेशकों के नामों और पतों की सूची संलग्न की जानी चाहिए यदि उक्त सूची अब तक रिज़र्थ बैंक आफ इंडिया को भेजी नहीं गयी हो।
- 14. जब तक अन्यथा कोई संकेत न दिया जाए, गर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निवेशावली, 1966 में दी गयी परिभाषाएं, जहां तक वे संगत हों, लागू होंगी।
- 15. विवरणी पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 2 में दी हुई परिभाषा के अनुसार) प्रबंधक को हस्ताक्षर करने चाहिएं और यदि कोई ऐसे प्रबंधक न हों तो उसपर प्रबंध निदेशक या कम्पनी के किसी ऐसे अधिकारी को जिसे निदेशक बोर्ड ने इस उद्देश्य के लिए विधिवत् प्राधिकृत किया हो और जिसके नमूना हस्ताक्षर रिजर्व बैंक को पेश किये गये हों, हस्ताक्षर करने चाहिएं। यदि नमूना हस्ताक्षर निर्धारित कार्ड में नहीं दिये गये हों तो विवरणी पर प्राधिकृत अधिकारी हस्ताक्षर कर सकते हैं और उनके नमूना हस्ताक्षर अलग से पेश किये जा सकते हैं और
- । 6. यदि, विवरणी के किसी भाग/अनुभाग म कोई भी सूचना नहीं देनी है तो उसमें 'कुछ नहीं' लिखा जाना चाहिए और उसके साथ जोड़े गये प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के प्रमाण-पत्र पर यथाविधि हस्ताक्षर किये जाने चाहिए।

खंड(i)

बकाया जमा राशियां, आदि

31 मार्च 197 को

संकेत सं०	जमा राणियों, छूट प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	लेखों की संख्या	राशि (हजार रुपयों में)
I	अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ) और 3(1)		
	(घ)(i) में उल्लिखित जमा राशि वर्ग		
1 (軒)	भूतपूर्व प्रबंध एजेंटों या सिचवों और कोषपालों द्वारा		
	गारंटीकृत ऋणों के रूप में प्राप्त जमा राशियां		
2 (खा)	गै र जमानती डिबें चर		
3(ग)	सदस्यों* (जो निजी सीमित कंपनी के सदस्य नहीं होते) से		
	प्राप्त गैर जमानती ऋणों सहित जमा राशियाँ .		
4(घ)	निषेशकों द्वारा अपनी निजी हैसियत में गारंटीकृत गैर		
	जमानती ऋणों सहित जमा राणियां		
5 (₹)	जोड़ (क $+$ ख $+$ ग $+$ घ $)$		
I	I अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1) (घ)(ii) में उल्लिखित		
	जमा राणि वर्ग		
6(च)	सावधि जमा राशियां		
(चेच)	सहयोगी सदस्यों से प्राप्त जमाराशियां£		
7(ছ)	कोई दूसरी जमा राशियां		
8(ज)	जोड़ $(\exists + oldsymbol{arphi})$		
9 (i)	$(\mathrm{I})\!+\!(\mathrm{II})$ का जोड़ . , ,		

7	Λ	Λ

700	TH	IE GAZETTE OF INDIA,	MARCH	17, 1973	(PHALGUNA 26, 1894) , [PART	III—Sec. 4
	III	छूट प्राप्त उधार और प्राप्तियां !	————— जिन्हें जमा रामि	— —— = ायों के रूप	<u></u>		
	•	में नहीं माना जाता [अधिसूचन	। के पैराग्राफ 2	(i)∦(च)			
		से (xiii) तक देखें]					
	10(軒)	भूतपूर्व प्रबंध एजेंटों या सन्विधी	और कोषपालों,	यदि कोई			
		हों, से प्राप्त राणि					
	11(স)	निदेशकों से प्राप्त राशि **					
	12(ह)	निजी सीमित कंपनी के मामले में	सदस्यों**से प्रा	प्तराशि.			
	13(ठ)	कर्मचारियों से प्राप्त जमानत र	राशि .				
	14(§)	कय,विकस्य या अन्य एजेंटोंसे	कारोबार के उद्दे	श्य के लिए			
		प्राप्त राशि .					
	15(ह)	मिश्रित पूंजी कंपनियों (उसी व	र्गकी कंपनियों	की मिला-			
		कर) प्राप्त राशि .		-			
	16(ण)	जमानती उधार और बैंकों और	अन्य निर्दिष्ट	संस्थाओं से			
		प्राप्त उधार .					
	17(त)	विदेशी स्रोतों से प्राप्त राशि					
	18(थ)	अन्य छूट प्राप्त उंधार और प्रापि	तयां जिन्हे जमा	राशियों के	•		
		रूप में नहीं माना जाता					
		·					
	19(द)	जोड़ (झ से थ तक)		•			
	20 IV	उपर्युक्त I, II, और III का जोड़	• •				
				·			
		प्रयुक्त किये गये शब्द 'सदस्य' से एव				िके रूप में पंजीइ	हत हो।
	** **	·					$-\mathbf{r} \cdot \mathbf{c} - \mathbf{r}$

**कृपया ध्यान दें कि ऐसे व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे व्यक्ति से उधार लेकर या जमा राशि स्वीकार कर प्राप्त की गयी निधियों से प्राप्त राशि को छूट नहीं दी जाती [अधिसूचना का पैराग्राफ $2(1)(\exists)(\mathrm{i} x)$ देखें]। उसकी राशि को इस वर्ग में जोड़ने के पहले कंपनी को उस व्यक्ति के इस आभाय को एक घोषणा प्राप्त कर लेनी चाहिए।

£परस्पर लाभ वाली वित्तीय कंपनियों के मामलें में ही लागू होगा।

खंड (ii)

जमा राशियों, आदि की अवधि

31 मार्च 197 को

संकेत सं०	जमा राशियों, छूट प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	संकेत सं०	जमाराशियों, छूट प्राप्त उधारों और प्राप्तियों की अवधि (अनुदेश सं० 10 देखें)		, -
1	2	3	4	5	6
0	म्तपूर्व प्रबंध एजेंटों या सचिवों और कोष- पालों, यदि कोई हों, द्वारा गारंटीकृत ऋणों के रूप में प्राप्त जमा राशियां, गैर	1 म	गि पर या नोटिस पर या अन्यथा 3 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय		— — — — — — — — — — — — — — — — — — —

जमानती डिबेंचर, सदस्यों (जो निजी सीमित कंपनीं के सदस्य नहीं होते) से प्राप्त गैर जमानती ऋणों सहित जमा राशियों और निदेशकों द्वारा गारंटीकृत गैर जमानती ऋणों सहित जमा राशियां

- 3 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 6 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय ।
- 3 6 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 12 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय
- 4 12 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 24 महीने से कम अवधि में प्रतिवेय

- 5 24 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 36 महीने से कम अविध में प्रति-देय
- 6 36 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 60 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय
- 7 60 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय

00 II जमाराशियां अर्थात् सात्रधि जमा राशियां और कोई दूसरी जमा राशियां

- 9 अति देय और/या अदावी
- 10 मांग पर या नोटिस पर या अन्यथा 6 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय ; इनमें उपर्युक्त संकेत सं० 9 में उल्लिखित जमा राणियां शामिल नहीं हैं।
- 11 6 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 12 महीने से कम अविध में प्रतिदेय
- 12 12 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 24 महीने से कम अविधि में प्रति-देय।
- 13 24 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 36 महीने से कम अविध में प्रतिदेय
- 14 36 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 60 महीने से कम अविध में प्रतिदेय
- 15 60 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय

000 III छूट प्राप्त ऋण और ऐसी प्राप्तियां जिन्हें जमाराशियों के रूप में नहीं माना जाता; अर्थात् निजी सीमित कंपनियों के मामले में सदस्यों से प्राप्त उक्त ऋण और राशियों या निदेशकों या भूतपूर्व प्रबंध ऐजेंटों या सचिवों और कोषपालों से यदि कोई हों—जमानत के रूप में

- 17 मांग पर या नोटिस पर या अन्यथा 6 महीने से कम अविध में
- 18 मांग पर या नोटिस पर या अन्यथा 6 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु

12% या उससे अधिक

1 से 6 तक का जोड़

7

कुत गैर जमानती ऋणों सहित जमाराशियां

(1)	(2)	(2) (3) (4).		(5)
00 II	जमाराशियां अर्थात् सावधि जमा राशियां	8	5% और उससे कम	
	और कोई दूसरी जमा राणियां	9	5% से अधिक, परन्तु $7%$ से कम	
		10	7% या उससे अधिक, परन्तु $9%$ से कम	
		11	9% या उससे अधिक, परन्तु $10%$ से कम	
		12	10% या उससे अधिक, परन्तु $12%$ से कम	
		13	12 %या उससे अधिक	
		14	8 से 13 तक का जोड़	
000 III	छूट प्राप्त ऋण और ऐसी प्राप्तियां जिन्हें	15	5%और उससे कम	
	जमा राशियों के रूप में नहीं माना जाता; अर्थात् निजी सीमित कंपनियों के मामले	16	5% से अधिक, परन्तु $7%$ से कम	
	में सदस्यों से प्राप्त उक्त ऋण और			
	राशियां या निदेशकों या भूतपूर्व प्रबंध ऐजेंटों या सचिवों और कोषपालों से⊸~	17	7% या उससे अधिक, परन्तु 9% से कम	
	यदि कोई हों,जमानत के रूप में कर्म- चारियों से, ऋय, विऋय या दूसरे ऐजेंटों	18	9% या उससे अधिक, परन्तु $10%$ से कम	
	से प्राप्त उक्त ऋण और राशियों या	19	10%या उससे अधिक, परन्तु 12% से ब	हम
	मिश्रित पूंजी कंपनियों से प्राप्त ऋण	20	12%या उससे अधिक	
	और अन्य सभी ऋण और प्राप्तियां	21	15 से 20 तक जोड़	

नोट: (i) संकेत सं० 7,14 और 21 के जोड़ को खंड (i) के ऋमशः संकेत सं० 5,8 और 19 के जोड़ से मेल खाना चाहिए। (ii) खंड (iii) की मद IV के जोड़ को खंड (i) की मद IV के जोड़ से मेल खाना चाहिए।

खण्ड (iv)

जमाराशियों और अधिकतम सीमाओं की तुलनात्मक स्थिति का विवरण

(अ) अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(9) और (3)(1)(9)(1) में उल्लिखित विभिन्न जमा राशियां और निर्धारित उच्चतम सीमा (राशि हजार रुपयों में)

				0-4	411			(राजि हमार याचा न)
	उपर्युक्त विभिन्न वर्गों की कुल		स्वा	धिकृत निधियां		उच्चतम सीमा (अर्थात	उच्चतम सीमा से	*कृपया बतायें कि क्या अधि- सूचना के पैराग्राफ 4(1) के
कारोबार बंध होने के समय की स्थिति	जमा शियां अर्थात् खंड (i) के संकेत सं० 5 का जोड़	चुकता पूंजी	अबाध प्रारक्षित निधि	हानिका शेष अंश, यदिकोई हो	वास्तविक स्वाधिकृत निधियां (3+4)-5	वास्तविक स्वाधिकृत निधियों का	अधिक जमाराशियां यदि कोई हो (27)	अनुसार अतिरिक्त जमा- राणियों का संमायोजन किया गया है? यदि नहीं तो ऐसा न करने का कारण बतायें
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
31 दिसम्बर								

1971

31 मार्च

1973

31 मार्च

1974

31 मार्च

1975

नोट:--*31-12-1971 को विद्यमान अतिरिक्त जमाराशियों का कम से कम एक तिहाई अंश 1-4-1973 के पहले, 31-12-1971 को विद्यमान अतिरिक्त जमा राशियों का दूसरा एक तिहाई अंश 1-4-1974 के पहले तथा यदि उक्त अतिरिक्त जमाराशियों का कोई शेष अंश हो तो उसे 1-4-1975 के पहले कम कर देना चाहिए।

(आ)) अधिसूचना के पैराग्राफ 3(i) (घ 31 मार्च 197 (अर्थात् विवर) (ii) में उल्लिखित विभिन्न जमारा णीकी तारीख) की स्थिति	गियों और उच्चतम सीमा	
उपर्यूक्त विभिन्न वर्गों की कुल जमाराणियां अर्थात खंड (i) के संकेत सं० ८ का जोड़	उच्चतम सीमा (अर्थात् वास्तविक स्वाधिकृत निधियों का 25%)	उच्चतम सीमा से अधिक जमा राशियां यदि कोई हों (1) (2)	टिप्पणियां	
(1)	(2)	(3)	(4)	
अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)	खंड (घ) और $3(1)(घ)(i)$ में उल्लि बाद् प्रतिदेय जमाराशियों के		छः महीने से कम अवधि के (राशि हजार रुपयों में)	
निम्नलिखित तारीख को कारो- बार बंद होने के समय की स्थिति	उक्त विभिन्न वर्गों की जमा- राणियों की कुल राणि (अर्थात् खंड (ii) के संकेत सं० 1 और 2 का जोड़)	वास्तविक स्वाधिकृत निधियों का 25%; खंड (iv) अका स्तंभ 7 देखिए	*फ्रुपया बतायें कि क्या अधि- सूचना के पैराग्राफ 4(3) के अनुसार ऐसी जमाराशियों का नियमन किया गया है। यदि नहीं, तो ऐसा न करने के कारण बताएं	
(1)	(2)	(3)	(4)	
31 दिसम्बर, 1971 31 मार्च, 1973 31 मार्च, 1974 31 मार्च, 1975				
नोट:——*(i) यदि अनियमित जमाराशियों की कुल राशि कंपनी की स्वाधिकृत निधियों के 25 प्रतिशत से अधिक न हो, तो ऐसी जमाराशियों को 1-4-1973 के पहले नियमित कर दिया जाए। (ii) यदि अनियमित जमाराशियों की कुल राशि कंपनी की स्वाधिकृत निधियों के 25 प्रतिशत से अधिक हो तो उसे निम्न प्रकार नियमित कर दिया जाए, (क) कम से कम वास्तविक स्वाधिकृत निधियों के 25 प्रतिशत के बराबर की ऐसी जमा राशियों को 1-4-1973 के पहले (ख) शेष राशि के कम से कम आधे अंश को 1-4-1974 के पहले और (ग) शेष अंश को 1-4-1975 के पहले नियमित कर दिया जाए। खंड (vi)				
कम्पनी के लेखा परीक्षित तुर	<mark>जनापन्न के</mark> अनुसार इस विवरणी की त	ारीख की निकटतम तारीख की कम्पन	ी की तुलनात्मक स्थिति (राशि हजार रुपयों में)	
विवरण	के तुलनपत्न के अनु- सार स्थिति	31-3-197 की विवरणी के अनुसार स्थिति	यदि कोई घट बढ़ हुई हो तो उसके कारण स्थूल रूप से दिए जाएं	
1	2	3	4	

- 1. चुकता पूंजी
- 2. अबाध प्रारक्षित निधियां
- 3. हानि का शेष यदि कोई हो ।
- 4. जमाराशियां*

	1	2	3	4
5.	छूट प्राप्त ऋण/प्राप्तियां	<u></u>	£	
आ.	आस्तियां*			
6.	ऋण और अग्रिम			
7.	<u>शेयरों डिबेंचरों औ</u> र			
	अन्य प्रतिभूतियों (वही			
	मूल्य) में निवेश			
∕8•	किराया खरीद अग्रिम			
9.	भूमि या मकानों की खरीद			
	की वित्तीय सहायता			
	करने के लिए ऋण			
10.	आय का मुख्य स्रोत			
	(विवरणों सहित)			
	*31 मार्च 197 को समाप्त हर	ावर्षके दौरान कल अधिकतम र	जमाराशि और सम्बन्धित तारीख	नीचे दी जाए ·
		वर्ष के दौरान अधिकतम जमार		
	(1)	पुष पाराग जावकातम् जनार (हजार रुपयों में)	ાયાત્રા	
	(ii)	किस तारीख को उपर्युक्त अधिक	तम राणि थी	
	(-/ @ खंड (i) के संकेत सं० 9 का जो			
	£खांड (i) के संकेत सं० 19 का			
	` '	क/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अ	धेकारी का प्रमाणपत्र	
				विार संबंधी वास्तविक आवश्यकताओ
	की पूर्ति के लिए प्राप्त की र		•	
			1) (च) (ix) के परंतुक के अनुस	ार निदेशकों और सदस्यों**से लि <mark>ख</mark> ित
	रूप में ये घोषणाएं प्राप्त व	ती गयी हैं कि उन्होंने कम्पनी कं	ो किसी दूसरे व्यक्ति से उधार लेव	कर या जमाराशियां स्वीकार कर प्राप्त
	की गयी निधियों से रकम	नहीं दी है ।		
	(3) यह प्रमाणित किया जाता है पालन किया है।	है कि कंपनी ने जमाराशियों की	ो अभ्यर्थना करते समय अधिसूप	वना के पैराग्राफ 5(i) के उपबंधों क
			के उप पैराग्राफ 2 में निर्धारित गयी हैं या परिवर्तित की गयी हैं।	प्रणाली से 1 जनवरी 1973 को या ।
	(5) यह प्रमाणित किया जाता है	कि कंपनी ने अधिसूचना के पैरा	प्राफ 6 की अपेक्षाओं का पालन वि	केया है ।
	(6) यह प्रमाणित किया जाता है			
	(7) यह प्रमाणित किया जाता	है कि विवरणी के इस भाग में [;] ष्टयों से सही और संपूर्ण हैं ।	पेश किये गये विवरणों /जानकार	ो का सत्यापन किया गया है और यह
	(जो प्रमाण पत्न लागून हो	•, -		
तारीख	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	•	प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत	
(II CIG	•		अधिकारी के हस्ताक्षर*	
			नाम:	
			पदनाम :	

(1)	इस विवरणी की तारीख	की निकटतम	तारीख के लेखा	परीक्षित तुलन	पत्न और लाभ-हानि
,	लेखें की प्रतिलिपि			•	•

[PART III—SEC. 4

THE GAZETTE OF INDIA, MARCH 17, 1973 (PHALGUNA 26, 1894)

706

भाग-II

**केवल निजी सीमित कम्पनियों के मामले में लागृ है।

ऋणों और अग्निमों तथा निवेशों के विवरण

(फार्म का यह भाग भरने से पहले निम्नलिखित अनुवेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

अनदेश

- कम्पनी की 31 मार्च तक की स्थिति के संबंध में इस भाग की विवरणी साल में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए शाहे कंपनी के विसीय वर्ष की तारीख कुछ भी क्यों न हो।
- 2. वार्षिक लेखा परीक्षा को अंतिम रूप देने/समाप्त करने जैसे कारणों से विवरणी को पेश करने में, विलंब नहीं होना चाहिए। कम्पनी की लेखा-बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विवरणी का संकलन किया जाना चाहिए।
- 3. इस विवरणी के उद्देश्यों के लिए किसी वर्ग से वही अर्थ लिया जाता है जो कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 373 की उप-धारा (11) में दिया गया है।
- 4. बही उधारों को खंड (i) में दर्शाना नहीं चाहिए जब तक बही उधार के रूप में किया गया लेन-देन प्रारंभ से ही ऋण के रूप में न हो।
- 5. खंड (i) के (iv) (6) में 'अन्य' के अन्तर्गत उन पार्टियों के संबंध में अलग विवरण दिये जाने चाहिये जिन्हें कम्पनी की अभिदत्त पूंजी के 10% से अधिक ऋण या अग्रिम प्रदान किये गए हों और वे बकाया हों।
- 6. इस विवरणी के उद्देश्यों के लिए सरकारी प्रतिभृतियों से वे प्रतिभृतियां अभिप्रेत हैं जो सरकारी ऋण अधिनियम, 1944 की धारा 2 (2) के अन्तर्गत "सरकारी प्रतिभृति" की परिभाषा में शामिल की गयी हैं।
- 7. किसी ऐसी कम्पनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेश करनी हो, किन्तु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फंड का कारोबार भी करती हो, इनाम प्राप्त चिट अभिदाताओं से प्राप्त होने वासी इनाम की राशि और चिट कारोबार को सुरक्षित ढंग से चलाने के लिए चिट फंडों के रजिस्ट्रारों को प्रभारित प्रतिभृतियों में निवेश की गयी राशि की सूचना विवरणी के इस भाग में देने की आवश्यकता नहीं है।
 - 8. सभी गोयरों, डिबेंचरों और निवेश लेखे में या व्यापार स्टाक के रूप में रखी हुई अन्य प्रतिभृतियों के विवरण दिए जाने चाहिएं।
 - 9. कम्पनियों के शेयरों और डिबेंचरों में किये गये निवेशों को सम्बन्धित कंपनी के प्रमुख कारोबार के अनुसार वर्गीकृत किया जाय ।
- 10. अंशत: चुकता शेयरों का अंकित मूल्य सम्बन्धित वर्ष के 31 मार्च को विद्यमान चुकता राशि हो। यदि शेयर बाजार में किन्हीं शेयरों का भाव नहीं बताया गया हो, तो प्रबंधक या प्रबंध निदेशक या निदेशक बीर्ड द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी या अन्य किसी सक्षम अधिकारी के द्वारा प्रमाणित मूल्य को 'बाजार मूल्य' स्तंभ के अन्तर्गत शामिल किया जाय।

दलालों के करारों में दर्शाया गया खरीद मूल्य अथवा बिक्री राशि (अंतरण शुल्क. मुद्रांक शुल्क और दलाली को छोड़कर) दिखाई जाय । तुलनपन्न के लिए मूल्य-ह्रास की जो व्यवस्था की गई हो अथवा निवेशों का जो पुनर्मूल्यन किया गया हो उसका समायोजन न किया जाय बल्कि उन्हें विवरणी के अंत में पद टिप्पणी में अलग से दिखाया जाये ।

	ऋण और अग्रिम	
	ग और अग्रिम प्रें के क्यों के अनुसार प्राणिक ।	
(ऋणकताञ	गों के वर्गों के अनुसार घर्गीकृत) खंड (i)	
		31 मार्च 197 को
 	पार्टी का नाम	राशि (हजार रुपयों में)
सं०	११६। ना पाप	(14 (6-11) 414(4)
	I. एक ही वर्ग की कंपनियां*	
	1.	
	2.	
	3.	
	4.	
	आदि	
	II. कंपनियां जो एक ही वर्ग की नहीं हैं *	
	1.	
_	2.	
	3.	
	4.	
	- आदि	
	III. कुल कम्पनियां	
	IV. कंपनियों से भिन्न पार्टियां	
	1. निदेशक	
	 भूतपूर्व प्रबंध एजेंट और भृतपूर्व सचिव तथा कोषपाल 	
	3. सबस्य	
	4. मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य कर्मचारी	
	 खरीदनेवाले, विकय करनेवाले और दूसरे एजेंट 	
	6. अन्य (कृपया अनुदेश सं० 5 देखिए)	
	V. 1 से 6 तक का जोड़	
	VI. कुल जोड़ (III+V)	
	AT Bel diff (TIT LA)	
	खंड (ii)	
बकाया ऋष	णों और अग्निमों का प्रतिभूतिषार वर्गीकरण	
	वगाभरण	31 मार्च 197 की
<u>,</u>		31 414 197 41
संकेत सं०	प्रतिभूति	राणि (हजार रुपयों में)
·	I. खाद्य वस्तुएं	
	1. धान और चावल	
	2. गेहूं	
	3. दालों को छोड़कर दूसरे अनाज	
	4. चीनी	
	5. गुड़	
	6. वनस्पति तेल	
	7. अन्य सभी खाद्य वस्तुएं	

- II. औद्योगिक कच्ची सामग्री
 - 8. मुंगफली
 - 9. दूसरे तिलहन
 - 10. रुई और कपास
 - 11. पटसन
 - 12. अन्य सभी औद्योगिक करूची सामग्री
- III. बागान उत्पाद
 - 13. चाय
 - 14. काफ़ी, काजू और अन्य बागान उत्पाद
- IV. निर्मित वस्तुएं और खनिज पदार्थ
 - 15. सूती वस्त्र
 - 16. जूट के वस्त्र
 - 17. दूसरे वस्त्र
 - 18 कोयला
 - 19. लोहा और इस्पात तथा इंजीनियरी वस्तुएं
 - 20. अन्य सभी निर्मित वस्तुएं
- V. दूसरी प्रतिभृतियां
 - 21. स्थावर संपत्ति
 - 22. सोना और चांदी बुलियन तथा गहने
 - 23 बैंकों में सावधि जमाराशियां
 - 24 सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभृतियां
 - 25. मिश्रित पूजी कंपनियों के शेयर और डिबेंचर
 - 26. अन्य सभी जमानती ऋण और अग्रिम
- VI. 1 से V तक का जोड़
- VII. गर जमानती ऋण और अग्रिम
- VIII. उक्त VI तथा VII का जोड़

*कृपया निजी कंपनियों के नाम तथा उनसे प्राप्य राशि का उल्लेख निर्दिष्ट स्तंभ में कीजिए। यदि स्थान पर्याप्त न हो तो एक पृथक कागज संलग्न किया जाय ।

खंड (iii) बकाया ऋण और अग्निमों का उद्देश्यवार वर्गीकरण

31 मार्च 197 को

संकेत सं०

उद्देश्य

राशि (हजार रुपयों में)

- I. उद्योग अर्थात् पैराग्राफ 2 (1) (জা) में परिभाषित औद्योगिक संस्थान
- II. वाणिज्य अर्थात् थोक व्यापार, फुटकर व्यापार तथा फ़सलों और वस्तुओं की आवाजाही या परिवहन
- III. कृषि अर्थात् अनाज, दालें और कृषि पण्य
- 1V. व्यावसायिक ऋण, अर्थात् व्यावसायिक कार्यकलापों या कारोबार की वित्तीय सहायता के लिए दिए गए ऋण।
 - V. व्यक्तिगत ऋण
- VI. अन्य सभी ऋण और अग्रिम
- VII. 1 से VI तक का जोड़

31 मार्च 197

को

काया निवेश	निवेश खंड (iv)	
	हैसियत के अनुसार वर्गीकृत अर्थात् वे एक ही वर्ग की हैं या एक ही वर्ग की नहीं हैं)	31 मार्च 197 को
iकेत io	विवरण	राशि (हजार रुपयों में)
	एक ही वर्ग की कंपनियां [★]	
	1.	
	2.	
	3.	
	4. आदि	
	जााद II कंपनियां जो एक ही वर्ग की नहीं हैं**	
	1	
	2	
	3.	
	4.	
	आदि	
	III **कंपनियों का जोड़ (I+II)	
	IV **अन्य निवेश (उदाहरणार्थ सरकारी तथा	
	अन्य न्यासी प्रतिभूतियों में	
	निवेश, बैंकों में रहने वाली	
	सावधि जमा राशियां और	
	भारतीय यूनिट ट्रस्ट के यूनिटों र्ने किने ण	
	में निवेश) V **ओड़ (III+1V)	

खंड (v) शोयरों डिबेंचरों और अन्य प्रतिभूतियों के बकाया निवेश

संकेत अ. कंपनियों के प्रमुख कारोबार के अनुसार वर्गीकृत उनके शेयरों (रागि हजार रुपयों में)
सं० और डिबेंचरों में निवेश

*अंकित *बही *बाजार
मूल्य मूल्य मूल्य

1 2 3 4 5

- 100 1. वस्त्र उद्योग
- 101 (क) सूती वस्त्र
- 102 (ख) जुट के बस्स्र

^{*}कृपया व्यक्तिगत कंपनियों के नामों और उनमें लगायी गयी राशियों का निर्दिष्ट स्तंभ में उल्लेख कीजिए । यदि स्थान पर्याप्त न हो तो एक पृथक कागज संलग्न किया जाय ।

^{**} खंड (iv) की मद III, IV और V के जोड़ों को खंड (v) के कमश: संकेत संख्या 320, 410+500 और 600 के साथ मेल खाना चाहिए।

1	2	3	4	5
103	(ग) रेशम, रेयन और दूसरे कृतिम धार्ग	Ì		
104	(ष) ऊनी वस्त्र			
105	(ङ) अन्य			
120	2. चीनी			
130	3. लोहा और इ स् पात			
140	4. अलोह धातु			
150	5. बिजली उत्पादन और सप्लाई			
160	6. इंजीनियरी			
170 180	 मोटरगाड़ियां और सहायक उपकरण बजली की मंगीनें 			
190	 परिवहन और बिजली की मशीनों को छोड़क 	तर दसरी मणीनें		
200	10. परिबह्न उपकरण			
210	11. रासायनिक पदार्थ			
211	(क) मूल औद्योगिक रासायनिक पदार्थ			
212	(ख) औषधीय तथा चिकित्सकीय पदार्थ			
213	(ग) अन्य रासायनिक पदार्थ			
220	12. खनन			
221	(क) कोयला-खनन			
222	(ख) अन्य खनन			
$\begin{array}{c} 230 \\ 240 \end{array}$	13. कागज और कागज से बनी वस्तुएं 14. सीमेंट			
250	15. ख निज तेल			
260	16. माचिस			
270	17. बागान			
271	(क) चाय			
272	(ख) माफ़ी			
273	(ग) रबड़			
274	(घ) अन्य			
280	18. वित्तीय कंपनियां :			
281	(क) बैंक			
282	(ख) बीमा कंपनियां			
283	(ग) निवेश न्यास			
284	(घ) अन्य			
290	19. व्यापार			
300	20. नौवहन और दूसरे परिवहन			
310	21. निर्माण 21. अ. अन्य कोई कंपनियां			
320	22. अका जोड़			

संकेत सं० आ. सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभूतियों में निवेश		(राणि हजार रुपयों में)			
	·	*अंकित मूल्य	*बही मूल्य	*बाजार मूल्य	
401	(i) केन्द्रीय सरकार के ऋण				
402	(ii) राज्य सरकारों के ऋण				
403	(iii) सरकारी बचत या वार्षिकी प्रमाणपन्न और दूसरे दायित्व				
404	(iv) नगरपालिका ऋण और डिबेंचर				
405	(v) पत्तन प्रबंध समिति के ऋण और डिबेंचर				
406	(vi) अन्य				
410	आ का जोड़				
500	इ. अन्य निवेश (उदाहरणार्थ बैंकों में रहने वाली सावधि जमा- राशिया और भारतीय यूनिट ट्रस्ट के यूनिटों में निवेश)				
600	अ+आ+इ का जोड़				

प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/

प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर:

नाम:

पदनाम :

तारीख

*^{**}जो लागू न हो उसे काट दें।

रिजार्व बैंक आफ इंडिया के उपयोग के लिए स्थान

अवधि	हैसियत	कारोबार	राज्य	
				संकेत देने जांच कर पंच करने
ļ				सत्यापन

संकेत देने वाले का नाम जांच करने वाले का नाम पंच करने वाले का नाम सत्यापन करने वाले का नाम

भाग III

किराया खरीद के कारोबार के विवरण (कृपया फार्म के इस भाग को भरने के पहले निम्नलिखित अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें)

अनुवेश

1. इस भाग के खंड (ii) की विवरणी कंपनी की 31 मार्च की स्थिति के संबंध में 30 जून के पहले साल में एक बार पेण की जानी चाहिए। यदि कंपनी का वित्तीय वर्ष दूसरा हो तो खंड (ii) की विवरणी 31 मार्च की निकटतम तारीख को समाप्त होने वाले कंपनी के वित्तीय वर्ष के संबंध में पेश की जाए; पहले छः महीने और दूसरे छः महीने को (या निदेशों में दी गई परिभाषा के अनुसार छमाही अवधि को) इस वर्ष की दो छमाहियों के रूप में माना जाएगा। इस प्रकार जिस कंपनी को 31 मार्च 1973 तक की अपनी विवरणी पेश करनी हो और जिसका वित्तीय वर्ष 31 दिसम्बर, 1972 को समाप्त होता हो उसे केवल उपर्युक्त वित्तीय वर्ष (31 मार्च 1973 की निकटतम तारीख) के संदर्भ में, और न कि 31 मार्च 1973 की संदर्भ में इस खंड को संकलित करना होगा। इसके अलावा, वर्तमान वर्ष और पिछले वर्ष के अंत में विद्यमान बकाया ऋण 31 मार्च 1973 और 31 मार्च 1972 के स्थान पर कमणः 31 दिसम्बर 1972 और 31 दिसम्बर 1971 की स्थिति से सम्बन्धित हो और मंजूर किया गया। नया ऋण 1 जनवरी 1972 से 31 दिसम्बर 1972 तक की पूरी अवधि से सम्बन्धित हो। दो छमाहियों में प्राप्त की गयी किस्तें 30 जून 1972 और 31 दिसंबर 1972 की स्थिति से सम्बन्धित हो।

^{*}कृपया भाग II का अनुदेश सं० 10 पिकुए।

^{***}प्रबंधक /प्रबंध निदेशक /प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्न :--यह प्रमाणित किया जाता है कि (i) से (v) तक के खंड में ऋणों, अग्रिमों और निवेशों के जो आंकड़े विए गए हैं उनका सत्यापन किया गया है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और संपूर्ण हैं।

- 2. वर्तमान वर्ष के अंत में वकाया रहने वाले ऋण की राशि पिछले वर्ष के अंत में विद्यमान बकाया ऋण और वर्तमान वर्ष के दौरान मंजूर किये गये नये ऋण में से दो छमाहियों के दौरान प्राप्त की गयी किस्तों की राशि को घटाने के बाद निकलने वाले आंकड़ों के बराबर हो।
- 3. यह विवरणी जब पहली बार पेश की जा रही हो तब इस भाग के खंड (i) में दिये गये प्रश्नों के उत्तर क्यौरेवार दिए जाने चाहिएं; उसके बाद यदि कोई परिवर्तन किया गया हो या कोई अतिरिक्त जानकारी हो तो केवल उसका उल्लेख किया जाए।
- 4. ऐसी किसी कंपनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेश करनी हो परंतु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फंड कारोबार भी करती हो किराया खरीद के लेन-देनों या ऐसे ऋणों की जिन्हें चिट फंड की आस्तियों के रूप में माना जाता हो, शामिल करने की आवश्यकता नहीं है।

खंड (i) प्रश्नावली (भ्रुपया उपर्युक्त अनुदेश 3 देखें)

(अ) प्रश्न

(आ) उत्तर

- 1. क्या आपकी कंपनी किसी निर्माण कंपनी की सहायक कंपनी है या अन्यथा किसी निर्माण या व्यापार प्रतिष्ठान से संबद्ध है? यदि ऐसी हो तो अत्यंत संक्षेप में ऐसी कंपनी के आवश्यक विवरण दिए जाएं।
- 2. आपकी कंपनी किराया-खरीद के आधार पर जिस माल का लेन-देन करती हो उसके स्थूल प्रकारों का उल्लेख किया जाय (अर्थात् मोटरगाडियां, टिकाऊ घरेलू वस्तुएं आदि)।
- 3. (क) अधिकांण लेखों के किराया-खरीद ऋणों के लिए आपकी कंपनी द्वारा सामान्यतः लिये जाने वाले एक सी (फ्लैंट) ब्याज* (प्रतिशत वार्षिक) की दर (एक समान) क्या है?
 - (ख) अधिकांश लेखों के किराया-खरीद ऋणों के लिए आपके द्वारा ली जानेवाली वास्तविक ब्याज दर** (प्रतिशत वाधिक) क्या है?
 - (ग) क्या आप किराया-खरीद ऋण का वितरण ब्याज के लिए कोई अग्रिम कटौती किये बिना करते हैं?
 - (घ) किन समयांतरों में आप ब्याज की वसूली करते हैं?
- 4. माल के किराया-खरीद संबंधी बिकी में ब्याज के अलावा और कौन-से प्रमुख प्रभार शामिल किये जाते हैं? (किराया-खरीद करने वालों के साथ किये गये करार के फार्म की एक प्रतिलिपि यदि इसके पूर्व पेश न की गयी हो तो अब हमारे पास भेजी जाए)।
- 5. आपकी कंपनी किस आधार पर किराया-खरीद करने वाले की तत्काल अदायगी की राशि या नकदी जमाराशि निर्धारित करती है? यदि वह सम्बन्धित माल के बिक्री मूल्य का कोई निर्धारित प्रतिशत हो तो कृपया उस प्रतिशत का उल्लेख करें।
- 6. क्या आप किराया-खरीद करने वालों से ली गयी नकदी जमा-राशिया तत्काल अदायगी पर ब्याज अदा करते हैं? यदि हां, तो कृपया दिये जाने वाले ब्याज की दर (प्रतिवात वार्षिक) का उल्लेख करें।
- 7. पूंजी और प्रारिक्षित निधि और किराया-खरीदारों की जमा-राशियों के अलावा आपके कारोबार की निधियों के दूसरे स्रोत क्या हैं?
- *ब्याज की एक सी (फ्लैंट) दर का अर्थ वह दर है जो मंजूर की गयी किराया-खरीद की पूरी राशि पर लगाई गयी हो, न कि देय रहने वाली घटती हुई बकाया राशि पर लगाई गयी ब्याज-दर है।
- **ब्याज की सही दर का अर्थ समय-समय पर बकाया रहने वाल ऋण की वास्तविक राणि पर लगायी गयी ब्याज की दर है।

खंड (ii) 31 मार्च 197 को समाप्त हुए वर्ष के लिए किराया-खरीद कारोबार

		(কু	पया अनुदेश	(सं०1 देखें)	_		(राणि हजार	रुपयों में)
संकेत सं०	किराया खरीद के माल	31 माच को सम चालू व दौरान मंजू गया नया	ाप्त हुए र्ष के र किया	31 मार्च 197 को समाप्त हुए पिछले वर्ष के अंत में बकाया ऋण	31 मार्च को समाप् चालू वर्ष छमाहिः दौरान प्रा किस्तें	त हुए की दो प्रोंके	31 मार्च 197 को समाप्त हुए चालू वर्ष के अंत में बकाया ऋण	(कृपया अनुदेश 2 देखें)
		राशि	करार की अवधि	राषि	30 सितंबर	31 मार्च	राशि	
			अपाद		राशि	राशि		
	(क) मोटर गाड़ियां							
01	(i) ट्रक और लारियां							
02	(ii) कार							
03	(iii) स्कूटर							
04	(iv) अन्य							
	(ख) टिकाऊ घरेलू वस्तुएं :							
001	(i) रेडियो रिसीवर							
002	(ii) पंखें (;;;) नेपीकोन							
003 004	(iii) रेफीजरेटर (iv) सिलाई की मशीनें							
004	(v) अन्य							
010	(ग) अ.च (ग) क्वषि-उपकरण : (ट्रैक्टर, बुलडोजर, आदि)							
020	(च) औद्योगिक मशीनें या औजार या उद्योग के काम आने वार् उपकरण	ने						
0.20	(ङ) अन्य सभी							
030	(*) =1.4 (1.11							

**प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्र :---यह प्रमाणित किया जाता है कि खंड (i) और (ii) के अन्तर्गत कंपनी के किराया-खरीद कारोबार के जो आंकड़े दिए गए हैं उनका सत्यापन किया गया है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और संपूर्ण हैं।

*कृपया अधिसूचना का पैराग्राफ II देखें। **जो लागू न हो उसे काट दें।

**प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/ प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर:

नाम:

पदनाम :

तारीख:

(रिज़र्व बैंक आफ इंडिया के उपयोग के लिए स्थान)

			
अवधि	है सियत	कारोबार	राज्य
		(

गोपनीय

फार्म---आर० पी० एफ०

चौथी अनुसूची

(कृपया तारीख 29 अक्टूबर 1966 की अधिसूचना सं० डी० एन० बी० सी० 1/ई० डी० (एस०) -66 का पैराग्राफ 13 देखें।)

(जो गृहनिर्माण वित्त कम्पनियां और पारस्परिक हित वाली वित्तीय कम्पनियों धरों के अधिग्रहण या निर्माण के वित्तपोषण का कार्य, जिसमें उसके संबंध में भूमिखंडों के अधिग्रहण या विकास का वित्तपोषण शामिल है, अपने प्रमुख कारोबार के रूप में करती हैं उन सभी कम्पनियों को इसे भरना चाहिए।)

भाग 1

31 मार्च 197 को गृहनिर्माण बित्त कम्पनियों के पास रहने वाली जमा राशियां
संकेत सं० (1) कम्पनी का नाम
————— (2) पूरा पता
(क) पंजीकृत कार्यालय
(ख) [*] प्रधान/प्रशासी कार्यालय
——————— (3) किस राज्य में कम्पनी पंजीकृत है:
(4) हैसियत* : निजी/सार्वजनिक सीमित कम्पनी/
विदेशी कस्पनी की शाखा
(5) कम्पनी की पंजीकरण संख्या
(७) (क) निगमन की तारीख,
(ख) कारोबार प्रारंभ होने की तारीख
(7) कम्पनी का वित्तीय वर्षे
(৪) कम्पनी के बैंकर (रों) का (के) नाम और पता
*'जो लाग नहीं हो उसे काट वें।

नोट:—इस विवरणी को भरने के बाद मुख्य अधिकारी, गैर बैंकिंग कम्पनी विभाग, रिजर्व बैंक आफ इंडिया, 15, नेताजी सुभाष रोड, पोस्ट बाक्स सं० 571, कलकत्ता के पास भेज दिया जाए।

फार्म के भाग I को भरने के लिए अनुदेश

- 1. 31 मार्च तक की कम्पनी की स्थिति के संबंध में इस भाग को विवरणी साल में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए चाहे कम्पनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कुछ भी क्यों न हो।
- 2. वर्षिक लेखा परीक्षा को अंतिम रूप देना/समाप्त करना जैसे कारणों से विवरणी को पेश करने में विलंब नहीं होना चाहिए । कम्पनी की लेखा बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विवरणी का संकल्लन किया जाना चाहिए ।
- 3. किसी ऐसी कम्पनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेश करनी है, किन्तु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फंड कारोबार भी करती है, चिट या कुरी करारों के अधीन अभिदानों के रूप में प्राप्त राशि को जमा राशि के रूप में नहीं समझा जाएगा ; देखिए गैर बैंकिंग विसीय कम्पनी (रिजर्वेबैंक) निदेशावली, 1966 के पैराग्राफ 2(1)(च) का खंड (vii)।
- 4. तारीख 29 अक्टूबर 1966 की अधिसूचना सं० डी॰ एन० बी० सी० 1/ई० डी० (एस०)-66 के पैराग्राफ 2(1)(च) में उल्लिखित कतिपय अपवादों को छोड़कर गैर जमानती उधारों को जमाराणियों के रूप में माना जाता है।
- 5. भूतपूर्व प्रबंध एजेंटों या सचिवों और कोषपालों द्वारा, यदि कोई हों, गारंटीकृत गैर जमानती ऋणों को जमाराशियों के रूप में माना जाता है। यदि उपर्युक्त गैर जमानती ऋणों को अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1) (घ) में उल्लिखित और इस भाग के खंड (i) के संकेत सं० 1 के अधीन वर्गीकृत जमाराशियों के रूप में स्वीकार करना है तो उन्हें निम्नलिखित मानवंडों को पूरा करना होगाः---
 - (क) ऋणकर्ता कम्पनी को वचनपत्नों द्वारा या ऋण करारों को प्रमाणित करने वाले पत्नाचारों द्वारा उन्हें प्रमाणित करना
 - (ख) कम्पनी के भूतपूर्व प्रबंध एजेंटों या सचिवों और कोषपालों धारा, यदि कोई हों, अपनी वैयक्तिक हैसियत से इन ऋणों की वापसी अदायगी के लिए गारंटी दी जानी चाहिए, और
 - (ग) इन ऋणों को कम्पनी की बहियों में सावधि ऋण लेखों में रखन चाहिए। ऋणों की आंशिक बापसी अदायगी की जा सकती है; किन्तु नये ऋणों की राशि उसी लेखे में स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।

यदि उपर्युक्त कोई गैर जमानती ऋण उक्त तीन मानदंडों में से किसी की पूर्ति न करें तो उसे अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1) (घ)(ii) में उल्लिखित जमा राणि के रूप में माना जाए और इस कारण उसे यथास्थिति इस भाग के खंड (i) में संकेत सं० 6 या 7 के अधीन वर्गीकृत किया जाए।

- 6. फिलहाल लागू रहने वाली किसी साहूकारी विधि के अधीन पंजीक्वत व्यक्ति से स्वीकृत ऋणों को यदि वे उपर्युक्त अनुदेश सं० 5 के (क) और (ग) में उल्लिखित मानदंडों की पूर्ति करें तो 'जमाराशि' की परिभाषा से छूट दी जाती है।
- 7. लेखों की संख्या वास्तविक अंकों में दी जानी चाहिए और जमाराशि का उल्लेख हजार रुपयों में किया जाना चाहिए। राशि को निकटतम हजार में पूर्णीकित करना चाहिए और तीन गून्यों को हटा देना चाहिए। उदाहरण के लिए रु० 4,560 को 5 के रूप में दिखाना चाहिए, न कि 4.6 या 5,000 के रूप में।
- 8. विवरणी के इस भाग के खंड (iii) में जमा राशि प्राप्त करने के लिए अदा की गयी दलाली को ब्याज-दर में जोड़ना नहीं चाहिए, किन्तु सारणी के अंत में पाद टिप्पणी में उसका उल्लेख कर देना चाहिए।
- 9. प्राप्त की गयी कोई ऐसी राशि जिसे विकिष्ट रूप से तारीख 29 अक्तूबर 1966 की अधिसूचना सं० डी० एन० बी० सी० 1/\$0 डी० (एस०)-66 के पैराग्राफ 2(1) (च) के उपखंड (i) से लेकर (xiii) तक में उल्लिखित 'जमाराशि' से अलग किया गया है, विवरणी के इस भाग के खंड (i), (ii) और (iii) की मद III के अन्तर्गत विभिन्न संकेत संख्याओं के अधीन वर्गीकृत की जानी चाहिए।

न्याय के रूप में प्राप्त राशि, माल की सप्लाई या सेवाओं के लिए प्राप्त पेशनी रकम, ठेकेदारों से प्राप्त जमानत राशि और अन्य छूट प्राप्त राशियों को विवरणी के इस भाग के खंड (i) में सं० 10 से 17 तक के संकेतों में से किसी भी संकेत के अन्तर्गत वर्गीकृत नहीं किया जा सकता; किन्तु उन्हें उसी खंड के संकेत सं० 18 के अन्तर्गत दिखाया जाए।

- 10. विवरणी के इस भाग के खंड (ii) में उल्लिखित जमाराशियों का अवधिवार वर्गीकरण उन अवधियों के अनुसार जिनके लिए वे मूलतः प्राप्त की गयी हैं/पहले नवीकृत की गयी हैं और न कि उन अवधियों के अनुसार जहां तक उन्हें 31 मार्च अर्थात् विवरणी की तारीख से जारी रहना चाहिए, मद I और II के अधीन विभिन्न संकेत संक्याओं के अन्तर्गत किया जाना चाहिए। जिन राशियों की समाप्ति की अवधि निर्दिष्ट नहीं हो या जो राशियों किस्तों में चुकायी जानी हो, उन्हें उपर्युक्त मदों के अधीन कमशः संकेत सं० 1 और 10 के अन्तर्गत दिखाना चाहिए और तत्संबंधी परिस्थित की उचित व्याख्या पाद टिप्पणियों में दी जानी चाहिए।
- 11. जमाराशियों, छूट प्राप्त उधारों और ब्याजरहित प्राप्तियों को इस भाग के खंड (iii) मैं यथास्थिति मद I, II और III के अधीन ऋमशः संकेत सं० 1, 8 और 10 के अन्तर्गत वर्गीकृत करना चाहिए।
- 12. केवल उन्हीं प्रारक्षित राशियों को जिन्हें कंपनी के तुलन पत्न में इस प्रकार दिखाया या प्रकाशित किया गया हो कि किसी सामान्य या अनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए रख लिया जाता है, 'अबाध प्रारक्षित निधियों' के रूप में माना जाएं और विवरणी के इस भाग के खंड (iv) और (v) में दिखाया जाए । किसी ऐसी दूसरी प्रारक्षित निधि को जिसे लेखा परीक्षित तुलन पत्न में इस प्रकार दिखाया गया हो कि उसे किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए अलग रखा गया है, हिसाब में नहीं लेना चाहिए चाहे उसके निर्माण का वास्तविक उद्देश्य कुछ भी क्यों न हो। निम्नलिखित प्रारक्षित निधियों को सामान्यतः अबाध प्रारक्षित निधियों के रूप में माना जाता है:
 - (i) सामान्य प्रारक्षित निधि
 - (ii) पुंजीगत प्रारक्षित निधि
 - (iii) पुंजीगत शोधन प्रारक्षित निधि
 - (iv) आकस्मिक प्रारक्षित निधि
 - (v) सांविधिक विकास छूट प्रारक्षित निधि या विकास छूट प्रारक्षित निधि
 - (vi) शेयर प्रीमियम लेखें में जमा
 - (vii) सामान्य प्रारक्षित निधि के रूप में विद्यमान अधिशेष ।
- 13. अधिसूचना के पैराग्राफ 13(2)(i) की अपेक्षा के अनुसार कम्पनी के प्रमुख अधिकारियों के नामों और पदनामों तथा निदेशकों के नामों और पतों की सूची संलग्न की जानी चाहिए यदि उक्त सूची अब तक रिजर्व बैंक आफ इंडिया को भेजी नहीं गयी हो।
- 14. जब तक अन्यथा कोई संकेत न दिया जाए, गैर बैंकिंग विसीय कम्पनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 में दी गयी परिभाषाएं, जहां तक वे संगत हों, लागू होंगी।
- 15. विवरणी पर (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 2 में दी हुई परिभाषा के अनुसार) प्रबंधक को हस्ताक्षर करने चाहिए और यदि कोई ऐसे प्रवन्धक न हों तो उस पर प्रबंध निदेशक द्वारा या कम्पनी के किसी ऐसे अधिकारी को जिसे निदेशक बोर्ड ने इस उद्देश्य के लिए विधिवत् प्राधिकृत किया हो और जिसके नमूना हस्ताक्षर रिज़र्व बैंक को पेण किये गर्ये हों, हस्ताक्षर करना चाहिए । यदि नमूना हस्ताक्षर निर्धारित कार्ड में नहीं दिये गये हों तो विषरणी पर प्राधिकृत अधिकारी हस्ताक्षर कर सकते हैं और उनके नमूना हस्ताक्षर अलग से पेश किये जा सकते हैं।
- 16. यदि, विवरणी के किसी भाग/अनुभाग में कोई भी सूचना नहीं देनी है तो उसमें 'कुछ नहीं' लिखा जाना चाहिए और उसके साथ जोड़े गये प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के प्रमाण-पन्न पर यथाविधि हस्ताक्षर किये जाने चाहिए। 8—509GI/72

				चंद्र $({f I})$				
र्ब	नाया	जमाराशियां, आवि	द				31 मार्च 197	7 को
संकेत सं०		जमा राशियों, छूट प्राप्त	त उधारों और प्राप्तियं	ों के प्रकार	लेखों की संख्या	राशि	(हजार रुपयों	में)
1		2		3		4		
	I.	अधिसूचना के पैराप्र (i) में उल्लिख		₹ 3(1)(♥)				
1	(斬)		ों <mark>या सभियों औ</mark> र व ों के रूप में प्राप्त उ					
2	(ख)	गैर जमानती डिवेंच ः	र					
3	(ग)	•	जीसीमित कम्पली वे ा नैर अमानती ऋष्	_				
4	(ष)		फ्नी निजी हैसियत जो सहित जमा राशिय	-				
5	(₹)	जोड़ (क+स्व+ग	r+ ष)	,				·
	II.	अधिसूचना के पैराश जमा रागि वर्ग	गाफ 3(1) (ष) (ii)	में उल्लिखित				
6	(घ)	सावधि जमा राशि	गां					
	(घच)	सहयोगी सदस्यों से	प्राप्त जमाराशियां [£]					
7	(छ)	कोई दूसरी जमा रा	शियां	•				
8	(ৰ)	जोड़ (च+छ)		-				
9	(i)	(I)+(II) 	जोड़		-	<u> </u>		
	III.		औ र प्राप्तियों जिन्हें गाना जाता [अधिसूच			- - -		
		·) से (xiii) तक देव					
10	(Ħ)		या सचिवों और क	-				
11	(হ্ন)	निदेशकों से प्राप्त र	राशि*					
12	(E)	निजी सीमित कम्प	जी के मामले में सदस	मों** से प्राप्त [ः]	राशि			
13	(ઠ)	क र्मचा रियों से प्राप		*				
14	(3	कय, विक्रय याः केलिए प्राप्तः	अन्य एजेन्टों सेकारे राणि	ोबार के उद्देश्य				
15	(4)	मिलाकर) प्रा						
16	(ण)	से प्राप्त उधार	रिवींकों और अन्य	निर्दिष्ट संस्थाअं	î			
17	(त)	विदेशी स्रोतों से प्रा	प्त राशि					
18	(थ)		उधार और प्राप्तियां प में महीं मानाबा		•			

<u> </u>	2		3	4
19	(द) ओड़ (झसेथ तक)			
				
20	IV उपर्युक्त I, और III का जोड़		`	
	भैयहां प्रयुक्त किये गये शब्द 'सदस्य' से एक ऐसा व्या कृपयाध्यान दें कि ऐसे व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे व्यक्ति से राशि को छूट नहीं दी जाती (अधिसूचना क के पहले कम्पनी को उस व्यक्ति के इस अ £परस्पर लाभवाली विसीय कम्पनियों के मास्	उधार लेक ग पै राग्राफ ग्रिय की ग	र या जमा राशि स्वीकार कर प्र $2(1)(rak u)(ix)$ देखें $)$ । उसकी एक घोषणा प्राप्त कर लेनी चाहि।	ाप्त की गयी निधियों से प्राप्त राशि को इस वर्ग में जोड़ने
		₹(ii)		
अमारा	शियों, आदि की अवधि	` '		31 मार्च 197 को
संकेत सं०	जमाराणियों, छूट प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	संकेत सं०	जमाराशियों, छूट प्राप्त ऋणों और प्राम्तियों की अवधि (अनुदेश सं० 10 देखें) ।	लेखों की संख्या राशि (हजा रुपयों में)
1	2		3	4
	भूतपूर्व प्रबंध ऐजेंटों या सचिय और कोषपालों, यदि कोई हों, द्वारा गार्यटकृत ऋणों के रूप में प्राप्त जमा राशियां, गैर-जमानती डिगेंचर, सदस्य (जो निजी सीमित कम्पनी के सदस्य नहीं होते) से प्राप्त गैर-जमानती ऋणों स्प्रीहत जमा राशियां और निदेशकों द्वारा गारंटीकृत गैर जमानती ऋणे सद्धित जमा राशियां	† ' 2	के बाद, परन्तु 12 महीने से कर कम अविधि में प्रतिदेय। 12 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 24 महोने से कम अविधि में प्रतिदेय 24 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 36 महीने से कम अविधि में प्रति- देय	

8 1 से 7 तक का जोड़ [(नोट सं॰(i) देखें)] 1

2

दूसरी जमा राशियां

00 II जमाराशियां अर्थात् सावधि जमा राशियां और कोई

अति देय और/या अदावी

4

- 10 मांग पर या नोटिस पर या अन्यथा 6 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय; इनमें उपर्यृक्त संकेत सं० 9 में उल्लिखित जमा राशियां शामिल नहीं हैं।
- 11 6 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 12 महीने से कम अविधि में प्रतिदेय
- 12 12 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 24 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय
- 13 24 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद, परन्तु 36 महीने से कम अविधि में प्रतिदेय
- 14 36 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 60 महीने से कम अविध में प्रति-देय
- 15 60 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद प्रतिदेय
- 16 9 से 15 तक का ओड़ (नोट सं० ii देखें)
- 000 III छूट प्राप्त ऋण और ऐसी प्राप्तियां जिन्हें जमाराशियों के रूप में नहीं माना जाता; अर्थात निजी
 सीमित कम्पनियों के मामले में सदस्यों से प्राप्त
 उक्त ऋण और राशियों या निदेशकों या भूतपूर्व
 प्रबन्ध एजेंटों या सिचवों और कोषपालों से—यदि
 कोई हों—जमानत के रूप में कर्मचारियों से, ऋय,
 विक्रय या दूसरे एजेंटों से प्राप्त उक्त ऋण और
 राशियों या मिश्रित पूंजी कम्पनियों से प्राप्त
 ऋण और अन्य सभी ऋण और प्राप्तियां
- 17 मांग पर या नोटिस पर या अन्यथा 6 महीने से कम अविध में प्रतिदेय
- 18 मांग पर या नोटिस पर या अन्यथा 6 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 12 महीने से कम अविध में प्रतिदेय
- 19 12 महीने या उससे अधिक अविध के बाद, परन्तु 24 महीने से कम अविध में प्रतिदेय
- 20 24 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 36 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय
- 21 36 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद, परन्तु 60 महीने से कम अवधि में प्रतिदेय

1	2	3	4
		22 60 महीने या उससे अधिक अविधि के बाद प्रतिदेय	
		23 17 से 22 तक का जोड़ (नोट सं० iii देखें)	
0000 IV, I	II और III का जोड़	- (नोटस० IV देखें) -	

- (i) संकेत सं० 8 के जोड़ को खंड (i) के संकेत सं० 5 के जोड़ से मेल खाना चाहिए।
- (ii) संकेत सं० 16 के जोड़ को खंड (i) के संकेत सं० 8 के जोड़ से मेल खाना चाहिए।
- (iii) संकेत सं० 23 के जोड़ को खंड (i) के संकेत सं० 19 से मेल खाना चाहिए।
- (iv) खंड (ii) की मद IV के जोड़ को खंड (i) की मद IV के जोड़ से मेल खाना चाहिए।

खंड (iii)

7	31 मार्च 197 को				
संकेत सं०	जमा राधियों, छूट प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	संकेत सं		ब्याज दर	राशि (हजार रुपयों में)
1	2	3	/	4	5
0 1	भूतपूर्व प्रबंध एजेंटों या सचिवों और कोष-	1	5% और उस		
	पालों, यदि कोई हों, द्वारा गारंटीकृत	2		परन्तु 7% से कम	
	ऋणो के रूप में प्राप्त जमा राशियां,गैर जमा नती डिबेंचर, सदस्यों (ओ निजी सीमित	3	7% या उससे	अधिक, परन्तु 9 % से कम	
	कम्पनी के सदस्य नहीं होते) से प्राप्त गैर	4	9% या उससे	अधिक, परन्तु 10% से	केम
	जमानती ऋणों सहित जमाराशियां और	5	10% या उस	से अधिक,परन्तु 1 2% से व	न्म
	निदेशकों द्वारा गारंटीकृत गैर जमानती ऋणों सहित जमाराशियां	6	12% या उसरे	ो अधिक	80° 90 90° 00° 00° 00° 00° 00° 00° 00° 00
		7	1, से 6 तक का	जोड़	
00 II	जमाराशियां अर्थात् सावधि जमा राशियां	8	5% और उसरे	ने कम	
	और कोई दूसरी जमा राशियां	9	5% से अधिक,	परन्तु 7% से कम	
		10	7% या उस्से	अधिक, परन्तु 9% से कम	
		11	9% या उससे	अधिक, परन्तु 10 % से कम	
		12	10% या उसरे	ो अधिक, प र न्तु 12% से कम	ſ
		13	12% था उसरे	ते अधिक -	
		14	8 से 13 तक क	। जोड़	
000 III	छूट प्राप्त ऋण और ऐसी प्राप्तियां जिन्हें जमा	15	5% और उस	क्षे कम	
-	राशियों के रूप में नहीं माना जाता; अर्थात् निजी सीमित कम्पनियों के मामले में	16	5% से अधिक	,परन्तु 7% से कम	
	सवस्यों से प्राप्त उक्त ऋण और राशियां या निदेशकों या भूतपूर्व प्रबंध एजेंटों या सचिवों और	17	7% या उससे	अधिक, परन्तु 9% से का	न

- नोट: *(i) यदि कुल अनियमित जमाराशियां कम्पनी की स्वाधिकृत निधियों के 25% से अधिक नहीं हैं तो ऐसी जमाराशियों को 1-4-1973 के पहले नियमित कर देना चाहिए।
 - (ii) यदि कुल अनियमित जमाराशियां कम्पनी की स्वाधिकृत निधियों के 25% से अधिक हैं तो उन्हें निम्न प्रकार नियमित किया जाए: (क) कम से कम भुद्ध स्वाधिकृत निधियों के 25% के बराबर की जमाराशियों को 1-4-1973 के पहले, (ख) कम से कम शेष अंश के अर्धाश को 1-4-1974 के पहले और (ग) शेव अंश को 1-4-1975 के पहले।

खंड (V)

कम्पनी केलेखा परिक्षित तुलनपन्न के अनुसार इस विवरणी की तारीख की निकटतम तारीख की कम्पनी की तुलनात्मक स्थिति (राणि हजार रुपयों में)

विवरण		31-3-197 की विवरणी के अनुसार स्थिति	यदि कोई घट-बढ़ हुई हो तो उसके कारण स्थूल रूप से दिए जाएं
1	2	3	4

अ-देयताएं

- 1. चुकता पूंजी
- 2. अबाध प्रारक्षित निधियां
- 3. हानि का शेष यदि कोई हो
- 4. जमाराशियां*

(a)

5. छूट प्राप्त ऋण/प्राप्तियां

£

आ---आस्तियां

- 6. ऋण और अर्ग्रिम
- 7. शेयरों, डिबेंचरों और अन्य प्रतिभृतियों (बही मूल्य) में निवेश
- 8. किराया खरीव अग्रिम
- भूमि या मकानों की खरीद की वित्तीय सहायता करने के लिये ऋण
- 10. आय का मुख्य स्रोत (विवरणों सहित)
 - *31 मार्च 197 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान कुल अधिकतम जमाराणि और सम्बन्धित तारीख नीचे दी जाए:
 - (i) वर्ष के दौरान अधिकतम जमाराशियां (हजार रुपयों में)
 - (ii) किस तारीख को उपर्युक्त अधिकतम राशि थी

@ खंड (i) के संकेत सं० 9 का जोड़ यहां दर्शाया जाए।

खंड (i) के संकेत सं० 19 का जोड़ यहां दर्शाया जाए।

प्रबंधक/प्रबंध/निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्रः

- (1) यह प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी के इस भाग में दी गयी जमाराशियां कम्पनी की कारोबार संबंधी वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्राप्त की गयी या नवीकृत की गयी।
- (2) यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना केपैराग्राफ 2(i)(च)(ix) के परन्तुक के अनुसार निदेशकों और सदस्यों** से लिखित रूप में ये घोषणाएं प्राप्त की गयी हैं कि उन्होंने कम्पनी को किसी दूसरे व्यक्ति से उधार लकर या जमाराशियां स्वीकार कर प्राप्त की गयी निधियों से रकम नहीं दी है।
- (3) यह प्रमाणित किया जाता है कि कम्पनी ने जमाराशियों की अभ्यर्थना करते समय अधिसूचना के पैराग्राफ 5(1) के उपबंधों का पालन किया है।
- (4) यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना के पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ 2 में निर्धारित प्रणाली से 1 जनवरी 1973 को या उसके पहले जमाराशियां स्वीकार की गयी हैं, नवीकृत की गयी हैं या परिवर्ति की गयी हैं।
- (5) यह प्रमाणित किया जाता है कि कम्पनी ने अधिसूचना के पैराग्राफ 6 की अपेक्षाओं का पालन किया है।
- (6) यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना के पैराग्राफ 7 में बतायी गयी प्रणाली से जमाराशियों की बहियां रखी गयी है।
- (7) यह प्रमाणित किया जाता है कि विधरणी के इस भाग में पेश किये गये विवरणों/जानकारी का सत्यापन किया गया है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और संपूर्ण हैं। (जो प्रमाणपत्न लागृन हो उसे काट दें)

_	ء_	
a		2

प्रबधक/प्रबध	निषशक/प्राधिकृत	अधिकारी	क
हस्ताक्षर		·	_
नाम	·		
पदनाम	- N		

722 THE	GAZETTE OF INDIA,	MARCH 17, 1973 (1	PHALGUNA 26, 1	[PART III—Sec.
विवरणी के अनुलग्				
यदि निम्	नलिखित दस्तावेज पहले ही भे	•		या जाए। संलग्न दस्ता <mark>वेज के</mark> लिए
संबंधित मद के स	गामने चौकोर में निशान लगा	दें और अन्य मामलों में पेश	ा किये जाने की सारी	ब का उल्लेख करें।
(1) इस	विवरणी की तारीख की निकटत	ाम [्] तारीख केलेखापरीक्षित तुः	तनपत्र और लाभ-हानि ले	खे की प्रतिलिपि
(2) नम्	ना हस्ताक्षर कार्ड (क्रपया अनुदेश	सं० 15 देखें)		
(3) अधि	धसूचना के पैराग्राफ 5 के उप पै	राग्राफ (2) में उल्लिखित आं	वेदनपक्ष की प्रतिलिपी	
(4) 31	। मार्च 197 को समाप्त हुए से प्रत्येक की प्रतिलिपि	वर्ष के दौरान यदि कोई विज्ञ	ापन जारी किये गये हों	तो उनमें
(5) आ	धेकारियों और निदेशकों की सू (रिजर्वबैंक आफ इंडिय	ची (कृपया अनुदेश 13 देखें) IT के उपयोग के लिए स्थान))	
अवधि	हैंसियत	कारोबार	राज्य	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
				संकेत सं० देनेवाले का नाम जीच करने वाले का नाम पंच करनेवाले का नाम सत्यापन करनेवाले का नाम
*जो लागू	न हो उसे काट दें।			· —-· ——- ——
**केवल निष्	जी सीमित कम्पनियों के मामले	। में लागू है।		
		भाग 11		
	गृह वि	नर्माण वित्त संबंधी कारोबार	के विवरण	
		खंड (i)		
		प्रश्नावली		

(जब यह विवरणी पहली बार पेण की जा रही हो, तब प्रश्नावली का क्योरेवार उत्तर दिया **जाए। उसके बाद** यदि स्थिति में कोई परिवर्तन हो तो उसका संकेत किया जाए और यदि पहले सूचित की गयी स्थिति में कोई परिवर्तन न हुआ हो तो उसका विशेष रूप से उल्लेख किया जाए।)

(अ) प्रश्न

- 1. क्या आप ब्याज के अलावा, कई अन्य फीस, अर्थात् हकों की छानबीन करने की फीस, कानूनी प्रभार, मुद्रांक शुल्क, पंजीकरण और आर्किटेक्ट की फीस या अन्य खर्चों के लिए कोई राशि लेते हैं या वसूल करते हैं ? यदि हों तो इन प्रभारों के स्वरूप को संक्षेप में बताएं।
- 2. क्या आप नियत तारीखों को ऋणों की वापसी अदायगी होने में विलम्ब होने पर दण्ड स्वरूप ब्याज लेते हैं ?
- यदि ऋणकर्ता मंजूर कियेगये ऋण का समय पर उपयोग न करे तो क्या आप कोई वायदा फीस या ब्याज लेते हैं?
- 4. ऋण मंजूर करने के पहले आप कौन-सी(क) प्रधान और (ख) समर्थक जमानत लेते हैं और भूमि/ संपत्ति के मूल्य पर कौन-सा नियमित या साधा-रणतम मार्जिन रख लेते हैं? कृपया ऋण संबंधी करार के अपने मानक फार्म की एक प्रतिलिपि संलग्न करें।

खंड (ii)

भूमि या मकान खरीदने के लिए दिये गये ऋणों की बकाया राशि

31 मार्च 197 को

संकेत सं०

लेखों की संख्या

राणि (हजार रुपयों में) इस वर्ग में लिये जाने-वाले ब्याज की न्यूनतम और उच्च-

तम दरें।

(1) सदस्यों को दिये गये ऋण

६० 5,000 तक

रु० 5,001 से रु० 10,000 तक

ह० 10,001 से रु० 15,000 तक

रु० 15,001 से रु० 25,000 तक

रु० 25,001 से रु० 50,000 तक

रू० 50,001 से रू० 1,00,000 तक

र० 1,00,000 से अधिक

(2) गैर सदस्यों को दिये गय ऋण

६० 5,000 तक

रु० 5,001 से रु० 10,000 तक

रं॰ 10,001 से रं॰ 15,000 तक

रु॰ 15,000 से रु॰ 25,000 तक

रु० 25,001 से रु० 50,000 तक

रू० 50,001 से रू० 1,00,000 तक

रु० 1,00,000 से अधिक

(3)(1)+(2) का जोड़

*प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाण पक्ष

प्रमाणित किया जाता है कि खंड (i) और (ii) में कम्पनी के गृहनिर्माण वित्तीय कारोबार संबंधी जो आंकड़े दिये गए हैं उनका सत्यापन किया गया है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और संपूर्ण हैं।

*प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

नाम:

तारीख:

पबनाम:

*जो लागून हो उसे काट दें।

(रिजर्व बैंक आफ इंडिया के उपयोग के लिए स्थान)

अवधि	है सियत	कारोबार	राज्य	संकेत सं० देनेवाले का नाम, जांच करने-
		<u> </u>		बाले का नाम,पंच करने वाले का
				नाम, सत्यापन करनेवाले का नाम।

भाग III

ऋषों और अग्निमों तथा निवेशों के विवरण (फार्म का यह भाग भरने के पहले निम्नलिखित अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

अनुदेश

- 1. कम्पनी की 31 मार्च तक की स्थिति के संबंध में इस भाग की विवरणी साल में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए चाहे कम्पनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कुछ भी क्यों न हो।
- वार्षिक लेखा परीक्षा को अंतिक रूप देने/समाप्त करने जैसे कारणों से विवरणी को पेश करने में, विलंब नहीं होना चाहिए कम्पनी की लेखा-बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विवरणी का संकलन किया जाना चाहिए।
 509GI/72

- 3. इस विवरणी के उद्देश्यों के लिए किसी वर्ग से वही अर्थ लिया जाता है जो कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा उप्रें की उप धारा (ii) में दिया गया है।
- 4. बही उधारों को खंड (i) में दर्शाना नहीं चाहिए जब तक बही उधार के रूप में किया गया लेनदेन प्रारंभ से ही ऋण के रूप में न हो।
- 5. खंड (i) के (IV) (6) में 'अन्य' के अन्तर्गत उन पार्टियों के संबंध में अलग विवरण दिये जाने चाहिएं जिन्हें कम्पनी की अभिदत्त पंजी के 10% से अधिक ऋण या अभिम प्रदान किये गये हों और वे बकाया हों।
- 6. इस विवरणी के उद्देश्यों के लिए सरकारी प्रतिभूतियों से वे प्रतिभूतियां अभिप्रेत हैं जो सरकारी ऋण अधिनियम, 1944 की धारा 2(2) के अन्तर्गत ''सरकारी प्रतिभृति'' की परीभाषा में शामिल की गयी हैं।
- 7. किसी ऐसी कम्पनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेश करनी हो, किन्तु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फंड का कारोबार इभी करती हो, इनाम प्राप्त चिट अभिदाताओं से प्राप्त होनेवाली इनाम की राशि और चिट कारोबार को सुरक्षित ढंग से चलाने के लिए चिट फंडों के रिजस्ट्रारों को प्रभारित प्रतिभूतियों में निवेश की गयी राशि की सूचना विवरणी के इस भाग में देने की आवश्यकता नहीं है।
- 8. सभी शेयरों, डिबेंचरों और निवेश लेखे में या व्यापार स्टाक के रूप में 'रखी हुई अन्य प्रतिभूतियों के विवरण दिये जाने चाहिए।

खंड (i)

बकाया ऋण और अग्रिम (ऋणकर्ताओं के वर्गों के अनुसार वर्गीकृत)

31 मार्च 197

को

संकेत सं ० पार्टी का नाम राशि (हजार रुपयों में)

I एक ही वर्ग की कम्पनियां*

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

II कम्पनियां जो एक ही वर्ग की नहीं हैं*

- 1.
- 2.
- 3.
- ≄∙ आदि

III कुल कम्पनियां (I+II)

IV कम्पनियों से भिन्न पार्टियां

- 1. निदेशक
- 2. भूतपूर्व प्रबंध एजेंट और भूतपूर्व सचिव तथा कोषपाल
- 3. सदस्य
- 4. मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य कर्मचारी
- 5. खरीदनेवाले, विकय करनेवाले और दूसरे एजेंट
- अन्य (कृपया अनुदेश सं० 5 देखिए)

V 1 से 6 तक का जोड़ VI कुल जोड़ (III+V)

^{*}कृपया व्यक्तिगत कम्पनियों के नाम तथा उनसे प्राप्त राशि का उल्लेख निर्दिष्ट स्तंभ में कीजिए। यदि स्थान पर्याप्त न हों र्

खंड ((ii)

बकाया निवेश

	·			31	मार्च 19	7 को 	
केत संख्या		विवरण		राशि	(हजार	रुपयों :	में)
	I एक ही बगेकी य	कम्पनियां*					
	1.						
	2.						
	3.						
	4.						
	आदि स्टब्स्टिक्ट के स्टब्स	4 2 A A +					
	II कम्पनियां जो एक ह	्षिंग का नहां हु					
	1.						
	2. 3.						
	4.						
	 आवि						
	બાાવ						
IJ	II कम्पनियों का जोड़						
I	V सरकारी और न्यासी	प्रतिभतियां					
		पास रहनेवाली सावधि जम	राशियां और भारतीय युनि	नेट टुस्ट			
	के यूनिटों में निवे	*		•			
	-	·					
	VI कुल जोड़ (III+IV+V)					
* हस्या	व्यक्तिगत कम्मिनियों व	हे नामों और उनमें लगायी	गयो राशियों का निर्दि	वेष्ट स्तंभ में उ ल्ल	खिकीजिए	र । यदि स	थान
		क पृथक कागज संलग्न किय	जाय।				
	बही मूल्य दिखायें।						
**प्रबंधक		अधिकारी का प्रमाणपत्रः					
		ा है कि खंड (i) और (i केया गया है और यह पाया		ष्टयों से सही अं	र पूर्ण हैं।		
					प्रबंध निदेश तिके कारण		-
					री के हस्ताक्ष ————		
*	*जोलागून हो उसे का	ाट हें।		ৰখ্যা শ			
	जा सापू पहा उस का जैंक आफ इंडिया के उपय						
अवधि	हैंसियत	कारोबार	राज्य				
			——————————————————————————————————————	 संकेत स	i० देनेवाले	का नाम, इ	न ांच
				करने व	।ले काना	म, पंच क	रने
				धाले क	ा नाम, सत्य	प्रापन करने ध	र ाले

का नाम

भाग IV

(1) जमाराशियों और (2) नकदी आस्तियों के निवरण

(जमाराणियों और नकदी आस्तियों अर्थात् निम्नलिखित (1) और (2) के विवरणों के अधीन उस वर्ष के जिसके लिए विवरणी पेश की जाती हो, 31 मार्च की समाप्त हुए 12 महीनों की अवधि के लिए प्रत्येक महीने के अंत में रहने वाले आंकड़े दिये जाएं।)

		,	•	(राशि	ा हजार रुपये में)
संकेत				पिछले वर्ष	वर्तनाम वर्ष
440			'अप्रैल मई	जून जुलाई अगस्त सितम्बर अक्टूबर नवस्बर दिसम्बर	जनवरी फरवरी मार्च
संख्या					
001	(1)	जमाराशियां (अधिसूचना के पैराग्राफ 2(1)(च) में परि- भाषित अर्थात् भाग I के खंड (I) केसंकेत सं० 9का जोड़			
	(0)	*नकटी आस्त्रियां			

- (2) *नकदी आस्तिया
- 1 (क) नकदी में
- 2 (ख) अनुसूचित बैंकों के चालू या किसी अन्य जमालेखे में, जो किसी प्रभार या गहन से मुक्त हो।
- उ (ग) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों की भारमुक्त प्रति-भृतियों में या दूसरी ऐसी भारमुक्त प्रतिभृतियों में जिनमें कोई न्यासी न्यास धन का निवेश करने के लिए हकदार हो।

**प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्नः यह प्रमाणित किया जाता है कि जमाराणियों और नकदी आस्तियों के आंकड़ों का सत्यापन किया गया है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से संपूर्ण हैं।

	[≉] *प्रबंधक/प्रबंधनिदेशक/प्राधिकृत अधिकारी
	के हस्ताक्षर
	नाम :
क्षारीख :	पदनाम :

^{*}कृपया अधिसूचना का पैराग्राफ 10 देखें।

^{**}जो लागू न हो उसे काट दें।

गोपनीय	पांचवीं अनुसूची	फार्म एम० एफ०
(यह फाम र	प्रसूचना सं० डो०एन०बी०सी० 1/ई०डी० (एस०) → 66 तारीख 29 अक्तूबर 1966 का पैराग्राफ 13 देखें उन कंपनियों को छोड़कर जो पहली, दूसरी, तीसरी या चौथी अनुसूची में विवरणियां पेण करती हैं, र सभी पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनियों द्वारा भरा जाए ।)	
	भ ाग− 1	
	31 मार्च 197 को विविध वित्तीय कंपनियों की जमाराशियां	
संकेत सं०	(1) कंपनी का नाम	
	(2) पूरा पता : (क) रजिस्टर्ड कार्यालय	-01-20-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1
	(ख) *मुख्य/प्रशासकीय कार्यालय	
	(3) कपनी की रजिस्ट्री किस राज्य में हुई है:	
	(4) *हैसियत (स्टेंट्स): निजी/सार्वजनिक सीमित कंपनी/विदेशी कंपनी की शाखा	
	(5) कंपनी की रजिस्ट्री संख्या	
	(6) (क) निगमन की तारीख ————————————————————————————————————	
	(7) कंपनी का विसीय वर्ष	da-da-fundusumque qui-qui-da-da-qui-qui-qui-
	(8) कंपनी के बैंकर (रों) का नाम और पता	dur durcher des quintle-dur des symper-que tur dus qued
	*जो लागू न हो, उसे काट दें ।	Sandardinan (magangan) an an amagangan kandardinan da

नोट : यह विवरणी तैयार करने के बाद, मुख्य अधिकारी, गैर बैंकिंग कंपनी विभाग, रिजर्य बैंक आफ इंडिया, 15 नेताजी सुभाष रोड, पोस्ट बाक्स सं० 571, कलकत्ता—1 को भेजी जानी चाहिए ।

फार्न का भाग I भरने के लिए अनुदेश

- 31 मार्च को कंपनी की जो स्थिति हो उसके सिलसिले में इस भाग की विवरणी वर्ष में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए ; भले ही कंपनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कोई भी क्यों न हो ।
- 2. किसी भी कारण से इस विवरणी को पेश करने में विलम्ब नहीं किया जाना चाहिए; इन कारणों में वार्षिक लेखों को अंतिम रूप देना/ की लेखा परीक्षा समाप्त भी शामिल है। विवरणी का संकलन कंपनी की लेखा बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।
- 3. जिस कंपनी के लिए यह विवरणी पेश करना आवश्यक है परन्तु जो अग्रणी के रूप में चिट फंड कारोबार भी करती है, उसके मामले में चिट या कुड़ी करारों के अधीन अभिदान के रूप में प्राप्त राशियां, जमा राशियां नहीं गिनी जाएंगी। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (रिजर्व बैंक) निवेशावली; 1966 के पैराग्राफ 2(i)(च) का खंड (vii) देखें।
- 4. अधिसूचना एं० डी॰एन०बी॰सी॰ 1/ई॰डी॰ (एस॰)-66 तारीख 29 अक्तूबर 1966 के पैराग्राफ 2(1) (च) में उल्लिखित कितप्य अपवादों के साथ बे-जमानती (अनिसक्यूर्ड) उधारों को जमाराशियां माना जाता है।
- 5. पहले के प्रबन्ध एजेंटों (मनेजिंग एजन्ट्स) या सचिवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, द्वारा गारंटीकृत बे-जमानती ऋणों को जमा-राशियां माना जाता है। उपर्युक्त बे-जमानती ऋणों को उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ) में उल्लिखित प्रकार की जमाराशियां मानी जाने और इस भाग के अनुभाग (i) के संकेत सं० 1 के अंतर्गत वर्गीकृत किए जाने के योग्य होने के लिए निम्नलिखित मानदंड पूरे करने चाहिए।
 - (क) उनके साक्ष्य के रूप में या तो उधार लेनेवाली कंपनी द्वारा निष्पादित वचनपत्न या ऋण के करार के साक्ष्य के लिए उनके और कंपनी के बीच आदीन प्रदान किये गये पत्र होने चाहिये,
 - (ख) यदि कंपनी के पहले के प्रबंध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, द्वारा इन ऋणों की वापसी अदायगी (रिपेमेंट) की गारंटी दी गई हो तो वह उनकी व्यक्तिगत हैसियत से दी जानी चाहिए, और
 - (ग) ये ऋण कंपनी की बहियों में मियादी ऋण लेखों के रूप में रखे गये दिखाये जाने चाहिए। उनकी आंशिक वापसी अदायिगयों के लिए अनुमति है परन्तु नयी राशियां उसी लेखें में ऋणों के रूप में नहीं ली जानी चाहिए।

यदि ऊपर उल्लेख किये गये प्रकार का बै-जमानती ऋण उपर्युक्त तीनों मानदंडों में से किसी को पूरा नहीं करता तो ऐसे मामलों में उसे उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(ध)(ii) में उल्लिखित प्रकार की जमाराणि माना जाना चाहिये और उसे इस भाग के अनुभाग (i) में, यथास्थिति, संकेत सं ० 6 या 7 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

- 6. साहूकारी से संबंधित जो विधि फिलहाल लागू हो उसके अधीन रिजस्ट्रीकृत किसी व्यक्ति से प्राप्त ऋणों को 'जमाराशि' पद (टर्म) से छूट दी गई है बगर्ते कि वे उपर्युक्त अनुदेश सं० 5 के (क) और (ग) में निर्दिष्ट मानदंडों को पूरे करते हो।
- 7. लेखों की संख्या वास्तविक आंकड़ों में दी जानी चाहिए जबकि जमाराशियों की रकमें हजार रुपयों में दी जानी चाहिए। राशि का निकटतम हजार में पूर्णांकन (राजंडेड आफ) किया जाना चाहिये और तीन शून्यों को छोड़ दिया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ, 4,560 रुपयों की राशि 5 लिखी जानी चाहिए न कि 4.6 या 5,000।
- 8. इस विवरणी के इस भाग के अनुभाग (iii) में जमाराशियां प्राप्त करने के लिए अदा की गयी दलाली ब्याज की दर में शामिल नहीं की जानी चाहिए परन्तु वह सारणी के अंत में पाद-टिप्पणी में दर्शायी जानी चाहिए।
- 9. प्राप्त हुई कोई भी ऐसी राशि जो अधिसूचना सं० डी॰एन०बी०सी० 1/ई०डी० (एस०)-66 तारीख 29 अक्तूबर 1966 के पैराग्रफ 2(1) (च) के उपखण्ड (i) से (xiii) के 'जमाराशि' पद में विशेष रूप से शामिल न की गयी हो वह इस विवरणी के इस भाग के अनुभाग (i), (ii) और (iii) में मद III के अंतर्गत विभिन्न संकेत संख्याओं के सामने वर्गीकृत की जानी चाहिए।

न्यास के रूप में प्राप्त जमाराशियां, माल या सेवाओं की पूर्ति के लिए प्राप्त अग्रिम राशियां ठेकेदारों से प्राप्त जमानत की जमाराशियां और कूट दी गयी ऐसी प्राप्त जमाराशियां जो उक्त विवरणी के इस भाग के अनुभाग (i) में संकेत सं ० 10 से 17 में से किसी के अंतर्गत वर्गीकृत नहीं की जा सकतीं, वे उसी अनुभाग के संकेत सं ० 18 के सामने दर्शायी जानी चाहिए।

- 10. उक्त विवरणी के इस भाग के अनुभाग (ii) में दर्शायी जानेवाली जमाराशियों का अवधि के अनुसार वर्गीकरण मद 1 और II के अधीन विभिन्न संकेत संख्याओं के अंतर्गत उन अवधियों के अनुसार किया जाना चाहिए जिनके लिए वे मूल रूप से प्राप्त हुई हो उनका अन्तिम बार नवीकरण किया गया हो और न कि उन अवधियों के अनुसार जो 31 मार्च अर्थात् उक्त विवरणी की तारीख से उनके जारी रहने के लिए बकाया हों। उन राशियों को उपर्युक्त मदों के अंतर्गत कमशः संकेत सं० 1 और 10 के सामने दर्शाया जाना चाहिए जिनकी पुगाई (मेच्योरिटी) की अवधि निर्दिष्ट न हों या जिनकी वापसी अदायगी किस्तों में की जानी हो और स्थित का समुचित स्पष्टीकरण पाद-टिप्पणियों में दिया जाना चाहिए।
- 11. जमारिशयों और छूट-प्राप्त उधारों और जिन प्राप्तियों पर कोई ब्याज नहीं देना पड़ता उन्हें, इस भाग के अनुभाग (III) में, यथा-स्थिति मद i, ii और iii के अधीन क्रमशः संकेत सं० 1, 8 और 15 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- 12. केवल उन रक्षित निधियों को 'मुक्त रक्षित निधियां' माना जाना चाहिए जिनको कंपनी के तुलन-पत्न में किसी सामान्य या अनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए रखा गया दर्शाया प्रकाशित किया गया हो और उक्त निधियों को विवरणी के इस भाग के अनुभाग (iv) और (vi) में दर्शाया जाना चाहिए। जिस किसी अन्य रक्षित निधि की लेखा परीक्षित तुलन-पत्न में दी गयी नामावकी से यह संकेत मिलता है कि उसे विसी विशेष उद्देश्य के लिए अलग रखा गया है उसे हिसाब में नहीं लिया जाना चाहिए भले ही उसके निमित किये जाने का वास्तविक प्रयोजन कुछ भी क्यों न हो।

निम्नलिखित रक्षित निधियों को सामान्यतः मुक्त रक्षित निधियां माना जाता है:

- (i) सामान्य रक्षित निधि
- (ii) पूंजी रक्षित निधि
- (iii) पूंजी प्रतिदान (रिडेम्पशन) रक्षित निधि
- (iv) फुटकर व्यय की रक्षित निधि
- (v) साविधिक विकास छूट (रिबेट) की रक्षित निधि या विकास छूट (अलाउंस) की रिक्षत निधि
- (vi) शेयर अधिमृत्य (प्रीमियम) लेखं में बकाया राशि
- (vii) सामान्य रक्षित निधि के स्वरूप वाला अधिगेष
- 13. जैसा कि इस अधिसूचना के पैराग्राफ 13(2)(क) के अनुसार आवश्यक है, यदि कंपनी के प्रधान अधिकारियों के नाम तथा उनके आधिकारिक पदनाम तथा कंपनी के निदेशकों के नाम और पते दर्शनिवाली सूची अब तक रिजर्व बैंक आफ इंडिया को न भेजी गई हो तो वह इसके साथ नत्थी की जानी चाहिए।
- 14. अब तक इसके प्रतिकृल कोई संकेत न हो तब तक गैर बैंकिंग विश्वीय कंपनियां (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 में निर्दिष्ट परि-भाषाएं, वहां तक लागू होंगी जहां तक वे संबद्ध हों।
- 15. इस विवरणी पर प्रबन्धक (जिसकी परिभाषा कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 2 में की गयी है) को हस्ताक्षर करना चाहिए और यिष ऐसा कोई प्रबन्धक न हो तो उस पर प्रबन्ध निवेशक या कंपनी के ऐसे किसी अन्य अधिकारी को हस्ताक्षर करना चाहिए जिसे निवेशक बोर्ड ने यथाविधि प्राधिकृत किया हो और इस प्रयोजन के लिए जिसके नमूने के हस्ताक्षर रिजर्व बैंक को भेज दिये गये हों। यदि नमूने के हस्ताक्षर निर्धारित कार्ड में न भेजें गये हों तो इस विवरणी पर प्राधिकृत अधिकारी को हस्ताक्षर करने चाहिए और उसके नमूने के हस्ताक्षर अलग से भेजें जाने चाहिए।
- 16. यदि, विवरणी के किसी भाग/अनुभाग में कोई भी सूचना नहीं देनी है तो उसमें 'कुछ नहीं' लिखा जाना चाहिए और उसके साथ जोड़े गये प्रबन्धक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के प्रमाण-पन्न पर यथाविधि हस्ताक्षर किये जाने चाहिये।

को

बकाया जमाराशियां आदि

(ध) जोड़ (ङासेद)

VI उपर्युक्त I, II और III का जोड़

19. 20. 31 मार्च 197

लेखों की राशि (हजार संख्या रुपयों में) जमराशियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार संकेत सं० अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1) (घ) और 3(1) (घ) (i) में उल्लिखित जमाराशियों के प्रकार (क) पहले के प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों द्वारा गारंटी किये गये 1. ऋणों के रूप में प्राप्त जमाराशियां (ख) बेजमानती डिबेंचर 2. (ग) जमाराशियां जिनमें सदस्यों *(जो निजी सीमित कंपनी के सदस्य न हों) से प्राप्त बेजमानती 3. ऋण शामिल हैं। (घ) जमाराशियां जिनमें निवेशकों द्वारा अपनी व्यक्तिगत हैसियत से गारंटी दिये गये 4. बेजमानती ऋण शामिल हैं। 5. (ङ) जोड़ (क+ख+ग+घ) II. अधिसूचना के पैराग्राफ़ 3(1)(घ) (ii) में उल्लिखित जमाराशियों के प्रकार (च) मीयादी जमाराशियां 6. (चच) सहयोगी सदस्यों से प्राप्त जमाराशियां 🕇 (छ) अन्य कोई जमाराशियां 7. (জ) জী**ড়** (च+छ) 8. (झ) (I)+(II) का जोड़ III. छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें जमाराशियां नहीं गिना जाता [अधिसूचना के पैराग्राफ़ 2(1)(च)(i) से (xiii) तक देखें]: (জা) पहले के प्रबंध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हो, से प्राप्त रकम 10. (ट) निदेशकों ** से प्राप्त रकम 11. (ठ) निजी सीमित कंपनी के मामले में सदस्यों * से प्राप्त रकम 12. (ड) कर्मचारियों से प्राप्त जमानत की जभाराशियां 13. (ढ) खरीद, बिकी या अन्य एजेंटों से कारोबार के उद्देश्यों के लिए प्राप्त रकम 14. (ण) मिश्रित पूंजी कंपनियों से प्राप्त रकम (इनमें एक ही समुद्र की कंपनियां शामिल हैं) 15. (त) जमानती उधार और बैंकों तथा अन्य निर्दिष्ट संस्थाओं से लिये गये उधार 16. (थ) विदेशी स्रोतों से प्राप्त रकम 17. (द) अन्य छूटप्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें जमाराशियां नहीं गिना जाता 18.

^{*}यहां प्रयुक्त 'सदस्य' अभिव्यक्ति का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जो कंपनी में गेयरधारी के रूप में रजिस्टर है।

^{**}हुपया यह नोट कर लें कि ऐसे व्यक्ति से प्राप्त ऐसी रकमें छूट-प्राप्त नहीं है जो उसने अन्य व्यक्ति से उधार लेकर या जमाराणियां स्वीकार कर अंजित की गयीं निधियों में से दी हों। [अधिसूचना का पैराग्राफ 2(1)(च) (ix) देखें]। उसकी रकम इस प्रकार में शामिल करने के पहले कंपनी को चाहिये कि वह उससे इस आशय का घोषणा-पत्न प्राप्त कर ले। परस्पर लाभवाली वित्तीय कंपनियों के मामले में ही लागु होगा।

730

जमाराशि	यां आदि की अवधि	खंड	(ii) 31 मार्च	197	को
- 	जमाराशियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	संकेत सं० .	जमाराणियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियों की अवधि (कृपया अनुदेश सं० 10 देखें)	लेखों की संख्या	राणियां (हजार रुपयों में)
0 I	पहले के प्रबंध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हो, द्वारा गारंटी किये गये ऋणों के रूप में प्राप्त कोई जमाराशियां, बेजमानती डिवेंचर	1	3 महीनो से कम अवधि में मांग या सूचना (नोटिस) पर या अन्यथा प्रति- देय (रिपेएबल) ।		
	जमाराशियां जिनमें सदस्यों (जो किसी निजी सीमित कंपनी के सदस्य न हों) से प्राप्त बेजमानती ऋण शामिल है और	2	3 महीने या उससे अधिक परन्तु 6 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय		
	जमाराशियां जिनमें निदेशकों द्वारा गारंटी किये हुये बेजमानती ऋण शामिल हैं)।	3	6 महीने या उसमे अधिक परन्तु 12 महीनो से कम अविध के बाद प्रति- देय।		
		4	12 महीने या उससे अधिक परन्तु 24 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय ।		
		5	24 महीने या उससे अधिक परन्तु 36 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय ।		
संकेत सं०	जमाराशियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियो के प्रकार	संकेत	जमाराशियों, छूट-प्राप्त उद्यारों और प्राप्तियों की अवधि (कृपया अनुदेश सं० 10 देखे)	लेखों की संख्या	राशि (हजार रुपयों में)
		6	36 महीने या उससे अधिक परंतु 60 महिनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय ।		
		7	60 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद प्रतिदेग।		
		8	1 मे 7 का जोड़ [नोट सं० (i) देखें]		
00 II	जमाराशियां अर्थात् मियादी जमाराशियां और अन्य कोई जमाराशियां	9	कालातीत और/या अदाधी (अनक्लेम्ड)		
		10	उप्पर्युक्त संकेत सं० 9 के सामने उल्लिखित जमारिशयों को छोड़कर 6 महीनों से कम अवधि में मांग या सूचना (नोटिस) पर या अन्यथा प्रति- देय ।		
		11	6 महीने या उससे अधिक परन्तु 12 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय ।		
		12	12 महीने या उससे अधिक परंतु 24 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय।		
		13	24 महीने या उससे अधिक परंतु 36 महीनो से कम अवधि के बाद प्रतिदेय।		
		14	36 महीने या उससे अधिक परंतु 60 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय ।		

	2	3	4	5
		15	60 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय ।	
		16	9 से 15 का जोड़ (नोट सं० ii देखें)	
000 III	छुट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें	17	6 महीनों से कम अवधि में मांग या	
	जमाराशियों में नहीं गिना जाता अर्थात् निजी सीमित कंपनियों के मामले में		सूचना पर या अन्यथा प्रतिदेय ।	
	सदस्यों से या निदेशकों से या पहले के	18	6 महीने या उससे अधिक परंतु 12	
	प्रबंध एओंटों या सचिवों और कोषा-		महीनों से कम अवधि के बाद सूचना पर	
	ध्यक्षों, यदि कोई हों, से प्राप्त जमा- राणियां कर्मचारियों से प्राप्त जमानत की जमाराणियां, खरीद, बिक्री या अन्य		या अन्यथा प्रतिदेय	
	एजेंटों से प्राप्त या मिश्रित पूंजी कंप-	19	12 महीने या उससे अधिक परंसु 24	
	नियों से लिये गये उद्यार और अन्य		महीनों से कम अवधि के बाद सूचना पर	
	सभी छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां।		वा अन्यया प्रतिदेय ।	
	**	20	24 महीने या उससे अधिक परंतु 36	
			महीनों से फम अवधि के बाव सूचना पर	
			या अन्यया प्रतिदेय ।	
		21	36 महीने या उससे अधिक परंतु 60	
			महीनों से कम अवधि के बाद सूचना पर	
			या अन्यया प्रतिवेय ।	
		22	60 महीने या उससे अधिक अवधि के	
			बाद पूचना पर या अन्यथा प्रतिदेय।	
		23	17 से 22 का ओड़ (नोट सं० iii देखें)	
0000 IV	I, II और III का जोड़			
			(मोट सं० iv देखें)	
((i) संकेत सं० 8 का जोड़ अनुभाग ((ii) संकेत सं० 16 का जोड़ अनुभाग ((iii) संकेत सं० 23 का जोड़ अनुभाग ((iv) अनुभाग (ii) की मदIV का जोड़	i) के संकेत सं० श i) के संकेत सं०	3 के जोड़ से मिलना चाहिए। 19 के जोड़ से मिलना चाहिए।	
	जमाराणियों आदि पर ब्याज			
	(दलाली कोछोड कर) की दरें	3 1मार्चे 197	को	
कित सं०	जमाराशियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	संकेत सं०	क्याज की दर	राशि (हजार रुपयों में
	पहले के प्रबंध एजेंटों या सचिवों और	1	5 प्रतिशत और उससे कम	
	कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, द्वारा गारंटी	2	5 प्रतिगत से अधिक परन्तु 7 प्रतिगत	
	किये गये ऋणों के रूप में प्राप्त कोई		से कम ।	

	2	3	4	5
	जमाराशियां, जिनमें सदस्यों (जो किसी		प्रतिगत से कम	
	निजी सीमित कंपनी के सदस्य न हों)		9 प्रतिणत या उससे अधिक परन्तु 10	
	से प्राप्त बेजमानती ऋण शामिल हैं और		प्रतिशत से कम।	
	जमाराशियां जिनमें निदेशकों द्वारा	5	10 प्रतिशत या उससे अधिक परम्तु	
	गारंटी किये हुए बेजमानती ऋण शामिल हैं ।		12 प्रतिशत से कम ।	
		6	12 प्रतिशत या उससे अधिक ।	
		7	1 से 6 का जोड़।	·
00 II	जमाराशियां अर्थात् मियादी जमाराशियां	8	5 प्रति गत और उससे कम ा	
	और अन्य कोई जमाराशियां	9	5 प्रतिशत से अधिक परन्तु 7 प्रतिशत	
	• • • • •		से कम ।	
		10	7 प्रतिशत या उससे अधिक परन्तु 9 प्रतिशत से कम ।	
		11	9 प्रतिशत या उससे भधिक परन्तु 10 प्रतिशत से कम ।	
		12	10 प्रतिशत या उससे अधिक परन्तु 12 प्रतिशत से कम ।	
		18	12 प्रतिशत या उससे अधिक ।	
		14	8 से 13 का जोड़।	
00 III	छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें जमाराशियों में नहीं गिना जाता	15	5 प्रतिभत और उससे कम ।	
	अर्घात् निजी सीमित कंपनियों के मामले में सदस्यों से या निदेशकों से या पहले	16	5 प्रतिशत से अधिक परन्तु 7 प्रतिशत से कम ।	
	के प्रबंध एजेंटों या सचिबों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, से प्राप्त, कर्मचारियों से प्राप्त जमानत की जमान	17	7 प्रतिशतया उससे अधिक परन्तु 9 प्रतिशतसे कम।	
	राशियां, खरीद, बिकी या अन्य एजेंटों से प्राप्त या मिश्चित पूंजी कंपनियों से	16	9 प्रतिमत या उससे अधिक परन्तु 10 प्रतिमत से कम।	
	लिये गये उधार और अन्य स मी	19	10 प्रतिशत या उससे अधिक परन्यु	
	छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां ।	20	12 प्रतिशत से कम । 12 प्रतिशत या उससे अधिक	
		AU	र क्षां/प्राप्त चा ०४४ व्यालयः	
		21	15 से 20 का जोड़	
	v gv _4_ p			
0000 I	VI, II और III का जोड़			

नोट: (i) संकेत सं० 7, 14 और 21 के जोड़ अनुभाग (i) के कमशः संकेत सं० 5, 8 और 19 के जोड़ों से मिलना चाहिए।

⁽ii) अनुभाग (iii) की मद IV का जोड़ अनुभाग (i) की मद IV के जोड़ से मिलना चाहिए।

अनुभाग (i) के संकेत सं० 8

का जोड़

1

निधियों का

25 प्रतिशत)

2

अनुभाग (iv)

(क) अधिसूचना के पैराग्राफ 3(1)(घ) और 3(1)(घ)(i) में उल्लिखित प्रकारों की जमाराक्षियों और उनकी निर्धारित उच्चतम सीमा

(राशियां हजार रुपयों में)

						(<	।।साथा हुजार ए	141 # <i>)</i>
निम्नलिखित इस्तिक को	ऊपर उल्लेख	व स्वामित्थ की निधियां			उच्चतम सीमा		*कृपया यह उस्लेख करें कि क्या अधि-	
तारीख को कारोबार बंद होने के समय की स्थिति	किये गये प्रकारों की कुल जमा- रागियां अर्थात् अनु- भाग (i) के संकेत सं० 5 का जोड़	चुकता पूंजी	मुक्त रक्षित निधियां	यदि घाटे की कोई बकाया राशि हो तो यह	स्वामित्व की शुद्ध निधियां (3+4) 5	(अर्थात् स्वामित्व की शुद्धिनिधियों का 25 प्रतिशत	अधिक कोई सूचना के जमाराणियां ग्राफ 4 (हो तो वे अनुसार अ (2—7) जमाराणियं समायोजन गया है या यि ,नहीं इसका पा किये जाने	सूचना के पैरा- माफ 4 (1) के अनुसार अधिक अमाराशियों का समायोजन किया गया है या नहीं। यदि भहीं, तो इसका पालन न किये जाने का कारण दिये जायें।
1	2	3	4	5	6	7	8	9
31 दिसंबर 1	971							
31 मार्च , 19								
31 मार्च, 19								
31 मार्च, 19	975							
	नोट :	**31-12-19 घटा देना होगा		 गराणियां अधिन	हों उनके कम	से कम एक-तिह	ाई अंश को 1-	-3-1973 के पहले
						एक-तिहाई अंश व) 7 5 के पहले घटा		4 है और यिद
	(ख) अधिसूच	रना के पैराग्राफ	3(1)(町)(ii) में उ ल्लिखितः	प्रकारों की जमा	राशियां और उन	की उच्चतम सी	मा
					31 मार्च, 1	.97 (প্রখা	त् विवरणी की	तारीख) को स्थिति
ऊपर उल्लेख ि की कुल जमार	केये गये प्रकारों तिशयां अर्थात्		—————— म सीमा (अर्थात रव की शुद्ध	•	ज्वतम सीमा होई जमाराशिय	•	क्ति (रिमार्कस्)

हों तो वे

(1)-(2)

3

अनुभाग (v)

अधिसूचना के पराम्राफ 3(1)(घ), और3(1)(घ)(i) में उल्लिखित प्रकारों की जो जमाराशियां मांग या नोटिस पर या
6 दहीने से कम अवधि के बाद प्रतिदेय हैं, उसका नियमन दर्शाने वाला विवरण (राशियाँ हजार रुपयों में)

निम्नलिखित तारीख को कारोबार बंद होने के समय की स्थिति

उपर्युक्त प्रकारों की जमा-राशियों की कुल रकम [अर्थात् अनुभाग (ii) के

स्वामित्व की शुद्ध निधियों का 25 प्रतिशत अनुभाग (iv)क का स्तंभ (कालम) *कृपया यह उल्लेख करें कि क्या अधिसूचना के पैराग्राफ 4(3) के अनुसार ऐसी जमाराशियों का नियमन किया गया है या नहीं? यदि नहीं तो उसका पालन न किए जाने के कारण दिए जाएं

1

2

संकेत संख्या 1और 2 का जोड़ 7 देखें

3

4

- 31 दिसंबर 1971
- 31 मार्च 1973
- 31 मार्च 1974
- 31 मार्च 1975
 - नोट: *(i) यदि अनियमित जमाराणियों की कुल राणि कंपनी के स्वामित्व की निधियों के 25 प्रतिशत से अधिक न हो तो ऐसी जमाराणियों को 1-4-1973 के पहले नियमित कर ली जानी चाहिए।
 - (ii) यदि अनियमित जमाराशियों की कुल राशि कंपनी के स्वामित्य की निधियों के 25 प्रतिशत से अधिक हो तो उसे नीचे लिखे प्रकार से नियमित किया जाए: (क) स्वामित्व की शुद्ध निधियों के कम से कम 25 प्रतिशत के बराबर की ऐसी जमाराशियों की रकम 1-4-1973 के पहले; (ख) शेष राशि की कम से कम आधी रकम 1-4-1974 के पहले और (ग) शेष अंश 1-4-1975 के पहले।

अनुभाग (vi) कंपनी के लेखा परीक्षित तुलन-पन्न के अनुसार इस विवरणी की तारीख की निकटसम तारीक्ष को उसकी सुलनास्मक स्थिति

राशि (हजार रुपयों में)

विवरण	———को तुलन-पत्न के अनुसार स्थिति	31-3-197 के विवरणी के अनुसार स्थिति	यदि कोई घट बढ़ हो तो उसके लिए मोटे तौर पर कारण दिए जाएं
1	2	3	4

- क. देयताएं
 - 1. चुकता पूंजी
 - 2. मुक्त रक्षित निधियां
 - 3. यदि घाटे की कोई बकाया हो तो वह
 - 4. जमा राशियां*
 - 5. छूट प्राप्त उधार/प्राप्तिया

ख. आस्तियां

- 6. ऋण और अग्रिम
- शेयरों, डिबेंचरों और अन्य प्रतिभूतियों में निषेश (बही मुख्य)
- किराया खरीद अग्रिम
- भूमि या मकानों की खरीद के वित्तपोषण के लिए ऋण
- 10. आय का प्रमुख स्रोत (व्योरे के साथ)

@

£

ं * 31 मार्च, 197 🌎 को समाप्त हुए वर्ष में अधिकतम कुल जमाराशियां और	संबंधित तारीख नीचे दर्शायी जाएं :
(i) वर्ष में जमाराशियों को अधिकतम राशि (ह	जार रुपयों में)
(ii) उपर्युक्त अधिकतम राणि किस तारीख को प	ाई गई
@अनुभाग (i) को संकेत सं० १ का जोड़ यहां दर्शाया जाना चाहिए।	
$oldsymbol{\pounds}$ अनुभाग (i) को संकेत सं० 19 का ओड़ यहां दर्शाया जाना चाहिए।	
*प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी व	का प्रमाण पत्र
 (1) यह प्रमाणित किया जाता है कि इस विवरणी के इस भाग में सूचित (ि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राप्त या नवीकृत की गई हैं। 	रंपोर्ट) की गयी जमाराशियां कंपनी के कारोबार की वास्तविक
(2) यह प्रमाणित किया आता है कि अधिसूचना के पैराग्राफ $2(1)(\pi)$	(i) के परन्त क** की शतों के अनुसार निदेशकों और सदस्यों
से इस आश्रम की लिखित घोषणा प्राप्त कर ली गई हैं कि उनके द्वारा कर अर्जित की गयी निधियों में से कंपनी को रकम नहीं दी गयी हैं।	
(3) यह प्रमाणित किया जाता है कि कंपनी ने जमाराशियों के लिए याचन	ग (मानिमिर) काने माग शिधनना के पैरागफ के 5 (1)
के उपबन्धों का पालन किया है ।	,
(4) यह प्रमाणित किया जाता है कि जमाराशियां 1 जनवरी 1973 को में निर्दिष्ट तरीके से स्वीकार की गई है, नवीकृत की गई हैं अथवा परि	
(5) यह प्रमाणित किया जाता है कि कस्पनी ने अधिसूचना के पैराग्राफ 6	की अपेक्षाओं का पालन किया है।
(6) प्रमाणित किया जाता है कि जमाराशियों के रजिस्टर इस अधिसूचना के	र पैराग्राफ 7 में दर्शाये गये तरीके के अनुसार रखे जाते हैं ।
(7) यह प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी के इस भाग में विये गये वि	त्रवरणं/दी गई सूचना का सत्यापन कर लिया गया है और
व ह हर सरह से सही और पूरे पाये गये हैं ।	
(ओ प्रमाण पन्न लागून हो उसे काट दें)	
सारीख: *प्रबंधक	प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी
के ह	स्ताक्षरः —————
नाम :	
पदनाम :	
विवरण के अनुलग्नक (इन्क्लोजर्स) यवि नीचे लिखे दस्तावेज पहले ही न भेजे गये हों तो वे विवरणी के साथ भेजें (बाक्स) में अनुलग्न दस्तावेज के लिए सही का निशान लगा दें और अन्य मामलों मे (1) इस विवरणी की तारीख की निकटतम तारीख तक का लेखा परीक्षित के लेखे की एक प्रति (2) नमूने के हस्ताक्षर का कार्ड (कृपया अनुदेश सं० 15 देखें) (3) अधिसूचना के पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ (2) में उल्लिखित आवेद (4) यदि 31 मार्च 197 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान कोई विज्ञापन क उनकी एक प्रति (5) अधिकारियों और निदेशकों की सूची (कृपया अनुदेश सं० 13 देखें) (रिजर्थ बैंक औफ इंडिया द्वारा काम में ल	ं उसे पेश करने की तारीख का उल्लेख करें। तुलन-पत्न और लाभ हानि न-पन्न की एक प्रति गारी किये गये हों तो
(रिजाय बंक आफ झंडिया द्वारा काम म ल	ाइ जानवाला जगह) · ——— के द्वारा संकेतबब्ध किया गया ।
अषधि हैसियस कारोबार राज्य	ना क्षारा राजराजपूज विजया गया ।
SING BINAN MAIN NOT	के द्वारा जांच की गयी।
	के द्वारा पंच किया गया।
	—————————————————————————————————————
*जो भाग लागू न हो उसे काट दें। **बह केवल निजी सीमित कंपनियों के मामले में ही लाग होता है।	

हा लागू होता है

भाग II

ऋणों और अग्निमों और निवेशों का विवरण

(इस फार्म के इस भाग को भरने के पहले कृपया निम्नलिखित अनुदेश ध्यानपूर्वक पढ़ लें।)

अनुदेश

- 1. 31 मार्च को कंपनी की जो स्थिति हो उसके सिलसिले में इस भाग की विवरणी वर्ष में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए; भले ही कम्पनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कोई भी क्यों न हो
- 2. किसी भी कारण से इस विवरणी को पेश करने में विलंब नहीं किया जाना चाहिए। इन कारणों में वार्षिक लेखों को अंतिम रूप देने/ की लेखा परीक्षा समाप्ति भी शामिल है। विवरणी का संकलन कंपनी की बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।
 - 3. इस विवरणी के उद्देश्यों के लिए 'समूह' से वही तास्पर्य है जो कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 373 की उपधारा (11) में है।
- 4. बही ऋणों को अनुभाग (i) में तब तक न दर्शाया जाए जब तक कि उक्त बही ऋण संबंधित लेन देन की शुरुआत से ही ऋण के स्वरूप का न रहा हो।
- 5. अनुभाग (i) के (iv) (6) में 'अन्य' के अधीन उन पार्टियों के संबंध में अलग अलग विवरण दिये जाएं जिन का कंपनी की अभिदत्त पंजी के 10 प्रतिशत से अधिक ऋण और अग्रिम प्रदान किये गये हों और वे बकाया हों।
- ें 6. इस विवरणी के प्रयोजन के लिए सरकारी प्रतिभूतियां वे ही हैं जो सरकारी ऋण अधिनियम, 1944 की घारा 2(2) के अधील 'सरकारी प्रतिभृति' की परिभाषा के अंतर्गत आती हैं।
- 7. जिस किसी कंपनी के लिए यह विवरणी पेश करना जरूरी है परन्तु जो अग्रणी के रूप में चिट फंड कारोबार करती है, उसके मामले में पुरस्कृत (प्राइज्ड) चिट अभिधाताओं से प्राप्त होने वाली पुरस्कार (प्राइज) राशियों और ऐसी प्रतिभृतियों में लगाई गई राशियों की सूचना विवरणी के इस भाग में देने की आवश्यकता नहीं है जो चिट कारोबार के सुरक्षित संधालन के लिए चिटों के रिजस्ट्रार के नाम भारित की गयी हों।
- 8. सभी शेयरों, डिबेंचरों और अन्य प्रतिभूतियों के ब्यौरे दियें जाने चाहिए भले ही वे निवेश लेखे में या व्यापारगत स्टाक (स्टाक इन ट्रेड में धारण किये गये हों।
 - 9. कम्पनियों के शेयरों और डिबेंचरों में किये गये निवेशों को संबंधित कम्पनी के प्रधान कारोबार के अनुसार वर्गीकृत किया जाना चाहिए ।
- 10. अंग्रातः चुकता ग्रेयरों का अंकित मूल्य वह रकम होगी जो संबंधित वर्ष के मार्च की 31 तारीख को चुकता की गयी हो। यदि ग्रेयर बाजार में किन्हीं ग्रेयरों का मूल्य न लगाया जाता हो तो 'बाजार मूल्य' के स्तंभ के अधीन उस मूल्य को ग्रामिल किया जाना चाहिए जो प्रबन्धक या प्रबन्ध निदेशक या निदेशक बोर्ड द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया हो। दलालों के करारों में दर्शाये गये खरीद मूल्य या बिकी आगम (अंतरण फीस, स्टाम्प गुल्क और दलाली को छोड़कर) का भी उल्लेख किया जाना चाहिए। सुलन पन्न के प्रयोजन के लिए हिसाब में लिए गये मूल्य द्वास या किये गये निवेशों के पुनर्मू ख्यांकन का समायोजन किया जाना चाहिए परन्त उन्हें विवरणी के अन्त में अलग से पाद-टिप्पणी में दर्शाया जाना चाहिए।

भण और अग्रिम अनु भाग(i)

बकाया ऋण और अग्रिम

(उधार कर्ताओं के प्रकार के अनुसार वर्गीकृत)

31 मार्च 197 की

संकेत सं 0	पार्टी का नाम	राणि (हजार रुपयों में)
1	2	g
L	2	J

- 1 कंपनियां जो एक ही समृह की हैं *
 - 1.
 - 2.
 - 3.
 - 4. आदि
- II कंपनियां जो एक ही समूह की नहीं हैं*
 - 1.
 - 2.

 π^{-} 2 3 3. 4. आदि Ш कंपनियों का जोड़ (I+II) ΙV कंपनियों को छोड़कर अन्य पार्टियां 1. निदेशक 2. पहले के प्रबंध एजेंट, सचिव और कोषाध्यक्ष 3. सदस्य 4. मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य कर्मचारी 5. खरीद, बिक्री या अन्य एजेंट 6. अन्य (कृपया अनुवेश सं० 5 देखें) V 1 से 6 तक का जोड़ ٧I कुल जोड़ (III+V)

(अनुभाग (ii)

बकाया ऋणों और अग्रिमों का प्रतिभृतियों के अनुसार वर्गीकरण

31 मार्च, 197 को

बंकेस सं•	जमानत	राशि (हजार रुपयों में)
1	2	3

- I खाद्य वस्तुऐं
 - 1. धान और चावल
 - 2. गेंह
 - 3. दूसरे अनाज
 - 4. चीनी
 - 5. पुष्
 - 6. वनस्पति तेल
 - 7. अन्य सभी खाद्य वस्तुएं
- II औद्योगिक कच्ची सामग्री
 - 8. म्गफली
 - 9. दूसरे तिलहन
 - 10 रूई और कपास
 - 11. कच्चा पटसम
 - 12. अन्य सभी औद्योगिक कच्ची सामग्री
- III बागाम उत्पादन
 - 13. चाय
 - 14 काफी, काजू और दूसरे बागान उत्पादम
- IV निर्मित बस्तुएं और खनिज पदार्थ
 - 15. सूती वस्त्र
 - 16. जूट के वस्त्र
 - 17. दूसरे वस्त्र
 - 18. कोयला
 - 19. लोहा और इस्पात और इंजीनियरी बस्तुएं
 - 20. अन्य सभी निर्मित वस्तुएं

V दूसरी प्रतिभृतिया

21. स्थावर सम्पत्ति

22. सोना और चांदी के बुलियन और गहने

23. बैंकों में मियादी जमा राशियां

24 सरकारी और दूसरी न्यासी प्रतिभृतियां

25. मिश्रित पूंजी कंपनियों के शेयर और डिबेंचर

26. अन्य सभी जमानती ऋण और अग्रिम

VI I से लेकर V तक का जोड़

VII बेजमानती ऋण और अग्रिम

VIII अत्पर के VI और VII का जोड़

*जिन कंपनियों पर राशियां बकाया हैं कृपया उनके अलग-अलग नाम और प्रत्येक पर वकाया रकमों का उल्लेख इस प्रयो-जन के लिए दिये गये स्तंभों (कालमों) में कीजिए। यदि स्थान पर्याप्त नहो तो अलग से एक कागज जोड़ लिया जाना चाहिए।

> अन्धाग (III) बकाया ऋणों और अग्निमों का उद्देश्यवार वर्गीकरण

31 मार्च 197

को

संकेत सं०

उद्देश्य

राम्नि (हजार रुपयों में)

- I उद्योग अर्थात पैराग्राफ 21(जा) में परिभाषित औद्योगिक संस्था को
- II वाणिज्य अर्थात थोक व्यापार, खुदरा व्यापार, फसलों और वस्तुओं की आवाजाही और परिवहन
- III कृषि तथा अनाज, दालें और दूसरे कृषि पण्य
- व्यावसायिक ऋण, अर्थात व्यावसायिक कार्यकलापों या कारोबार की वित्तीय सहायता के लिए विये गए ऋण
- V व्यक्तिगत ऋण
- VI अन्य सभी ऋण और अग्रिम
- VII I से VI तक का जोड़

नोट अनुभाग (ii) की मद VIII और अनुभाग (iii) की मद VII का जोड अनुभाग (i) की मद VI के साथ मेल खाना चाहिए।

> निवेश अनुभाग (iv)

बकाया निवेश

(कंपनियों की हैसियत के अनुसार वर्गीकृत अर्थात वे उसी समृह की हैं या उसी समृह की नहीं हैं)

31 मार्च, 197

संकेत सं०

विवरण

राशि (हजार स्पयों में)

को

- I एक ही समृह की कंपनियां*
 - 1.
 - 2.
 - 3.

आदि

II कंपनियां जो एक ही समूह की नहीं हैं*

1.

2.

3.

4.

ः आदि

III कंपनियों का जोड़ ** (I+II)

IV **दूसरे निवेश (जैसे सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभूतियों में निवेश, बैकों में मियादी जमाराशियां और यूनिट ट्रस्ट आफ इण्डिया के यूनिटों में निवेश)

V **कुल जोड़ (III+IV)

*जिन व्यक्तिगत कंपनियों में निवेश किया गया है कृपया उनके अलग-अलग नाम और प्रत्येक में निवेश की गयी रकमों का उल्लेख इस प्रयोजन के लिए दिये गए स्तम्भों (कालमों) में कीजिए। यदि स्थान पर्याप्त न हो तो अलग से एक कागज जोड़ लिया जाना चाहिए।

IV **अनुभाग (IV) की मद संख्या III, और V का जोड़ अनुभाग (V) की श्रमणः संकेत संख्या 320, 410 \pm 500 और 600 के साथ मेल खाना चाहिए।

अनुभाग (v)

	क्षेयरों, डिबें थ रों और अन्य प्रतिभूतियों में बकाया निवेश	31 मार्थ 1	97	को
संकेत सं∘	क. कंपनियों के शेयरों और डिबेंचरों में निवेश जिन्हें उनके प्रधान कारोबार के अनुसार वर्गीकृत किया गया हो	राशि (हजार रुपयों में)		
(1)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	, *अंकित मूल्य	*बही मूल्य	*बाजर ^भ मूल्य

- 100 1. वस्त्र
- 101 (क) सूती वस्स्र
- 102 (ख) जूट के वस्स्र
- 103 (ग) रेशमी, रेयान और दूसरे कृत्निम रेशे
- 104 (घ) ऊनी वस्स्र
- 105 (इ.) अन्य
- 120 2 जीनी
- 130 3. लोहा और इस्पात
- 140 4, अलोह वस्तु
- 150 5. बिजली उत्पादन और सप्लाई
- 160 6. इंजीनियरी
- 170 7. मोटर गाड़ियां और सहायक उपकरण
- 180 8 बिजली की मशीनें
- 190 9. परिवहन और बिजली को छोड़कर दूसरी मशीनें
- 200 10 परिवहन उपकरण
- 210 11 रासायनिक पदार्थः
- 211 (क) मृल्य औद्योगिक रासायनिक पदार्थ
- 212 (ख) अंग्रेजी दवाईयां और औषधीय निर्माण
- 213 (ग) दूसरे रासायनिक पदार्थ
- 220 12 खनन:
- 221 (क) कोयला खनन

11-509GI/72

```
(स्त्र) अन्य
222
                       खनन
       13. कागज और कागज से बनी वस्तुएं
230
       14. सीमेंट
240
       15. खनिज
                  तेल
250
       16 माचिस
260
       17. बागान
270
           (क) चाय
271
            (खा) काफी
272
            (ग) रबड़
273
           (घ) दूसरे पदार्थ
274
       18. वित्तीय कम्पनियां
280
           (क) बैंक
281
            (स्त्र) बीमा कंपनियां
282
            (ग) निवेश न्यास
283
           (घ) दूसरी संस्थाएं
284
      19. व्यापार
290
       20. जहाजरानी और अन्य परिवहन
300
       21. निर्माण
310
       21. क. कोई अन्य कम्पनी
320
       22. 新 新
                     गोड
 संकेत
                                                                                        राशि (हजार रुपयों में)

    सरकारी और दूसरी न्यासी प्रतिभृतियों में निवेश

 सं∘
                                                                                 *अंकित
                                                                                               *बही
                                                                                                          *बाजार
                                                                                   मूल्य
                                                                                               मुल्य
                                                                                                            मूल्य
       (i) केन्द्रीय सरकार के ऋण
401
       (ii) राज्य सरकारों के ऋण
402
      (iii) सरकारी बचत या वार्षिकी प्रमाणपत्न और दूसरे दायित्व
      (iv) नगरपालिका ऋण और डिबेंचर
404
       (v) पत्तन न्यास के ऋण और डिबेंचर
405
      (vi) दूसरे
406
410
            ग. दूसरे निवेश (जैसे बैंकों में मीयादी जमाराशियां और युनिट ट्स्ट आफ इंडिया
500
                         के यनिटों में निवेश)
            क 🕂 ख 🕂 ग का
                             जोड़
600
     *कृपया भाग II का अनुदेश सं० 10 देखें
```

**मैनेजर/प्रबन्ध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपतः प्रमाणित किया जाता है कि अनुभाग (i) से (v) तक के ऋणों, अग्रिमों और निवेशों के जो आंकड़े दिये गये हैं उनका सत्यापन किया गया है और वे सत्यापन के बाद हर तरह से सही और पूर्ण पाए गए हैं।

**मैनेजर/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर :---

नाम:

पदनाम :

तारीखः:

^{**}जो भाग लागून हो उसे काट दें।

(रिजार्व बैंक आफ इंडिया के उपयोग के लिए जगह)

भाग III

किराया-खरीद कारोबार के विवरण

(कृपया फ़ार्म के इस भाग को भरने से पहले निम्नलिखित अनुदेशों को सावधानी से पढ़ लें)

अनुदेश

- 1. 31 मार्च को कंपनी की स्थित के सिलसिल में इस भाग की धारा (ii) की विवरणी वर्ष में एक बार 30 जून के पहले पेश की जानी चाहिए। यदि कंपनी का वित्तीय वर्ष भिन्न हो तो 31 मार्च की निकटतम तारीख को समाप्त होने बाले कंपनी के वित्तीय वर्ष के सिलसिल में केवल धारा (ii) की विवरणी पेश की जानी चाहिए और सम्बन्धित वर्ष की दो छमाहियों को पहली छमाही और दूसरी छमाही माना जाना चाहिए (या छमाही को निदेशों में परिभाषा की गई छमाही के समान ही माना जाना चाहिए)। इस प्रकार जिस कंपनी को 31 मार्च 1973 को अपनी विवरणी पेश करनी है और जिसका वित्तीय वर्ष 31 दिसम्बर 1972 को समाप्त होता है, उसे अपने उकत वित्तीय वर्ष के सिलसिल में (31 मार्च 1973 की निकटतम तारीख के समाप्त होने तक के लिए ही) इस अनुभाग को संकितत करना चाहिए न कि 31 मार्च 1973 के लिए। इसके इलावा चालू वर्ष और पिछलें वर्ष के अन्त में बकाया ऋणों का संबंध कमशः 31 मार्च 1973 और 31 मार्च 1972 से लेकर 31 दिसम्बर 1972 तक की सारी अविध के लिए दिये जाने चाहिए। दो छमाहियों के दौरान प्राप्त की गयी किस्तों का संबंध 30 जून 1972 और 31 दिसम्बर 1972 तक की स्थित से होना चाहिए। दो छमाहियों के दौरान प्राप्त की गयी किस्तों का संबंध 30 जून 1972 और 31 दिसम्बर 1972 तक की सिथित से होना चाहिए।
- 2. चालू वर्ष के बकाया ऋण की राशि पिछले वर्ष के अन्त के बकाया ऋणों और चालू वर्ष के दौरान मंजूर किये गए नये ऋणों की राशि में से दो छमाहियों के दौरान प्राप्त की गयी किस्तों को घटाने के बाद निकलने वाली संख्या से मेल खानी चाहिए।
- 3. जब इस विवरणी को पहली बार पेण किया जारहा हो, इस भाग के अनुभाग (i) के 1 से लेकर 7 तक के प्रश्न का ब्यौरेवार उत्तर दिया जाना चाहिए। उसके बाद, यदि कोई परिवर्तन हुआ हो या अतिरिक्त सूचना देनी हो तो उसे सूचित किया जाना चाहिए।
- 4. किसी ऐसी कंपनी के लिए जिसे यह विवरणी पेश करना जरूरी हो परन्तु जो अग्रणी के रूप में चिट-फण्ड कारोबार भी करती है, किराया-खरीद के लेन-देन या यदि किन्हीं ऐसी ऋणों का कारोबार करती हो जिन्हें चिट-फण्ड की आस्तियों के रूप में माना जाता है, उन्हें इसमें शामिल करने की आवश्यकता नहीं है।

अनुभाग (i)

प्रश्नावली

(कृपया ऊपर का अनुदेश सं० 3 देखिए।)

(क) प्रश्न

(ख) उत्तर

- 1. क्या आपकी कंपनी किसी निर्माता कंपनी की सहायक कंपनी है या बह अन्यथा किसी निर्माता या व्यापारी प्रतिष्ठान से संबद्ध हैं? यदि ऐसा है तो ऐसी कंपनी के आवश्यक विश्वरणों का अत्यन्त संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
- 2. आप किराया-खरीद के आधार पर जिस माल का व्यापार करते हैं उसके प्रकारों का मोटे तौर पर उल्लेख किया जाए (अर्थात मोटर गाष्ट्रियां, टिकाऊ घरेलू वस्तुएं, आदि।)
- 3. (क) अधिकांश लेखों के किराया खरीद ऋण के लिए आपकी सामान्यतः एकसी (फ्लैट) ब्याज-दर* (प्रतिशत वार्षिक) क्या है?
 - (ख) अधिकांश लेखों के किराया-खरीद ऋण के लिए आप कितनी वास्तविक ब्याज-दर** से (प्रतिशत वार्षिक) ब्याज लगाते हैं?
 - (ग) क्या आप मंजूर किए गये किराया-खरीद ऋण में से क्याज की रकम पहले ही काटे बिना उसका संवितरण कर देते हैं?
 - (घ) आप कितनी अवधियों (इंटरवल्स) के लिए ब्याज वसूल करते हैं?

(राशि हजार रुपयों में)

- 4. किराया-खरीद के आधार पर की गई माल की बिक्री के बिक्री मूल्य में ब्याज के अलावा प्रभार की और कौन-कौन सी मुख्य मदें शामिल की जाती हैं?
 (यदि इसके पहले किराया-खरीद करनेवालो के साथ किये गये करार के फ़ार्म की [एक प्रतिलिपि न पेश की गयी हो तो उसे हमारे पास भेजने की कृपा करें।)
- 5. आप किस आधार पर किराया-खरीद करने वाले की तत्काल अदायगी (डाउन पेमेंट) की राशि या नकदी जमाराशि निर्धारित करते हैं? यदि वह संबंधित माल के विक्री मूल्य का कोई निर्धारित प्रतिशत हो तो कृपया उस प्रतिशत का उल्लेख करें।
- 6. क्या आप किराया-खरीद करने वालों से ली गयी नकवी जमाराणि या तत्काल अदायगी की राणि पर ब्याज अदा करते हैं? यदि हां हो तो उसकी ब्याज-दर (प्रतिणत वार्षिक) का उल्लेख किया जाए।
- 7. पूंजी, आरक्षित निधि और किराया-खरीद करने वालों की जमा राशि के अलाधा आपकी फंपनी के कारोबार की निधियों के अन्य स्त्रोत क्या हैं?

*ब्याज की एक सी (फ्लैंट) दर का अर्थ वह दरहै जो मंजूर की गयी किराया-खरीद की पूरी राशि पर लगायी गयी हो, न कि देय रहने वाली घटती हुई बकाया राशि पर लगाई गयी ब्याज दरहै।

** क्याज भी सही दर का अर्थ समय-समय पर बकाया रहनेवाले ऋण की वास्तविक राशि पर लगायी गयी क्याज की दर है।

अनुभाग (ii) 31 मार्च 197 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए किराया-खरीद कारोबार

(कृपया अनुदेश सं० 1 देखें)

संकेत किराये की वस्त् मार्च 197 को 31 मार्च 197 को 31 मार्च 197 को समाप्त 31 मार्च 197 31 समाप्त हुए चालु वर्ष में हुए चालु वर्ष की दो छमाहियों को समाप्त हुए सं० समाप्त हुए मंजुर किये गये नये ऋण पिछले वर्ष में के बौरान प्राप्त की गयी किस्तें* चालु वर्ष अन्स में बकाया बकाया ऋण राशि 30 सितम्बर 31 मार्च करार की ऋण अवधि राशि (फुपया अनुदेश राशि राशि सं02 देखें) राशि 4 5 6 7 1 2 3 8

- (क) मोटरगाड़ियां
- 01 (i) ट्रक और लारियां
- 02 (ii) कार

742

- 03 (iii) स्कूटर
- 04 (iv) अन्य
 - (ख) टिकाऊ घरेलू वस्तुएं
- 001 (i) रेडियो रिसीवर
- 002 (ii) पंखे
- 003 (iii) रेफीजरेटर
- 004 (iv) सिलाई मशीनें
- 005 (v) अन्य
- 010 (ग) कृषि संबंधी उपकरण (ट्रैक्टर, बुलडोअर आदि)

020 (घ) उद्योग में उपयोग के लिए औद्योगिक मशीनें औजार या उपकरण

030 (इ.) दूसरे अन्य उपकरण

040 जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ)

***प्रबन्धक/प्रबन्ध** निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्न :

प्रमाणित किया जाता है कि धारा (i) और (ii) के अधीन दर्शायें गयें कम्पनी के किराया-खरीद कारोबार में संबंधित आंकड़ों का सत्यापन किया गया है और वे सत्यापन के बाद हर तरह से सही और पूरे पाये गयें हैं।

**प्रबन्धक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

नाम :

तारीख:

पदनाम :

***कृ**पया अधिसूचना का पैराग्राफ 11 देखें।

**जो लागू नहो उसे काट दें।

(रिज़र्व बैंक आफ इण्डिया के उपयोग के लिए जगह)

अवधि	हैसियत	कारोबार	राज्य	
				 के द्वारा संकेतबद्ध किया गया
				——केद्वारा पांच की गयी ——केद्वारा पांच किया गया।
				के द्वारा सत्यापित किया गया

संदर्भ सं० डी०एन० बी० सी० 17/डी० जी० (एस०)-72—रिजर्व बैंक इस बात से संतुष्ट होकर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, रिज़र्व बैंक आफ इण्डिया अधिनियम, 1934 की 45का, 45ट और 45 ठ धाराओं द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस उद्देश्य के लिए उसे समर्थ बनानेवाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसके द्वारा यह निदेश देता है कि गैर बैंकिंग वित्तेतर कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 में 1 जनवरी 1973 से निम्निखित प्रकार से संशोधन किये जाएं अर्थात्:—

पैराग्राफ 2 के उप पैराग्राफ (1) के --

- 1. खण्ड (क) को निकाल दिया जाए;
- 2. खण्ड (च) के उप खण्ड (i) में जहां कहीं "ऋण" शब्द आता है वहां उसके स्थान पर "रकम" शब्द प्रतिस्थापित किया जाए;
- 3. खण्ड (π) के उप खण्ड (ii) में आने वाले कोई ऋण जो ऐसी शर्तों पर प्राप्त किया गया हो, शब्दों के स्थान पर "कोई रकम जिसकी वापसी अदायगी के लिए निम्नलिखित प्रकार से जमानत ले ली गई हो" शब्द प्रतिस्थापित किये जाएं;
- 4. खण्ड (च) के उप खण्ड (iii) में शब्द "िकसी" के बाद आनेवाले "ऋण" शब्द के स्थान पर "रकम" शब्द प्रतिस्थापित किया जाए और उपखण्ड में आनेवाले तथा तथा "प्राप्त कोई ऋण" ये शब्द, "या" और "िकसी पंजीकृत व्यक्ति से" शब्दों के बीच "कोई प्राप्त ऋण" शब्द जो ड़ दिये जाएं;
- 5. खण्ड (च) के उप खण्ड (v) को निकाल दिया जाए;
- 6. खण्ज (च) के उपखण्ड (vi) में आए ''रकम'' शब्द के स्थान पर ''ऋण'' शब्द प्रतिस्थापित किया जाए और उसमें जहां कहीं ''सरकार'' शब्द आता हो तो वहां उसे निकाल दिया जाए ;
- 7. खण्ड (च) के उप खण्ड (vii) में जहां कहीं "ऋण" शब्द आता है उसके स्थान पर "रकम" प्रतिस्थापित किया जाए और कंपनी के सिचवों तथा कोषाध्यक्षों" शब्दों के बाद "या किसी निजी कंपनी द्वारा अपने सदस्यों से प्राप्त कोई रकम" शब्द जोड़ दिये जाएं;
- 8. खंड (च) के उप खण्ड (viii) के बाद निम्नलिखित उपबन्ध जोड़े जाएं:

"परन्तु, जनवरी 1973 की पहली तारीख को या उसके बाद प्राप्त किसी रकम के संबंध में, जिस व्यक्ति से वह रकम प्राप्त हुई हो उसने कंपनी द्वारा रकम प्राप्त किये जाते समय लिखित रूप में यह घोषणा कर दी हो कि उक्त व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे व्यक्ति से उधार लेकर या या जमा राशियां स्वीकार करके अर्जित की गई निधियों में से वह रकम नहीं दी गई है।"

- 9. खण्ड (च) के उपखण्ड (x) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए:
 - ''(xi) किन्हीं शेयरों या स्टाक या किन्हीं बाण्डों या डिबेंचरों (ऐसे बाण्ड या डिवेंचर कंपनी की आस्तियों पर प्रभार अथवा ग्रहणाधिकार की जमानत पर जारी किये गए हों) में किये गए अभिदान के रूप में प्राप्त तब तक कोई रकम जब तक कि उक्त शेयरों, स्टाक, बाण्डों या डिबेंचरों का नियतन न हो जाए ; और''
- 10. खण्ड (च) के उपखण्ड (xi) के बाद खंड (चच) के रूप में निम्नलिखित जोड़ दिया जाए: "(चच) "जमाकर्ता" में कोई भी ऐसा व्यक्ति शामिल है जिसने कोई ऋण दिया हो";
- 11. खण्ड (छ) में ''या आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 34 की उपधारा (3)'' शब्दों के बाद ''या आयक्तर अधि-नियम 1961 की धारा 33क की उपधारा (3) के अंतर्गत विकास छूट के लिए निर्मित कोई रक्षित निर्धि' शब्द जोड़ दिये जाएं।
- 12. खण्ड (ड) में "कोई ऋण या अग्निम कें रूप में" शब्दों के पहले आने वाले शब्द "वित्तीय सहायता" शब्दों के स्थान पर "वित्तीय व्यवस्था" शब्द प्रतिस्थापित किये जाएं और उसमें "ऋण या अग्निम या अन्यथा" शब्दों के बाद आनेवाले "व्या-पार, अद्योग, वाणिज्य या कृषि" शब्दों को निकाल दिया जाए;
- 13. खण्ड (ढ) में ''आवास वित्त'' शब्दों के बाद आनेवाला ''बीमा'' शब्द और उसमें ''स्टाक एक्सचेंज या स्टाक दलाल कम्पनी'' शब्दों के पहले आने वाले ''पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनी'' शब्द निकाल दिये जाएं ;
- 14. खण्ड (ण) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए:——
 "(ण)" "पारस्परिक लाभ वाली वित्तीय कम्पनी" से ऐसी कोई कम्पनी अभिप्रेत है जिसका प्रधान कारोबार अपने
 सदस्यों से जमाराशियां स्वीकार करना हो और जो कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 620 के अधीन केन्द्रीय सर-
- 15. खण्ड (न) के उपखण्ड (ii) में "कम्पनी के मैनेजर" शब्दों के पहले "निदेशक बोर्ड या प्रबंध निदेशक या" शब्द जोड़ दिये जाएं:
- ग पैराग्राफ 3 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए :
- 3. गैर बैंकिंग वित्तेतर कंपनियों द्वारा जमाराशियों की स्वीकृति

कार द्वारा अधिसूचित की गई हो";

(1) 1 जनवरी 1973 को और उस तारीख से कोई गैर बैंकिंग वित्तेतर कंपनी मांग या नोटिस पर अदा की जाने वाली... या ऐसी जमाराणि की प्राप्ति की तारीख से छः महीनों से कम अविध के बाद अदा की जाने वाली कोई जमाराणि स्वीकार नहीं करेगी या इन निदेशों के लागू होने की तारीख के पहले या बाद उसके द्वारा प्राप्त की गयी किसी जमाराणि का तब तक नवींकरण नहीं करेगी जब तक कि नवींकरण की गई जमाराणि उसके नवींकरण किये जाने की तारीख से छः महीनों के पहले प्रतिदेय न हो।

परन्तु कोई गैर बैंकिंग विसेतर कंपनी निधियों की अपनी मौसमी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस पैराग्राफ के उप पैराग्राफ के खण्ड (i) में उल्लिखित प्रकार की जमाराशियां यथास्थिति कंपनी की मुक्त रक्षित निधियों तथा चुकता पूंजी के औसत के वस प्रतिशत तक प्राप्त कर सकती है, उनका या उनका नवीकरण कर सकती है बशर्ते कि वह उक्त खण्ड में निर्धारित शर्तों को पूरा करती हो और ऐसी जमाराशियां यथास्थित उनकी प्राप्त या नवीकरण की तारीख से तीन महीने के पहले प्रतिदेय न हो।

- (2) 1 जनवरी 1973 को और उस तारीख से कोई गैर बैंकिंग वित्तेतर कंपनी ऐसी कोई जमाराणि किसी ऐसी अन्य जमाराणि सहित स्वीकार नहीं करेगी जो उसी वर्ग (इसके बाद निर्दिष्ट वर्ग) के अंतर्गत आती हो और जो पहले ही प्राप्त की गई हो और जो कंपनी की बहियों में बकाया रहती हो और इस पैराग्राफ के खण्ड (i) में उल्लिखित वर्ग में आने वाली जमाराणि ऐसे व्यक्तियों से ऋण के रूप में गारंटी की गई बकाया जमाराणियों सहित, जो गारंटी प्रदान करते समय कम्पनी के प्रबंध एजेंट या सिचव और कोषाध्यक्ष के निम्नलिखित वर्ग की जमाराणियों के प्रत्येक अलग-अलग वर्ग के लिए निर्दिष्ट सीमाओं से अधिक होने के मामले में उसे स्वीकार नहीं करेगी अर्थात्
 - (i) गैर जमानती डिबेंचर या किसी सदस्य से प्राप्त जमाराशि (जो किसी गैर सरकारी कंपनी द्वारा उसके सदस्यों से पैराग्राफ 2 के उपपैराग्राफ (1) के खण्ड (च) के उपखण्ड (vii) में उल्लिखित घोषणा पर प्राप्त जमाराशि नहीं है) या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा गारंटीकृत जमाराशि जो गारंटी देते समय निदेशक हो, कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त रक्षित निधियों की कूल राशि का पच्चीस प्रतिशत;
 - (ii) किसी दूसरी जमाराशि के मामले में, कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त रक्षित निधियों की कुल राशि का पच्चीस प्रतिशत ।

III पैराग्राफ 4 के ----

- 1. उप पैराग्राफ (1), और (2) में आने वाले "जनवरी 1972 को" शब्दों के पहले "कारोबार शुरू होने के समय" शब्द जोड़ विये जाएं।
- 2. उप परामाफ (3) के "1 जनवरी 1972 को" शब्दों के पहले कारोबार शुरू होने के समय पर" शब्द जोड़ दिए जाएं।

- 3. उप पैराग्राफ (3) में आने वाले ''पैराग्राफ 3 के उप पैराग्राफ (2) के खण्ड (1) में उल्लिखित प्रकार'' शब्दों के स्थान पर ''उप पैराग्राफ (1) में उल्लिखित चार प्रकारों में से एक या उससे अधिक प्रकार'' शब्द प्रतिस्थापित किये जाएं;
- 4. उप पैराग्राफ (3) में जहां कहीं "बारह" शब्द आता है उसके स्थान पर "छः" शब्द प्रतिस्थापित किये जाए;
- 5. उप पैराग्राफ (3) में जहां कहीं "ऐसी प्राप्ति की तारीख" शब्दों के बाद आने वाले शब्द "जमाराशि" के स्थान पर "जमाराशियां" शब्द प्रतिस्थापित किया जाए।
- IV. 1. पैराग्राफ 5 के वर्तमान परन्तुक के सामने नई संख्या डालकर उसे उप पैराग्राफ (1) बना दिया जाए; इस प्रकार संख्या डाले गये उप पैराग्राफ (1) में दो स्थानों पर आनेवाले "कंपनी के मैनेजर" शब्दों और "मैनेजर ने विज्ञापन का मजबून मंजर किया हो" शब्दों के पहले "निदेशक बोर्ड या प्रवन्ध निदेशक या" शब्द जोड़ दिये जाए;
 - 2. पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ (2) के रूप में निम्नलिखित जोड़ दिया जाए:
 - "(2) 1 अप्रैल 1973 को और इसी तारीख से कोई भी गैर बैंकिंग वित्तेतर कंपनी किसी भी जमाराणि को तब तक स्वीकार, नवीक्वत या परिवर्तित नहीं करेगी जब तक कि जमाकर्ता ने कंपनी द्वारा सप्लाई किये जानेवाले उस फार्म पर लिखित आवेदन न किया हो जिसमें इस पैराग्राफ के उप पैराग्राफ (1) में निर्दिष्ट सभी विवरण दिये जाने चाहिएं।
- V. पैराग्राफ 6 के वर्तमान उपपैराग्राफ (ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए:
- "(ii) उक्त रसीद पर कोई ऐसा अधिकारी विधिवत् हस्ताक्षर करेगा जो कम्पनी की ओर से यह कार्य करने का हक-दार हो और वह इस रसीद पर जमाराणि की तारीख, जमाकर्ता का नाम और जमाराणि के रूप में कंपनी द्वारा प्राप्त की गई रकम का अक्षरों और अंकों में बहुत ही स्पष्ट रूप से उल्लेख करेगा और साथ ही उस पर देय ब्याज की दर और उसके प्रतिदेय होने की तारीख का भी बहत ही स्पष्ट उल्लेख करेगा।"
- VI. पैराग्राफ 7 के उपपैराग्राफ (i) में खण्ड (खख) में निम्नलिखित रूप में जोड़ दिया जाए ----
 - (खख) प्रत्येक जमाराशि की अवधि तथा नियत तारीख;
- VII. पैराग्राफ 8 के उपपैराग्राफ (ii) में "10 लाख रुपए" शब्दों और अंक के स्थान पर "5 लाख रुपए" **शब्द औ**र अंक प्रतिस्थापित किए जाएं।

VIII. पैराग्राफ 9 के ---

- 1. पैराग्राफ (क) में आनेवाले "बारह" शब्द के स्थान पर "छः" शब्द प्रतिस्थापित किया जाए,
- 2. उपपैराग्राफ (ख) के (v) और (vi) खण्डों को निकाल दिया जाए।
- IX पैराग्राफ 12 में वर्तमान परन्तुक के सामने संख्या डालकर उसे उप पैराग्राफ (1) बना दिया जाए और उसके बाद उप पैराग्राफ (2) के रूप में निम्निसिखित जोड़ दिया जाए:
 - ''(2) (i) प्रत्येक गैर बैंकिंग वित्तेतर कम्पनी , इस परन्तुक के लागू होने की तारीख को या कारोबार शुरू करने की तारीख में से जो भी तारीख बाद में आती हो उसके बाद एक महीने के भीतर रिजर्व बैंक को एक निम्नलिखित सूची देते हुए एक लिखित विवरण प्रस्तुत करेगी ;
 - (क) अपने प्रधान अधिकारियों के नाम और अधिकृत पदनाम ;
 - (ख) कंपनी के निदेशकों के नाम और रिहायशी पते ; और
 - (ग) उप पैराग्राफ (1) में निर्दिष्ट विवरणि पर कंपनी की ओर से हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत अधि-कारियों के नम्ने के हस्ताक्षर।

इस उप पैराग्राफ के उप खण्ड (i) में उल्लिखित सूची में यदि कोई परिवर्तन किया जाए तो उसकी सूचना ऐसा परिवर्तन किये जाने की तारीख से एक महीने के भीतर रिजर्व बैंक को दी जाए।

- X. पैराग्राफ 13 में ''कलकत्ता-1'' शब्दों के बाद ''या उक्त विभाग के किसी कार्यालय, जिसको उन्हें भेजने का निदेश दिया गया हो, ×××× शब्द जोड़ दिया जाएं ;
- XI. पहली और दूसरी अनुसूचियों के स्थान पर यहां दी $\times \times \times \times \times$ गई सम्बन्धित अनुसूचियां प्रतिस्थापित की जाएं।

गोपनीय

फार्मडी

पहली अनुसूची

(क्रपया अधिसूचना सं० डी० एन० बी० सी० 2/ई० डी० (एस०)-66 तारीख 29 अक्तूबर 1966 का पैराग्राफ 12 देखें)

वित्तीय कंपनियों को छोड़कर अन्य गैर बैंकिंग कंपनियों के पास 31 मार्चे 197 को रहनेवाली जमाराणियां (यह फार्म भरने के पहले अनुदेशों को सावधानी से पढ़ लें)

संकेत (कोड) सं०		
	(1) कंपनी का नाम	
	(2) पूरा पता	_
	(क) रजिस्टर्ट कार्यालय :	-
	(a) Ladystitum maria	_
	(3) कंपनी की रजिस्ट्री किस राज्य में हुई है	
	(४) *हैसियत (स्टेटर्स) : निजी/सार्वजनिक समिति कंपनी/विदेशी कंपनी की शाखा ——————	
	(5) कंपनी की रजिस्ट्री संख्या	-
	(6) (क) निगमन की तारीख:	
	(ख) कारोबार शुरू करने की तारीख	_
	(७) कंपनी का वित्तीय वर्ष :	_
	(कृपया निर्दिष्ट किया जाए)	
	(१) उद्योग के प्रकार : (सुती वस्त्र, चीनी, इंजीनियरी आदि ———————————————————————————————————	.)
		<u>_</u>
	(10) कंपनी के बैंकरों का नाम और पता	_
·		_
•) -		-
*जो भाग ला	ाून हो उसे काट दें।	

नोट :—यह विवरणी पूरी करने के बाद, मुख्य अधिकारी, गैर वैंकिंग कंपनी विभाग, रिजर्व बैंक आफ इंडिया, 15, नेताजी सुभाष रोड, पोस्ट बाक्स सं० 571, कलकसा-1 को भेजी जानी चाहिए।

फार्म भरते के लिए अनुदेश

- र्गे 31 मार्च को कंपनी की जो स्थिति हो उसके सिलसिले में इस भाग की विवरणी को वर्ष में एक बार 30 जून के पहले पेश की जामी चाहिए; भले ही कंपनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कोई भी क्यों न हो।
- 2. किसी भी कारण से इस विवरणी को पेग्न करने में विलंब नहीं किया जाना चाहिए; इन कारणों में वार्षिक लेखे की लेखा परीक्षा समाप्ति भी शामिल है। विवरणी का संकलन कंपनी की बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।
- 3. जिस कंपनी के लिए यह विवरणी को पेश करना आवश्यक है परन्तु जो अग्रणी के रूप में चिट फंड कारोबार भी करती है, उसके मामले में चिट का कुड़ी करारों के अधीन अभिदान के रूप में प्राप्त राशियां जमाराशियां नहीं मानी जाएंगी।
- 4. अधिसूचना सं० डी॰ एन॰ बी॰ सी॰ 2/ई॰ डी॰ (एस॰)-66, तारीख 29 अक्तूबर, 1966 के पैराग्राफ 2 (1) (খ) में उल्लिखित कतिपय अपवादों के साथ बे जमानती (अनसिक्युर्ड) उधारों को जमाराणियां माना जाता है।
- 5. पहले के प्रबंध एजेंटों (मैंनेजिंग एजेन्ट्स) या सचिवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, ब्रारा गारंटीकृत बेजमानती ऋण को जमाराशियां माना जाता है। उपर्युक्त गैर जमानती ऋणों को उक्त अधिसुचना के पैराग्राफ 3 (2) में उल्लिखित प्रकार की जमाराशियां मानी जाने और इस भाग के संकेत संव 1 के अन्तर्गत वर्गीकृत किये जाने के योग्य होने के लिए उन्हें निम्न मानदंड पूरे करना च।हिए :——
 - (क) उनके साक्ष्य के रूप में या तो उधार लेने वाली कंपनी द्वारा निष्पादित विचनपत्न या ऋण के करार के साक्ष्य के लिए उनके और कंपनी के बीच आदान प्रदान किये गये पत्न होने चाहिए,
 - (ख) यदि कंपनी के पहले के प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, द्वारा इन ऋणों की वापसी अवायगी (रिपेमेंट) की गारंटी दी गई हो तो वह उनकी व्यक्तिगत हैंसियत से दी जानी चाहिए, और
 - (ग) ये ऋण कंपनी की बहियों में मियादी ऋण लेखों के रूप में रखें गये दिखाये जाने चाहिए। इनकी आणिक वापसी अदायणियों के लिए अनुमति है परन्तू नयी राणियां एक ही लेखे के ऋणों के रूप में नहीं ली जानी चाहिए।

यदि ऊपर उल्लेख किये गये प्रकार का बेजमानती ऋण उपर्युक्त तीनों मानदंडों में से किसी की पूरा नहीं करता तो ऐसे मामले में उसे उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 3 (2) (ii) में उल्लिखित प्रकार की जमाराणियां माना जाना चाहिए और उसे भाग क में, यथास्थिति, संकेत सं० 6 या 7 के मामने वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

- 6. साहूकारी से संबंधित जो विधि फिलहाल लागू हो उसके अधीन रिजस्ट्रीकृत किसी व्यक्ति से प्राप्त ऋणों को 'जमाराणि' पद (टर्म) से छूट दी गई है बगर्ते कि वे उपर्युक्त अनुदेश सं० 5 में (क) और (ग) में निर्दिष्ट मापदंडों को पूरे करते हों।
- 7. लेखों की संख्या वास्तविक आंकड़ों में दी जानी चाहिए जबकि जमाराशियों की रकमें हजार रुपयों में दी जानी चाहिए। राशि का निकटतम हजार में पूर्णीकन (राउंडेड आफ) किया जाना चाहिए और तीन शून्यों को छोड़ दिया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ, 4,560 रुपयों की राशि 5 लिखी जानी चाहिए न कि 4.6 या 5,000।
- 8. इस विवरणी के भाग (ग) में जमाराशियां प्राप्त करने के लिए अदा की गयी दलाली आज की दर में शामिल नहीं की जानी चाहिए परन्तु वह सारणी के अंत में पाद-टिप्पणी में दर्शायी जानी चाहिए।
- 9. प्राप्त हुई कोई भी ऐसी राणी जो अधिसुचना सं० **डी० ए**न० **बी० सी०-2 (ई० डी० (एस०)-66, तारीख 29 अक्तूबर 1966 के** पैराग्राफ 2 (1) (च) के उपखंड (i) से (xi) के जमाराणि पद में विषेष रूप से शामिल नहीं की गयीं है, उसे उक्त विवरणी के भाग क, ख और ग में मद III के अंतर्गत विभिन्न संकेत संख्याओं के सामने वर्गीकृत की जानी चाहिए।

न्यास के रूप में प्राप्त राशियां, माल या सेवाओं की पूर्ति के लिए प्राप्त अग्निम, ठेकेवारों से जमानत के रूप में प्राप्त जमाराशियां और अन्य छूट दी गई ऐसी प्राप्त जमाराशियां जो उक्त विवरणी के भाग क में संकेत सं० 10 से 17 में से किसी के अंतर्गत वर्गीकृत नहीं की जा सकतीं, वे उसी भाग क में संकेत सं० 18 के सामने दर्शायी जानी चाहिए।

- 10. उक्त विवरणी के भाग श्र में दर्शायी जानेवाली जमाराशियों की अविध के अनुसार वर्गीकरण मद I और II के अधीन विभिन्न संकेत संख्याओं के अंतर्गत उन अविधयों के अनुसार किया जाना चाहिए जिनके लिए मूल रूप से प्राप्त हुई हो/उनका अंतिम बार नवीकरण किया गया हो और न कि उन अविधयों के अनुसार जो 31 मार्च अर्थात् उक्त विवरणी की तारीश्व से उनके जारी रहने के लिए बकाया हों। इन राशियों को उपर्युक्त मवों के अंतर्गत कमशः संकेत सं० 1 और 10 के अंतर्गत दर्शाया जाना चाहिए जिनकी वुगाई (मेच्योरिटी) की अविध निर्दिष्ट न हों या जिनकी वापसी अदायगी किश्तों में की जानी हों और स्थित का समुचित स्पष्टीकरण पाद-टिप्पणियों में दिया जाना चाहिए।
- 11. जमाराशियों और छूट प्राप्त उधारों और जिन प्राप्तियों पर कोई व्याज नहीं देना पड़ता उन्हें भाग ग में, यथास्थिति, मद I, II, और III के अधीन कमशः सं० 1, 8 और 15 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- 12. केवल उन रक्षित निधियों को 'मुक्त रक्षित निधियां' माना जाना चाहिए जिनको कंपनी के तुलनपत्न में किसी सामान्य या अनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए रखा गया दर्शाया या प्रकाशित किया गया हो और उक्त निधिकों को विवरणी के भाग घ और च में दर्शाया जाना चाहिए। जिस किसी अन्य रक्षित निधि की लेखा परीक्षित तुलन-पत्न में दी गई नामावली से यह संकेत मिलता है कि उसे किसी विशेष उद्देश्य के लिए अलग रखा गया है उसे हिसाब में नहीं लिया जाना चाहिए भले ही उसके निर्मित किये जाने का भास्तविक प्रयोजन कुछ भी नयों न हो। निम्नलिखित रिक्षियों को सामान्यतः मुक्त रक्षित निधियां माना जाता है।
 - (i) सामान्य रक्षित निधि
 - (ii) पूंजी रक्षित निधि।
 - (iii) पुंजी प्रतिदान (रिडेम्पशन) रक्षित निधि
 - (iv) फूटकर व्यय की रक्षित निधि
 - (v) सांविधिक विकास छूट (रिबेट) की रक्षित निधि या विकास छूट (एलाउंस) की रक्षित निधि
 - (vi) शेयर अधिमुल्य (प्रीमियम) लेखे में बकाया राशि
 - (vii) सामान्य रक्षित निधि के स्वरूपवाला अधिरोष
- 13. जैसा कि उक्त अधिसुचना के पैराग्राफ 12 (2) (i) के अनुसार आवश्यक है, यदि कंपनी के प्रधान अधिकारियों के नाम तथा उनके अधिकारिक पदनाम तथा कंपनी के निदेशकों के नाम और पते दर्शानेयाली सुची विद अब तक रिजर्ब बैंक आफ इंडिया को न भेजी गई हो तो वह इसके साथ नत्थी की जानी चाहिए।
- 14. जब तक इसके प्रतिकूल कोई संकेत न हो तब तक गैर बैंकिंग विस्तेतर कंपनियां (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 में निर्दिष्ट परिभाषाएं, बहां तक लागू होंगी जहां तक वे संबद्ध हों।
- 15. इस विवरणी पर प्रबन्धक (जिसकी परिभाषा कंपनी अधिनियम 1956 की खारा 2 में की गमी है) को हस्ताक्षर करना चाहिए और यदि ऐसा कोई प्रबन्ध न हो तो प्रबन्ध निदेशक या कंपनी के ऐसे किसी अन्य अधिकारी को हस्ताक्षर करना चाहिए जिसे निदेशक बोर्ड ने यथाविधि प्राधिकृत किया हो और इस प्रयोजन के लिए जिसके नमूने के हस्ताक्षर रिजर्थ बैंक को भेज दिये गये हों। यदि नमूने के हस्ताक्षर निर्धारित कार्ड में न भेजे गये हों तो इस विवरणी पर प्राधिकृत अधिकारी को हस्ताक्षर करने चाहिए और उसके नमूने के हस्ताक्षर अलग से भजे जाने चाहिए।
- 16. यदि विवरणी के किसी भाग में कोई भी सूचना (रिपोर्ट) नहीं देनी है, तो उसमें 'कुछ नहीं' लिखा जाना चाहिए। 2---509GI/72

भाग क

सकाया	जमाराशियां	आदि	३१ मार्च.	197	को
ભાગળમા	21.11 /11.41.41	41114	ירוי בכ	101	171

संकेत सं०	जमाराशियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	लेखों की संख्या	राशि (हजार रुपयों में)
	अधिसूचना के पैराग्राफ 3 (2) और 3 (2) (i) में उल्लिखित प्रकारों की जमाराशिय ;) पहले के प्रबन्ध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों द्वारा गारन्टी किए गए ऋणों के रूप में प्राप्त जमाराशियां		
2 (ख	रुणा क रूप में प्राप्त जमाराशिया) बेजमानती डिबेंचर		
`) जमाराशियां जितमें सदस्यों [*] (जो निजी सीमित कम्पनी के सदस्य न हों) से प्राप बेजमानती ऋण शामिल हैं	त	
4 (घ) अमाराशियां जिनमें निवेशकों द्वारा अपनी व्यक्तिगत हैसियत से गारन्टी दिये गये बेजमानती ऋण शामिल हैं।		<u> </u>
5 (জ) जोड़ (क+ख+ग+घ)		
и :	अधिसूचना के पैराग्राफ ३ (2) (ii) में उल्लिखित प्रकारों की जमाराशियां		
) मिया दी ज माराशियां		
, ,) अन्य कोई जमाराशियां		
8 (ज)) जोड़ (च+छ)		
9 (झ	(1)+(11) का जोड़	·	
III	छूट प्राप्त उधार और प्राप्तियाँ जिन्हें जमाराणियां नहीं मामा जाता [अधिसूचना के पैराग्राफ 2 (1) (च) (i) से (xi) तक देखें]		
10 (ङा) 11 (ट)	पूर्ववर्ती प्रबंध एजेंटों या सचिवों और कोषाध्यक्षों यदि कोई हों, से प्राप्त रकम **निदेशकों से प्राप्त रकम		
11 (८) 12 (४)			
` '	कर्मचारियों से प्राप्त जमानत की जमाराशियां		
14 (æ)			
15 (ेण)	मिश्रित पूंजी कम्पनियों से प्राप्त रकम (इनमें एक ही समूह की कम्पनियाँ भी शामिल हैं)		
16 (त)	जमानती उधार और बैंकों तथा अन्य निर्दिष्ट संस्थाओं से लिए गए उधार		
٠,	विदेशी स्रोतों से प्राप्त रकम		
	अन्य छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें जमाराशियां नहीं गिना जाता		
19 (घ)	जोड़ (ङा से द)		
	·		
20 IV	ऊपर के I, II और III का जोड़		

^{*}यहां प्रयुक्त 'सदस्य' अभिव्यक्ति का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जो कम्पनी में शेयरधारी के रूप में रिजस्टर है।

^{**}कृपया यह नोट कर लें कि ऐसे व्यक्ति से प्राप्त ऐसी रकमें छूट-प्राप्त नहीं हैं जो उसने अन्य व्यक्ति से उधार लेकर या जमाराशियां स्वीकार कर अर्जित की गयी निधियों में से दी हों। [अधिसूचना का पैराग्राफ 2(1) (च)(vii) देखें] उसकी रकम इस प्रकार में शामिल करने के पहले कम्पनी को चाहिए कि उसने उससे इस आग्रय का घोषणा पत्र प्राप्त कर लिया हो।

भाग ख

जमाराशियों की अवधि आदि 31 मार्च 197 को

संकेत∍ सं°०	जमाराशियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियों के प्रकार	संकेत सं०	जमाराणियों, छूट-प्राप्त उधारों और प्राप्तियों की अवधि (कृपया अनुदेश संख्या 10 देखें)	लेखों की संख्या	राणि (हजार रुपयों में
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
0	 I. पहले के प्रबन्ध एजेंटों या सिचवों और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, द्वारा गारंटी किए गए ऋणों के रूप में प्राप्त कोई जमाराशियां, बे- 	1 2	3 महीनों से कम अवधि में मांग या सूचना (नोटिस) पर या अन्यथा प्रतिदेय (रिपेयेबल) 3 महीनों या उससे अधिक परन्तु 6 महीनों से कम	<u> </u>	
	जमानती डिबेंचर, जमाराशियां जिनमें सदस्यों (जो किसी निजी सीमित कम्पनी के सदस्य न	3	अवधि के बाद प्रतिदेम 6 महीने या उससे अधिक परन्तु 12 महीनों से		
	हों) से प्राप्त बेजमानती ऋण शामिल हैं और जमाराशियां जिनमें निदेशकों द्वारा गारन्टी किए	4	कम अवधि के बाद प्रतिदेय 12 महीने या उससे अधिक परन्तु 24 महीनों से		
	हुए बेजमानती ऋण शामिल है।	5	, कम अविध के बाद प्रतिदेय 24 महीने या उससे अधिक परन्तु 36 महीनों से कम अविध के बाद प्रतिदेय।		
		6	36 महीने या उससे अधिक परन्तु 60 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय ।		
		7	60 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद प्रति- देय		
		8	1 से 7 का जोड़ (नोट सं० (i) देखें)		
00	II. जमाराशियां अर्थात् मियादी जमाराशियां और अन्य कोई जमाराशियां	9	कालातीत/या अदावी (अनक्लेम्ड) उपर्युक्त संकेत सं० १ के सामने उल्लिखित जमा- राणियों को छोड़कर 6 महीनों से कम अवधि में मांग या सूचना (नोटिस) पर या अन्यथा प्रति- देय		
		11	6 महीने या उससे अधिक परन्तु 12 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय		
		12	12 महीने या उससे अधिक परन्तु 24 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय।		
		13	24 महीने या उससे अधिक परन्तु 36 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय		
		14	36 महीने या उससे अधिक परन्तु 60 महीनों से कम अवधि के बाद प्रतिदेय		
		15	60 महीने या उससे अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय [
		16	9 से 15 का जोड़ (नोट सं ii देखें) दृ		
000	III. छूट-प्राप्त उधार और प्राप्तियां जिन्हें जमा- राणियों में नहीं गिना जाता अर्थात् निजी	17	6 महीनों से कम अवधि में मांग या सूचना पर या अन्यथा प्रतिदेय		
	सीमित कम्पनियों के मामले में सदस्यों से या निदेशकों से या यदि पहले के प्रबन्ध एजेंटों	18	6 महीने या उससे अधिक परन्तु 12 महीनों से कम अवधि के बाद सूचना पर या अन्यथा प्रतिदेय		

000 III. छूट प्राप्त उधार और प्राप्तिमां जिन्हें जमाराशियों में नहीं गिना जाता अर्थात निजी सीमित कम्पनियों के मामले में

8 से 13 का जोड 5 प्रतिशत और उससे कम 15

प्रतिशत से कम 12 प्रतिशत या उससे अधिक

12

13

14

10 प्रतिशत या उससे अधिक परन्तु 12

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	सदस्यों से वा निदेशकों वा पहले के प्रबन्ध एजेंटों या	सचिवों 1 <i>6</i>	5 प्रतिशत से अधिक परन्तु 7 प्रतिशत से क	म
	और कोषाध्यक्षों, यदि कोई हों, से प्राप्त, कर्मचाि प्राप्त जमानत की जमाराशियों, और खरीद, बिकी		<u> </u>	त
	एजेंटों से प्राप्त वा मिश्रित पूंजी कम्पनियों से लिये ग और अन्य सभी छट-प्राप्त उद्यार और प्राप्तियां	मे उधार 18	9 प्रतिशत या उससे अधिक परन्तु 1 0 प्रतिश से कम	ন
	·	19	10 प्रतिशत या उससे अधिक परन्तु 12 प्रति शत से कम	-
		20	1 2 प्रतिणत या उससे अधिक	
		21	15 से 20 का जोड़	
0000	IV I, II और III का जोड			
,,,,,,			·	

नोट: (i) संकेत सं० 7, 14 और 21 के जोड़ भाग क कमश: संकेत सं० 5, 8 और 19 के जोड़ों से मिलना चाहिए।

(ii) भाग ग की मद IV का जोड़ भाग क की मद IV के जोड़ से मिलना चाहिए।

भाग घ

उच्चतम सीमाओं की तुलना में जमाराशियों की स्थिति दशनि वाला विवरण

(i) अधिसूचना के पैराग्राफ 3(2) और 3(2) (i) में उल्लिखित प्रकारों की जमाराशियां और उनकी निर्धारित उच्चतम सीमा

(राशियां हजार स्पयों में)

निम्नलिखित तारीख को	ऊपर उल्लेख किए गए	,	स्वामि 	ात्व की निधियां —— 人——			यदि उच्चतम सीमा से	*कृपया यह उल्लेख करें कि क्या
कारोबार बंद होने के समब की स्थिति	•	चुकता पूंजी	मुक्त रक्षित निधियां	यदि घाटे की कोई बकाया राशि हो तो वह	स्वामित्व की शुद्ध निधियां (3+4) 5	उच्चतम सीमा (अर्थात् स्वामित्य की णुद्ध निधियों का 25 प्रतिणत)	अधिक जमाराशियां कोई हों तो वह (2—7)	अधिसूचना के पैराग्राफ 4(1) के अनुसार अधिक जमाराशियों का सभायोजन किया गया है या नहीं। यदि नहीं तो इसका पालन न किए जाने के कारण दिए
1	2	3	4	5	6	7	8	9

31 दिसम्बर 1971 🕛

31 मार्च 1973

31 मार्च 1974

31 मार्भ 1975

नोट: 31-12-1971 को जो जमाराशियां अधिक हों उनके कम से कम एक तिहाई अंश को 1-4-1973 के पहले घटा देना होगा। 31-12-1971 को जो जमाराशियां अधिक हो उनके दूसरे एक तिहाई अंश को 1-4-1974, के पहले और यदि उक्त अधिक राशि की कोई बकाया राशि हो तो उसे 1-4-1975 के पहले घटा देना होगा।

भाग ङ

6 महीने से कम अवधि में मांग या सूचना पर प्रतिदेय जमाराणियों का विनियमन दर्णानेवाला विवरण इस अधिसूचना के पैराग्राफ 3 (2) और 3 (2) (i) में उल्लिखिस प्रकारों की जमाराणियां

(राशियां हजार रुपयों में)

स्वामित्व की शुद्ध उपर्यक्त प्रकारों स्वामित्व की अनियमित *कृपया यह उल्लेख निम्नलिखित जमा-जमाराशियों की कुल (अर्थात् निधियों का 25 प्रति-करें कि उक्त अधि-तारीख को निधियों के 10% राशियां (अर्थात कारोबार बंद रकम की ऐसी जमाराशियों स्तम्भ 2 में से 3 भाग घके अनुभाग सुचना के पैराग्राफ (i) के स्तम्भ 7 होने भाग ख के संकेत (जो इस अधिसूचना घटाकर जोड 4 (3) के अनुसार सं० 1 और 2 का के पैराग्राफ 3 (2) देखें 🛚 जमाराशियों समय की स्थिति जोड़) (i) में उल्लिखित का विनियमन किया गया है या नहीं। यदि प्रकार की हों) की नहीं तो उसका पालन रकम जो तीन महीने न किए जाने के कारण के बाद ही प्रतिदेय हों विराग्राफ 3 (1) दिए जाएं का परन्तुक देखें] (3) (4)(5) (6)(2) (1)

- नोट: (i) यदि अनियमित जमाराशियों की कुल राग्नि कम्पनी के स्वामित्व की निधियों के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं तो ऐसी जमाराशियों की 1-4-1973 के पहले नियमित कर ली जानी चाहिए।
 - (ii) यदि अनियमित जमाराशियों की कुल राशि कम्पनी स्वामित्व की निधियों के 25 प्रतिशत से अधिक हो तो वह नीचे लिखे प्रकार से नियमित की जाए। (क) स्वामित्व की शुद्ध निधियों के कम से कम 25 प्रतिशत के बराबर की ऐसी जमाराशियों की रकम 1-4-1973 के पहले, (ख) शेष राशि की कम से कम आधी रकम 1-4-1974 के पहले और (ग) शेष अंश 1-4-1975 के पहले।

महत्वपूर्णः इस बात को नोट किया जाए कि उपर्युक्त स्तम्भ 3 में उल्लिखित जमाराशियों कम्पनी की निधियों की मौसमी आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रयोजन से ही प्राप्त करने दी गई है। अधिसूचना के पैराग्राफ 3 (1) का परन्तुक देखें।

³¹ दिसम्बर 1971

³¹ मार्च 1973

³¹ मार्च 1974

³¹ मार्च 1975

भाग च

कम्पनी के लेखा परीक्षित तुलन-पन्न के अनुसार इस विवरणी की तारीख की निकटतम तारीख को उसकी तुलनात्मक स्थिति

(रकम हजार ख्यों में)

		मोटे तौर प कारण दिए जाएं
2	3	4
	@ £	
	-	
	2	

@भाग क के संकेत सं० 9 का जोड़ यहां दर्शाया जाना चाहिए।

£भाग क के संकेत सं० 19 का जोड़ यहां दर्शाया जाना चाहिए।

*प्रबन्धक/प्रबन्ध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्न :

- (1) यह प्रमाणित किया जाता है कि इस विवरणी के इस भाग में सूचित (रिपोर्ट) की गयी जमाराशियां कम्पनी के कारोबार की वास्तविक आवायकताओं को पूरा करने के लिए प्राप्त या नवीकृत की गई थी।
- (2) यह प्रमाणित किया जाता है कि अधिसूचना के पैराग्राफ 2(1) (च) (vii) के परन्तुक की शतौं के अनुसार निदेशकों और सदस्यों£ से इस आशय की लिखित घोषणाएं प्राप्त कर ली गयी हैं कि उनके ढारा किसी अन्य व्यक्ति से उधार लेकर या जमाराशियां स्वीकार कर अजित की गयी निधियों में से कम्पनी को रकम नहीं दी गयी है।
- (3) यह प्रमाणित किया जाता है कि कम्पनी ने जमाराशियों के लिए याचना (सांलिसिट) करते समय अधिसूचना के पैराग्राफ 5(1) और (ii) के उपबन्धों का पालन किया है।
- (4) यह प्रमाणित किया जाता है कि जमाराशियां 1 जनवरी 1973 को या उसके बाद इस अधिसूचना के पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ 2 में निर्धारित प्रकार से स्वीकार की गई हैं, नवीकृत की गई हैं अथवा परिवर्तित की गई हैं।
 - (5) यह प्रमाणित किया जाता है कि कम्पनी ने अधिसूचना के पैराग्राफ 6 की अपेक्षाओं का पालन किया है।
 - (6) प्रमाणित किया जाता है कि जमाराशियों के रजिस्टर इस अधिसूचना के पैराग्राफ 7 में दर्शाए गये तरीके के अनु-सार रखे जाते हैं।
 - (7) यह प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी में दिये गये विवरण/दी गई सूचना का सत्यापन कर लिया गया है और वे हर तरह से सही और पूरे पाये गए हैं। (जो प्रमाण-पन्न लागु न हो उसे काट दें)।

20		٠
ZII	< 1 CM	٠

*प्रबन्धक/प्रबन्ध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

नाम:

पदनाम:

754	THE GAZETTE OF INDI	IA, MARCH 17, 1973	(PHALGUNA 26, 1894)	[PART III—SEC.
- — - विवरणी	के अनलग्नक (इन्कलोजर्स)			<u> </u>
	, ,	ही न भेजे गए हों तो विवरणी	के साथ भेजे जाने चाहिएं। कृपया दर	स्तावेज की मद के सामने के
चौखाने	(बाक्स) में अनुलग्न दस्तावेज के 1		* *	
	(1) इस विवरणी की तारीख	। की निकटतम तारीख तक	का लेखा परीक्षित तुलनपत्न औ	t
	लाभ हानि लेखे की एक प्रवि		3	
	(2) नमूने के हस्ताक्षर का कार्ड	(कृपया अनुदेश सं० 15 देखें)		
	(3) अधिसूचना के पैराग्राफ 5 वे	र उप पैराग्राफ (2) में उल्लि ख त	आवेदन पत्न की एक प्रति	
	(4) यदि 31 मार्च 197 के स एक एक प्रति	माप्त हुए वर्ष के दौरान कोई विश	।।पन जारी किए गये हों तो उनकी	
	(5) अधिकारियों और निदेशकों	की सूची (कृपया अनुदेश सं० 13	देखें)	
	(रिज़र्व बैंक	आफ़ इंडिया द्वारा काम में लाई जा	नेषाली जगह)	
अवधि	हैसियत	कारोबार	राज्य	
	—————————————————————————————————————			
	र्ध्यह केवल निजी सीमित कम्पनियों	के मामले में ही लागू है।		
	गोपनीय	दूसरी अनुसूची		प्रमर्भ आई० एच० पी०
	[कृपया अधिसूचना सं० डी० एन०	› बी० सी० 2/ई० डी ० . (एस)	-66 सारीख 29 अक्तूबर, 1966 क	ग पैराम्राफ 12 दे खें]
	(गै	र वित्तीय कम्पनियों के किराया- ब	रीद कारोबार का विवरण)	
_	(कृपया फार्म को भरने के पहले नि	•	•	
संकेत सं 	o (1) कम्पनीकानाम ———————————————————————————————————	जिस्टर्ड कार्यालय		
	(३) कम्पनी की रजिस्ट्रं	 ते किस राज्य में वर्ड वै		
	, ,	/सार्वजनिक सीमित कम्पनी/विदेर्श		
	(5) कम्पनी की रजिस्ट	ी संख्याः ————		
	(6) (क) नियमन की त	गरीख:		
	(ख) कारोबार गुर	रू करने की तारीखः -−		
	(7) कम्पनी का वित्तीय	ा वर्ष		
	(8) मुख्य कारोबार*	ः निर्माण/व्यापार/कृषि/बागान/अ	ान्य कारोबार (क्रुपया निर्दिष्ट करें)
		(सूती कपड़े, चीनी, इंजीनियरी		

यह विवरणी तैयार करने के बाद, मुख्य अधिकारी, गैर बैंकिंग कम्पनी विभाग, रिजर्ब बैंक आफ़ इंडिया, 15 नेताजी सुभाष रोड, पोस्ट बाक्स सं० 571, कलकत्ता-1 को भेजी जानी चाहिए।

(10) कम्पनी के बैंकर (रों) का (के) ----

नाम और पता

नोट :

*जोलागून हो उसे काट दें।

अनुदेश

- 1. 31 मार्च की कम्पनी की स्थित के सिलसिले में खंड (ii) की विवरणी वर्ष में एक बार 30 जून, के पहले पेश की जानी चाहिए। यदि कम्पनी का वित्तीय वर्ष भिन्न हो तो 31 मार्च की निकटनम तारीख को समाप्त होने बाले कम्पनी के विश्तीय वर्ष के सिलसिले में केवल खंड (ii) की विवरणी पेश की जानी चाहिए और संबंधित वर्ष की दो छमाहियों को पहली छमाही और दूसरी छःमाही (या निदेशों में परिभाषित छमाही) माना जाना चाहिए। इस प्रकार जिस कम्पनी को 31 मार्च 1973 तक की अपनी विवरणी पेश करनी है और जिसका वित्तीय वर्ष 31 दिसम्बर, 1972 को समाप्त होता है, उसे अपने उक्त वित्तीय वर्ष के सिलसिले में (31 मार्च 1973 की निकटतम तारीख तक के लिए ही) इस खंड का संकलन करना चाहिए। न कि 31 मार्च 1973 के लिए। इसके अलावा, चालू वर्ष और पिछले वर्ष के अन्त में बकाया ऋणों का सम्बन्ध कमशः 31 मार्च, 1973 और 31 मार्च 1972 के बजाय 31 दिसम्बर 1972 और 31 दिसम्बर 1971 से होना चाहिए और मंजूर किए गए नए ऋण 1 जनवरी 1972 से लेकर 31 दिसम्बर 1972 तक की अविध से संबंधित होने चाहिए। दो छमाहियों के दौरान प्राप्त की गई किस्तों का सम्बन्ध 30 जून, 1972 और 31 दिसम्बर, 1972 तक की स्थिति से होना चाहिए।
- 2. चालू वर्ष के अन्त में बकाया ऋण की राशि पिछले वर्ष के अन्त के बकाया ऋणों और चालू वर्ष के दोरान मंजूर किए गए ऋणों की राशि में से छमाहियों के दौरान प्राप्त की गई किस्तों को घटाने के बाद निकलनेवाली संख्या से मेल खानी चाहिए।
- 3. जब इस विवरणी को पहली बार पेश किया जा रहा हो, खंड (i) के 1 से 7 तक के प्रश्नों का ब्यौरेवार उत्तर दिया जाना चाहिए। उसके बाद, यदि कोई परिवर्तन हुआ या अतिरिक्त सूचना देनी हो तो केवल उसे सूचित करना चाहिए।
- 4. किसी ऐसी अम्पनी के मामले में जिसे यह विवरणी पेश करने हो, किन्तु जो प्रवर्तक के रूप में चिट फण्ड कारोबार भी करती हो, किराया-खरीद के लेन-देनों या उन ऋणों को—यदि कोई हों—जिन्हें चिट-फण्ड की आस्तियों के रूप में माना जाता है, शामिल करने की आवश्यकता नहीं है।

खंड (1) प्रश्नावली

(कृपया ऊपर का अनुदेश सं० 3 देखिए)

(क) प्रक्त

(ख) उसर

- मया आपकी कम्पनी किसी निर्माता कम्पनी की सहायक कम्पनी है या अन्यथा किसी निर्माता वा व्यापारी प्रतिष्ठान से सम्बद्ध है? यदि ऐसा है तो ऐसी कम्पनी के आवश्यक विषरणों का अत्यन्त संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
- 2. आप किराया-खरीद के आधार पर जिस माल का व्यापार करते हैं उसके प्रकारों का मोटे तौर पर उल्लेख किया जाय (अर्थात् मोटर ग डियों, टिकाऊ घरेलू वस्तुएं आदि।)
- 3. (क) अधिकांण लेखों के किराया खरीद ऋण के लिए आपकी सामान्यताः एकसी (फ्लेट) ब्याज -दर *(प्रतिशत वार्षिक) क्या है?
 - (ख) अधिकांश लेखों के किराया-खरीद ऋण के लिए आप कितनी वास्तविक ब्याज-दर **से (प्रतिशत वार्षिक) ब्याज लगाते हैं?
 - (ग) क्या आप मंजूर किए गए किराया-खरीद ऋण में से ब्याज की रक्षम पहले ही काटे बिना उसका संवितरण कर देते हैं?
 - (घ) आप कितने समयान्तर पर ब्याज बसूल करते हैं?
 - 4. किराया-खरीद के आधार पर की गई माल की बिक्री के मूल्य में ब्याज के अलावा प्रभार की और कौन-कौन-सी मदें शामिल की जाती हैं?
 (किराया-खरीदारों के साथ किए गए करार के फार्म की प्रतिलिप यिव पहले ही हमारे पास भेजी नहीं गयी हो तो कृपया भेजें।)
 - 5. आप किस आधार पर किराया-खरीद करनेवाले की तत्काल अदायगी की राशि या नकवी जमाराशि निर्धारित करते हैं? यदि वह संबंधित माल के बिकी मूल्य का कोई निर्धारित प्रतिशत हो तो कृपया उस प्रतिशत का उल्लेख करें।
 - 6. क्या आप किराया-खरीद करनेवालों से ली गयी नकदी जमाराशि या तत्काल अदायगी की राशि पर अ्याज अदा करते हैं? यदि हां तो उसकी ब्याज-दर (प्रतिशत वार्षिक) का उल्लेख किया जाए।
 - 7. पूंजी, आरक्षित निधि और किराया-खरीद करनेवालों की जमाराशि के अलावा आपकी अपनी कम्पनी के कारेबार की निधियों के अन्य स्रोत क्या हैं?

^{*}क्याज की एक सी (फ्लैंट) दर का अर्थ वह दर है जो मंजूर की गयी किराया-खरीद की पुरी राणि पर लगायी गयी हो, न कि देय ःहनेदाली घटती हुई राणि पर लगाई गयी ब्याज दर है।

^{**}ब्याज की सही दर का अर्थ समय-समय पर बकाया रहनेवाले ऋण की वास्तविक राशि पर लगायी गयी ब्याज की दर है। 13—509GI/72

खंड (ii) 31 मार्च 197 को समाप्त हुई वर्ष के लिए किराया-खरीद कारोबार

			(कृपया	अनुदेश सं०	1 देखें)				
						(=	मणि हज	ार रुपयों में)	
संकेत	वि	कराये की वस्त <u>ु</u>		ार्च 197	31 मार्च 197	31 मा	र्च 197	31 मार्च 19	7
सं०				गप्त हुए	को समाप्त हुए	को समा		को समाप्त	_
			चालू व		पिछले वर्ष के	चालू वर्ष		o	वर्ष
				मंजूर किए	अंत में बकाया	छमाहिय		के अन्त	में
			गए नए	ऋण	ऋण	वौरान प्र 			ऋण
						गई किस्त	H"	(कृपया अनु सं०2 देखें)	दश
					·			स्ट्यं	
					30 सितंब	र/31 मार्च			
			राशि	करार की अवधि	राशि	राशि	राशि	राशि	
1	2		3	4	5	6	7	8	
	(क) मोटर	र गाड़ियां							_
01		भौर लारियां							
02	(ii) कार								
03	(iii) स्कूट	र							
04	(iv) अन्य	_							
		ऊ घरेलू वस्तु एं							
001	` '	ो रिसीवर							
002	(ii) पंखा								
003		ज रेटर 							
004	` '	ई भशीनें							
005	(v) अन्य (ग्र े क् षिः	सम्बन्धी उपकरण (द्रैक्टर, बुला	रोज्य आहि	-\					
010		सम्बन्धा उपकरण (द्रमण्ड, बुला ग के उपयोग के लिए औद्योगिक		1)					
020	٠,	जार या उपस्कर	*(*(*) <()						
030		सभी वस्तुएं							
040	जोड़ (क⊹ग	ख+ग+घ+ङ)			——————————————————————————————————————				
प्रमाणपद्धः		प्रमाणित किया जाता है	कि खंड	 (i) और	(ii) के अधीन	 दिए गए व	 इस्पनी व	— — ते किराया-खरीट	 : से
	/ प्रयःध निदेशक/								
प्राधिकृत अ	-	पाए गए हैं।				·			•
		*कृपया अधिसूचना का पै	'राग्राफ 1() देखें।					
		**जो लागू नहीं हो उसे क	ाट दें ।						
					कि/प्रबन्ध निदेशक <i> </i> 	प्राधिकृत अ	विकारी ^ह	के हस्ताक्षर:	
				ना र पटन	ा . राम :				
तारीख	(रिजार्व बैंक	आफ इंडिया के उपयोग के लिए	स्थान)	741	117				
	 हैसियत	कारोबार उ	 राज्य			ारा संकेतबद	• कि ग्रास	TT 1	
अवधि			v ¬ 			ारा समयाण्य राजांच की		41 I	
						ारा पाच किर रापच किर			
}				\		रा सत्यापित		л I	
1				1	1. 0.1	4 42-111 17	. 1 (-41) 4/5	11 (

त्रि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया नई विल्ली-1, विनांक 2 फरवरी 1973

मं० 50-एम० ए० (91) 52—सिंटफाइड आडीटर्स रूस्स, 1961 के रूल 4 (3) के अनुसरण में सामान्य सूचना के लिए एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इन्स्ट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया को कौसिल ने सिंटफाइड आडीटर्स के रजिस्टर में से इस प्राप्त सूचना के आधार पर कि उनकी मृत्यु 30 दिसम्बर 1972 को हो गई, सिंटफाइड आडीटर्स सार्टिफकेट सं० 91 के धारक श्री बी०माधव राव, 2003/1श्री रामपेट, मैसूर-1 का नाम 31 दिसम्बर 1972 से हटा दिया है।

भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 फरवरी 1973

सं० 8 सी० ए० (1)/15/72-73—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम, 1964 के विनियम 10(1) खंड (तीन) के अनुसरण में एतत द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्निलिखित सदस्यों को जारी किये प्रैक्टिस प्रमाण-पत्न उनके नामों के आगे दी गई तिथियों से रह कर दिये गये हैं क्यों कि अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्नों को रखने के इच्छुक नहीं :—

স্থাত	 सं०	नाम एवं पता	तिथि
सं०			
1.	1147	श्री सर्व प्रकाश सूरी, एफ०सी०ए०	1-2-73
		9 2, फैन्डस कालौनी,	से
		नई दिल्ली-14	30-6-73
2.	1846	श्री मगनलाल कत्याणजी नायक,	24-8-72
		ए० सी० ए०,	से
		- सबीरी - <mark>मंजिल, नियर एल०आई०सी</mark>	0 30-6-73
		मुगलीसारा, मेन रोड,	
		सूरत ।	
3.	12556	श्री बद्रीरेड्डी नरसिम्हाराव,	1-1-73
		ए० सी० ए० हारा	से
			30-6-73
		हिन्दुस्तान मिल्क फट मैन्यूफैक्चर्स	
		कि (टारविषय फ्रेस्टरी) सोम्रह	

ति० (हारतिक्स फॅक्टरी), वोमूरू, राजमुन्द्री (जि० ई० गोदावरी) ।. 13693 श्री बुजेन्द्र महाजन, ए० सी० ए०, 1-2-73

ए०-7ए०/14, राणा प्रताप बाग, से दिल्ली-7 30-6-73

दिनांक 20 फरवरी 1973

सं० 5 सी० ए० (1)/26/72-73---इस संस्थान की अधि-सूचना सं० 4 सी० ए० (1)/17/71-72 दिनांक 18-12-71, 4 सी०-ए० (1)/16/72/-73, दिनांक 16-12-72, 4 सी० ए० (1)/19/72-73, दिनांक 17-1-73, 4 सी० ए० (1)/10/69-70, दिनांक 3-9-69, 4 सी० ए० (21)/72-73, दिनांक 19-1-73, के सन्दर्भ में चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उनत विनियमों के विनियम 27 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रिजस्टर में निम्न सदस्यों का नाम पुनः स्थापित कर विथा है।

有の	सं० सं०	नाम व पता	तिथि
1.	11835	श्री श्रीकान्त एम० गुप्ते,ए०सी० ० 24 महन्त मार्गे, शर्मा निवास, विले-पैरिल, बम्बई-57. (ए० एस०) ।	3-2-73
2.	10779	श्री ए० के० सरकार,ए०सी०ए०, 67, गोरीवारी लेन, कलकत्ता-4	6-2-73
3.	1448	श्री रतिन्द्रानाथ वासु, ए०सी० ए०, 7- सैन्द्रल मार्ग, कलकत्ता-32 ।	15-2-73
4.	4297	श्री पिलुतला रामानाधाशास्त्री, ए० सी०ए०, चीफ एकाउन्टस आफीसर,	17-2-73
5.	11239	इन्डियन ड्रगस एव फार्मेस्यूटिकलस लि एन० 13-साउथ एकसटैन्सन, पार्ट 1, नई दिल्ली-49 । श्री पी० टी० नारायणनय्यर, ए०सी०ए० हार्षेष्ट्रे प्राईवेट लि०, जीजी हाउस, रेलवे लाइन मार्ग, बम्बई ।	°0

सी० बालकृष्णन, सचिव

दी इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्ध्स एक्काउन्टेन्सस् आफ इन्डिया (कास्ट एक्काउन्टेन्टस्)

कलकत्ता, दिनांक 7 फरवरी 1973

11—सी० डब्ल्यू० आर० (24)/73—वी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सुचित किया जाता है कि श्री सोहन लाल दुगर, एम० काम, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 72 सेक्टर 27 ए, वण्डीगढ़ (सदस्यता संख्या 1512) के अभ्यास करने का प्रमाण-पन्न 30 जनवरी, 1973 से लेकर 30 जून, 1973 तक के लिए रह किया जाता है।

एस० एन० घोष, समिव

इस्पात और खान मंत्रालय (इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1973

सं० 23(2)/72-खान 4--लौह अयस्क बोर्ड को सोसाइटी रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1960 (पंजाब संशोधन) 1957 के अधीन 20 जनवरी, 1973 को सोसाइटी के रूप में रिजस्ट्रीकृत किया गया है। लौह अयस्क बोर्ड में अध्यक्ष और उतनी संख्या में सदस्य होंगे, जितनी संख्या, लेकिन 15 से अनिधक, सरकार आवश्यक समझोगी।

2. सरकार ने विनिश्चय किया है कि इस समय लौह अयस्क बोर्ड की संरचना अगले आदेशों तक निम्न प्रकार से होगी:

पूर्व कालिक सदस्य

1. श्री आर० सी० दत्त, अध्यक्ष

2. सदस्य-सचिव

अंशकासिक सबस्य

- 3. श्री एम० ए० बादूद खां, सचिव, भारत सरकार, इस्पात और खान मंत्रालय (इस्पात विभाग) नई दिल्ली।
- 4. श्री बी० बी० लाल, सचिव, भारत सरकार, विदेश व्यापार मंत्राक्षय, नई दिल्ली ।
- 5. श्री एम० जी० पिम्पुतकर, सचिव, भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली ।
- 6. श्री एस० के० गुहा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, इस्पात और खान मंत्रालय (इस्पात विभाग)।
- श्री जी० रामनाथन, अध्यक्ष-सह-प्रबन्धक निदेशक, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम, हैदराबाद ।
- श्री एस० रामचन्द्रन, अध्यक्ष, खनिज और धातु व्यापार निगम, नई दिल्ली ।

सी० वी० राव, उपसचिव

(खान विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1973

सं० 22(2)/72-खान-4—इस मंत्रालय की समसंख्याक अधिसूचना तारीख 23 जनवरी, 1973 के अनुक्रम में, सरकार ने यह विनिष्चय किया है कि श्री एम० आर० आर्डी, वित्त सिचव, भारत सरकार वित्त मंत्रालय, अगले आदेशों तक लौह अयस्क बोर्ड के अंश कालिक सदस्य होंगे।

(सी० वी० राव) निदेशक

केन्द्रीय भाण्डागार निगम (एक भारत सरकारी उद्यम)

नई दिल्ली-49, दिनांक 27 फरवरी 1973

सं० सी० डब्ल्यू० सी०/III-8/73-बी०पी०---केन्द्रीय भाण्डा-गार निगम नियम, 1963 के नियम 13के अनसरण भें भाण्डागार निगम अधिनियम, 1962 की धारा 7 की उपधारा (1) के खाण्ड (डी) और (एफ) के 18-3-1973 से रिक्त होने वाले स्थानों की पूर्ति के लिए सम्बद्ध वर्ग के अंगधारियों द्वारा 27-2-1973 को विधियत चुने गये निदेशकों के नाम तथा पतेनीचे अधिसूचित किये जाते हैं :~-

अंशधारियों का वर्ग

निदेशकों का नाम तथा पता

अनुसूचित बैंक (स्टेट बैंक आफ इण्डिया के उप महा प्रबन्धक, अतिरिक्त)।

श्री बी० के बोरा, पंजाब नेशनल बैंक, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

बीमा कम्पनियां. नियोजन न्यास तथा अन्य वित्तीय संस्थाएं, प्रस्वीकृत मंडल तथा कृषि उत्पादन अथवा अधि-सुचित पण्यों का व्यापार करने वाली कम्पनियां।

श्री सी० आर० ठाकुर, द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम, योग क्षेत्र, **मैड**म, कामा रोड, बम्बई-20 ।

> राजेन्द्र सिंह, प्रबन्ध निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 29 फरवरी 1973 संदर्भ सं० ७ (७७)/७२/प्र०× II/85 आदेश सं० ७ (७७)/ 72/प्र०-11/15, दिनांक 5-1-1973, जिसकी नकलें श्री सी० के० इसमाइल को उनके ज्ञात पर्व से भेजी गई थी, अवितरित लौट आने पर, नीचे प्रकाणित किया जाता है :---

आदेश

दिनांक 5 जनवरी 1973

संदर्भ सं० 7(77)/72प्र०-11/15--केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थायी सेवाएं) नियमावर्लः, 1965 के नियम, 5 के उपनियम, (1) की व्यवस्था का अनुसरण करते हुए, मैं इसके द्वारा श्री सी० के० इसमाइल, ट्रेडसमैन 'ए' , परिवहन अनुरक्षण एकक, की सेवाएं तत्काल समाप्त करता है। श्री इसमाइल (नोटिस काल के बदले में) एक महीने के वेतन और भत्ते के बराबर राशि के दावे के हकदार होंगे और इसका हिसाब उसी दर से किया जाएगा जिसका वह आहरण कर रहे हैं जब उन्हें यह आदेश मिला अथवा, जैसी स्थिति हो, उन्हें यह आदेश दिया गया।

> टी० बी० रंगराजन. प्रधान, कार्मिक प्रभाग

कृषि पूर्नायत्त निगम

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1973

जी० एस० आर०---कृषि पूर्निवत्त निगम अधिनियम, 1963 (1963का 10) की धारा 46 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए निगम का बोर्ड रिजर्व बैंक आफ़ इण्डिया की पूर्व अनुमति से कृषि पुनर्वित्त निगम (कर्मचारी) विनियमावली, 1964 म सहर्ष निम्नलिखित संशोधन करता है।

कृषि पुनवित्तः निगम (कर्मचारी) विनियमावली, 1964 के परिणिष्ट िकी धारा 1 के खंड 1(क)--वेतन क्रम, के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाय, अर्थात्:---

''(क) प्रबन्ध निदेशक: रु०

2,000-100-2,400 (परन्तुयदिरिजर्वविक का कोई सीनियर स्टाफ आफ़ीसर ग्रेड-II प्रबन्ध निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाए तो उसका वेतन 1,650-75-2,100 হ০ होगा उस स्थिति में उसे उतनी राशि का विशेष वेतन दिया जाएगा जो रिज़र्व बैंक की पूर्व अनुमति से बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए ।)"

एम० ए० चिदम्बरम, प्रबन्ध निदेशक

केन्द्रीय रेशम बोर्ड

बम्बई-2, दिनांक 18 दिसम्बर 1972

सं० सी० एस० बी०-18(172)/70-ई० एस०---केन्द्रीय रेशम बोर्ड नियमावली 1955 के नियम 28 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये विदेश व्यापार मंत्रालय, भारत सरकार के पत्न ऋमांक 25011/8/72-टेक्स (एफ०), दिनांक 23-10-1972 के अनुसार बोर्ड श्री बी० वी० सत्यनारायण राव, सहायक अधीक्षक, केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान और प्रशि-क्षण संस्था, मैसूर को 13-11-1972 (पूर्वाह्म) से रू० 400-400-450-30-600-35-670-द०रो०-35-950 के वेतनमान पर उसी ही संस्था में प्रशासन अधिकारी के रूप में पदोन्नत करता है।

इन्दर जे० मल्होत्रा, अध्यक्ष

RESERVE BANK OF INDIA

Central Office

Department of Non-Banking Companies

Calcutta-1, the 18th November 1972

Ref. No. DNBC.16/DG(S)-72.—In exercise of the powers conferred by sections 45J, 45K and 45L of the Reserve Bank of India Act. 1934, and of all the powers enabling it in this behalf, the Reserve Bank being satisfied that it is necessary in the public interest so to do hereby directs that the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966 shall, with effect from the 1st January 1973, be amended in the following manner, namely:—

- I. In sub-paagraph (1) of paragraph 2-
- 1. clause (a) shall be deleted;
- 2. the word "money" shall be substituted for the word "loan" wherever it occurs in sub-clause (i) of clause (f);
- 3, the words "any loan raised on terms involving the creation of any" appearing in sub-clause (ii) of clause (f) shall be substituted by the words "any money, the repayment of which is secured by";
- 4. the word "loan" occurring after the word "any" in subclause (iii) of clause (f) shall be substituted by the word "money" and the words "any loan received" shall be inserted between the words "or" and the words "from any person registered" occurring in the sub-clause;
 - 5. Sub-clause (v) of clause (f) shall be deleted;
- 6. the word "loan" shall be substituted by the word "money" in sub-clause (vi) of clause (t) and the word "Government" wherever it occurs therein shall be deleted;
- 7, the words "and in the case of a stock exchange or stockbroking company, any money received in connection with the purchase or sale of securities" occurring towards the end of the sub-clause (vii) of clause (f) shall be deleted;
- 8. the words "or associate members by way of fixed, recurring, occasional or other deposits" occurring in sub-clause (viii) of clause (f) shall be deleted;
- 9. the word "loan" wherever it occurs in sub-clause (ix) of clause (f) shall be substituted by the word "money" and the words "or any money received by a private company from its members" shall be added after the words "secretaries and treasurers of the company;"
- 10. the following proviso shall be added after sub-clause (ix) of clause (f);
 - "provided that, in the case of any money received on or after the 1st day of January 1973, the persons from whom the money is received, has furnished to the company at the time when the money is received, a declaration by such person, in writing, that the money has not been given by such person out of funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person;"
- 11, sub-clause (xii) of clause (f) shall be substituted by the following:
 - "(xii) any money received by way of subscription to any shares or stock or any bonds or debentures (such bonds or debentures being secured by a charge on or lien on the assets of the company) pending the allotment of the said shares, stock, bonds or debentures and";
- 12. the following shall be added as clause (ff) after sub-clause (xiii) of clause (f):
 - "(ff) "depositor" includes any person who has given a loan";
- 13. the words "or any reserve for development allowance created under sub-section (3) of section 33A of the Incometax Act, 1961" shall be inserted in clause (g) after the words "or sub-section (3) of section 34 of the Incometax Act, 1961";
- 14, the word "financing" appearing before the words "whether by making loans" in clause (m) shall be substituted by the words "providing of finance" and the words "of trade, industry, commerce or agriculture", occurring after the

- words "loans or advances or otherwise", therein shall be deleted;
- 15. th word "insurance", occurring in clause (n) after the words "housing finance", and the words "stock exchange or stock-broking company", appearing after the words ["mutual benefit financial"] therein shall be deleted;
 - 16. clause (o) shall be substituted by the following:
 - "(0) "mutual benefit financial company" means any company, not being a banking company, the principal business of which is the acceptance of deposits from its members and which is notified by the Central Government under section 620A of the Companies Act, 1956;"
- 17. the words "Board of Directors or the Managing Director or the" shall be inserted in sub-clause (ii) of clause (t) before the words "manager of the company".
 - II. For paragraph 3, the following shall be substituted:
- "3, Acceptance of deposits by non-banking financial companies:
 - (1) On and from the 1st January 1973-
 - (a) no mutual benefit financial company shall accept deposits except from its members,
 - (b) no non-banking financial company shall receive any deposit repayable on demand, or on notice, or repayable after a period of less than six months from the date of receipt of such deposit, or renew any deposit received by it whether before or after the date of commencement of these directions, unless such deposit, on renewal, is repayable not earlier than six months from the date of such renewal,
 - (c) * * * *
 - (d) no non-banking financial company not being a hirepurchase finance company or a housing finance
 company shall receive any deposit which together
 with any other deposits falling under the same category (as specified hereinafter), already received and
 outstanding on the books of the company and in
 the case of a deposit in the category referred to
 in sub-clause (i) of this clause, together also with
 the outstanding deposits in the form of loans guaranteed by persons, who were, at the time of giving
 of the guarantee, managing agents or secretaries
 and treasurers of the company, is in excess of the
 limits hereinafter specified in respect of each of the
 following categories of deposits, namely—
 - (i) in the case of a deposit received against an unsecured debenture, or from a member [not being a deposit received by a private company from its member on a declaration as is referred to in sub-clause (ix) of clause (f) of sub-paragraph (1) of paragraph 2] or deposit guaranteed by a person, who, at the time of the giving of the guarantee, is a director, twenty five per cent of the aggregate of the paid-up capital and free reserves of the Company;
 - (ii) in the case of any other deposit, twenty-five per cent of the aggregate of the paid-up capital and free reserves of the company.
- (2) For the avoidance of any doubt, it is hereby declared that a mutual benefit financial company may accept deposits from its members for any periods specified in any contracts, written or implied, between the said members and the company.
- "Explanation: For the purpose of this paragraph the expression "member" shall mean only a person who is registered as a holder of shares in the company."

III. In puragraph 4-

- I, the words "at the commencement of business" shall be inserted before the words "on the 1st January 1972," occurring in sub-paragraphs (1) and (2);
- 2. in sub-paragraph (3), the words "as at the commencement of business" shall be inserted before the words "on the 1st January 1972";

- 3. the words "one or more of the four kinds referred to in sub-paragraph (1)" shall be substituted in sub-paragraph (3) for the words "the kind referred to in sub-clause (i) of clause (d) of sub-paragraph (1) of paragraph 3";
- 4. the words "or twelve months as the case may be" wherever they occur in sub-paragraph (3) shall be deleted;
- 5. in the Explanation the word "and" appearing between the words "this sub-paragraph" and the words "paragraph 3(1)(d)" shall be substituted by a comma, and the words "and the following paragraph 4A" shall be inserted before the words "there shall be deducted", occurring therein.
- IV. After paragraph 4, the following shall be inserted as paragraph 4A:
- "4A. Special provision in respect of mutual benefit financial companies:—

Where as at the commencement of business on the 1st January 1973, solely as a result of the amendment of subclause (viii) of clause (f) of sub-paragraph (1) of paragraph 2 of these directions, the amount of deposits of the kind referred to in sub-clause ii) of clause (d) of sub-paragraph (1) of paragraph 3 of the directions, held by a mutual benefit financial company is in excess of twenty-live per cent of the aggregate of the paid-up capital and free reserves of the company, such company shall secure that such excess is before the 1st January 1974, reduced by repayment of the deposits as and when they mature for payment or in any other manner as may be necessary for complying with this provision."

- V. 1. The existing provision in paragraph 5 shall be renumbered as sub-paragraph (1); in the said re-numbered sub-paragraph (1), the words "Board of Directors or the Managing Director or the" shall be inserted at two places, namely before the words "manager of the company" and before the words "manager has approved";
- 2, the following shall be inserted as sub-paragraph (2) in paragraph 5:
 - "(2) On and from the 1st April 1973, no non-banking financial company shall accept, renew or convert any deposit, except on a written application by the depositor on the form to be supplied by the company, which form should contain all the particulars specified in sub-paragraph (1) of this paragraph."
- VI. The following shall be substituted for the existing subparagraph (ii) of paragraph 6:
 - "(ii) The said receipt shall be duly signed by an officer entitled to act for the company in this behalf and shall state quite clearly the date of deposit, the name of the depositor, the amount received by the com-

pany by way of deposit, in words and figures, the rate of interest payable thereon and the date on which the deposit is repayable."

VII. The following shall be inserted as clause (bb) in sub-paragraph (i) of paragraph 7:

'(bb) duration and the due date of each deposit;".

VIII. In sub-paragraph (ii) of paragraph 8, the words and figures "Rs. 10 lakhs" shall be substituted by the words and figures "rupees 5 lakhs".

IX. In paragraph 9-

- 1. a comma shall be inserted after the words "receipt of such deposit" occurring in sub-paragraph (a) and the words in the case of hire-purchase finance companies and twelve months from the date of receipt of such deposits in the case or other financial companies," appealing before the words "pay interest at any rate" shall be deleted;
- 2. in sub-paragraph (b), clauses (v) and (vi) shall be deleted.
- X, In paragraph 10, the words "free from any charge or lien" shall be inserted after the words "scheduled bank".
- XI. The existing provision in paragraph 13 shall be re-numbered as sub-paragraph (1) and the following shall be inserted thereafter as sub-paragraph (2):
 - "(2) i) Every non-banking financial company shall, not later than one month from the coming into force of this provision or from the commencement of business, whichever is later, deliver to the Reserve Bank, a written statement containing a list of—
 - (a) the names and the official designations of its principal officers;
 - (b) the names and residential addresses of the directors of the company; and
 - (c) the specimen signatures of the officers authorised to sign on behalf of the company, returns specified in sub-paragraph (1).
 - (ii) Any change in the list referred to in sub-clause (i) of this sub-paragraph shall be intimated to the Reserve Bank within one month from the occurrence of such change,"

XII. In paragraph 14, the words "or any other office of the aforesaid Department to which the company may be directed" shall be added after the words "Calcutta-1."

XIII. The First, Second Third, Fourth and Fifth Schedules shall be substituted by the respective Schedules appended bereto.

S. S. SHIRALKAR, Dy. Governor

Form-HP

Confidential

FIRST SCHEDULE

[Please see paragraph 13 of the Notification No. DNBC 1/ED (S)—66 dated the 29th October, 1966.]

(All the parts of this form are to be filled in by all hire-purchase finance companies and by all mutual benefit financial companies, which carry on hire-purchase transactions or the financing of such transactions as their main business).

RESERVE BANK OF INDIA DEPARTMENT OF NON-BANKING COMPANIES CALCUTTA-1.

PART 1
Deposits with companies carrying on or financing hire-purchase business as on the 31st Marc

	as on the 31st March, 197
(2) Full address of the	······································
(a) Registered office	***************************************
(b)*Head/Administrati	ve office

 (3) State in which the company is registered
 (4) Status*: Private/ public limited company/ branch of a foreign
company.
(5) Registeration No. of the company
(6) Date of:
(a) Incorporation
(b) Commencement of business
(7) Financial year of the company
(8) Name of the company's banker(s) and address (cs) *Strike of whatever is not applicable.

Note:—The return, after compilation, should be sent to the Chief Officer, Department of Non-Banking Companies, Reserve Bank of India, 15, Netaji Subhas Road, Post Box No. 571 Calcutta-1.

Instructions for filling in Part I of the Form

- 1. The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March irrespective of the date of the financial year of the company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of account of the company.
- 3. In the case of any company, which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, ammounts received by way of subscriptions under the chit or kuri agreements will NOT be treated as deposits vide clause (vii) of paragraph 2(1)(f) of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966.
- 4. Unsecured borrowings with certain exceptions mentioned in paragraph 2(1)(f) of Notification No, DNBC 1/ED(S)-66, dated the 29th October 1966 are treated as deposits.
- 5. Unsecured loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, are freated as deposits. The above unsecured loans, in order to qualify for the deposits of the kind referred to in paragraph 3(1)(d) of the Notification and classify against code No. 1 of section (i) of this Part should fulfil the following norms:
 - (a) they should be dvldenced either by the execution of promissory notes by the borrowing company or by exchange of letters evidencing loan contracts,
 - (b) repayment of these loans should be guaranteed by the former managing agents or secretaries & treasurers, if any, of the company in their personal capacity, and
 - (c) these loans should be held in fixed loan accounts in the books of the company. Part repayments are permitted, but fresh amounts as loans should not be accepted in the same account.

In case an unsecured loan of the type mentioned above does not fulfil any of the above three norms, it should be treated as deposit of the kind referred to in paragraph 3(1)(d)(ii) of the Notification and should, therefore, be classified against code No. 6 or 7, as the case may be, in section (i) of this Part.

- 6. The loans received from person registered under any law relating to moneylending which is for the time being in force are exempted from the term 'deposit' only if they fulfil the norms as indicated at (a) and (c) in Instruction No. 5 above.
- 7. The number of accounts should be given in actual figures while the amounts of deposits should be given in thousands of runces. Amount should be rounded off to the nearest thousand and three zeroes omitted. For example an amount of Rs. 4.569 should be shown as 5 and not as 4.6 or 5000.
- 8. In section (iii) of this Part of the return brokerage paid for obtaining deposits should not be included in the rate of interest but should be indicated in a footnote at the end of the table.
- 9. Any money received which is specifically excluded from the term 'denosit' in sub-clauses (i) to (xiii) of paragraph 2(1)(f) of the Notification No. DNBC 1/ED(S)-66 dated the 29th October 1966 should be classified against different

code Nos. under item III in section (i), (ii) and (iii) of this Part of the return.

Monies received in trust advance for supply of goods or services, security deposits received from contractors and other exempted receipts which cannot be classified against any of the code Nos. 10 to 17 in Section (i) of this Part of the return may be shown against code No. 18 of same section.

- 10. The periodwise classification of deposits reported in section (ii) of this Part of the return should be made against the various code Nos. under items I & II according to the periods for which they have been originally received/last renewed and not according to the periods they have to run as from the 31st March i.e. the date of the return. Amounts with no specified period of maturity or repayable in instalments should be shown against Code No. 1 and 10 under the above items respectively and the position explained suitably by footnotes.
- 11. Deposits and exempted borrowings and receipts bearing no interest should be classified against Code Nos. 1, 8 and 15 under item; I, II and III respectively in section (iii) of this Part,
- 12. Only those reserves which are shown or published in the balance sheet of the company as being retained for any general or unspecified purpose should be treated as 'free reserves' and shown in sections (iv) and (v) of this Part of the return. Any other reserve the nomenclature of which as shown in the audited balance sheet indicates that it has been set apart for a specific purpose should not be taken into account notwithstanding the actual purpose for which it has been created. The following reserves are generally treated as free reserves:
 - (i) General Reserve
 - (ii) Capital Reserve
 - (iii) Capital Redemption Reserve
 - (iv) Contingency Reserve
 - (v) Statutory Development Rebate Reserve or Development Allowance Reserve
 - (vi) Balance in share-premium account
 - (vii) Surplus which is in the nature of general reserve.
- 13. A list containing the names and the official designations of the principal Officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the Reserve Bank of India at required in paragraph 13(2)(i) of the Notification.
- 14. In the absence of any indication to the contrary, the definitions in the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966, so far as they are relevant, will be applicable.
- 15. The return should be signed by the Manager (as defined in section 2 of the Companies Act 1956) and if there is no such Manager, by the Managing Director or any official of the company who has been duly authorised by the Board of Directors and whose specimen signature has been furnished to the Reserve Bank for the purpose. In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.
- 16. In case there is nothing to report in any Section/Part of the return it should be marked "Nil" and the Manager's/Managing Director's/Authorised Official's Certificate appended thereto should be duly signed.

762

Section (i)

Deposits	ctc	outstandine

As on the 31st March, 197

Co No		ypes of deposits, exempted borrowings and receipts	No. of accounts	Amounts (in thousands of rupces)
	1.	Deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(1) (d) and 3(1) (d) (l) of the Notification:		
1.	(a)	Deposits received in the from of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers,		
2.	(b)	Unsecured debentures:		
3.	(c)	Deposits including unsecured loans received from members *(not being members of <i>Private</i> limited company).		
4.	(<i>d</i>)	Deposits including unsecured loans guarnateed by directors in their personal capacity.		
5.	(e)	Total $(a+b+c+d)$		
	II.	Deposits of the kinds referred to in paragraph 3(1) (d) (ii) of the notifica-		·
6.	(<i>f</i>)	tion. Fixed deposits		
٥.	(f)	Deposits received from associate members £		
7.	77.	Any other deposits		
8.	(h)	Total (f g)		
		-		
9,	(<i>1</i>)	Total of (I) $+$ (II)		
	III.	Exempted borrowings and receipts not counting as deposits [vide paragraphs 2(1) (f) (i) to (xiii) of the Notification]:	-	
10.	(<i>j</i>)	Monoy received from former managing agents of secretaries and treasurers, if any		
11.	(k)	Money received from directors**		
12.	(I)	Money received from members** in the case of a private limited company.		
13.	(m)			
	(n)	Money received frow purchasing, selling or other agents for the purposes of business		
15.	(o)	Money received from joint stock companies (including companies in the same group)		
16.	(p)	Secured borrowings and borrowings from banks and other specified institutions		
17.	(q)	Money received from foreign sources.		
18.	(r)	Other exempted borrowings and receipts not counting as deposits		
19.	(s)	Total (j to r)		
		-		
		-		
20.	IV.	Total of I, II, and III above:		— .
		_		
		-		
		*The expression "Member" used here means a person who is registered as a		—· ·— — — .

£Applicable in the case of mutual benefit financial companies only.

^{*}The expression "Member" used here means a person who is registered as a holder of shares in the company.

^{**}Please note that the money received from such person out of the funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another persons is not exempted [vide paragraph 2 (1) (f) (ix) of the Notification]. A declaration from him to this effect should have been obtained by the company before including his money in this category.

Section (ii)

	Period of Deposits, etc.		As on the 31st	March, 197		
Code No.	Types of deposits, exempeted borrowings and receipts	Pode No.	Period of deposits, ex- empted borrowings and receipts (Please see instruction No. 10)	No. of accounts	Amount (thousands rupees)	(in of
1	2	3	4	5	6	
0 1	Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors.	2 3 4 5 6 7.	Repayable on demand or on notice or otherwise in less than 3 months. Repayable after a period of 3 months or more but less than 6 months Repayable after a period of 6 months or more but less than 12 months Repayable after a period of 12 months or more but less than 24 months Repayable after a period of 24 months or more but less than 36 months Repayable after a period of 36 months or more but less than 60 months Repayable after a period of 36 months or more but less than 60 months Repayable after a period of 60 months or more but less than 60 months Repayable after a period of 60 months or more but less than 60 months Repayable after a period of 60 months or more but less than 60 months Repayable after a period of 60 months or more but less than 60 months			
00 1	I Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits.	10. 11 12. 13. 14	Overdue and /or unclaimed Repayable on demand.or on notice or otherwise in less than 6 months other than those men troned against Code No 9 above Repayable after a period of 6 months or more but less than 12 months Repayable after a period of 12 months or more but less than 24 month Repayable after a period of 24 months or more but less than 36 months. Repayable after a period of 36 months or more but less than 60 month. Repayable after a period of 60 months or more but less than 60 month. Repayable after a period of 60 months or more Total of 9 to 15 [See Note No. (ii)]	2		

- ooo III Exempted borrowings and receipts not counting as deposits i.e. from members in the case of private limited compaines or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits, purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and receipts.
- 18. Repayable, by notice or otherwise, after a period of 6 months or more but less than 12 months
- 19. Repayable by notice or otherwise, after a period of 12 months or more but less than 24 months

			T T C T					
1	2	3	4		5		6	
		othe of	rwise, aft 24 month	notice or ter a period s or more 36 months				
		21, Repa or perio	ayable, otherwise od of 36	by notice , after a months or				
		mon 22, Repa	ths	by notice				
				months or				
			l of 1 Note No					
0 X)O 1V	Total of I, II, and III			-				
		[5:	e Note	Nø. (iv)]	·-			
Note :	(f) The totals of Code No. 8 should tally with those of Code No. 5 of section (i).							
	(II) The totals of Code No. 16 should tally with those of Code No. 8 of section (i).							
	(iii) The totals of Code No. 23 should tally with those of Code No. 19 of section (i).							
	(Iv) Total of Item IV of section (ii) should tally with the total of item IV of section (i).							
	of item IV of section (i). Section (ii)		As	on 31 st. M	arch 19	7		
	of item IV of section (i). Section (iii) Rates of interest (exclusive of brokerage) on Deposite etc.	·		on 31 st M	arch, 19	7		, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
Code Ty No.	of item IV of section (i). Section (iii) Rates of interest (exclusive of brokerage) on	Code Rá No.				7 Amount sands		thou-
No.	of item IV of section (i). Section (iii) Rates of interest (exclusive of brokerage) on Deposite etc. The period deposits, exempted borrowings and receipts Deposits received in the form of loans guaranteed by the former	No.	ate of inter	rest		Amount		
No.	of item IV of section (i). Section (iii) Rates of interest (exclusive of brokerage) on Deposite etc. The period of deposits, exempted borrowings and receipts	No. 1. 5% 2. More 3. 7% 4. 9% 5. 10% 6. 12%	ate of inter	but less the but less the but less the but less the		Amount		
No. 0 1. I	of item IV of section (i). Section (iii) Rates of interest (exclusive of brokerage) on Deposite etc. The of deposits, exempted borrowings and receipts Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, un- secured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company)	No. 1. 5% 2. Morr 3. 7% 4. 9% 5. 10% 6. 12% 7. Tota 8. 5% 9. Morr 10. 7% 11. 9% 12. 10% 13. 12%	and below	but less than bu	han 7% 19% un 10% an 12%	Amount		

Note:— (i) The totals of Code Nos. 7,14 and 21 should tally with those of Code Nos. 5, 8 and 19 of section (i) respectively.

(ii) The total of item IV in section (iii) must tally with that of item IV of section (i).

ceipts.

0000 IV. Total of I, II, and III

Section (iv)

Statement showing the regularisation of deposits of the kinds referred to in paragraphs 3 (1) (d) and 3 (1) (d) (i) of the Notification, repayable on demand or on notice or after a period of less than 6 months.

(Amounts in thousand of rupees)

Position as at the close of business on		25% of the net owned funds (net owned funds mean paid-up capital plus free reserves minus balance of loss, if any)	deposits have been regularised
1	3	3	4
Blst December 1971 Blst March 1973 Blst March 1974 Blst March 1975			

- Note: *(i) If the total amount of irregular deposits is not in excess of 25% of the company's owned funds, such deposits should be regularised before 1-4-1973;
 - (ii) If the total amount of irregular deposits is in excess of 25% of the company's owned funds, it should be regularised in the following manner:
 - (a) at least such deposits equal to 25% of the net owned funds before 1-4-1973,
 - (b) at least one-half of the balance before 1-4-1974 and
 - (c) the remaining portion before 1-4-1975.

Section (v)

Comparative position of the company as per its audited balance sheet as at the date nearest to the date of this return.

			(A)	mounts in thousands of rupees)
Particulars	Position	as per the balance sheet as at	Position as per the return as on 31-3-197	Reasons for variations, if any, may broadly be stated
1		2	3	4
A. Liabilities 1. Paid-up capital 2. Free Reserves 3. Balance of loss, if any 4. Deposits* 5. Exempted borrowings/ receipts?			⊕ £	

- 6. Loan and advances?
- 7. Investments in shares, debentures and other securities (Book value)
- 8. Hire-purchase advances
- 9. Loans for financing the purchase of land or houses
- 10. Main source of income (with particulars)
 - *Maximum aggregate of deposits during the year ended March 31, 197, and the relevant date may be stated below:
 - (1) Maximum amount of deposits during the year (in thousands of rupees)
 - (ii) Date on which the above maximum was accounted
 - (# The total of Code No. 9 in section (i) should be shown here.
 - £The total of Code No. 19 in section (1) should be shown here.
 - *Manager's/Managing Director's Authorised Official's Certificate: (1) Certified that the deposits as reported in this Part of
- the return have been received or renewed for meeting the genuine business requirements of the company.
 - (2) Certified that declarations have been obtained, in writing, as required in terms of the proviso to paragraph 2 (1) (f) (ix) of the Notification from the directors and members** that the money has not been given by them to the company out of the funds acquired by them by borrowing or accepting deposits from another person.
 - (3) Certified that the company has complied with the provisions of paragraph 5(1) of the Notification while soliciting deposits.

against the item for the d (1) A copy date of t (2) Specime (3) A copy of Notificat (4) A copy of	document enclosed a of the audited balar this return a signature card. (P of the application for the application for the application for the application for the application.		bmission in other on the delease account da No. 15) paragraph (2) of paragraph (3) of paragraph (4) of parag	cases, ated nearest to the arragraph 5 of the	sent. Please tick in the box
, ,	officers and directore Instruction No. 1				
	•	(Space for the use of the	ne Reserve Bank of	f India)	
Period	Status	Business	State		<u> </u>

766

PART II

Particulars of hire-purchase business
(Please read the following Instructious carefully before filling in this Part of the Form)

INSTRUCTIONS

1. The returns in section (ii) of this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March. In case the company's financial year is different, the returns in Section (ii) only should be filed with reference to the financial year of the company ending on a dato nearest to the 31st March, the two half-year periods within that year being deemed to be the first six months and the second six months (or the half-year period as defined in the directions). Thus a company which is required to submit its return as on the 31st March 1973 and whose financial year ends on the 31st December 1972 should compile this section only with reference to its above financial year (being the date nearest to the 31st March 1973) and not to 31st March 1973. Further the outstanding credit at the end of the current year and previous year should relate to the position as on the 31st December 1972 and 31st December 1971 instead of 31st March 1973 and 31st March 1972 respectively and the new credit sanctioned should cover the entire period from the 1st January 1972 to 31st December 1972. Instalments received during the two half-years should relate to the position as on 30th June 1972 and 31st December 1972.

- 2. Outstanding credit at the end of the current year should agree with the figure arrived at after deducting the instalments received during the two half-years from the outstanding credit at the end of the previous year plus new credit sanctioned during the current year.
- 3. Answers to the Questions at 1 to 7 in section (i) of this Part should be furnished in detail, when this return is submitted for the first time. Thereafter, only changes or additional information, if any, need be indicated.
- 4. In the case of any company, which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, hire-purchase transactions or loans, if any, which are treated as assets of the chit funds need not be included.

Section (i) Questionnaire

(Please see Instruction No. 3 above)

(A) Questions

- (B) Answers
- Are you a subsidiary of any manufacturing company or otherwise affiliated to any manufacturing or trading establishment? If so, indicate very briefly the necessary details of such company.
- 2 Mention the broad types of goods you deal with on a hire-purchase basis (e.g. automobiles, household durable goods, etc.)

^{**}Strike off whatever is not applicable.

^{*}Applicable in the case of private limited companies only.

- 3. (a) What is the usual (flat rate) of interest" (per cent per annum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts?
 - (b) What is the true rate of interest** (per cent per annum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts?
 - (c) Do you disburse the hire-purchase credit as sanctioned without any reduction in advance on account of interest?
 - (d) At what intervals do you collect interest?
- 4. What are the main items of charges, besides interest, included in the hire-purchase sale price of the goods?

(Please send us a copy of the form of agreement made with hirers if it has not been furnished already).

- 5. On what basis do you fix the amount of down payment or cash deposit from the hirer If it is a fixed percentage of the sale price of the goods in question, please state the percentage.
- 6. Do you pay interest on the cash deposit or down payment taken from hirers? If so, please state the rate of interest (per cent per annum) allowed.
- 7. Besides capital add reserve and hirers balances, what are the other sources of funds for your business?
- * Flat rate of interest means the rate of interest charged on the entire amount of the hire-purchase credit as sanctioned and not on the diminishing balance, that remain due.
- ** True rate of interest means the rate of interest charged on the actual amount of the credit outstanding from time to time.

Section (li)

Hire-purchase Business for the year ended March 31, 197 (Please see Instruction No. 1)

(Amounts in thousand of rupees)

Code No.	Goods on hire	New credit sanctioned during the current year ended March 31, 197 ended March 31, 197 ended March 31, 197 order ended March 31, 197 order ended March 31, 197		*Instalment during the t of the curre March	Outstanding credit at the end of the current year ended March 31, 197 (Please see Instruction No. 2)				
		Amount		Amount	Amount	Amount	Sept. 30	March 31	Amount
			contract		Amount	Amount	-		
1	2	3	4	5	6	7	8		
	(a) Automobiles:								
01	(i) Trucks and Jorries								
02	(ii) Cars								
03	(iii) Scooters								
04	(iv) Others								
	(b) Household durables:								
001	(i) Radio receivers								
002	(ii) Fans								
003	(iii) Refrigerators								
004	(iv) Sewing machines								
005	(v) Others								
010	(c) Agricultural implements: (tractors, bulldozers, etc.)								
020	(d) Industrial machinery or tools or equipment for use in industry								
030	(e) All others	<u> </u>							
2.45	m (1/2 11) (1/1 2		·						
040	Total (a $ \cdot b+c+d+e\rangle$								

**Manager's/Managing Director's/Authorised Official's certificate: Certified that the date relating to hire-purchase business of the company shown under sections (i) and (ii) have been verified and found to be correct and complete in all respects.

Signature of **Manager/ Managing Director/ Authorised Official:

Name :

Designation:

*Please see paragraph 11 of the Notification. **Strike off whatever is not applicable.

Date

(Space for the use of the Reserve Bank of India)

Period	Status	Business	State	Coded by:
				Checked by Punched by:
				Verified by:

Section (III)

Particulars of (1) Deposits and (2) Liquid Assets

(Particulars relating to deposits and liquid assets, i.e. (1) and (2) below, should contain the data as at the end of each month, for a period of twelve months, ending on the 31st March of the year, with reference to which the return is submitted)

(Amounts in thousands of rupees)

Code No.				•	Pr	evious	усаг				Cu	rrent y	oar
No.		April	May	June	July	Aug- ust	Sep- tembe	Oct.	Nov.	Dec,	Janu- ary	Feb.	March
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14

- 001 (1) Deposits (as defined in paragraph 2(1)(f) of the Notification) i.e. total of code No. 9 of Section (i) of Part 1
 - (2) *Liquid Assets:
 - 1 (a) in cash
 - (b) In Current or any other deposit account with scheduled banks free from any charge or lien.
 - 3 (c) in unencumbered securities of the Central Government or the State Governments or in other unencumbered securities in which a Trustee is entitled to invest trust money.

**Manager's/Managing Director's/Authorised Official's certificate: Certified that the figures relating to deposits and liquid assets

Certified that the figures relating to deposits and liquid assets have been verified and found to be correct and complete in

all respects.

Signature of **Manager/ Managing Director/ Authorised Official: Name: Designation:

Date

- *Please see paragraph 10 of the Notification.
- **Strike off whatever is not applicable.

(Space for the use of the Reserve Bank of India)

Period	Status	Business	State	Coded by:
				Checked by:
				Punched by
				Verified by:

PART III

Particulars of loans and advances and investments
(Please read the following Instructions carefully before filling
in this Part of the Form)

INSTRUCTIONS

- 1. The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March, irrespective of the date of the financial year of the Company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of account of the company
- 3. A group for the purposes of this return has the same meaning as in sub-section (11) of section 373 of the Companie, Act, 1956.
- 4 Book debts are not to be shown in section (i) unless a transaction represented by the book debt was, from the very beginning, in the nature of a loan.
- 5. Under 'Others' in (IV)(6) of section (i) separate details should be given in respect of parties to whom loans and advances in excess of 10% of the subscribed capital of the company have been granted and are outstanding.

- 6. Government securities for the purposes of this return are those which are included in the definition of a "Government Security" under Section 2(2) of the Public Debt Act. 1944.
- 7. In the case of any company which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, prize amounts due from prized chit subscriber, and amounts invested in securities charged to Registrar of chits for the safe conduct of chit business are not required to be reported in this Part of the return.
- 8. Details of all shares, debentures and other securities whether held on investment account or stock in trade should be given.
- 9. Investments in shares and debentures of companies are to be grouped according to the principal business of the company concerned.
- 10. The face value of partly paid shares should be the amount paid-up as on March 31 of the relevant year. In case any shares are not quoted on Stock Exchange, the value as certified by the Manager or Managing Director or any official authorised by the Board of Directors or any other competent authority should be included under the column 'Market Value'. The purchase cost or sale proceeds as shown in brokers' contracts (exclusive of transfer fees, stamp duty and brokerage) should be indicated. Depreciation allow ed or revaluation of investments made for the purpose of the balance sheet should not be adjusted but shown separately in a footnote at the end of the return.

					INS AND ADVANCES	LO	
					Section (1)		
		97 .	ch 19	he 31st Mai	As on t	Outstanding	Loans and Advances (
						borrowers)	(Classified by types of
rupees)	of	thousands	(in	Amount		Name of Party	Code No.
						Companies in the same group*	1.
						1.	
						2.	
						3.	
						4.	
						etc.	
						Companies not in the same group*	II.
						1.	
						2.	
· · · · · ·		· · · · · · · · ·				3.	
						• • •	
						Parties other than companies	IV.
						1. Directors	
					mer Secretaries and Treasurers		
						·-	
					3, <i>3)</i> .	o. Others (Please see Justifiction 19	
						Total of 1 to 6	V.
		·	-			Grand Total (III+V)	VI.
					employ se s	1. 2. 3. 4, etc. Companies not in the same group* 1. 2. 3. 4. etc. Total of companies (I+II) Parties other than companies 1. Directors 2. Former Managing Agents and fo 3. Members 4. Chief Executive Officer and othe 5. Purchasing, Selling or other Agen 6. Others (Please see Instruction Notated of 1 to 6	II. IV. V.

Section (ii)									
Classification of loans and advances outstanding by security As on the 31st March 197									
Code No.	Security	Amount (in thousands of rupees)							
1	2	3							
	1. Food Articles								
	1. Paddy and rice								
	2. Wheat								
	3. Other Cereals								
	4. Sugar								
	5. Gur								
	6. Vegetable Oils								
	7. All other articles								

- II. Industrial Raw Materials
 - 8. Groundnuts
 - 9. Other Oilseeds
 - 10. Cotton and Kapas
 - 11. Raw Jute
 - 12. All other industrial raw materials
- III. Plantation Products

 - 14. Coffee, Cashewnuts and other plantation products
- IV. Manufactures and Minerals
 - 15. Cotton textiles
 - 16. Jute textiles

^{*}Please mention the names and amounts due from individual companies in the columns provided for the purpose In case the space is not sufficient a separate sheet should be attached.

770 THE GA	AZETTE OF INDIA, MARCH 17, 1973 (PHALGUNA 20	5, 1894)	[PART I	II—Sec. 4
		<u>_</u> _	3	
V	17. Other textiles 18. Coal 19. Iron and Steel and engineering products 20. All other manufactured goods Other Securities 21. Real Estate 22. Gold and silver bullion and ornaments 23. Fixed deposits in banks 24. Government and other trustee securities 25. Shares and debentures of Joint Stock Companies 26. All other secured loans and advances			
VI	. Total of I to V			
VII	. Unsecured loans and advances			, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
VIII	. Total of VI and VII above			
,	Section (iii)			
Classification of loan	as and advances outstanding by purpose As on	the 31st M	farch 197	
Code No.	Purpose	Amount	(in thousands	of rupees)
V VII Note :—The	 Professional loans, i.e. loans for financing, professional activities or business. Personal loans All other loans and advances Total of I to VI total of item VIII in Section (ii) and item VII in Section (iii) should agree			
Investments Outstan (Classified by status	of companies, i.e in the same group or not in the same group).	on the 3	Ist March, 197	
Code No.	Particulars	Amount	(in thousands	of rupees)
II. III.	Companies in the same group* 1. 2. 3. 4. etc. Companies not in the same group* 1. 2. 3. 4. etc. **Total of companies (I + II) **Other investments (such as investments in Government and other Trustee Securities, fixed deposits with banks and investments in units of the Unit Trust of India).			
V.	**Grand Total (III - IV)			
*Please ment	ion the names and amounts invested in individual companies in the column	ns provi đe d	for the purpose	. In case the

^{*}Please mention the names and amounts invested in individual companies in the columns provided for the purpose. In case the space is not sufficient a separate sheet should be attached.

^{**}The total of items III, IV & V in Section (iv) should tally with those of code Nos. 320, 410+500 and 600 respectively in Section (v).

Section (v)

Investments in shares, debentures and other securities outstanding

As on the 31st March 197

Code No.	. A. Investments in shares and debentures of companies classified according to their principal business		Amount housands of r	upccs)
		*Face value	*Book value	•Market value
100	1. Textiles:			
101	(a) Cotton Textiles			
102	(b) Jute Textiles			
103	(c) Silk, Rayon & other artificial fibres			
104	(d) Woollen Textiles			
105	(e) Others			
120	2. Sugar			
130	3. Iron and Steel			
140	4. Non-ferrous Metals			
150	5. Electricity generation and supply			
160	6. Engineering			
170	7. Automobiles and ancillaries			
180	8. Electrical Machinery			
190	9. Machinery other than transport and electrical			
200	10. Transport equipment			
210	11. Chemicals:			
211	(a) Basic Industrial Chemicals			
212	(b) Pharmaceutical & Medicinal preparations			
213	(c) Other chemicals			
220	12. Mining:			
221	(a) Coal mining			
222	(b) Other mining			
230	13. Paper and Paper products			
240	14. Cement			
250	15. Mineral Oil			
260	16. Matches			
270	17. Plantation:			
271	(a) Tea			
272	(b) Coffee			
273	(c) Rubber			
274	(d) Others			
280	18 Financial Companies:			
281	(a) Banks			
282	(b) Insurance Companies			
283	(c) Investment Trusts			
284	(d) Others			
290	19. Trading			
300	20. Shipping and other transport			
310	21. Construction			
-	21A. Any other Companies			
320	22. Total of A			
. 				

Code No.	B. Investments in Government and other Trustee securities	Amount (in thousands of rupces)
		*Face *Book *Market value value
401 402 403 404 405 406 410 500	 (i) Central Government loans (ii) Stete Government loans (iii) Government Savings or Annuity Certificates and other obligive Municipal loans and debentures (v) Port Trust loans and debentures (vi) Others Total of B C. Other investments (such as fixed deposits with banks and invented of the Unit Trust of India). Total of A+B C 	
	inv	rtified that the figures relating to loans and advances and estments reported in Sections (i) to (v) have been verified if found to be correct and complete in all respects. Signature of **Manager/ Managing Director/ Authorised Official: Name: Designation:
**St	rike off whatever is not applicable. (Space for the use of the Rese	erve Bank of India)
Period		Coded by : Checked by : Punched by : Verified by :
CONFIDEN	TIAL	FORM-IC
(To be filled	SECOND SCHEDUL (Please see paragraph 13 of the Notification No. DNBC 1/E in by all investment companies and by all mutual benefit financial securities for purposes of investment RESERVE BANK OF IN DEPARTMENT OF NON-BANKING CALCUTTA-1 PART 1	ED(S)-66 dated the 29th October, 1966) companies, whose principal business is the acquisition of ent). DIA
Code No.	Deposits with companies acquiring securities for purposes of investm (1) Name of the company (2) Full address of the (a) Registered office	nent as on the 31st March, 197
	(b) *Head/Administrative office (3) State in which the company is registered: (4) Status*: Private/public limited company/ branch a foreign company. (5) Registration No. of the company: (6) Date of (a) Incorporation	of
	 (b) Commencement of business (7) Financial year of the company (8) Name of the company's banker(s) and address(es) *Strike off whatever is not applicable. 	

Instructions for filling in Part I of the Form

....

- 1. The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March irrespective of the date of the financial year of the company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of acount of the company.
- 3. In the case of any company, which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, amounts received by way of subscriptions under the chit or kuri agreements will NOT be treated as deposits vide clause (vii) of paragraph 2(1)(f) of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966.
- 4. Unsecured borrowings with certain exceptions mentioned in paragraph 2(1)(f) of Notification No. DNBC 1/ED(S)-66 dated the 29th October 1966 are treated as deposits.
- 5. Unsecured loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, are treated as deposits. The above unsecured loans, in order to qualify for the deposits of the kind referred to in paragraph 3(1)(d) of the Notification and classify against code No. 1 of section (i) of this Part should fulfil the following norms:—
 - (a) they should ne evidenced either by the execution of promissory notes by the borrowing company or by exchange of letters evidencing loan contracts.
 - (b) repayment of these loans should be guaranteed by the former managing agents or secretaries & treasurers, if any, of the company in their personal capacity, and
 - (c) these loans should be held in fixed loan accounts in the books of the company. Part repayments are permitted, but fresh amounts as loans should not be accepted in the same account.

In case an unsecured loan of the type mentioned above does not fulfil any of the above three norms, it should be treated as deposit of the kind referred to in paragraph 3(1)(d)(ii) of the Notification and should, therefore, be classified against code No. 6 or 7, as the case may be, in section (i) of this Part,

- 6. The loans received from person registered under any law relating to moneylending which is for the time being in force are exempted from the term 'deposit' only if they fulfil the norms as indicated at (a) and (c) in Instruction No. 5 above.
- 7. The number of accounts should be given in actual figures while the amounts of deposits should be given in thousands of rupces. Amount should be rounded off to the nearest thousand and three zeros omitted. For example, an amount of Rs. 4,650 should be shown as 5 and not as 4.6 or 5,000.
- 8. In section (iii) of this Part of the return brokerage paid for obtaining deposits should not be included in the rate of interest but should be indicated in a footnote at the end of the table.
- 9. Any money received which is specifically excluded from the term 'deposit' in sub-clauses (i) to (xiii) of paragraph 2(1)(f) of the Notification No. DNBC 1/LD(S)-66 dated the 29th October 1966 should be classified against different code Nos, under item III in sections (i), (ii) and (iii) of this Part of the return.

Monies received in trust, advances for supply of goods or services, security deposits received from contractors and other exempted receipts which cannot be classified against any of the code Nos. 10 to 17 in section (i) of this Part of the return may be shown against code No. 18 of same section.

- 10. The periodwise clasification of deposits reported in section (ii) of this Part of the return should be made against the various code Nos, under items I & II according to the periods for which they have been originally received/last renewed and not according to the periods they have to run as from the 31st March i.e., the date of the return. Amounts with no specified period of maturity or repayment in instalments should be shown against Code Nos. 1 and 10 under the above items respectively and the position explained suitably by footnotes,
- 1). Deposits and exempted borrowings and receipts bearing no interest should be classified against Code Nos. 1, 8 and 15 under items I, II and III respectively, in section (iii) of this Part.
- 12. Only those reserves which are shown or published in the balance sheet of the company as being retained for any general or unspecified purpose should be treated as "free reserves' and shown in sections (iv) and (vi) of this Part of the return. Any other reserve the nomenclature of which as shown in the audited balance sheet indicates that it has been set apart for a specific purpose should not be taken into account notwithstanding the actual purpose for which it has been created. The following reserves are generally treated as free reserves:
 - (i) General Reserve
 - (ii) Capital Reserve
 - (iii) Capital Redemption Reserve
 - (iv) Contingency Reserve
 - (v) Statutory Development Rebate Reserve or Development Allowance Reserve
 - (vi) Balance in share-premium account
 - (vii) Surplus which is in the nature of general reserve
- 13. A list containing the names and the official designations of the principal Officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the Reserve Bank of India as required in paragraph 13(2)(i) of the Notification.
- 14. In the absence of any indication to the contrary, the definitions in the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966, so far as they are relevant, will be applicable.
- 15. The return should be signed by the Manager (as defined in section 2 of the Companies Act 1956) and if there is no such Manager, by the Managing Director or any official of the company who has been duly authorised by the Board of Directors and whose specimen signature has been furnished to the Reserve Bank for the purpose. In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.
- 16. In case there is nothing to report in any Section/Part of the return, it should be marked "Nil' and the Manager's/Managing Director's/Authorised Official's Certificate appended thereto should be duly signed.

	Dep	SECTION (i) osits, etc. outstanding	As on the	31st March 197
Code To.		s of deposits, exempted borrowings and receipts.	No. of accounts	Amounts (in thousands of rupees)
	I,	Deposits of the kinds referred to in paragraphs 3 (1) (d) and 3 (1) (d) (l) of		
1	(a)	the notification: Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers		
2	(b)	Unsecured debentures		
3	(c)			
	` ' '	members of a private limited company)		
4	(d)	Deposits including unsecured loans guaranteed by directors in their per-		
_	,	sonal capacity		
5	(e)	Total $(a+b+c+d)$		
	П.	Deposits of the kind referred to in paragraph 3 (1) (d) (ii) of the		
	•••	Notification:		
6	(<i>f</i>)	Fixed deposits		
	(ff)	Deposits received from associate members £		
7	`(g)	Any other deposits		
8	(h)	Total (f+g)		··· · · · ·
9	(i)	Total of (l)+(ll)		
	111.	Exempted borrowings & receipts not counting as deposits, (vide paragraphs		
		2(1) (f) (i) to (xiii) of the Notification):		
10	(<i>J</i>)	Money received from former managing agents or secretaries and treasurers,		
11	(k)	if any Money received from directors**		
12	(l)	Money received from members **in the case of a private limited company		
13	(m)	Security deposits from employees		
14	(n)	Money received from purchasing, selling or other agents for the purposes of		
		business		
15	(o)	Money received from joint stock companies (including companies in the		
16	(p)	same group) Secured borrowings and borrowings from banks and other specified ins-		
10	(P)	titutions		
17	(q)	Money received from foreign sources		
18	(r)	Other exempted borrowings and receipts not counting as deposits		
19	(s)	Total (j to r)		
20	IV.	Total of I, II and III above:		
			- "	~
			······································	

*The expression "member" used here means a person who is registered as a holder of shares in the company.

**Please note that the money received from such person out of the funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person is not exempted [vide paragraph 2 (1) (1) (ix) of the Notification]. A declaration from him to this effect should have been obtained by the company before including his money in this category.

£Applicable in the case of mutual benefit financial companies only.

Section (it)

Period of Deposits, etc.

As on the 31st March, 197

Code No.	Types of deposits, exempted borrowings and receipts.	Code No.			Amount (in thou- sands of rupees)
1	2	3	4	5	6
0 1	Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents	1	Repayable on demand or on notice otherwise in less than 3 months,	e or	
	or secretaries and treasurers, if any, un- secured debentures, deposits including	2	Repayable after a period of 3 mont more but less than 6 months.	ths or	
	unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured	3	Repayable after a period of 6 mont more but less than 12 months.	ths or	
	loans guaranteed by directors.	4	Repayable after a period of 12 mon more but less than 24 months	ths or	
		5	Repayable after a period of 24 mont more but less than 36 months.	ths or	

1	2	3	4 5	6
		6	Repayable after a period of 36 months or more but less than 60 months.	
		7	Repayable after a period of 60 months or more.	
		8	Total of 1 to 7 [See Note No. (1)]	
11 00	Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits	9	Overdue and /or unclaimed	
		10	Repayable on demand or on notice or otherwise in less than 6 months other than those mentioned against Code No. 9 above.	
		11	Repayable after a period of 6 months or more but less than 12 months	
		12	Repayable after a period of 12 months or more but less than 24 months	
		13	Repayable after a period of 24 months or more but less than 36 months	
		14	Repayable after a period of 36 months or more but less than 60 months	
		15	Repayable after a period of 60 months or more	
		16	Total of 9 to 15 (See Note No. ii)	
000 111	Exempted borrowings and receipts not counting as deposits i.e. from members in the case of primits limited companies	17	Repayable on demand or on notice or otherwise in less than 6 months	
	in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits,	18	Repayable, by notice or otherwise, after a period of 6 months or more but less than 12 months	
	purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and receipts.	19	Repayable by notice or otherwise after a period of 12 months or more but less than 24 month	
		20	Repayable, by notice or otherwise, after a period of 24 months or more but less than 36 months	
		21	Repayable, by notice or otherwise, after a period of 36 months or more but less than 60 months.	
		22	Repayable by notice or otherwise after a period of 60 months or more.	
		23	Total of 17 to 22 (See Note No. III)	
V10000	Total of I, II and III			
			(See Note No. IV)	

Note:

- (i) The totals of Code, No. 8 should tally with those of Code No. 5 of section (i).
- (ii) The totals of Code No. 16 should tally with those of Code No. 8 of section (i).
- (iii) The totals of Code No. 23 should tally with those of Code No. 19 of section (i).
- (iv) Total of Item IV of section (ii) should tally with the total of Item IV of section (i).

Section (iil)

Rates of interest (exclusive of brokerage) on Deposits, etc.

776

As on 31st March, 197

	Rates of interest (exclusive of brokerage) on	Deposits, ei	c.	As on 31st March, 197
Codo No.	Types of deposits, exempted borrowings and receipts	Code No.	Rate of interest	Amount (in thousands of rupees)
0 1	Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranted by directors.	1 2 3 4 5 6 7	5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more Total of 1 to 6	
00 II.	Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits.	8 9 10 11 12 13 14	5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more Total of 8 to 13	
000 III.	Exempted borrowings and receipts not counting as deposits i.e. from members in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or sccretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits and purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and receipts.	15 16 17 18 19 20	5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more Total of 15 to 20	
.VI0000	Total of 1, II and III			

Note: (i) The totals of Code Nos. 7, 14 and 21 should tally with those of Code Nos. 5, 8 and 19 of section (i) respectively.

(ii) The total of item IV in section (iii) must tally with that of item IV of section (i).

Section (iv)

Statement showing the position of deposits vis-a-vis ceilings

(A) Deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(1)(d) and 3(1)(d)(i) of the Notification and the prescribed Ceiling.

(Amounts in thousands of Rupecs)

Position	Total deposits of the kinds re-							•Please state whether
as at the clo- se of business on		Paid-up ca- pital	Free Reserves	Balance of loss if any	Net owned funds (3+4)-5	(i.e. 25% of the net owned funds)		the excess deposits have been adjusted as per paragraph 4(1) of the Notification. If not, reasons for non-compliance sh- ould be stated.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
31st December 1971								
31st March 1973								
31st March 1974								
31st March 1975								

^{*}Note:—At least one-third of the excess deposits as on 31-12-1971 has to be reduced before 1-4-1973, another one-third of the excess as on 31-12-1971 before 1-4-1974 and the balance, and if any, of the said excess before 1-4-1975.

(B)	Deposits of the kind reffered to	o in paragraph 3(1) (d) (•	sition as c	on 31st March 197 .
				(l.e. t)	he date of the return)
Total deposits of the kind referred to above i.e. total of code No. 8 in section (i)	Ceiling (<i>I.e.</i> 25% of the net owned funds)	Excess deposits if any ceiling (1)—(2	, over the 2)	R	emarks
1	2	3		4	
		tion (v)	<u></u> _		
Statement showing of the Notificat	the regularisation of deposits of ion, repayable on demand or of	the kinds referred to in pa on notice or after a peri	aragraphs 3(1) iod of less tha	(d) and 3(in 6 mont	1)(d)(i) hs.
			(A	mounts ir	thousands of rupees)
Position as at the close of business on	Total amount of deposits of t above kinds (i.e. total of cod Nos, 1 & 2 of section (ii)	he 25% of the net own c column 7 of Secti	on (ix) A	posits har per para Notificati sons f	ve been regularised as agraph 4(3) of the
1	2	3			4
the following man (a) at least such do (b) at least one-h	·1973. f irregular deposits is in excess	of 25% of the company	's owned fund		
	Secti	on (vi)			
Comparative posi	tion of the company as per its date of t	audited balance sheet a	as at the date	nearest t	o the
			(An	nounts in	thousands of rupecs)
Particulars		Position as per the balance sheet as at	Position as return as on :	per the 31-3-197	Reasons for varia- tions, if any, may broadly be stated.
1		2		3	4
value) .	entures and other securities (Boo			@ £	
Hire-purchase advances		•			

1	2		3	4
9. Loans for financing the purchase of land or houses 10. Main source of income (with particulars).		-		<u></u> .
 Maximum aggregate of deposits during the year ended. (i) Maximum amount of desposits during the ye (ii) Date of which the above maximum was account. 	ar (in thousands	of	rupces)	
@The total of Code No. 9 in section (i) should be show £The total of Code No. 19 in section (i) should be show				
*Manager's/Managing Director's/Authorised Official's			Certified that the deposits as of the return have been received the genuine business requirem	or renewed for meeting
	(2		Certified that declarations hawriting, as required in terms of graph 2(1)(f)(ix) of the Notifictors and members** that the moby them to theco mpany out of them by borrowing or acceptither person.	of the provise to para- cation from the direc- oney has not been given the funds acquired by
	(3		Certified that the company has visions of paragraph 5(1) of soliciting deposits.	
	(4		Certified that deposits have be or converted on or after the 1s manner prescribed in sub-para 5 of the Notification.	t January, 1973 in the
	(5	()	Certified that the company harequirements of paragraph 6	as complied with the
	(6	-	Certified that the Registers of d tained on the lines indicated Notification.	eposits are being main- in paragraph 7 of the
ate :	(7)		Certified that the particulars/ in this Part of the return have b to be correct and complete in a: (Strike off whatever certificate Signature of *Manager/Managir Official:	een verified and found Il respects. is not applicable)
			Name:	
aclosures to the return The following documents should be submitted alongwit gainst the item for the document enclosed and state the date of	h the return in case of submission in o	e t	Designation: hey have not already been sent. er cases.	Please tick in the box
(1) A copy of the audited balance sheet and profit and	loss account dated	i n	earest to the date of this return	
(2) Specimen signature card (Please see Instruction No	o. 15)			
(3) A copy of the application form referred to in su	ıb-paragraph (2) c	of '	paragraph 5 of the Notifica-	
(4) A copy of each of the advertisements, if any, issue	d during the year	en	ded the 31st March 197	

(Space for the use of the Reserve Bank of India)

(5) A list of officers and directors (Please see Instruction No. 13)

				
Period	Status	Business	State	
				
1	2	3	4	

Coded by : Checked by :

Punched by:

Verified by:

^{*}Strike off whatever is not applicable.

**Applicable in the case of private limited companies only.

PART II

Particulary of loans and advances and investments

(Please r.ad the following Instructions carefully before filling in this Part of the Form)

INSTRUCTIONS

- 1. The setum in this Para should be submitted once a year before the 10th June with reference to the company's position as on the list March, irrespective of the date of the financial year of the company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as an indication/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the frame available in the books of account of the company
- 3. A group for the purposes of this return has the same meaning as in sub-section (11) of section 373 of the Companies Act. 1956.
- 4. Book debts are not to be shown in section (1) unless a transaction represented by he book debt was, from the very beginning in the nature of a loan.
- 5. Under 'Others' in (IV)(6) of section (i) separate details should be given in respect of parties to whom leans and advances in excess of 10% of the subscribed capital of the company have been granted and are outstanding.

- 6. Government securities for the purposes of this return are those which are included in the definition of a "Government Security" under Section 2(2) of the Public Debt Act, 1944
- 7. In the case of any company which is required to submit this jeturn but which carries on chit fund business also as a toroman prize amounts due from prized chit subscribers and amount, invested in securities charged to Registrar of chits for the safe conduct of chit business are not required to be reported in this Part of the return,
- 8. Details of all shares, debenures and other securities whether held on investment account or stock in trade should be given.
- 9. layestments in shares and debentures of companies are to be grouped according to the principal business of the company concerned.
- 10. The face value of partly paid shares should be the amount paid-up as on March 31 of the relevant year. In case any shares are not quoted on Stock Exchange, the value as certified by the Manager or Managing Director or any official authorised by the Board of Directors or any other competent authority should be included under the column 'Market Value'. The purchase cost or sale proceeds as shown in brokers' contracts (exclusively of transfer fees stamp duty and brokerage) should be indicated. Depreciation allowed or revalution of investments made for the purpose of the balance sheet should not be adjusted but shown separately in a footnote at the end of the return.

LOANS AND ADVANCES

Section (i)

Loans and Advances Outstanding

(Classified by types of borrowers)

As on the 31st March 197

Code No.		Name of Party	rupees)	thousands	of
	1	2		 3	
	I	. Companies in the same group*	a provide the conductive discontinuous conjugate	ar and a second	Control of Control
	П.	1. 2. 3. 4. etc. Companies not in the same group* 1. 2. 3.			
		4. etc.			
	III.	Total of companies $(I+H)^*$	ب پندماند مان خوند به پاند دی		
	IV.	Parties other than companies 1. Directors 2. Former Managing Agents and former Secretaries and Treasurers 3. Members 4. Chief Executive Officer and other employees 5. Purchasing, Selling or other Agents 6. Others (Please see Instruction No. 5)			
	V.	Total of 1 to 6		 	
	VI.	Grand Total (III- V)		 	

^{*} Please mention the names and amounts due from individual companies in the columns provided for the purpose. In case the space is not sufficient a separate sheet should be attached.

780	THE GAZETTE OF INDIA, MARCH 17, 1973 (PHALGUNA 26, 1	1894) [Т	PART III—SEC.
	Section (ii)		
Classificat	ion of loans and advances outstanding by security	As on the	31st March 197
Code No.		(in thousa	mount nds of rupees)
1	2		3
	I. Food Articles 1. Paddy and rice 2. Wheat 3. Other Cereals 4. Sugar 5. Gur 6. Vegetable Oils 7. All other articles II. Industrial Raw Materials 8. Groundnuts 9. Other Oilseeds 10. Cotton and Kapas 11. Raw Jute 12. All other industrial raw materials III. Plantation Products 13. Tea 14. Coffee, Cashewnuts and other plantation products IV. Manufactures and Minerals 15. Cotton textiles 16. Jute textiles 17. Other textiles 18. Coal 19. Iron and Steel and engineering products 20. All other manufactured goods V. Other Securities. 21. Real Estate 22. Gold and silver bullion and ornaments 23. Fixed deposits in banks 24. Government and other trustee securities 25. Shares and debentures of Joint Stock Companies 26. All other secured loans and advances VII. Total of I to V VII. Unsecured loans and advances VIII. Total of VI and VII above		
	Section (iii)		
Classific a tlo	on of loans and advances outstanding by purpose		31st March 197
Code No.	Purpose		ds of rupees)
1	2		3
	I. Industry, t.e. to industrial concerns as defined in paragraph 2(1)(j)		
	 Commerce, i.e. wholesale trade, retail trade and movement or transport of crops and goods. 	đ	
	III. Agriculture, i.e. foodgrains, pulses and other agricultural commodities.		
	IV. Professional loans, i.e. loans for financing professional activities or business		
	V. Personal loans		
	VI All other loans and advances		

VII. Total of I to VI

INVESTMENTS

Section (iv)

Investments outstanding

tals

As on the 31st March 197

Code No.

Particulars

Amount (in thousands of rupces)

1

2

I. Companies in the same group*

1.
2.
3.
4.
etc.

II. Companies not in the same group*

1.
2.
3.
4.
etc.

III. **Total of companies (I+II)

1V. **Other investments (such as investments in Government and other Trustee Securities, fixed deposits with banks and investments in units of the Unit Trust of India)

V. **Grand Total (III+IV)

- * Please mention the names and amounts invested in individual companies in the columns provided for the purposes. In case the space is not sufficient a separate sheet should be attached.
- ** The totals of items III,IV & V in Section (iv) should tally with those of code Nos. 320,410+500 and 600 respectively in section (v).

Section (v)

Investments in shares debentures and other securities outstanding

As on the 31st March 197

(Amounts in thousands of rupees)

										(Amou	itits in th	ousands o	of rupees)
		Or	dinary sl	hares*	Pref	erence sh	ares*	I	Debenture	s*		Total*	
Code No.	A. Investments in shares and debentures of Companies classified according to their principal business.	Face Value	Book Value	Market Value									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
100	1. Textiles:											~ ~ -	
101	(a) Cotton Tex- tiles												
102	(b) Jute Texti- les												
103	(c) Silk, Rayon & other artificial fibres,												
104	(d) Woollen Tex- tiles												
105	(e) Others												
120	2. Sugar												
130	3. Iron and Steel												
140	4. Non-ferrous Mc-												

)	Total of B	
)	C. Other Investments (such as fixed deposits with banks and investments in units of the Unit Trust of India).	
)	Total of A-1 B. C	Notice of the second section of the
-	*Discourage Instruction No. 10 of Days 31	deferences and the state and added and decir personal and specification to the state of the specification and added

^{*}Please see Instruction No. 10 of Part II.

500

600

Section (vi)

Amounts invested in stock, shares, bonds, Government securities, etc. during the year ended. March 31, 197

(Amounts in thousands of rupees)

Code No.			Purchase Cost	Sales and redemption proceeds	Net Invest- ment
1 ·	2	and the second	3	4	5
100	1. Government Securities and Treasury Bills:			and the second of the second s	(Please see In-
101	(a) Central Government				struction No. 10)
102	(b) State Governments		•		
103	(c) Government savings or other Certificates		•		
104	(d) Others				
200	2. Municipalities. Port Trusts. Improvement Trusts. State 'Electricity Board and other public utilities				
100			•		
300	3. Shares and debentures of Joint Stock Companies (a) Ordinary Shares		•		
210	(a) Ordinary Shares		•		
310 0	(x) Rights issues	•	•		
()()	(1) Other New issues				
311	(ii) Issues of new companies	•	•		
312		•	•		
313	(iii) Others		•		
213	(b) Preference Shares:	•	•		
320	(i) New Issues of existing companies				
91	(x) Rights issues				
oot	(y) Other new issues				
321	(it) Issues of new companies				
322	(iii) Others				
323	(iv) Total of (b)				
	(c) Debentures:				
330	(i) New issues of existing companies		,		
00	(x) Rights issues		•		
000	(y) Other new issues				
331	(ii) Issues of new companies		•		
332	(iii) Others				
133	(iv) Total of (c)				
400	4 Other investments				
500	5. Total of items 1 to 4				

^{**}Manager's/Managing Director's/Authorised Official's Certificate

: Certified that the figures relating to Icans, advances and investments reported in Sections (i) to (vi) have been verified and found to be correct and complete in all respects.

Signature of **Manager/Managing Director/Authorised Cfficial.

Name:

Designation:

Date:

(Space for the use of the Reserve Bank of India)

Period	Status	Business	State	Coded by
proceder of the street procedure of the street of	- AND	AND THE RESIDENCE AND ADDRESS OF THE PARTY O	THEFT SAMES OF STATEMENT - STATE SAME AND THE STATEMENT OF	Checked by
	'	 		Punched by
page of the same of the same of the same		the second secon	or many property of the second particle of the second	Verified by

^{**}Strike off whatever is not applicable

PART III

Particulars of hire-purchase business

(Please read the following Instructions carefully before in this Part of the Form)

INSTRUCTIONS

- 1. The returns in section (ii) of this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March. In case the company's financial year is different, the returns in Section (ii) only should be filed with reference to the financial year of the company ending on a date nearest to the 31st March, the two half-year periods within that year being deemed to be the first six months and the second six months (or the halfyear period as defined in the directions). Thus a company which is required to submit its return as on the 31st March 1973 and whose financial year ends on the 31st December 1973 and whose financial year ends on the 31st December 1972 should compile this section only with reference to its above financial year (being the date nearest to the 31st March 1973) and not to 31st March 1973. Further the outstanding credit at the end of the current year and previous year should relate to the position as on the 31st December 1972 and 31st December 1971 instead of 31st March 1973 and 31st March 1972 respectively and the new credit sanctioned should cover the entire period from the 1st January 1972 to 31st December 1972. Instalments received during the two half-years should relate to the position as on 30th June 1972 and 31st December 1972. 30th June 1972 and 31st December 1972.
- 2. Outstanding credit at the end of the current year should agree with the figure arrived at after deducting the instal-ments received during the two half-years from the outstanding credit at the end of the previous year plus new credit sanctioned during the current year.
- 3. Answers to the Questions at 1 to 7 in section (1) of this Part should be furnished in detail, when this return is submitted for the first time. Thereafter, only changes or additional information, if any, need be indicated.
- 4. In the case of any company, which is required to submit this return, but which carries on chit fund business also as a foreman, hire-purchase transactions or loans, if any, which are treated as assets of the chit funds need not be included.

Section (i) **Ouestionnaire**

(Please see Instruction No. 3 above)

(A) Questions

(B) Answers

1. Are you a subsidiary of any manufacturing company or otherwise affiliated to any manufacturing or trading establish-

ment? If so, indicate very briefly necessary details of such company,

- Mention the broad types of goods you deal with on a hire-purchase basis (e.g. automobiles, household durable goods, etc.)
- 3, (a) What is usual flat rate of interest* (per cent per annum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts?
 - (b) What is the true rate of interest** (per cent per annum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts?
 - (c) Do you disburse the hire-purchase credit as sanctioned without any reduction in advance on account of interest?
 - (d) At what intervals do you collect interest?
- 4. What are the main items of charges, besides interest, included in the hire-purchase sale price of the goods?
 (Please send as a copy of the form of agreement made with hirers if it has not been furnished already).
- 5. On what basis do you fix the amount of down payment or cash deposit from the hirer? If it is a fixed percentage of the sale price of the goods in question, please state the percentage.
- 6. Do you pay interest on the cash deposit or down payment taken from hirers? If so, please state the rate of interest (per cent per annum) allowed.
- 7. Besides capital and reserves and hirers' balances, what are the other sources of funds for your business?
- * Flat rate of interest means the rate of interest charged on the entire amount of the hire-purchase credit as sanctioned and not on the diminishing balances that remain
- True rate of interest means the rate of interest charged on the actual amount of the credit outstanding from time to time.

Section (ii) (Please see Instruction No. 1)

Hire-purchase Business for the year ended March 31, 197

(Amount in Thousands of rupees)

Code No.	Goods on hire	druing the	sanctionod current year rch 31, 197	Outstanding credit at the end of the previous year ended March 31, 197	during the	ts received two half- the current led March 97	Outstanding credit at the end of the current year ended March 31, 197 (Please see- Instruction No. 2)
		Amount	Period of contract	Amount	Sept. 30 Amount	March 31 Amount	Amount
1	2	3	4	5	6	7	8

(a) Automobiles:

(i) Trucks and lorries (ii) Cars (iii) Scooters

02 03

01

(iv) Others 04

(b) Household durables:

001 (i) Radio receivers

(ii) Fans 002

2. Full address of the
(a) Registered office.

(b) *Head/Administrative office.

(b) *Head/Administrative office.

3. State in which the company is registered:

4. Status*: Private/Public limited company/branch of a foreign company.

5. Registration No. of the company

6. Date of

a) Incorporation

b) Commencement of business

7. Financial year of the company

8. Name of the company's banker(s) and address(es)

*Strike off whatever is not applicable.

Note: The return after compilation, should be sent to the Chief Officer, Department of Non-Banking Companies, Reserve Bank of India, 15, Netaji Subhas Road, Post Box No. 571, Calcutta-1.

Instructions for filling in Part I of the Form

- 1. The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March irrespective of the date of the financial year of the company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the armual accounts. The compilation of the return should be on the absis of the figures available in the books of account of the company.
- 3. In the case of any company, which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman amounts received by way of subscriptions under the chit fund or kuri agreements will not be treated as deposits vide clause (vii) of paragraph 2(1)(f) of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966.
- 4. Unsecured borrowings with certain exceptions mentioned in paragraph 2(1)(f) of Notification No. DNBC 1/ED(S)-66. dated the 29th October 1966 are treated as deposits.
- 5. Unsecured loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, are treated as

deposits. The above unsecured loans, in order to qualify for the deposits of the kind referred to in paragraph 3(1)(d) of the Notification and classified against code No. 1 of section (i) of this Part should fulfil the following norms:—

- (a) they should be evidenced either by the execution of promisory notes by the borrowing company or by exchange of letters evidencing loan contracts,
- (b) repayment of these loans should be guaranteed by the former managing agents or secretaries & treasurers, if any, of the company in their personal capacity, and
- (c) these loans should be held in fixed loan accounts in the books of the company. Part repayments are permitted, but fresh amounts as loans should not be accepted in the same account.

In case an unsecured loan of the type mentioned above does not fulfil any of the above three norms, it should be treated as deposit of the kind referred to in paragraph 3(1) (d)(ii) of the Natification and should, therefore, be classified against code No. 6 or 7, as the case may be, in section (i) of this Part,

- 6. The loans received from person registered under any law relating to moneylending which is for the time being in force are exempted from the term 'deposit' only if they fulfil the norms as indicated at (a) and (c) in Instruction No. 5
- 7. The number of accounts should be given in figures while the amounts of deposits should be thousands of rupees. Amount should be rounded off to the nearest thousand and three zeros omitted. For example, an amount of Rs. 4.560 should be shown as 5 and not as 4.6 or 5000.
- 8. In section (iii) of this Part of the return brokerage paid for obtaining deposits should not be included in the rate of interest but should be indicated in a footnote at the end of the table.
- 9. Any money received which is specifically excluded from the term 'deposit' in sub-clause (i) to (xiii) of paragraph 2 (1)(f) of the Notification No. DNBC 1/ED(S)-66, dated the 29th October 1966 should be classified against different code Nos. under item III in sections (i), (ii) and (iii) of this Part of the return,

Monies received in trust, advances for supply of goods or services, security deposits received from contractors and other exempted receipts which cannot be classified against any of the code Nos. 10 to 17 in section (i) of this Part of the return may be shown against code No. 18 of same section.

- 10. The periodwise classification of deposits reported section (ii) of this Part of the return should be made against the variou; code Nos. under items I & II according to the periods for which they have been originally received/last renewed and not according to the periods they have to run as from the 31st March i.e. the date of the return. Amounts with no specified period of maturity or repayable in instal-ments should be shown against Code Nos. 1 and 10 under the above items respectively and the position explained suitably by footnotes,
- 11. Deposits and exempted borrowings and receipts bearing no interest should be classified against Code Nos. and 15 under items I. II and III respectively in section (iii) of this Part.

- 12. Only those reserves which are shown or published in thehalance sheet of the company as being retained for any general or unspecified purpose should be treated as free general or unspecified purpose should be treated reserves and shown in sections (iv) and (v) of this Part of the return. Any other reserve the nomenclature of which as shown in the audited balance sheet indicates that it has been set apart for a specified purpose should not be taken into account norwithstanding the actual purpose for which it has been created, The following reserves are generally treated free reserves:

 - (i) General Reserve (ii) Capital Reserve (iii) Capital Redemption Reserve
 - (iv) Contingency Reserve
 - (v) Statutory Development Rebate Reserve or Development Allowance Reserve

 - (vi) Balance in share-premium account (vii) Surplus which is in the nature of general reserve
- 13. A list containing the names and the official designations of the Principal Officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the Reserve Bank of India as required in paragraph 13(2)(i) of the Notification.
- 14. In the absence of any indication to the contrary, the definitions in the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966, so fur as they are relevant, will be applicable.
- 15. The return should be signed by the Manager (as defined in section 2 of the Companies Act 1956) and if there is no such Manager, by the Managing Director or official of the company who has been duly authorised by the Board of Directors and whose specimen signature has been furnished to the Reserve Bank for the purpose. In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.
- 16. In case there is nothing to report in any Section/Part of the return, it should be marked "Nil" and the Manager's/ Managing Director's/Authorised Official's Certificate appended thereto should be duly signed,

Section (i)

	Deposits, etc. outstanding As on the	31st March 197	
Code No.	Types of deposits, exempted borrowings and receipts/	No. of accounts	Amounts (in thou sands of rupees
(1)	(2)	(3)	(4)
1 (a) 2 (b) 3 (c)	Posits of the kinds referred to in paragraphs 3(1) (d) and 3(1) (d) (i) of the Notification: Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers/ Unsecured debentures Deposits including unsecured loans received from members* (not being members of a private limited company) Deposits including unsecured loans guaranteed by directors in their personal capacity/		
5 (e)) Total $(a+b+c+d)$		
6 (f)	Deposits of the kind referred to in paragraph *3 (1) (d) (ii) of the Notification:) Fixed deposits) Deposits received from associate members£) Any other ceposits		
8 (h) Total (f+g)		
9 (i)	Total of (l) (H)		,

- to (xiii) of the Notification):
- (j) Money received from former managing agents or secretaries and treasurers, if 10 any
- (k) Money received from directors** 11
- (1) Money received from members ** in the case of a private limited company/ 12
- 13 (m) Security deposits from employees

1

14 15

16 17 18

	, 	<u></u>		<u></u> :
2	3	4	5	6
 Money received from purchasing, selling or business Money received from joint stock companie group) Secured borrowings and borrowings from ban Money received from foreign sources Other exempted borrowings and receipts not c 	es (including companies in thacks and other specified insti	ne same		
) Total (j to r)				

20 IV. Total of I, II and III above

£Applicable in the case of mutual benefit financial companies only.

nerical of Dunavits, etc.

As on the 31st March, 197

period of Deposits, etc.		• •	As or	the 31st Ma	rch, 197 .
Types of deposits, exempted borrowings and receipts	Code No.	ings and receip	ts (Please see	No. of accounts	Amount in thousands of rupees
2		3	4	5	6
by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured debentures, deposits including unsecured loans from		2 Repayable after or more but less repayable after or more but repayable after or more but repayable after or more	less than 3 months or a period of 3 months or a period of 6 months or a period of 12 months or a period of 12 months or a period of 24 month or a period of 24 month or a period of 36 months or a period of 36 month or a period of 36 month or a period of 60 month or a period of 60 month	oths oths ths s ths ths ths	
Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits	9 10 11 12 13	Overdue and/or Repayable on dor otherwise is other than the Code No. 9 Repayable after a or more but Repayable after a or more but Repayable after a or more but I	unclaimed emand or on notice h less than 6 months se mentioned agains above a period of 6 months less than 12 months less than 24 months period of 24 months period of 36 months period of 36 months period of 36 months period of 36 months	2	
Exempted borrowings and receipts not counting as deposits <i>i.e.</i> , from members in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits, purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and receipts.	17 18 19	Repayable on der otherwise in la Repayable, by after a period but less than Repayable, by after a period more but less Repayable, by after a period	mand or on notice or less than 6 months notice or otherwise of 6 months or more 12 months notice or otherwise, of 12 months or than 24 months notice or otherwise, of 24 months or		
	Types of deposits, exempted borrowings and receipts 2 Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured debentures deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors. Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits Exempted borrowings and receipts not counting as deposits i.e. from members in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits, purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and	Types of deposits, exempted borrowings and receipts 2 Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors. 8 Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits 10 11 12 13 14 15 Exempted borrowings and receipts not counting as deposits i.e. from members in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits, purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and receipts.	Types of deposits, exempted borrowings and receipts 2 Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors. 1 Repayable after or more but 1 Repayable after a or more but 1 Repayable after a or more but 1 Repayable after a period of the visits in payable after a period or more but 1 Repayable after a period of the visits in payable after a period or more but 1 Repayable after a period of the visits in payable after a period or more but 1 Repayable after a period of the visits in payable after a period or more but 1 Repayable after a period of the visits in payable after a period or more but 1 Repayable after a period or m	Types of deposits, exempted borrowings and receipts 2 Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or sceretaries and treasurers, if any, unsecured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors. 1 Repayable on demand or on notice or or more but less than 6 months are payable after a period of 3 mon or more but less than 12 months are posits 1 Repayable after a period of 3 mon or more but less than 24 month are posits 2 Repayable after a period of 24 month are posits 3 Repayable after a period of 60 mon or more but less than 60 month are posits 4 Repayable after a period of 60 mon or more but less than 60 month are posits 5 Repayable on demand or on notice or otherwise in less than 60 month are posits 6 Repayable of deposits, exempted borrowings and receipts not counting as deposits including unsecured debentures, and treasurers, if any, unsecured debentures, and it is a private prior of 12 months or more but less than 6 months or mo	Types of deposits, exempted borrowings and receipts of deposits, exempted borrowings and receipts (Please see Instruction No. 10) 2 3 4 5 Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits including unsecured loans from members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors. 2 Repayable after a period of 3 months or more but less than 12 months 3 Repayable after a period of 6 months or more but less than 12 months 4 Repayable after a period of 6 months or more but less than 24 months 5 Repayable after a period of 6 months or more but less than 12 months or more but less than 12 months or more but less than 6 months or more but less than 6 months or more but less than 12 months or more but less than 6 months or more but less than 12 months o

^{*}The expression "member" used here means a person who is registered as a holder of shares in the company,

^{**}Please note that the money received from such person out of the funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person is not exempted [vide paragraph 2(1)(f) (ix) of the Notification). A declaration from him to this effect should have been obtained by the company before including his money in this category.

as deposits *i.e.*, from members in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits and purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companles and all other exempted borrowings and receipts

Total of I, II and III

17

More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more Total of 15 to

Note:

(i) The totals of Code Nos. 7, 14 and 21 should tally with those of Code Nos. 5, 8 and 19 of section (i) respectively. (ii) The total of item IV in section (iii) must tally with that of item IV of section (i). Section (iv)

Statement showing the position of deposits vis-a-vis ceilings
(A) Deposits of the kinds referred to in paragraphs 3 (1) (d) and 3 (1) (d) (i) of the Notification and the prescribed ceiling.

(Amounts in thousands of rupees) Ceiling (i.e. 25% of the Position as at the Total deposits Owned funds Excess *Please state whether of the kinds close of deposits. the excess depo-Paid-up Free Balance referred to Net owned business on if any sits have been adnet owned over the justed as per paragraph 4(1) of the Notification. If above i.e. capital Reserves of loss. funds total of Code (3+4)funds) if anv ceiling No. 5 in section (i) not, reasons non-complifor ance should be stated. 2 3 6 8 9

31st December

1971

0000 TV

31st March 1973

31st March 1974

31st March

Note: *At least one-third of the excess deposits as on 31-12-1971 has to be reduced before 1-4-1973, another one-third of the excess as on 31-12-1971 before 1-4-1974 and the balance, if any, of the said excess before 1-4-1975.

(B) Deposits of the kind referred to in paragraph 3 (1) (d) (ii) of the Notification and the ceiling.

Position as on 31st March 197 (i.e. the date of the return)

789

Total deposits of the kind referred to above i.e. total of code No. 8 in section (i)	Ceiling (i.e. 25% of the net owned funds)	Excess deposits if any, over the ceiling (1)—(2)	Remarks
1	2	3	4

Section (v)

Statement showing the regularisation of deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(1) (d) and 3(1)(d) (i) of the Notification, repayable on demand or on notice or after a period of less than 6 months.

(Amounts in thousands of rupees)

Position as at the close of business on	Total amount of deposits of the above kinds [i.e. total of code Nos. 1 & 2 of section (ii)]	25% of the net owned funds vide column 7 of Section (iv) A	*Please state whether such deposits have been regularised as per paragraph 4 (3) of the Notification. If not, reasons for non-compliance should be stated.
1	2	3	4

31st March 1973

31st March 1974

31st March 1975

Note: *(i) If the total amount of irregular deposits is not in excess of 25% of the company's owned funds, such deposits should be regular larised before 1-4-1973,

(11) If the total amount of irregular deposits is in excess of 25% of the company's owned funds, it should be regularised in the following manner: (a) at least such deposits equal to 25% of the net owned funds before 1-4-1973, (b) at least one-half of the balance before 1-4-1974 and (c) the remaining portion before 1-4-1975.

Section (vi)

Comparative position of the company as per its audited balance sheet as at the date nearest to the date of this retrun.

(Amounts in thousands of rupces)

Particulars	Position as per the balance sheet as at	Position as per the return as on 31-3-197	Reasons for variations, if any, may broadly be stated
1	2	3	4

∧—Liabilities

- 1. Paid-up capital
- 2. Free Reserves
- 3. Balance of loss, if any
- 4. Deposits*
- 5. Exempted borrowings/receipts

B-Assets

- 6. Loan and advances
- 7. Investments in shares, debentures and other securities (Book value)
- 8. Hire-purchase advances
- 9. Loans for financing the purchase of land or houses
- 10. Main source of income (with particulars)
- *Maximum aggregate of deposits during the year ended March 31, 197, and the relevant date may be stated below
 - (1) Maximum amount of deposits during the year (in thousands of rupces)
- (ii) Date on which the above maximum was accounted
- @The total of Code No. 9 in section (i) should be shown here.
- £The total of Code No. 19 in section (i) should be shown here.

 *Manager's/Managing Director's/ Authorised Official's

Cortificate: (1) Certified that the deposits as reported in this Part of the return have been received or renewed for meeting the genuine

business requirements of the company.

(2) Certified that declarations have been obtained, in writing, as required in terms of the proviso to paragraph 2(1) (f) (ix) of the Notification from the directors and members **that the money has not been given by them to the company out of the funds acquired by them by borrowing or accepting deposits from another person.

(3) Certified that the company has complied with the provisions of paragraph 5(1) of the Notification while soliciting deposits

(4) Cortified that deposits have been accepted, renewed or converted on or after the 1st January 1973 in the manner prescribed in sub-paragraph 2 of paragraph 5 of the Notification.

(5) Certified that the company has complied with the requirements of paragraph 6 of the Notification.

(6) Certified that the Registers of deposits are being maintained on the lines indicated in paragraph 7 of the Notification. (7) Certified that the particulars/information furnished in this Part of the return have been verified and found to be correct and complete in all respects.

(Strike off whatever certificate is not applicable)

Date :

Signature of *Manager/Managing Director/ Authorised Official:

Name: Designation:

Enclosures to the return

The following documents should be submitted along with the return in case they have not already been sent. Please tick in the box against the item for the decument enclosed and state the date of submission in other cases.

(1) A copy of the audited balance sheet and profit and loss account dated nearest to the date of this return

(2) Specimen signature card (Please see Instruction No. 15)	
(3) A copy of the application form referred to in sub-paragraph (2) of paragraph 5 of the Notification	
11011	
(4) A copy each of the advertisements, if any, issued during the year ended the 31st March 197	
(5) A list of officers and directors (Please see Instruction No. 13)	
	1

(Space for the use of the Reserve Bank of India)

Period	Status	Business	State	Coded to .
				Checked by :
				Punched by:
				Verified by :

*Strike off whatever is not applicable.
**Applicable in the case of private limited companies only.

PART II

Particulars of loans and advances and investments

(Please read the following Instructions carefully before filling in this Part of the Form)

INSTRUCTIONS

- 1. The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March, irrespective of the date of the financial year of the company
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reason such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of account of the company.
- 3. A group for the purpose of this return has the same meaning as in sub-section (11) of section 373 of the Companies Act, 1956.
- 4. Book debts are not to be shown in section (i) unless a transaction represented by the book debt was, from the very beginning, in the nature of a loan.
- 5. Under 'Others in (IV)(6) of section (i) separate details should be given in respect of parties to whom loans and advances in excess of 10% of the subscribed capital of the company have been granted and are outstanding.

- 6. Government securities for the purposes of this return are those which are included in the definition of a "Government Security" under Section 2(2) of the Public Debt Act, 1944.
- 7. In the case of any company which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, prize amounts due from prized chit subscribers and amounts invested in securities charged to Registrar of chits for the safe conduct of chit business are not required to be reported in this Part of the return
- 8. Details of all shares, debentures and other securities whether held on investment account or stock in trade should
- 9. Investments in shares and debentures of companies are to be grouped according to the principal business of the company concerned
- 10. The face value of partly paid shares should be the amount paid-up as on March 31 of the relevant year. In case amount paid-up as on March 31 of the felevant year. In case any shares are not quoted on Stock Exchange, the Value as certified by the Manager or Managing Director or any official authorised by the Board of Directors or any other competent authority should be included under the column 'Market Value'. The purchase cost or sale proceeds as shown in brokers' contracts (exclusive of transfer fees, stamp duty in the processes) should be included. Dangeriation allowed to and brokerage) should be indicated. Depreciation allowed to revaluation of investments made for the purpose of the balance sheet should not be adjusted but shown separately in a footnote at the end of the return,

Part III—Sec	c. 4] THE GAZETTE OF INDIA, MARCH 17,	1973 (PHALGUNA 26, 1894) 791
	LOANS AND ADVAN Section (i)	
Loans and adva (Classified by	nces Outstanding types of borrowers)	As on the 31st March 197
Code No.	Name of Party	Amounts in (thousands of rupecs)
Į.	Companies in the same group* 1. 2. 3. 4. ctc. Companies not in the same group* 1.	
	2. 3. 4. etc	
III. Total of co	ompanies (I+II)	
IV. Parties other	er than companies 1. Directors 2. Former Managing Agents and former Secretaries and 3. Members 4. Chief Executive Officer and other employees 5. Purchasing, Selling or other Agents 6. Others (Please see Instruction No. 5)	reasurers .
V. Total of 1	to 6	
VI. Grand Tot	tal (III+V)	
*Please mention not sufficient	n the names and amounts due from individual companies in the colur a separate sheet should be attached.	nns provided for the purpose. In case the space is
Classification of	Section (ii) f loans and advances outstanding by security	As on the 31st March 197
Code No.	Security	Amount (in thou- sands of rupces)
	1. Food Articles 1. Paddy and rice 2. Wheat 3. Other Cereals 4. Sugar 5. Gur 6. Vegetable Oils 7. All other articles II. Industrial Raw Materials 8. Groundnuts 9. Other Oilseeds 10. Cotton and Kapas 11. Raw Jute 12. All other industrial raw materials III. Plantation Products 13. Tea 14. Coffee, Cashewnuts and other plantation products IV. Manufactures and Minerals 15. Cotton textiles 16. Jute textiles 17. Other textiles 18. Coal 19. Iron and Steel and engineering products 20. All other manufactured goods V. Other Securities 21. Real Estate 22. Gold and silver bullion and ornaments 23. Fixed deposits in banks 24. Government and other trustee securities 25. Shares and debentures of Joint Stock Companies	
	26. All other secured loans and advances VI. Total of I to V	
	VII. Unsecured loans and advances	
`		
V	III. Total of VI and VII above B	

140

150 160

170

180

4. Non-ferrous Metals

7. Automobiles and ancillaries8. Electrical Machinery

6. Engineering

5. Electricity generation and .supply

1	2		_ _		3	4	5
190	9. Machinery other than t	ransport and electr	ical				
200	10. Transport equipment	. ш					
210	11. Chemicals:		•				
211	(a) Basic Industrial Cl		_				
212	(b) Pharmaceutical &	Medicinal prepa	rations				
213	(c) Other chemicals						
220 221	12. Mining: (a) Coal mining						
222	(b) Other mining						
230	13. Paper and Paper pro	ducts					
240	14. Cement						
250	15. Mineral Oil						
260	16. Matches						
270	17. Plantation:						
271 272	(a) Tea						
273	(b) Coffee (c) Rubber						
274	(d) Others						
280	18. Financial Companies :						
281	(a) Banks						
282	(b) Insurance Compani	es					
283	(c) Investment Trusts						
284	(d) Others						
290	19. Trading						
300 310	20. Shipping and other 21. Construction	transport					
310	21A. Any other Companies						
	•				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
320	22. Total of A						
Code No.	B. Investments in Governmen	t and other Trustee	securites		ri)	Amount thousands	
					*Face value	*Book value	*Market value
401	(i) Central Governme	nt loans					
402	(ii) State Government	loans					
403 404	(iii) Government Saving (iv) Municipal loans	s or Annuity Certi and debentures	ucates and other obli	igations			
405	(v) Port Trust loans						
406	(vi) Others						
410	Total of B						
5 0 0			1 1 1 1				
500	C. Other investments (such as Unit Trust of India)	fixed deposits with	i banks and investmen	nts in units of th	ıc		
(00							
600	Total of A-1-B+C						
	ad Instruction No. 10 of Part	11.		G. wic 1	ot 4 de . C		4 - 1
Authorise	s/Managing Director's/ d Official's Certificate:			and ac in Sect and fo	ivances an tions (i) to	gures relatir d investmer (v) have b correct an	its reported een verified
		Signature of	*Managor/	201			
		Managing Dire	etor/				
		Authorised Office	cial:				
		Name:					
Date :		Designation:					
Date:	f whatever is not applicable	(Space for the	ase of the Reserve B	ank of India)			
Period	Status	Business	State	Coded by	v		
				—— Checked			
				Punched			
				Verified	by		

PART III

Particulars of hire-purchase business

(Please read the following Instructions carefully before fillling in this Part of the Form).

INSTRUCTIONS

- 1. The returns in section (ii) of this Part should be sub-1. The returns in section (ii) of this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March, In case the company's financial year is different, the returns in Section (ii) only should be filed with reference to the financial year of the company ending on a date nearest to the 31st March, the two half-year periods within that year being deemed to be the first six months and the second six months (or the half-year period as defined in the directions). Thus a company which is required to submit its return as on the 31st March 1973 and whose financial year ends on the 31st December 1973 should compile this section only with reference to its above financial year (being the date nearest the 31st March 1973) and not to 31st March 1973. Further the outstanding credit at the end of the current year and provious were should relate to the position as on the 31st the outstanding credit at the end of the current year and previous year should relate to the position as on the 31st December 1972 and 31st December 1971 instead of 31st March 1973 and 31st March 1972 respectively and the new credit sanctioned should cover the entire period from the 1st January 1972 to 31st December 1972. Instalments received during the two half-years should relate to the position as on the 30th June 1972 and 31st December 1972.
- 2. Outstanding credit at the end of the current year should agree with the figure arrived at after deducting the instal-ments received during the two half-years from the outstanding credit at the end of the previous year plus new credit sanctioned during the current year.
- 3. Answers to the Questions at 1 to 7 in section (i) of this Part should be furnished in detail, when this return is submitted for the first time. Thereafter, only changes or additional information, if any, need be indicated
- 4. In the case of any company, which is required to subsubmit this return, but which carries on chit fund business, also is a foreman, hirepurchase transactions or loans, if any, which are treated as assets of the chit funds need not be included.

Section (i)

Questionnaire

(Please see Instruction No. 3 above)

(A) Questions

(B) Answers

2. Are you a subsidiary of any manufacturing company or otherwise affiliated to

manufacturing or trading establishment? If so, indicate very briefly the necessary details of such company.

- Mention the broad types of goods you deal with on a hire-purchase basis (e.g. automobiles, household durable goods, etc.)
 - (a) What is the usual flat rate of interest (per cent per annum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts?
 - (b) What is the true rate of interest** (per cent per annum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts?
 - (c) Do you disburse the hire-purchase credit as sanctioned without any reduction in adance on account of inte-
 - (d) At what intervals do you collect interest?
- 3. What are the main items of charges, besides interest, included in the hire-purchase sale price of the goods?

(Please send us a copy of the form of agreement made with hirers if it has not been furnished already).

- 5. On what basis do you fix the amount of down payment or cash deposit from the hirer? If it is a fixed percentage of the sale price of the goods in question, please state the percentage.
- Do you pay interest on the cash deposit or down payment taken from hirers? If so, please state the rate of interest (per cent per annum) allowed.
- 7. Besides capital and reserves and hirers' balances, what are the other sources of funds for your business?
- * Flat rate of interest means the rate of interest charged on the entire amount of the hire-puchase credit as sanctioned and not on the diminishing balances that remain due.
- ** True rate of interest means the rate of interest charged on the actual amount of the credit outstanding from time to time.

Section

(ii)

Hire-purchase Business for the year ended March 31, 197 (Please see Instruction No. 1)

Code No.	Goods on hire		sanctioned current year ch 31, 197	Outstanding credit at the end of the previous year ended March 31, 197	during the years of the	nts received two half- two half- e current March 31,	Outstanding credit at the end of the current year ended March 31, 197 (Please see Instruction No. 2)	
		Amount	Period of	Amount	Sept. 30	March 31	Amount	
			contract	•	Amount	Amount		
1	2	3	4	5	6	7	8	
01	(a) Automobiles: (i) Trucks and lorries							

02 03 04 (ii) Cars (iii) Scooters (iv) Others

(b) Household durables:

(i) Radio receivers(ii) Fans

(iii) Refrigerators

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	. (7	(8)
004	(lv) Sowing machin	es					
005 010 (c)	(ν) OthersAgricultural impleme	nts :					
	(tractors, bulldozers	s, etc.)					
020 (d) I	ndustrial machinery o ment for use in	r tools or equip- industry					
030 (e)	All others	12443123					
040	Total (a-1-b+c+d	 +e)					
**Manager's	/Managing	- 		Certified that t	he data relating to	hire-purchase	business of the
Director's	Authorised Certificate:			company s	hown under section and to be correct a	ons (i) and (ii)	have been veri-
Date :						f **Manager/	
Dato ,					Managing	- ,	
					Authorised	,	
	paragraph 11 of th				Name:		
**Strike off	whatever is not ap	•	for the	use of the Dece	Designa erve Bnak of India		
D. 1-4						.)	
Period	Status	Business		State	Coded by Checked by		
_					Punched by		
Confidential					— Verified by		FORM—RPF
Confidential					Verified by		
	(Ple	case see paragraph 13	of the No	tification No. DN	Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date	d the 29th Oct	ober 1966)
(To be filled	(Ple in by all housing fin	ance companies and by	of the No	tification No. DN benefit financial co	DULE BC 1/ED(S)-66 date	d the 29th Oct	ober 1966)
(To be filled	(Ple in by all housing fin		of the No	tification No. DN benefit financial co	DULE BC 1/ED(S)-66 date	d the 29th Oct	ober 1966)
(To be filled	(Ple in by all housing fin	ance companies and by nstruction of houses, in RESE	of the No y mutual cluding the	tification No. DN benefit financial cone acquisition or d	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying of cevelopment of plots	d the 29th Oct	ober 1966)
(To be filled	(Ple in by all housing fin	ance companies and by astruction of houses, in	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO	tification No. DN benefit financial co he acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKING (— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying of cevelopment of plots	d the 29th Oct	ober 1966)
(To be filled	(Ple in by all housing fin	ance companies and by nstruction of houses, in RESE	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO	tification No. DN benefit financial co he acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying of cevelopment of plots	d the 29th Oct	ober 1966)
(To be filled	in by all housing fin the acquisition or con	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC	tification No. DN benefit financial cone acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1 PART I	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying o levelopment of plots A COMPANIES	d the 29th Oct n as their print of land in con	ober 1966)
(To be filled financing of	(Plant) in by all housing find the acquisition or continuous for the acquisition of the a	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC	tification No. DN benefit financial cone acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1 PART I	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying o levelopment of plots A COMPANIES	d the 29th Oct n as their print of land in con	ober 1966)
(To be filled	in by all housing fin the acquisition or con	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC	tification No. DN benefit financial cone acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1 PART I	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying o levelopment of plots A COMPANIES	d the 29th Oct n as their print of land in con	ober 1966)
(To be filled financing of	(Plant) in by all housing find the acquisition or continuous for the acquisition of the a	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC	tification No. DN benefit financial cone acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1 PART I Companies as on	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying o evelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	in by all housing fin the acquisition or continuous final fi	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC	tification No. DN benefit financial cone acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1 PART I Companies as on	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying o evelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	(Ple in by all housing fin the acquisition or continuous final fin	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the office	of the November of the Novembe	tification No. DN benefit financial cone acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKUNG (CUTTA-1 PART I Companies as on	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying o evelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	(Planting in by all housing fin the acquisition or continuous final in the acquisition or continuous final in the acquisition or continuous final in the acquisition of the acquisition	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the office ainistrative office he company is registere	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC Finance	tification No. DN benefit financial content acquisition or default in the acquisition of the acquisiti	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date companies carrying o cevelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	(Ple in by all housing fin the acquisition or continuous final fin	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the office annistrative office he company is registere by public limited company	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC Finance	tification No. DN benefit financial content acquisition or default in the acquisition of the acquisiti	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date companies carrying o cevelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	(Ple in by all housing fin the acquisition or continuous final fin	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the office annistrative office he company is registere be public limited company a foreign company.	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC Finance	tification No. DN benefit financial content acquisition or de ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1 PART I Companies as on	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date companies carrying o cevelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	(Ple in by all housing fin the acquisition or continuous final fin	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the office hinistrative office he company is registere be public limited compara a foreign company.	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC Finance	tification No. DN benefit financial cone acquisition or d ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1 PART I Companies as on	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date companies carrying o ceelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	(Plein by all housing fin the acquisition or continuous fin the acquisition of the	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the office aninistrative office he company is registere be public limited compara a foreign company. of the company:	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC Finance	tification No. DN benefit financial cone acquisition or de ANK OF INDIA N-BANKING (CUTTA-1 PART I Companies as on	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date companies carrying o cevelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	(Ple in by all housing fin the acquisition or continuous fin the acquisition or continuous fine acquisition or continuous fine acquisition or continuous fine acquisition of (a) Registered (b) *Head/Adm (3) State in which the continuous fine acquisition of (b) Status*: Private of (5) Registration No. (6) Date of (a) Incorporation (b) Commencem (7) Financial year of (b) The continuous fine acquisition of (b) Commencem (7) Financial year of (c)	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing mpany the office hinistrative office he company is registere a foreign company. Of the company: In ent of business of the company	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC Finance	tification No. DN benefit financial content acquisition or de ANK OF INDIA N-BANKING CUTTA-1 PART I Companies as on	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date companies carrying o cevelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith
(To be filled financing of	(Please in by all housing fin the acquisition or continuous fin the acquisition or continuous fin the acquisition or continuous fin the acquisition of the the acquisitio	ance companies and by astruction of houses, in RESE DEPARTMENT Deposits with Housing ampany the office aninistrative office he company is registere a foreign company. of the company: n ent of business	of the No y mutual cluding the RVE BA OF NO CALC Finance ed: ny/branch address(e	tification No. DN benefit financial content acquisition or de ANK OF INDIA N-BANKING CUTTA-1 PART I Companies as on	— Verified by DULE BC 1/ED(S)-66 date ompanics carrying o evelopment of plots A COMPANIES the 31st March 197	d the 29th Oct n as their princ of land in con	ober 1966) cipal business the nection therewith

Instructions for filling in Part I of the Form

- 1. The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June reference to the company's position as on the 31st March trrespective of the date of the financial year of the company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figure available in the books of accounts of the company.
- 3, In the case of any company, which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, amounts received by way of subscriptions under the chit or kuri agreements will NOT be treated as a foreman, amounts received by way of subscriptions Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions,
- 4. Unsecured borrowings with certain exceptions mentioned in paragraph 2(1)(f) of Notification No. DNBC 1/ED(S)-66 dated the 29th October 1966 are treated as deposits. 18-509GI/72

- 5. Unsecured loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and teasurers, if any, are treated as deposits. The above unsecured loans, in order to qualify for the deposits of the kind referred to in paragraph 3(1)(d) of the Nitification and classify against code No. 1 of section (i) of this Part should fulfil the following norms:—
 - (a) they should be evidenced either by the execution of promissory notes by the borrowing company or by exchange of letters evidencing loans contracts.
 - (b) repayment of these loans should be guaranteed by the former managing agents or secretaries and teasurers, if any, of the company in their personal capacity, and
 - (c) these loans should be held in fixed loan accounts in the books of the company. Part repayments are permitted, but fresh amounts as loans should not be accepted in the same account.

- 6. The loans received from persons registered under any law relating to money lending which is for the time being in force are exempted from the term 'deposit' only if they fulfil the norms as indicated at (a) and (c) in Instruction No. 5 above.
- 7. The number of accounts should be given in figures while the amounts of deposits should be given in thousands of rupees. Amount should be rounded off to the nearest thousand and three zeros omitted. For example, an amount of Rs. 4,560 should be shown as 5 and not as 4.6
- 8. In section (iii) of this Part of the return brokerage paid for obtaining deposits should not be included in the rate of interest but should be indicated in a footnote at the end of the table.
- 9. Any money received which i_S specifically excluded from the term 'deposit' in sub-clauses (i) to (xiii) of paragraph 2(1)(f) of the Notification No. DNBC 1/ED(S)-66 dated the 29th October 1966 should be classified against different code Nos under item III in sections (i), (ii) and (iii) of this Part of the return.

Monies received in trust advances for supply of goods or services, security deposits received from contractors and other exempted receipts which cannot be classified against any of the code Nos. 10 to 17 in section (i) of this Part of the return may be shown against code No. 18 of same Section.

- 10. The periodwise classification of deposits reported in section (ii) of this Part of the return should be made against the various code Nos, under items I and II according to the periods for which they have been originally received/last renewed and not according to the periods they have to run as from the 31st March i.e. the date of the return. Amounts with no specified period of maturity or repayable in instalments should be shown against Code Nos. 1 and 10 under the above items respectively and the position explained sultably by footnotes,
- 11. Deposits and exempted borrowings and receipts bearing no interest should be classifled against Code Nos. 1, 8 and

- 15 under items I, II and III respectively, in section (ili) of this Part.
- 12. Only those reserves which are shown or published in the balance sheet of the company as being retained for any general or unspecified purpose should be treated as 'free reserves' and shown in sections (iv) and (v) of this Part of the return. Any other reserve the nomenclature of which as shown in the audited balance sheet indicates that it has been set apart for a specific purpose should not be taken into account notwithstanding the actual purpose for which it has been created. The following reserves are generally treated as free reserves :
 - (i) General Reserve
 - (ii) Capital Reserve
 - (iii) Capital Redemption Reserve
 - (iv) Contingency Reserve
 - (v) Statutory Development Rebate Reserve or Development Allowance Reserve
 - (vi) Balance in share premium account
 - (vii) Surplus which is in the nature of general reserve
- 13. A list containing the names and the official designations of the principal Officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the Reserve Bank of India as required in paragraph 13(2)(1) of the Notification.
- 14. In the absence of any indication to the contrary, the definitions in the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966, so far as they are relevant, will be
- 15. The return should be signed by the Manager (as defined in section 2 of the Companies Act 1956 and if there is no such Manager, by the Managing Director or any official of the company who has been duly authorised by the Board of Directors and whose specimen signature has been furnished to the Reserve Bank for the purpose. In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.
- 16. In case there is nothing to report in any Section/Part of the return, it should be marked "Nil" and the Manager's/Managing Director's/Authorised Official's Certificate appended thereto should be duly signed,

Section (i) Deposits, etc. outstanding

As on the 31st March 197

	Deposits, eyer emotioning		
Code No	Types of deposits, exempted borrowins and receipts	No, of accounts	Amounts (in thousands of rupees)
(1)	(2)	(3)	(4)
	Deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(1)(d) and 3(1)(d)(i) of the Notification:		
1	(a) Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers	ğ	
2	(b) Unsecured debentures		
3	(c) Deposits including unsecured loans received from members* (not being members of a private limited company)		
4	(d) Deposits including unsecured loans guaranteed by directors in their personal capacity		
. 5	(e) Total $(a+b+c+d)$		
П. Де	eposits of the kind referred to in paragraph 3(1)(d)(ii) of the Notification :		
6	(f) Fixed deposits (ff) Deposits received from associate members£		
7	(g) Any other deposits		
8	(h) Total $(f+g)$	<u>-</u>	
9	(1) Total of (1)+(11)		

III. Exempted borrowings & receipts not counting as deposits [vide paragraphs 2(1)(f)(i) to (xiii) of the Notification]

10 (f) Money received from former managing agents or secretaries and treasurers.

if anv

(r) Other exempted borrowings and receipts not counting as deposits

18 19

19 (s) Total (j to r)
20 IV. Total of I, II and III above

*The expression "member" used here means a person who is registered as a holder of shares in the company.

**Please note that the money received from such person out of the funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person is not exempted (vide paragraph 2(1)(f)(ix) of the Notification). A declaration from him to this effect should have been obtained by the company before including his money in this category.

£Applicable in the case of mutual benefit financial companies only.

Section (ii) As on the 31st March 197 Period of Deposits, etc. Code No. Types of deposits, exempted borrowings and Code Period of deposits, exempted No. of accounts Amount (in receipts borrowings and receipts thousands of (Please see Instruction No. 10) rupees) (4)(5) (6) (1) (2)(3)Repayable on demand or on ٥ I. Deposits received in the form of loans notice or otherwise in less than 3 months guaranteed ormer managing and treasurers, if bу the former agents or secretaries. any, unsecured debentures, deposits including 2 Repayable after a period of 3 unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed months or more but less than 6 months Repayable after a period of 6 months or more but less by directors. than 12 months. Repayable after a period of 12 months or more but less than 24 months. Repayable after a period of 24 months or more but less than 36 months Repayable after a period of 36 months or more but less than 60 months Repayable after a period of 60 months or more 8 Total of 1 to 7 [Sec Note No. Overdue and/or unclaimed II. Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits. Repayable on demand or on notice or otherwise in less than 6 months other than those mentioned against Code No. 9 above 11 Repayable after a period of 6 months or more but less than 12 months 12 Repayable after a period of 12 months or more but less than 24 months Repayable after a period of 24 months or more but less than 36 months Repayable after a period of 36 months or more but

less than 60 months
15 Repayable after a period of
60 months or more

Note: (1) The totals of Code Nos. 7, 14 and 21 should tally with those of Code Nos. 5, 8 and 19 of section (i) respectively.

and below

21 Total of 15 to 20

16

More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more

(ii) The total of item IV in section (iii) must tally with that of item IV of section (i).

000 III. Exempted borrowings and receipts not counting as

rowings and receipts.

0000 IV. Total of I, II and III

deposits i.e. from members in the case of private

limited companies or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits and purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted bor-

Section (iv)

Statement showing the regularisation of deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(1) (d) and 3(1) (d) (i) of the Notification, repayable on demand or on notice or after a period of less than 6 months.

(Amount in thousands of rupees)

Position as at the close of business Total of amount deposits of the 25% of the net owned funds *Please state whether such deposits have been regularised as per paragraph 4(3) of the (net owned funds mean paid-up above kinds (i.e. total of code Nos. 12 2 of section (ii) Capital plus free reserves minus balance of loss, if any) Notification. If not, reasons for non-compliance should be stated. 1 2 3 4 31st December 1971 March 1973 March 1974 31st March 1975

Note: *(i) If the total amount of irregular deposits is not in excess of 25% of the company's owned funds, such deposits should be regularised before 1-4-1973.

(ii) If the total amount of irregular deposits is in excess of 25% of the company's owned funds, it should be regularised in the following manner: (a) at least such deposits equal to 25% of the net owned funds before 1-4-1973, (b) at least one-half of the balance before 1-4-1974 and (c) the remaining portion before 1-4-1975.

Section Comparative position of the company as per its audited balance sheet as at the date nearest to the date of this return.

(Amount in thousands of rupees) Particulars Position as per the balance Position as per the return Reasons for variations, if any, as on 31-3-197 . may broadly sheet as at......... be stated 1 4

A. Liabilities

- 1. Paid-up capital
- 2. Free Reserves
- 3. Balance of loss, if any
- Deposits*
- 5. Exempted borrowings/ receipts

B. Assets

- 6. Loan and advances
- 7. Investments in shares, debentures and other securities (Book value)
- 8. Hire-purchase advances
- 9. Loans for financing the purchase of land or houses
- 10. Main source of income (with particulars)
- *Maximum aggregate of deposits during the year ended March 31, 197, and the relevant date may be stated below
- (i) Maximum amount of deposits during the year (in thousands of rupees)
- (ii) Date on which the above maximum was accounted
- @The total of Code No. 9 in section (i) should be shown here. £The total of Code No. 19 in section (i) should be shown here.
- *Manager's/Managing Director's/

Authorised Official's

- Certificate: 1) Certified that the deposits as reported in this Part of the return have been received or renewed for meeting the genuine business requirements of the company.
 - 2) Certified that declarations have been obtained, in writing, as required in terms of the proviso to paragraph 2(1) (f) (ix) of the Notification from the directors and members **that the money has not been given by them to the company out of the funds acquired by them by borrowing or accepting deposits from another person.

(a)

£

- 3) Certified that the company has complied with the provisions of paragraph 5(1) of the Notification while soliciting
- 4) Certified that deposits have been accepted renewed, or converted on or after the 1st January 1973 in the manner prescribed in sub-paragraph 2 of paragraph 5 of the Notification.
- 5) Certified that the company has complied with the requirements of paragraph 6 of the Notification.
- 6) Certified that the Registers of deposits are being maintained on the lines indicated in paragraph 7 of the Notification.
- 7) Certified that the particulars/information furnished in this Part of the return have been verified and found to be correct and complete in all respects.

(Strike off whatever certificate is not applicable)
Signature of *Manager/Managing Director/
Authorised Official: Name:

Designation:

Date:

against the item for	cuments should be the document enc	e submitted alongwith th losed and state the date e sheet and profit and lo	of submission in	other cases.		ase tick in the box
(2) Specimen s	ignature card (Plea	se see Instruction No. 15)			
(3) A copy of cation	the application for	n referred to in sub-para	graph (2) of parag	raph 5 of the No	tifi-	
(4) A copy eac 197	ch of the advertises	ments, if any issued dur	ing the year ended	the 31st March		
(5) A list of of	ficers and directors	(Please see Instruction N	No. 13))	
	(S	pace for the use of the R	eserve Bank of Inc	lia)	J	<u> </u>
Pe riod	Status	Business	State	Coded	l by	
				Checke Punche Verifie	ed by : ed by :	
*Strike off whatever		ed companies only.				
position may be indicated (A) Questions 1. Apart from interfees, e.g. for the interfees, e.g. for the interfees and a cate briefly the number of the loan as sanctioned, is 4. What (a) primary what is the usual property, which yet in the control of the loan as sanctioned, is	est charges, do you nvestigation of title architect's fees or consture of these charges in the son the due date my commitment fee not utilised in time and (b) collateral or commonest my our retain before a few your standard for	So Que lin detail when this ret as been no change in the cut levy or collect any control of the expenses? If so, it is control of the expenses? If so, it is control of the expenses, in case of the by the borrower? If securities do you take argin on the value of Janctioning a Joan? Perm of Joan contract.	e position as last re (B) Answers other luty, indi- pay- oan, and and/ lease extion (ii)	tted for the first ported, this may	be specifically state	, any changes in d.) 31st March 197
Code No.				No. of accounts	Amount (in thousands of rupees)	Lowest and Highest rates of interest charged in the category.
U F F F N (2) Los U F F F F F F	nns to members Jpto Rs. 5,000 rom Rs. 5,001 to rom Rs. 10,001 rom Rs. 15,001 to rom Rs. 25,001 to rom Rs. 50,001 for than Rs. 1 ans to non-membe Jpto Rs. 5,000 rom Rs. 10,000 to rom Rs. 15,001 to rom Rs. 25,001 to rom Rs. 50,001 to rom Rs. 50,001 to rom Rs. 50,001 to fore than Rs. 1 tole of (1)	to Rs. 15,000 o Rs. 25,000 o Rs. 50,000 io Rs. 1,00,000 crs D Rs. 10,000 o Rs. 15,000 o Rs. 25,000 o Rs. 50,000 o Rs. 50,000 o Rs. 1,00,000 o Rs. 1,00,000				

Manager's/Managing Director's/
 Authorised Official's Certificate;

Certified that the data relating to housing finance business of the company shown under Sections (i) and (ii) have been verified and found to be correct and complete in all respects.

Signature of *Manager/Managing Director/Authorised Official:

Name:

Designation:

Date:

*Strike off whatever is not applicable. (Space for the use of the Reserve Bank of India)

Period	Status	Business	State	Coded by
				Checked by
				Punched by
		<u> </u>		Verified by

PART III

Particulars of loans and advances and investments

Please read the following Instructions carefully before filling
in this Part of the Form

Instructions

- 1. The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March, irrespective of the date of the financial year of the company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of account of the company.
- 3. A group for the purposes of this return has the same meaning as in sub-section (11) of section 373 of the Companies Act, 1956.

VI. Grand Total (III+V)

- 4. Book debts are not to be shown in section (i) unless a transaction represented by the book debt was, from the very beginning, in the nature of a loan.
- 5. Under 'Others' in (IV)(6) of section (i) separate details should be given in respect of parties to whom loans and advances in excess of 10% of the subscribed capital of the company have been granted and are outstanding.
- 6. Government securities for the purposes of this return are those which are included in the definition of a "Government Security" under Section 2(2) of the Public Debt Act, 1944.
- 7. In the case of any companies which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, prize amounts due from prized chit subscribers and amounts invested in securities charged to Registrar of chits for the safe conduct of chit business are not required to be reported in this Part of the return.
- 8. Details of all shares, debentures and other securities whether held on investment account or stock in trade should be given.

Section (i)

Loans and advances Outstanding

As on the 31st March 197

(Classified by types of borrowers) Code No. Name of Party Amount (in thousands rupees) I. Companies in the same group* 1. 2. 3. 4 etc. II. Companies not in the same group* 1. 2, 3 4. etc. III. Total of companies $(I+\Pi)$ IV. Parties other than companies 1. Directors 2. Former Managing Agents and former Secretaries and Treasurers 3. Members 4. Chief Executive Officer and other employees 5. Purchasing, Selling or other Agents 6. Others (Please see Instruction No.5) V. Total of 1 to 6

^{*}Please mention the names and amounts due from individual companies in the columns provided for the purpose. (In case the space is not sufficient a separate sheet should be attached,

			Section (ii)			
Investmen (Classifico	nt outstanding d by status of companies, i.e. in the sar	ne group or no	ot in the same group).	As on	the 31st	March 197
Code No	Particulars				(in	Amount thousands of rupees)
	I. Companies in the same group	*				
	1. 2. 3. 4. otc.					
	II. Companies not in the same g 1. 2. 3. 4.	roup*				
	etc. III. Total of companies (I+II) IV. Govt. and other Trustee Sec V. Other investments (such as fixed		banks and investments in un	its of the Unit Tru	<u></u> st of	·
	India) VI. Grand Total (III-+IV+V)					<u> </u>
not suf £Please **Manas	mention the names and amounts invested ficient a separate sheet should be att indicate book value. ger's/Managing Director's/ rised Official's Certificate:	in individual c ached.	Certifled tha	vided for the purpo t the particulars of	of Ioans	and advances
				to be correct and o		
			ten i ir			
Date:	**Strike of (Space for th	whatever is use of the	Designation : not applicable. Reserve Bank of India)			
Date :	**Strike of (Space for th Status	whatever is e use of the Business	not applicable. Reserve Bank of India) State (Coded by Checked by Lunched by Levifled by		
Period	(Space for the	Business Paculars of (1) I i.e. (1) and (2)	not applicable. Reserve Bank of India) State (Fract IV Deposits and (2) Liquid Assorbelow, should contain the da	Checked by Punched by Perified by lets as at the end of e	ubmitted))
Period (Particulation)	(Space for the Status Partie ars relating to deposits and liquid assets,	Business Paculars of (1) I i.e. (1) and (2)	not applicable. Reserve Bank of India) State (Fract IV Deposits and (2) Liquid Assorbelow, should contain the da	Checked by Funched by Funched by Ferified by ets ta as at the end of e hich the return is (Amounts in the	ubmitted) thousands)
Period (Particul	(Space for the Status Partie ars relating to deposits and liquid assets,	Paculars of (1) I i.e. (1) and (2) 31st March of	not applicable. Reserve Bank of India) State C E Art IV Deposits and (2) Liquid Ass below, should contain the da the year, with reference to w	Checked by Punched by Perified by ets ta as at the end of e hich the return is s (Amounts in the	ubmitted) thousands Cu	of rupees)
Period (Particulation) Code No.	(Space for the Status Partians relating to deposits and liquid assets, of twelve months, ending on the (1) Deposits (as defined in paragraph 2 of the Notification) i.e. total of No. 9 of Section (i) of Part I	Paculars of (1) I i.e. (1) and (2) 31st March of	not applicable. Reserve Bank of India) State (Control of India) State (Control of India) Art IV Deposits and (2) Liquid Associately, should contain the dathe year, with reference to we have a supplicable.	Checked by Punched by Perified by ets ta as at the end of e hich the return is s (Amounts in the	ubmitted) thousands Cu	of rupees)
Period (Particulation) Code No.	(Space for the Status Partial	Paulars of (1) I i.e. (1) and (2) 31st March of April March of Code	not applicable. Reserve Bank of India) State (Control of India) State (Control of India) Art IV Deposits and (2) Liquid Associately, should contain the dathe year, with reference to we have a supplicable.	Checked by Punched by Perified by ets ta as at the end of e hich the return is s (Amounts in the	ubmitted) thousands Cu	of rupees)
Period (Particular Code No.	(Space for the Status Partial	Pagulars of (1) I i.e. (1) and (2) 31st March of April M. (1)(f) code	not applicable. Reserve Bank of India) State (Control of India) State (Control of India) Art IV Deposits and (2) Liquid Associately, should contain the dathe year, with reference to we have a supplicable.	Checked by Punched by Perified by ets ta as at the end of e hich the return is s (Amounts in the	ubmitted) thousands Cu	of rupees)
Period (Particular Code No. 001 1 2 3	(Space for the Status Particulars relating to deposits and liquid assets, of twelve months, ending on the of the Notification) i.e. total of No. 9 of Section (i) of Part I (2) *Liquid Assets: (a) in cash (b) in Current or any other deaccount with scheduled banks any charge or lien (c) in unencumbered securities of Central Government or the Governments or in other uner bered securities in which a Total Contral Covernment or the Governments or in other uner bered securities in which a Total Covernment or the Governments or in other uner bered securities in which a Total Covernment or the Governments or in other uner bered securities in which a Total Covernment or the Governments or in other uner bered securities in which a Total Covernment or the Government or the Government or in other uner bered securities in which a Total Covernment or the Government or the Gov	Pagulars of (1) I i.e. (1) and (2) 31st March of April M. (1)(f) code	not applicable. Reserve Bank of India) State (India) State (India) State (India) Art IV Deposits and (2) Liquid Association the dathe year, with reference to where the previous year of the previous year of the previous year of the previous year. Certified the previous of the previous year of the previous year of the previous year.	checked by funched by verified be verified at the figures rete been verified an	ubmitted; housands Cu . January	deposits and to be correct

^{*}Please see paragraph 10 of the Notification, *Strike off whatever is not applicable.

Confidential

FIFTH SCHEDULE

FORM-MF

(Please see paragraph 13 of the Notification No. DNBC 1/ED(S)-66 dated the 29th October 1966) (This form is to be filled in by all miscellaneous financial companies and all mutual benefit financial companies other than those submitting returns in the First, Second, Third or Fourth Schedule).

RESERVE BANK OF INDIA DEPARTMENT OF NON-BANKING COMPANIES CALCUTTA-1

PART 1

Code No.		Deposits with miscellaneous fina Name of the company Full address of the	ncial companies as on the 31st March 197
		(a) Registered office	
			.,,,,
		/TN#TT 1/A 3 * * *	
		(b)*Head/Administrative office	***************************************
		State in which the company is registered:	
	(4)	Status*: Private/Public limited company/branch of a foreign company,	·
	(5)	Registration No. of the company	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
	(6)	Date of	
	` '	(a) Incorporation	
		(b) Commencement of business	
	(7)	Financial year of the company	
	(8)	Name of the company's banker(s) and address(es) *Strike off whatever is not a	pplicable.

Note: The return, after compilation, should be sent to the Chief Officer, Department of Non-Banking Companies, Reserve Bank of India, 15, Netaji Subhas Road, Post Box No. 571, Calcutta-1.

Instructions for filling in Part 1 of the Form

The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's posi-tion as on the 31st March irrespective of the date of the financial year of the company.

- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of account of the company.
- 3. In the case of any company, which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, amounts received by way of subscriptions under the chit or kuri agreements will NOT be treated as deposits vide clause (vii) of paragraph 2(1)(f) of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966.
- 4. Unsecured borrowings with certain exceptions mentioned in paragarph 2(1)(f) of Notification No. DNBC 1(ED(S)-66 dated the 29 October 1966 are treated as deposits.
- 5. Unsecured loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, are treated as deposits. The above unsecured loans, in order to qualify for the deposits of the kind referred to in paragraph 3(1)(d) of the Notification and classify against code No. I of section of this Part should fulfil the following norms:
 - (a) they should be evidenced either by the execution of promissory notes by the borrowing company or by exchange of letters evidencing loan contracts,
 - (b) repayment of these loans should be guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, of the company in their personal capacity, and
 - (c) these loans should be held in fixed loan accounts in the books of the company. Part repayments are permitted, but fresh amounts as loans should not be accepted in the same account.

In case an unsecured loan of the type mentioned above does not fulfil any of the above three norms, it should be treated as deposit of the kind referred to in paragraph 3(1) (d)(ii) of the Notification and should, therefore, be classified against code No. 6 or 7, as the case may be, in section (i)

6. The loans received from person registered under any law relating to moneylending which is for the time being in force are exempted from the term 'deposit' only if they fulfil the norms as indicated at (a) and (c) in Instruction No. 5 above.

19-509GI/72

- 7. The number of accounts should be given in actual figures while the amounts of deposits should be given in thousands of rupees. Amounts should be rounded off to the nearest thousand and three zeros omitted. For example, an amount of Rs. 4,560 should be shown as 5 and not as 4.6 or 6000.
- 8. In section (iii) of this Pat of the return brokerage paid for obtaining deposits should not be included in the rate of interest but should be indicated in a footnote at the end of the table.
- 9. Any money received which is specifically excluded from the term 'deposit' in sub-clauses (i) to (xiii) of paragraph 2(1)(f) of the Notification No. DNBC1/ED(S)-66 dated the 29th October 1966 should be classified against different code Nos. under item III in sections (i), (ii) and (iii) of this Part of the return.

Monies received in trust, advances for supply of goods or services, security deposits received from contractors and other exempted receipts which cannot be classified against any of the code Nos. 10 to 17 in section (i) of this Part of the return may be shown against code No. 18 of same section.

- 10. The periodwise classification of deposits repoted section (ii) of this Part of the return should be made against the various code Nos, under item I & JI according to the periods for which they have been originally received /last renew. ed and not according to the periods they have to run as from the 31st March i.e. the date of the return. Amounts with no specified period of maturity or repayable in instalments should be shown against Code Nos. 1 and 10 under the above items respectively and the position explained suitably by footnotes.
- 11. Deposits and exempted borrowings and receipts bearing no interest should be classified against Code Nos. 1, 8 and 15 under items I, II and III respectively in section (iii) of this Part
- 12. Only those reserves which are shown or published in the balance sheet of the company as being retained for any general or unspecified purpose should be treated as 'free reserves' and shown in section (iv) and (vi) of this Part of the return. Any other reserve the nomenclature of which as shown in the audited balance sheet indicates that it has been set apart for a specific purpose should not be taken into account notwithstanding the actual purpose for which it has been created. The following reserves are generally treated as free reserves:
 - (i) General Reserve
 - (ii) Capital Reserve
 - (iii) Capital Redemption Reserve
 - (iv) Contingency Reserve

- (v) Statutory Development Rebate Reserve or Development Allowance Reserve,
- (vi) Balance in share-premium account.
- (vii) Surplus which is in the nature of general reserve.
- 13. A list containing the names and the official designations of the principal Officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the Reserve Bank of India as required in paragraph 13(2)(i) of the Notification.
- 14. In the absence of any indication to the contrary, the definitions in the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966, so far as they are relevant, will be applicable.
- 15. The return should be signed by the Manager (as defined in section 2 of the Companies Act 1956) and if there; is no such Manager, by the Managing Director or any official of the company who has been duly authorised by the Board of Directors and whose specimen signature has been furnished to the Reserve Bank for the purpose, In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.
- 16. In case there is nothing to report in any Section/Part of the return, it should be marked "Nil" and the Manager's/Managing Director's/Authorised Official's Certificate appended thereto should be duly signed.

Section (i)

Deposits, et	Deposits, etc. outstanding		on	the 31st	March 19	
Code No.	Types of deposits, exempted borrowings and receipts	No.	of	accounts	Amoun thousan rupe	ds o
1	 I. Deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(1)(d) and 3(1)(d)(i) of the Notification. (a) Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers 					
2	(b) Unsecured debentures					
3	(c) Deposits including unsecured loans received from members* (not being members of a private limited company)	3				
4	(d) Deposits including unsecured loans guaranteed by directors in their personal capacity					
5	(e) Total $(a+b+c+d)$					•
_	II. Deposits of the kind referred to in paragraph 3(1)(d)(ii) of the Notification:					
6	(f) Fixed deposits					
7	(ff) Deposits received from associate members£(g) Any other deposits					
8	(h) Total (f- -g)					
9	Total of $(I)+(II)$,		
	III. Exempted borrowings & receipts not counting as deposits (vide paragraphs 2(1)(f)(i) to (xiii) of the Notification)				_	
10	 (j) Money received from former managing agents or secretaries and treasurers, if any 					
11	(k) Money received from directors**					
12	(1) Money received from members** in the case of a private limited company					
13	(m) Security deposits from employees					
14	(n) Money received from purchasing, selling of other agents for the purposes of business					
15	(o) Money received from joint stock companies (including companies in the same group)					
16	 (p) Secured borrowings and borrowings from banks and other specified institutions 					
17	(q) Money received from foreign sources					
18	(r) Other exempted borrowings and receipts not counting as deposits					_
19	(s) Total (j to r)					
20	IV. Total of I, II and III above					

^{*}The expression "member" used here means a person who is registered as a holder of shares in the company.

^{**}Please note that the money received from such person out of the funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person is *not* exempted (vide paragraph 2(1)(f)(ix) of the Notification). A declaration from him to this effect should have been obtained by the company before including his money in this category.

[£]Applicable in the case of mutual benefit financial companies only.

			Sect	ion (ii)		
		Period of Deposits, etc.		As	on the 31st	March 197
Code	No.	Types of deposits, exempted borrowings and receipts	Code 1	No. Period of deposits, exempted borrowings and receipts (Please see Instruction No. 10)	No. of accounts	Amount (in thou- sands of rupees)
0	I.	Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any unsecured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors.	5	or otherwise in less than 3 months Repayable after a period of 3 months or more but less than 6 months Repayable after a period of 6 months or more but less than 12 months Repayable after a period of 12 months or more but less than 24 months Repayable after a period of 24 months or more but less than 36 months Repayable after a period of 36 months or more but less than 36 months or more but less than 60 months		
	n.	Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits.	9 10 11 12 13 14	Overdue and/or unclaimed Repayable on demand or on notice or otherwise in less than 6 months other than those mentioned against Code No. 9 above. Repayable after a period of 6 months or more but less than 12 months Repayable after a period of 12 months or more but less than 24 months Repayable after a period of 24 months or more but less than 36 months or more but less than 36 months Repayable after a period of 36 months or more but less than 60 months Repayable after a period of 60 months or more but less than 6 months Repayable after a period of 60 months or more		
QOO	ш.	Exempted borrowings and receipts not counting as deposits i.e. from members in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits, purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and receipts.	19 20 21	otherwise in less than 6 months Repayable, by notice or otherwise, after a period of 6 months or more but less than 12 months Repayable, by notice or otherwise, after a period of 12 months or more but less than 24 months Repayable, by notice or otherwise, after a period of 24 months or more but less than 36 months Repayable, by notice or otherwise, after a period of 36 months or more but less than 60 months Repayable, by notice or otherwise, after a period of 36 months or more but less than 60 months		
0000) (V.	Total of I, II and III (Sec 1)	Note N	Io. IV)		

Note: (i) The totals of Code No. 8 should tally with those of Code No. 5 of section (i).

⁽ii) The totals of Code No. 16 should tally with those of Code No. 8 of section (i).

⁽lii) The totals of Code No. 23 should tally with those of Code No. 19 of section (i).

⁽Iv) Total of Item IV of section (ii) should tally with the total of Item IV of section (i).

				on (III)	
		Rates of interest (exclusive of brokerage) on	Deposits,	etc.	As on 31st March 197
Code	No.	Types of deposits, exempted borrowings and receipts	Code No	o. Rate of interest	Amount (in thousand of rupees)
00	І.	Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors. Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits.	2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13	5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more Total of 1 to 6 5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more	
000	Ш.	Exempted borrowings and receipts not counting as deposits i.e. from members in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or secretarics and treasurers, if any, employees by way of security deposits and purchasing, selling or, other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and receipts.	16 17 18 19 20	5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more Total of 15 to 20	
0000	IV.	Total of I, II and III			

Note: (1) The totals of Code Nos. 7, 14 and 21 should tally with those of Code Nos. 5, 8 and 19 of section (i) respectively.

(11) The total of item IV in section (iii) must tally with that of item IV of section (i).

Section (iv)

Statement showing the position of deposits vis-a-vis ceilings

(A) Deposits of the kinds referred to in paragraphs 3 (1) (d) and 3(1)(d)(i) of the Notification and the prescribed coiling.

(Amounts in thousands of rupees)

Position as at	Total depo-	Owned funds			Ceiling	Excess deposits.	*Please state whether	
the close of business on	sits of the kinds refer- red to above i.e. total of Code No. 5 in section(i)	Paid-up capital	Free Reserves	Balance of loss, if any	Net owned funds (3+4)—5	(i.e. 25% of the net owned funds)	if any, over the celling (2—7)	the excess deposits have been adjusted as per paragraph 4 (1) of the Notification. If not, reasons for non-compliance should be stated.
1	2	3	4	5	6	7	8	9

31st Dec. 1971

31st Mar. 1973

31st Mar, 1974

31st Mar. 1975

Note: *At least one-third of the excess deposits as on 31-12-1971 has to be reduced before 1-4-1973, another one-third of the excess as on 31-12-1971 before 1-4-1974 and the balance, if any, of the said excess before 1-4-1975.

(B) Deposits of the kind referred to in paragraph 3(1)(d)(ii) of the Notification and the ceiling.

Position as on 31st March 197 (i.e., the date of the return)

Total deposits of the kind referred to above i.e. total of Code No. 8 in section (i)	Ceiling (i.e. 25% of the net owned funds)	Excess deposits, if any, over the ceiling (1)—(2)	Remarks
1	2	3	4
_ 			

Section (v)

Statement showing the regularisation of deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(1)(d) and 3(1)(d)(i) of the Notification, repayable on demand or on notice or after a period of less than 6 months.

(Amounts in thousands of rupecs)

Position as at the close of business on	Total amount of deposits of the above kinds (i.e. total of Code Nos. 1 & 2 of section (ii)	25% of the net owned funds vide column 7 of Section (iv)A	*Please state whether such deposits have been regularised as per paragraph 4(3) of the Notification. If not, reasons for non-compliance should be stated.
1	2	3	4
31st December 1971 31st March 1973 31st March 1974 31st March 1975			

Note: *(i) If the total amount of irregular deposits is not in excess of 25% of the company's owned funds, such deposits should be regularised before 1-4-1973,

(ii) If the total amount of irregular deposits is in excess of 25% of the company's owned funds, it should be regularised in the following manner: (a) at least such deposits equal to 25% of the net owned funds before 1-4-1973, (b) at least one-half of the balance before 1-4-1974 and (c) the remaining portion before 1-4-1975.

Section (vi)

Comparative position of the company as per its audited balance sheet as at the date nearest to the date of this return.

		(Ame	ounts in thousands of rupees)
Particulars	Position as per the balance sheet as at.	Position as per the return as on 31-3-197	Reasons for variations, if any, may broadly be stated
1	2	3	4
A—Liabilities			
1. Paid-up capital			
2. Free Reserves			
3. Balance of loss, if any			
4. Deposits*		@	
5. Exempted borrowings/receipts		£	
A-Assets			
6. Loan and advances			
7. Investments in shares, deben- tures and other securities			

- (Book value)
- 8. Hire-purchase advances
- 9. Loans for financing the purchase of land or houses
- 10. Main source of income (with particulars)
 - *Maximum aggregate of deposits during the year ended March 31, 197 date may be stated below:
 - (1) Maximum amount of deposits during the year (in thousands of rupees)
 - (ii) Date on which the above maximum was accounted
 - @The total of Code No. 9 in section (i) should be shown here. £The total of Code No. 19 in section (i) should be shown here.
 - *Manager's/Managing Director's/

Authorised Official's

Certificate:

- 1) Certified that the deposits as reported in this Part of the return have been received or renewed for meeting the genuine business requirements of the company.
- 2) Certified that declarations have been obtained, in writing, as required in terms of the proviso to paragraph 2(1) (f) (ix) of the Notification from the directors and members **that the money has not been given by them to the company out of the funds acquired by them by borrowing or accepting deposits from another person.
- 3) Certified that the company has complied with the provisions of paragraph 5(1) of the Notification while soliciting deposits.
- 4) Certified that deposits have been accepted, renewed or converted on or after the 1st January 1973 in the manner prescribed in sub-paragraph 2 of paragraph 5 of the Notification.
- 5) Certified that the company has complied with the requirements of paragraph 6 of the Notification,
- 6) Certified that the Registers of deposits are being maintained on the lines indicated in paragraph 7 of the Notification.
- 7) Certified that the particulars/information furnished in this Part of the return have been verified and found to be correct and complete in all respects.
 (Strike off whatever certificate is not applicable)

Date:

Signature of *Manager/Managing Director/ Authorised Official:

Name:

, and the relevant

Designation:

Enclosures	10	the	return	

	ving documents should be em for the document encl				een sent. Please tick in the box
	opy of the audited balanc this return	sheet and profit and lo	ss account dated near	rest to the date of	
(2) Spe	cimon signature card (Ple	ase see Instruction No.	. 15)		
	opy of the application for tification	n referred to in sub-para	graph (2) of paragrap	h 5 of the	
(4) A c	opy each of the advertisem	ents, if any, issued during	g the year ended the 3	Ist March 197	
(5) A 1	list of officers and direct	tors (Please see Instruc	etion No. 13)		
	(Space for the t	ise of the Reserve Ban	nk of India)		
Periods	Statu	Business	State		
				Coded by	:
				Checked b	y:
				Punched b	y;

PART III

Particulars of loans and advances and investments

(Please read the following Instructions carefully before filling in this Part of the Form)

INSTRUCTIONS

- 1. The return in this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March, irrespective of the date of the financial year of the company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of account of the company.
- 3. A group for the purposes oft his return has the same meaning as in sub-section (11) of section 373 of the Companies Act, 1956.
- 4. Book debts are not to be shown in section (i) unless a transaction represented by the book dobt was, from the very beginning, in the nature of a loan.
- 5. Under 'Others' in (IV)(6) of section (i) separate details should be given in respect of parties to whom loans and advances in excess of 10% of the subscribed capital of the company have been granted and are outstanding.

6. Government securities for the purposes of this return are those which are included in the definition of a "Government Security" under Section 2(2) of the Public Debt Act, 1944

Verified by:

- 7. In the case of any company which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, prize amounts due from prized chit subscribers and amounts invested in securities charged to Registrar of chits for the safe conduct of chit business are not required to be reported in this Part of the return.
- 8. Details of all shares, debentures and other securities whether held on investment account or stock in trade should be given.
- 9. Investments in shares and debentures of companies are to be grouped according to the principal business of the company concerned.
- 10. The face value of partly paid shares should be the amount paid-up as on March 31 of the relevant year. In case any shares are not quoted on Stock Exchange, the value as certified by the Manager or Managing Director or any official authorised by the Board of Directors or any other competent authority should be included under the column 'Market Value'. The purchase cost or sale proceeds as shown in brokers' contracts (exclusive of transfer fees, stamp duty and brokerage) should be indicated. Depreciation allowed or revaluation of investments made for the purpose of the halance sheet should not be adjusted but shown separately in a footnote at the end of the return.

^{*}Strike off whatever is not applicable.

^{**}Applicable in the case of private limited companies only.

	LOANS AND ADVANCES Section (i)	
Loans and (Classified	Advances Outstanding by types of borrowers)	As on the 31st March 197
Code No.	Name of Party	Amount (in thousands of runees)
	1. Companies in the same group* 1. 2 3 4 etc. M. Companies not in the same group* 1. 2. 3 4. etc.	
	III. Total of companies (I-I-II)	
	 Parties other than companies Directors Former Managing Agents and former Secretaries and Treasurers Members Chief Executive Officer and other employees Purchasing, Selling or other Agents Others (Please see Instruction (No. 5) 	
	V. Total of 1 to 6	
	VI. Grand Total (III+V)	
not suffic	ntion the names and amounts due from individual companies in the columns provide ient a separate sheet should be attached. Section (ii) on of loans and advances outstanding by security	As on the 31st March 197
Code No.	Security	Amount (in thousands of rupees)
	I. Food Articles 1. Paddy and rice 2. Wheat 3. Other Cereals 4. Sugar 5. Gur 6. Vegetable Oils 7. All other articles II. Industrial Raw Materials 8. Groundauts 9. Other Oilseeds 10. Cotton and Kapas 11. Raw Jute 12. All other industrial raw materials	
	 III. Plantation Products 13. Tea 14. Coffee. Cashewnuts and other plantation products 	
	IV. Manufactures and Minerals 15: Cotton textiles 16. Jute textiles 17. Other textiles 18. Coal 19. Iron and Steel and engineering products 20. All other manufactured goods	
	 V. Other Securities 21. Real Estate 22. Gold and silver bullion and ornaments 23. Fixed deposits in banks 24. Government and other trustee securities 25. Shares and debentures of Joint Stock Companies 26. All other secured loans and advances 	
	VI. Total of I to V	
	VII. Unsecured loans and advances	

VIII. Total of VI and VII above

Section (iii) Classification of loans and advances outstanding by purpose As on the 31st March 197 Code No. Purpose Amount (in thousands of rupees) I. Industry, i.e. to industrial concerns as defined in paragraph 2(1)(j) II. Commerce, i.e. wholesale trade, retail trade and movement or transport of crops and goods III. Agriculture, i.e. foodgrains, pulses and other agricultural commodities IV. Professional loans, i.e. loans for financing professional activities or business V. Personal loans VI. All other loans and advances VII, Total of I to VI Note: The total of item VIII in Section (ii) and item VII in Section (iii) should agree with item VI in Section (i). **INVESTMENTS** Section (iv) Investments outstanding (Classified by status of companies, i.e. in the same group or not in the same group). As on the 31st March 197 Code No. Particulars Amount (in thousands of rupees) I. Companies in the same group* 3, II. Companies not in the same group* 3. 4. etc. III. **Total of companies $(I+\Pi)$ IV. **Other investments (such as investments in Government and other Trustee Securities, fixed deposits with banks and investments in units of the Unit Trust of India) V. **Grand Total (III+IV) *Please mention the names and amounts invested in individual companies in the columns provided for the purpose. In case the space is not sufficient a separate sheet should be attached. **The totals of items III, IV & V in Section (iv) should tally with those of code Nos. 320, 410+500 and 600 respectively in section (v). Section Investments in shares, debentures and other securities outstanding As on the 31st March 197 A. Investments in shares and debentures of companies classified according to their Code No. Amount (in thousands of rupees principal business *Face *Book *Market value value value 1. Textiles: (a) Cotton Textiles 101 (b) Jute Textiles 102 103 (c) Silk, Rayon & other artificial fibres (d) Woollen Textiles 104 (e) Others 105 2. Sugar 120 3. Iron and Steel 130 4. Non-ferrous Metals 140 5. Electricity generation and supply 150 160 6. Engineering 7. Automobiles and ancillaries 170 8. Electrical Machinery 180 190 Machinery other Ithan transport and electrical 10. Transport equipment 200 11. Chemicals: 210 (a) Basic Industrial Chemicals 211 (b) Pharmaceutical & Medical preparations 212 (c) Other chemicals 213 12. Mining: 220 (a) Coal mining 221 (b) Other mining 222

· · - · - · · - · · - · · ·				
230 240 250 260 270 271 272 273 274	13. Paper and Paper products 14. Cement 15. Mineral Oil 16. Matches 17. Plantation: (a) Tea (b) Coffee (c) Rubber (d) Others			
280	18. Financial Companies:	• •		
281 282 283 284	(a) Banks (b) Iusurance Companies (c) Investment Trusts (d) Others	••		••
290	19. Trading			
300	20. Shipping and other transport			
310	21. Construction			
	21A. Any other Companies			
320	22. Total of A			
Code No.	B. Investments in Government and other Trustee securities	Amount	(in thousar	ids of rupees
		*Face value	*Book value	* Market value
401 402 403 404 405 406	(i) Central Government loans (ii) State Government loans (iii) Government Savings or Annuity Certificates and other obligation (iv) Municipal loans and debentures (v) Port Trust loans and debentures (vi) Others	ons		
410	Total of B			,
500	C. Other investments (such as fixed deposits with banks and investments in units of the Unit Trust of India)			
600	Total of A+B+C			
**Managers	d Instruction No. 10 of Part II. Managing Director's/ Official's Certificate: Signatures of **Manager/ Managing Director/ Authorised Official: Name: Designation: **Strike off whatever is not applicable (Space for the use of the Reserve Bank of India)	s reported i	in Sections (i)	ins and advance to (v) have bee complete in a

Period	Stams	Business	State	Coded by
				Checked by
				Punched by
				Verified by

PART III

Particula s of the convenience business. (Please read the following Instructions carefully before filling in this Part of the Form)

INSTRUCTIONS

1. The returns in section (ii) of this Part should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March. In case the company's financial year is different, the returns in Section (ii) only should be filed with reference to the financial year of the company ending on a date nearest to the 31st March the two half-year periods within that year being deemed to be the first six months and the second six months (or the half-year period as defined in the directions). Thus a company which is required to submit its return as on the 31st March 1972 and whose financial year ends on the 31st December 1972 should compile this section only with reference to its above financial year (being the date nearest to 20—509GI/72

the 31st March 1973) and not to 31st March 1973. Further the outstanding credit at the end of the current year and previous year should relate to the position as on the 31st December 1972 and 31st December 1971 instead of 31st March 1973 and 31st March 1972 respectively and the new credit sanctioned should cover the entire period from the 1st January 1972 to 31st December 1972. Instalments received during the two half-years should relate to the position as on 30th June 1972 and 31st December 1972.

- 2. Outstanding credit at the end of the current year should agree with the figure arrived at after deducting the instalments received during the two hal-years from the outstanding credit at the end of the previous year plus new credit sanctioned during the current year.
- 3. Answers to the Questions at 1 to 7 in section (i) of this Part should be furnished in detail, when this return is submitted for the first time. Thereafter, only changes or additional information, if any, need be indicated,

4. In the case of any company, which is required to submit this return, but which carries on chit fund business also as a foreman, hire-purchase transactions or loans, if any, which are treated as assets of the chit funds need not be included.

Section (1)

Questionnaire

(Please see Instruction No. 3 above)

(A) Questions

(B) Answers

- Are you a subsidiary of any manufactur-ing company or otherwise affiliated to any manufacturing or trading establishment? If so, indicate very briefly the necessary details of such company.
- 2. Mention the broad types of goods you deal with on a hire-purchase basis (e.g. automobiles, household durable goods, etc.)
- 3. (a) What is the usual flat rate of interest (per cent per annum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts 2
 - (b) What is the true rate of interest** (per cent per annum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts?
 - (c) Do you disburse the hire-purchase credit as sanctioned without any reduc-

tion in advance on account of interest? (d) At what intervals do wou interest ?

- 4. What are the main items of charges, besides interest, included in the chase sale price of the goods (Please send us a copy of the form of agreement made with hirers if it has not been furnished already),
- 5. On what basis do you fix the amount of down payment or cash deposit from the hirer? If it is a fixed percentage of the sale price of the goods in question, please state the percentage.
- 6. Do you pay interest on the cash deposit or down payment taken from hirers? If so, please state the rate of interest (per cent per annum) allowed,
- 7. Besides capital and reserves and hirers balances, what are the other sources of funds for your business ?
 - Flat rate of interest means the rate of interest charged on the entire amount of the hire-purchase credit as sanctioned and not on the diminishing balances that
- True rate of interest means the rate of interest charged on the actual amount of the credit outstanding from time to time.

Section (ii)

Hire-purchase Business for the year ended March 31, 1975 (Please see Instruction No. 1)

(Amounts in thousands of rupees) Goods on hire Code No. New credit sanc- Outstanding *Instalments tioned during the credit at ved during t Outstanding crereceicredit at the end ved during the two current year ended the end of March 31, 197 the previous half-years of the current year ended March 31, 197 of the current year ended year ended March 31, March 31, 197 (Please see Ins-197 truction No. 2) Amount Period of Amount Sept. 30 March 31 Amount contract ! Amount Amount (a) Automobiles: (i) Trucks and lorries (ii) Cars 02 (iii) Scooters 04 (iv) Others (b) Household durables ; 001 (i) Radio receivers 002 (ii) Fans 003 (iii) Refrigerators 004 (iv) Sewing machines 005 (v) Others 010 (c) Agricultural implements: (tractors, bulldozers, etc.) (d) Industrial machinery or tools or equipment 020 for use in industry 030 (e) All others 040 Total (a+b+c+d+e) **Manager's/Managing Director's/Authorised Official's Certificate: Certified that the data relating to hire-purchase business of the

company shown under sections (i) and (ii) have been verified and found to be correct and complete in all respects.

Signature of ** Manager/

Managing Director/

Authorised Official: Name: Designation:

*Please see paragraph 11 of the Notification. **Strike off whatever is not applicable.

Date:

(Space for the use of the Reserve Bank of India)

Period	Status	Business	State	Coded by :
		<u> </u>		Checked by: Punched by:
				Verified by:

- Ref. No. DNBC.17/DG(S)-72.—In exercise of the powers conferred by sections 451, 45K and 45L of the Reserve Bank of India Act, 1934, and of all the powers enabling it in this behalf, the Reserve Bank, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that the Non-Banking Non-Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966 shall, with effect from the 1st January 1973, be amended in the following manner, namely:—
 - I. In sub-paragraph (1) of paragraph 2-
 - 1. Clause (a) shall be deleted:
- 2. the word "money" shall be substituted for the word "loan" wherever it occurs in sub-clause (i) of clause (f);
- 3. the words "any loan raised on terms involving the creation of any" appearing in sub-clause (ii) of clause (f) shall be substituted by the words "any money, the repayment of which is secured by";
- 4, the word "loan" occurring after the word "any" in sub-clause (iii) of clause (f) shall be substituted by the word "money" and the words "any loan received" shall be inserted between the word "or" and the words "from any person registered" occurring in the said sub-clause;
 - 5. sub-clause (v) of clause (f) shall be deleted;
- 6. the word "loan" shall be substituted by the word "money" in sub-clause (vi) of clause (f) and the word "Government" wherever it occurs therein, shall be deleted;
- 7. the word "loan" wherever it occurs in sub-clause (vii) of clause (f) shall be substituted by the word "money" and the words "or any money received by a private company from its members;" shall be added after the words "secretaries and treasurers of the company,";
- 8, the following proviso shall be added after sub-clause (vii) of clause (f):

"provided that, in the case of any money received on or after the 1st day of January 1973, the person from whom the money is received has furnished to the company at the time when the money is received, a declaration by such person, in writing, that the money has not been given by such person out of funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person;"

- 9. Sub-clause (x) of clause (f) shall be substituted by the following:—
 - "(x) any money received by way of subscription to any shares or stock or any bonds or debentures (such bonds or debentures being secured by a charge on or lien on the assets of the company) pending the allotment of the said shares, stock, bonds or debentures; and"
- 10, the following shall be added as clause (ff) after subclause (xi) of clause (f):
 - "(ff) "depositor" includes any person who has given a
- 11. the words "or any reserve for development allowance created under sub-section (3) of section 33A, of the Incometax Act, 1961," shall be inserted in clause (g) after the words "or sub-section (3) of section 34 of the Income-tax Act, 1961,":
- 12. the word "financing" appearing before the words "whether by making loans" in clause (m) shall be substituted by the words "providing of finance" and the words "of trade, industry, commerce or agriculture."; occurring after the words "loans or advances or otherwise," therein shall be deleted;
- 13. the words "insurance" occurring in clause (n) after the words "housing finance." and the words "stock exchange or stock-broking company," appearing after the words "mutual benefit financial," therein, shall be deleted;
 - 14. clause (o) shall be substituted by the following:
 - "(o) "mutual benefit financial company" means any company, not being a banking company, the principal husiness of which is the acceptance of deposits from its members and which is notified by the Central Government under section 620A of the Companies Act, 1956;"

- 15. the words "Board of Directors or the Managing Director or the" shall be inserted in sub-clause (ii) of clause (f) before the words "manager of the company".
 - II. For paragraph 3 the following shall be substituted:
 - "3. Acceptance of deposits by non-banking non-financial companies:
 - (1) On and from the 1st January 1973, no non-banking non-financial company shall receive any deposit repayable on demand or on notice, or repayable after a period of less than six months from the date of receipt of such deposit, or renew any deposit received by it whether before or after the date of commencement of these directions, unless such deposit, on renewal, is repayable not earlier than six months from the date of such renewal.

Provided that a non-banking non-financial company may, for the purpose of meeting its seasonal requirements for funds, receive or renew, as the case may be deposits of the kinds referred to in clause (i) of sub-paragraph (2) of this paragraph, upto ten per cent of the aggregate of the paid-up capital and free reserves of the company, subject to the conditions laid down by the said clause being complied with and subject also to such deposits being repayable not earlier than three months from the date of receipt or renewal, as the case may be, thereof.

- (2) On and from the 1st January 1973, no non-banking non-financial company shall receive any deposit, which, together with any other deposits falling under the same category (as specified hereinafter), already received and outstanding on the books of the company and in the case of a deposit in the category referred to in clause (i) of this sub-paragraph, together also with the outstanding deposits in the form of loans guaranteed by persons, who were, at the time of giving of the guarantee, managing agents or secretaries and treasurers of the company, is in excess of the limits hereinafter specified in respect of each of the following categories of deposits, namely—
 - (i) in the case of a deposit received against an unsecured debenture or from a member [not being a deposit received by a private company from its member on a declaration as is referred to in sub-clause (vii) of clause (f) of sub-paragraph (1) of paragraph 2] or deposit guaranteed by a person, who, at the time of the giving of the guarantee, is a director, twenty-five per cent of the aggregate of the paid up capital and free reserves of the company;
- (ii) in the case of any other deposit, twenty-five per cent of the aggregate of the paid-up capital and free reserves of the company."

III. In paragraph 4-

- I, the words "at the commencement of business" shall be inserted before the words "on the 1st January 1972," occurring in sub-paragraphs (1) and (2);
- 2. in sub-paragraph (3), the words "as at the commencement of business" shall be inserted before the words "on the 1st January 1972,":
- 3. the words "one or more of the four kinds referred to in sub-paragraph (1)" in sub-paragraph (3), shall be substituted for the words "the kind referred to in clause (i) of sub-paragraph (2) of paragraph 3;"
- 4. the word "twelve" shall be substituted by the word "six" wherever it occurs in sub-paragraph (3);
- 5. the word "deposit" occurring after the words "date of receipt of such" in sub-paragraph (3) shall be substituted by the word "deposits".

- IV. 1. The existing provision in paragraph 5 shall be renumbered as sub-paragraph (1); in the said re-numbered sub-paragraph (1), the words "Board of Directors or the Managing Director or the" shall be inserted at two places, namely before the words "manager of the company" and before the words "manager has approved";
- 2. the following shall be inserted as sub-paragraph (2) in paragraph 5:
 - "(2) On and from the 1st April 1973, no non-banking non-financial company shall accept renew or convert any deposit except on a written application by the depositor on the form to be supplied by the company, which form should contain all the particulars specified in sub-paragraph (1) of this paragraph."
- V. The following shall be substituted for the existing subparagraph (ii) of paragraph 6:
 - "(ii) The said receipt shall be duly signed by an officer entitled to set for the company in this behalf and shall state quite clearly the date of deposit, the name of the depositor, the amount received by the company by way of deposit, in words and figures, the rate of interest payable thereon and the date on which the deposit is repayable."
- VI. The following shall be inserted as clause (bb) in sub-paragraph (i) of paragraph 7—
 - "(bb) duration and the due date of each deposit;".
- VII. In sub-paragraph (ii) of paragraph 8, the words and figures "Rs. 10 lakhs" shall be substituted by the words and figure "rupees 5 lakhs".

- VIII. In paragraph 9-
- 1. the word "six" shall be substituted for the word "twelve" occurring in sub-paragraph (a);
- 2. in sub-paragraph (b), clauses (v) and (vi) shall be deleted.
- 1X. The existing provision in paragraph 12 shall be renumbered as sub-paragraph (1) and the following shall be inserted thereafter as sub-paragraph (2):
 - "(2)(i) Every non-banking non-financial company shall not later than one month from the coming into force of this provision or from the commencement of business, whichever is later, deliver to the Reserve Bank, a written statement containing a list of—
 - (a) the names and the official designations of its principal officers;
 - (b) the names and residential addresses of the directors of the company; and
 - (c) the specimen signatures of the officers authorised to sign on behalf of the company, returns specified in sub-paragraph (1).
 - (ii) Any change in the list referred to in subclause (i) of this sub-paragraph shall be intimated to the Reserve Bank within one month from the occurrence of such change."
- X. In paragraph 13, the words "or any other office of the aforesaid Department to which the company may be directed" shall be inserted after the words "Calcutta-I."
- Xf. The First and Second Schedule shall be substituted by the respective Schedules appended hereto.
 - S. S. SHIRALKAR, Deputy Governor

CONFIDENTIAL.

FORM-D

FIRST SCHEDULE

(Please see paragraph 12 of the Notification No. DNBC, 2/ED(S)-66 dated the 29th October 1966)

RESERVE BANK OF INDIA DEPARTMENT OF NON-BANKING COMPANIES CALCUTTA-1

Return of deposits with non-banking companies other than financial companies as on the 31st March 197

	(Picase read the instructions caterday before fining in the Form)
Code No.	(1) Name of the company (2) Full address of the (a) Registered Office (b) Head/Administrative Office
	(3) State in which the company is registered:
·	(4) Status*: Private/public limited company/branch of a foreign company (5) Registration No. of the company (6) Date of
	(a) Incorporation
	 (7) Financial year of the company (8) Main business*: Manufacturing/Trading/Agriculture/Plantation/Any other (Plcase specify) (9) Type of industry: (Cotton/Textile, Sugar, Engineering etc.) (10) Name of the company's banker(s) and address(es): *Strike off whetever is not applicable

NOTE: The return, after completion, should be sent to the Chief Officer, Department of Non-Earking Companies, Reserve Bank of India, 15, Netaji Subhas Road, Post Box No. 571, Calcutta-1.

Instructions for filling in the Form

- 1. The return should be submitted once a year before the 30th time with reference to the company's position as on the 31st Match in especially of the date of the financial year of the company.
- 2. The submission of the return should not be delayed for any reasons such as the finalisation/completion of the audit of the abnual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of account of the company.
- 3. In the case of any company, which is required to submit this return but which carries on chit fund business also as a foreman, amounts received by way of subscriptions under the chit or kuri agreements will NOT be treated as deposits.
- 4 Unsecured borrowings with certain exceptions mentioned in paragraph 2(1)(f) of Notification No. DNBC2/ED(S)-66 dated the 29th October 1966 are treated as deposits.
- 5. Unsecured loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, are treated as deposits. The above unsecured loans in order to qualify for the deposits of the kind reference to in paragraph 3(2) of the Notification and classify against code No. 1 in Part A, should fulfil the following norms:—
 - (a) they should be evidenced either by the execution of promissory notes by the borrowing company or by exchange of letters evidencing loan contracts.
 - (b) repayment of these loans should be guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, of the company in their personal capacity, and
 - (c) these loans should be held in fixed loan accounts in the books of the company. Part repayments are permitted, but fresh amounts as loans should not accepted in the same account.

In case an unsecured loan of the type mentioned above does not fulfil any of the above three norms, it should be treated as deposit of the kind referred to in paragraph 3(2)(ii) of the Notification and should, therefore, be classified against code No. 6 or 7, as the case may be, in Part A.

- 6. The loans received from person registered under any law relating to moneylending which is for the time being in force are exempted from the term 'deposit' only if they fulfil the norms as indicated at (a) and (c) in Instruction No. 5 above.
- 7. The number of accounts should be given in actual figures while the amounts of deposits should be given in thousands of rupees. Amount should be rounded off to the nearest thousand and three zeros omitted. For example, an amount of Rs. 4,560 should be shown as 5 and not as 4.6 or 5000.
- 8. In Part C of the return brokerage paid for obtaining deposits should not be included in the rate of interest but should be indicated in a footnote at the end of the table.
- 9. Any money received which is specifically excluded from the term 'deposit' in sub-clauses (i) to (xi) of paragraph 2(1)(f) of the Notification No. DNBC2/LD(S)-66 deted

the 29th October 1966 should be classified against different code Nos, under item III in Parts A, B and C of the return.

Montes received in trust, advances for supply of goods or services, security deposits from contractors and other exampted receipts which cannot be classified against any of the code Nos. 10 to 17 in Part A of the return may be shown code No. 18 in Part A.

- 10. The periodwise classification of deposits reported in Part B of the return should be made against the various code Nos, under terms I and II according to the periods for which they have been originally received/last renewed and not according to the periods they have to run as from the 31st March i.e. the date of the return. Amounts with no specified period of maturity or repayable in instalments should be shown against Code Nos, I and I0 under the above items respectively and the position explained suitably by footnotes.
- 11. Deposits a decompted borowings and receipts bearing no interest should be classified against Code No. 1, 8 and 15 nems 1, II and III, respectively in Part C.
- 12. Only those reserves which are shown or published in the balance sheet of the company as being retained for any general or unspecified purpose should be treated as 'free reserves' and shown in Parts D and F of the return. Any other reserve the nomenclature of which as shown in the audited balance sheet indicates that it has been set apart for a specific purpose should not be taken into account not-withstanding the actual purpose for which it has been created.

The following reserves are generally treated as free reserves:

- (i) General Reserve
- (ii) Capital Rserva
- (iii) Capital Redemption Reserve
- (iv) Contingency Reserve
- (v) Statutory Development Rebate Reserve or Development Allowance Reserve
- (vi) Balance in share-premium account
- (vii) Surplus which is in the nature of general reserve
- 13. A list containing the names and the official designations of the principal Officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the Reserve Bank of India as required in paragraph 12(2()(i) of the Notification.
- 14. In the absence of any indication to the contrary, the definitions in the Non-Banking Non-Financial Companies (Reserve Bank) Direction, 1966, so far as they are relevant, will be applicable.
- 15. The return should be signed by the Manager (as defined in section 2 of the Companies Act 1956) and if there is no such Manager, by the Managing Director or any official of the company who has been duly authorised by the Beard of Director, and whose specimen signature has been furnished to the Reserve Bank for the purpose. In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.
- 16. In case there is nothing to report in any Part of the return, it should be marked "Nil".

	n	Part A	on the	31st March	107
	·—	Deposits, etc. outstanding As	on the	31st Warch	19/
Code No.		Types of deposits, exempted borrowings and receipts		No. of accounts	Amount (in thou- sands of rupees)
	I.	Deposits of the kinds referred to in paragraph 3(2) and 3(2)(i) of the Notification:			
1		(a) Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers	•		
2		(b) Unsecured debentures			
3		 (c) Deposits including unsecured loans received from members* (not being members of a private limited company) 			
4		 (d) Deposits including unsecured loans guaranteed by directors in their personal capacity 			
5		(e) Total $(a+b+c+d)$			
		II. Deposits of the kind referred to in paragraph 3(2) (ii) of the Notification -			
6		(f) Fixed deposits			
7		(g) Any other deposits			
8		(h) Total (f+g)			
9		(i) Total of $(I)+(II)$			
	III.	Exempted borrowings & receipts not counting as deposits (vide paragraphs 2(1)(f)(i) to (xi) of the Notification):			
10		 (j) Money received from former managing agents or secretaries and treasurers, if any 			
11		(k) Money received from directors**			
12		(i) Money received from members** in the case of a private limited company			
13		(m) Security deposits from employees			
14		(n) Money received from purchasing, selling or other agents for the purposes of business	;		
15		 (o) Money received from joint stock companies (including companies in the same group). 	ı		
16		 (p) Secured borrowings and borrowings from banks and other specified institutions 			
17		(q) Money received from foreign sources			
18		(r) Other exempted borrowings and receipts not counting as deposits			
19		(s) Total (j to r)			
20	1V.	Total of I, II and III above		, <u> </u>	

^{*}The expression "member" used here means a person who is registered as a holder of shares in the company.

^{**}Please note that the money received from such person out of the funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person is not exempted [vide paragraph 2(1)(f)(vii) of the Notification]. A declaration from him to this effect should have been obtained by the company before including his money in this category.

	Period of Deposits, etc.			As on the 31st M	arch 197	
Code No.	<u></u> 7	Types of deposits, exempted borrowings and receipts	Code No.	Period of deposits, exempted borroings and receipts (Please see Instruction No. 10)		Amount (in thousands of rupees
1		2	3	4	5	6
0	I.	Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors.	1 2 3 4 5	Repayable on demand or on notice otherwise in less than 3 month Repayable after a period of 3 mon or more but less than 6 months Repayable after a period of 6 mon or more but less than 12 mon or more but less than 12 mon or more but less than 24 mon or more but less than 24 mon or more but less than 36 mon Repayable after a period of 24 mon or more but less than 36 mon or more but less than 60 mon or more but less than 60 mon	s ths ths ths ths ths ths ths ths ths th	

0000 IV. Total of I, II and III

(Sec Note No. iv)

Total of 17 to 22 (See Note No. iii) -----

NOTE: (i) The totals of Code No. 8 should tally with those of Code No. 5 of Part A.

- (ii) The totals of Code No. 16 should tally with those of Code No. 9 of Part A.
- (iii) The totals of Code No. 23 should tally with those of Code No. 19 of Part A.
- (iv) Totals of Item IV of Part B should tally with the total of item IV of Part A.

Part C

Rates of interest (exclusive of brokerage) on Deposits, etc.

As on 31st March 197

Amount (in thousands of rupees)	Rate of interest	Code No,	Types of deposits, exempted borrowings and receipts	Cođe No.
	5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more	1 2 3 4 5	I. Deposits received in the form of loans guaranteed by the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, unsecured debentures, deposits including unsecured loans from members (not being members of a private limited company) and deposits including unsecured loans guaranteed by directors.	0
	Total of 1 to 6	7		
	5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more.	8 9 10 11 12 13	1. Deposits i.e. fixed deposits and any other deposits.	00
	Total of 8 to 13	14		
	5% and below More than 5% but less than 7% 7% or more but less than 9% 9% or more but less than 10% 10% or more but less than 12% 12% or more.	16 17 18	II. Exempted borrowings and receipts not counting as deposits <i>i.e.</i> from members in the case of private limited companies or directors or the former managing agents or secretaries and treasurers, if any, employees by way of security deposits and purchasing, selling or other agents or borrowings from joint stock companies and all other exempted borrowings and receipts.	. 000
	Total of 15 to 20	21		
			V. Total of I, II and III	0000 1

NOTE: (i) The totals of Code Nos. 7, 14 and 21 should tally with those of Code Nos. 5, 8 and 19 of Part A respectively. (ii) The total of item IV in Part C must tally with that of item IV of Part A.

Part 1

Statement showing the position of deposits vis-a-vis cellings

(A) Deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(2) and 3(2)(i) of the Notificattion and the prescribed ceilings

(Amounts in thousands of rupees)

Position as at the close of business on	Total deposits of	Owned funds				Ceiling	Excess,	Please state whether	
			Free Re- serves		Net owned funds (3+4) -5	ned funds).	deposits, if any, over the ceiling (27)	the excess deposits have been adjusted as per paragraph 4(1) of the Notification. If not, reasons, for non-compliance should be stated.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
31st December, 1971 31st March, 1973		V-y-			- 145				
31st March, 1974									
31st March, 1975									

Note: *At least one-third of the excess deposits as on 31-12-1971 has to be reduced before 1-4-73, another one-third of the excess as on 31-12-1971 before 1-4-1974 and the balance, if any, of the said excess before 1-4-1975.

(B) Deposits of the kind referred to in paragraph 3(2)(ii) the Notification and the ceilit g.

Position as on 31st March 197 (i.e. the date of the return)

Total deposits of the kind referto above i.e. total of code No. 8 in Part A.	Ceiling (i.e. 25% of the net owned funds)	Excess deposits if any, over the ceiling (1)—(2)	Remarks
1	2	<u>-</u>	
_			

Part—E

Statement showing the regularisation of deposits of the kinds referred to in paragraphs 3(2) and 3(2)(i) of the Notification, repayable on demnd or on notice or after a period of less than 6 months.

(Amouts in thousands of rupecs)

Position as at the close of business on	Total amount of de- posits of the above kinds (i.e. total of code Nos, 1 & 2 of Part B)	Amount of deposits of the kinds referred to in paragraph 3(2)(1) of the Notification) upto 10% of the net owned funds repayable not earlier than three months (vide proviso to paragraph 3(1).	Amount of irregular deposits i.e, total of column 2 minus 3	25% of the net owned funds (vide col- umn 7 of Section (A) of Part D)	•Please state whether such deposits have been regularised as per paragraph 4(3) of the Notification. If not, reasons for non-compliance should be stated,
1	2	3	4	5	6
31st December 1971 31st March 1973 31st March 1974 31st March 1975					

Note: *(i) If the total amount of irregular deposits is not in excess of 25% of the company's owned funds such deposits should be regularised before 1-4-1973.

- (ii) If the total amount of irregular deposits is in excess of 25% of the company's owned funds, it should be regularised in
 - (a) at least such deposits equal to 25% of the net owned funds before 14-1-973,
 - (b) at least one-half of the balance before 1-4-1974 and
 - (c) the remaining portion before 1-4-1975.

Important

It should be noted that the company has been allowed to accept deposits referred to in columns 3 of this Part for meeting its seasonal requirements. Please also see proviso to paragraph 3(1) of the Notification.

Part F

Comparative position of the company as per its audited balance sheet as at the date nearest to the date of this return.

(Amounts in thousands of rupees)

Particulars	Position as per the balance sheet as at	Position as per the return as as on 31-3-197	may broadly be stated.
1	2	3	4
1. Paid-up capital			
2. Free Reserves			
3. Balance of loss, if any	@		
4. Deposits*	£		
5. Exempted borrowings/receipts		<u> </u>	

- *Maximum aggregate of deposits during the year ended March 31, 197, and the relevant date may be stated below:
- (i) Maximum amount of deposits during the year (in thousands of rupees).....
- (ii) Date on which the above maximum was accounted......
- @—The total of Code No. 9 in Part A should be shown here.

21--509GI/72

Date:

Siguanture of *Managing/Managing Director/Authorised

THE GAZETTE OF INDIA, MARCH 17, 1973 (PHALGUNA 26, 1894) £—The total of Code No. 19 in Part A should be shown here. *Manager's/Managing Director's/Authorised Official's Certificate: (1) Certified that the deposits as reported in this return have been received or renewed for meeting theg enuine business requirements of the company. (2) Certified that declarations have been obtained, in writing, as required in terms of the proviso to paragraph 2(1)(f)(vii) of the Notification from the directors and members **that the money has not been given by them to the com-pany out of the funds acquired by them by borrowing or accepting deposits from another person. (3) Certified that the company has complied with the provisions of paragraphs 5(1) and 11(ii) of the Notification while soliciting deposits. (4) Certified that deposits have been accepted, renewed or converted on or after the 1st January 1973 in the manner prescribed in sub-paragraph 2 of paragraph 5 of the Notification. (5) Certified that the company has complied with the requirements of paragraph 6 of the Notification. (6) Certified that the Registers of deposits are being maintained of the lines indicated in paragraph 7 of the Notification. (7) Certified that the particulars/information furnished in this return have been verified and found to be correct and complete in all respects. (Strike off whatever certificate is not applicable.):

F 1				Name: Designation:		
against	The for the it (1) A	tem for the document	ould be submitted alongwith the enclosed and state the date of balance sheet and profit and	submission in other cases	3.	Please tick in the box
	(2) S	Specimen signature card	I (Please see Instruction No. 1	5)		
		A copy of the application	on form referred to in sub-par	agraph (2) of paragraph 5	of the Noti-	
1		a copy each of the adv	ertisements, if any, issued du	ring the year ended the 3	1st March	
,	(5) A	list of officers and dire	ctors (Please see Instruction]	No . 13)		
		(Space for	the use of the Reserve Ba	nnk of India)	_	_
eriod		Status	Business	State	- C 1 11	
			<u> </u>		- Coded by :	
					Checked by: Punched by:	
		<u></u>			- Verified by:	
*Strike	off	whatever is not ap	blicable.		- termed by .	
*Applic	able i	in the case of private	limited companies only,			

Official:

Confidential

FORM-IHP

SECOND SCHEDULE

(Please see paragraph 12 of the Notification No. DNBC 2 ED(S)-66 dated the 29th October 1966)

RESERVE BANK OF INDIA DEPARMENT OF NON-BANKING COMPANIES CALCUTTA-1

Particulars of hire-purchase business of non-financial companies

(Please read the following Instructions carefully before filling in the Form)

Code No.		Name of the company
	– (2)	Full address of the (a) Registeres office

		(b)* Head/Administrative Office
	— (3)	State in which the company is registered:
		Status*: Private/public limited company/branch of a foreign company.
	(5)	Registration No. of the company
		Date of
		(a) Incorporation
		(b) Commencement of business
	(7)	Financial year of the company
	(8)	Main business*: Manufacturing/Trading/Agriculture/Plantation/Any other (Please specify).
	(9)	Type of industry: (Cotton Textile, Sugar, Engineering, etc.)
	(10) *Strike oil	Name of the company's banker(s) and address(cs)

Note: The return, after compilation, should be sent to the Chief Officer, Department of Non-Banking Companies, Reserve Bank of India, 15, Netaji Subhas Road, Post Box No. 571, Calcutta-1.

INSTRUCTIONS

1. The returns in sections (ii) should be submitted once a year before the 30th June with reference to the company's position as on the 31st March. In case the company's financial year is different, the returns in Section (ii) only should be med with reference to the financial year of the company ending on a date nearest to the 31st March the two half-year periods within that year being deemed to be first six months and the second six months (or the half-year period as defined in the directions). Thus a company which is required to submit its return as on the 31st March 1973 and whose financial year ends on the 31st December 1972 should compile this section only with reference to its above financial year (being the date nearest to the 31st March 1973) and not to 31st March 1973. Further the outstanding credit at the end of the current year and previous year should relate to the position as on the 31st December 1972 and 31st December 1971 instead of 31st March 1973 and 31st March 1972 respectively and the new credit sanctioned should cover the entire period from the 1st January 1972 to 31st December 1972. Instalments received during the two half-years should relate to the position as on 30th June 1972 and 31st December 1972.

- 2. Outstanding credit at the end of the current year should agree with the figure arrived at after deducting the instalments received during the two half-years from the outstanding credit at the end of the previous year plus new credit sanctioned during the current year.
- 3. Answers to the Questions at 1 to 7 is section (i) should be furnished in detail, when this return is submitted for the first time. Thereafter, only changes or additional information, if any, need be indicated.
- 4. In the case of any company, which is required to submit this return, but which carries on chit fund business also

as a foreman, hire-purchase transactions or loans, if any, which are treated as assets of the chit funds need not be included.

Section (i) Questionnaire

(Please see Instructios No. 3 above)

- Are you a subsidiary of any manufacturing company or otherwise affiliated to any manufacturing or trading establishment? If so, indicate very briefly the necessary detail; of such company.
- Mention the broad types of goods you deal with on a hire-purchase basis (e.g. automobiles, household durable goods, etc.)
- 3. (a) What is the usual flat rate of interest (per cent per annum) you charge for hire-nurchase credit for the majority of accounts?
 - (b) What is the true of interest** (per cent per aunum) you charge for hire-purchase credit for the majority of accounts?
 - (c) Do you disburse the hire-purchase credit as sametioned without any reduction in advance on account of interest?
 - (d) At what intervals do you collect interest?
- 4. What are the main items of charges, beside: interest, included in the hire-purchase sale price of the goods?

(Please send us a copy of the form of agreement made with hirers if it has not been furnished already).

- 5. On what basis do you fix the amount of down payment or cash deposit from the hirer? If it is a fixed percentage of the sale price of the goods in question, please state the percentage.
- 6. Do you pay interest on the cash deposit or down payment taken from hirers? It'so, please state the rate of interest (per cent per annum) allowed.
- 7. Besides capital and reserves and hirers balasces, what are the other sources of funds for your business?
 - * Flat rate of interest means the rate of interest charged on the entire amount of the hire-purchase credit as sanctioned and not on the diminishing balances that remain due.
 - ** True rate of interest means the rate of interest charged on the actual amount of the credit outstanding from time to time.

Section (li)

Hire-purchase Business for the year ended March 31, 197

(Please see Instructions No. 1)

(Amounts in thousands of rupees)

Code No.	Goods on hire	New credit sanctioned during the current year ended March 31, 197		Outstanding credit at the end of the previous year ended March 31, 197.	_		Outstanding credit at the end of the current year ended March 31, 197 . (Please see Ins truction No. 2)	
		Amount	Period of	Amount	Sept 30	March 31	Amount	
			contract		Amount	Amount	-	
1	2	3	4	5	6	7	8	
	(a) Automobiles:				•			
01	(i) Trucks and lorries							
02	(#) Cars							
03	(iii) Scooters							
04	(iv) Others							
	(b) Household durables:							
001	(i) Radio receivers							
002	(ii) Fans							
003	(iii) Refrigerators							
004	(iv) Sewing machines(v) Others							
005 010	(c) Agricultural implement	its.						
010	(tractors, bulldozers, et							
020	(d) Industrial machinery tools or equipment for in industry							
030	(e) All others							
040	Total $(a+b+c+d+e)$							
**Manager's/Managing Director's/Authorised Official's certificate:				er Sections ((i) and (ii) have b	rchase business of the com- een verified and found to be		
				Signature of **Manager/Managing Director/Authorised Official:				
	Date:							
	*Please see paragraph 10 of th		Name:					
**Strike off whatever is not applicable.				Designation:				
					(Sp	ace for the use o	f the Reserve Bank of India	
	Period Status		Business	State		Coded by		
						Checked by		
						Punched by		
						Varified by		

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-1, the 2nd February 1973

No. 50-SA(91)/52.—In pursuance of Rule 4(3) of the Certified Auditor's Rules, 1961, it is hereby notified for general information that the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Certified Auditors with effect from 31st December, 1972, the name of Shri B. Madhava Rao of 2003/1, Sri Ramapet, Mysore-1, the holder of Certified Auditor's Certificate No. 91 on the basis of information received that he died on 30th December, 1972.

The 14th February 1973

No. 8-CA(1)/15/72-73.—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled for the period mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

S. No.	Member- ship No		Period during which the Certificate shall stand; Cancelled
1	2	3	4
1.	1147	Shri Sarab Parkash Suri, F.C.A., . 92, Friends Colony, New Delhi-14.	1-2-73 to 30-6-73
2.	1846	Shri Maganlal Kalyanji Naik, A.C.A., Sabiri Manzil, Near L.I.C., Muglisara, Main Road, Surat.	24-8-72 10 30-6-73
3.	12556	Shri Baddireddi Narasimha Rao, A.C.A., C/o Hindustan Milkfood Manufacturer ttd., (Horlicks Factory), Bommuru, Rajahmundry, East Godavari District, Andhra Pradesh.	1-1-73 s to 30-6-73
4.	13693	Shri Brajendra Mahajan, A.C.A., A-7A/14, Rana Partap Bagh, Delhi-7.	1-2-73 to 30-6-73

Tthe 20th February 1973

No. 5-CA(1)/26/72-73,—With reference to this Institute's Notification 4-CA(1)/17/71-72 dated 18-12-1971, 4CA(1)/16/72-73 dated 16-12-1972, 4-CA(1)/19/72-73, dated 17-1-1973, 4-CA(1)/10/69-70, dated 3-9-1969 and 4-CA(1)/21/72-73, dated 19-1-1973, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members

with effect from the dates mentioned against their names the names of the following gentlemen:—

S, No.	Member- ship No.	Name and Address	Date of Resto- ration	
1	2	3	4	
1.	11835	Shri Shrikant M. Gupte, A.C.A., 24, Mahant Road, Sharma Niwas, Vilc-Parle, Bombay-57 (AS).	3-2-73	
2.	10779	Shri A. K. Sarkar, A.C.A.,	6-2-73	
3.	1448	Shri Rathindra Nath Basu, A.C.A., 7, Central Road, Calcutta-32,	15-2-73	
4.	4297	Shri Pillutla Ramanadha Sastry, A.C.A., Chief Accounts Officer., Indian Drugs & Pharmaceuticals Ltd., N-13, South Extension, Part-I, New Delhi-49.	16-2-73	
5.	11239	Shri P.T. Narayan Nair, A.C.A., . M/s. Harshadray Private Ltd Jiji House, Raveline Street, Bombay.	17-2-73	

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-16, the 7th February 1973

(Cost Accountants)

No. 11-CWR(24)/73.—In pursuance of sub-regulation (3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri Sohan Lal Dugar, MCOM, AICWA, 72, Sector 27A, Chandigarh (Membership No. 1512), shall stand cancelled during the period from 30th January 1973 to 30th June 1973.

S. N. GHOSE Secretary

Secretary

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 23rd January 1973

No. 22(2)/72-MIV.—The Iron Ore Board has been registered as a Society under the Societies Registration Act 1860 (Punjab Amendment) 1957 on 20th January, 1973. The Iron Ore Board will consist of a Chairman and such number of members, as the Government may find necessary, but not exceeding fifteen.

2. Government have decided that the composition of the Iron Ore Board for the present will be as follows under further orders.

Full time members:

- 1. Shri R. C. Dutt, Chairman
- 2. Member Secretary.

Part-time members:

- 3. Shri M. A. Wadud Khan,
 Secretary to the Government of India,
 Ministry of Steel and Mines (Deptt. of Steel),
 New Delhi.
- Shri B. B. Lal. Secretary to the Government of India, Ministry of Foreign Trade, New Delhi.
- Shri M. G. Pimputkar, Secretary to the Government of India, Ministry of Shipping & Transport, New Delhi.
- Shri S. K. Guha, Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Steel & Mines (Deptt. of Steel).
- Shri G. Ramanathan, Chairman-cum-Managing Director, National Mineral Development Corporation, Hyderabad.
- Shri S. Ramachandran, Chairman, Mineral & Metal Trading Corporation, New Delhi.

C. B. RAU Dy. Secretary

New Delhi, the 17th February 1973

No. 22(2)/72-MIV.—In continuation of this Ministry's Notification of even number dated the 23rd January, 1973, the Government have decided that Shri M. R. Yardi, Finance Secretary to the Government of India in the Ministry of Finance will be a part time member of the Iron Ore Board, until further orders.

C. B. RAU Director

CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION (A Government of India Undertaking)

New Delhi-49, the 10th March 1973

Now Detail-45, the fold March 1973

NOTICE

No. CWC/HI-8/73-B. & P. ...In pursuance of Rule 13 of the party Warshousing Corporation Rules, 1963, the names

No. CWC/III-8/73-B. & P. ... In pursuance of Rule 13 of the Central Warehousing Corporation Rules, 1963, the names and addresses of the Directors duly elected on 27-2-73 by the respective class of shareholders under clauses (d) and (f) of sub section (1) of Section 7 of the Warehousing Corporations Act, 1962 to fill in the vacancies arising from 18-3-73 are notified below:

Class of shareholders

Name and addresses of the Director

1. Scheduled Banks (other Shri B. K. Vora, than State Bank of India), Deputy General

Shri B. K. Vora, Deputy General Manager, Punjab National Bank, Parliament Street, New Delhi.

2. Insurance Companies, Investment Trusts, and other financial institutions, recognised associations and companies dealing in agricultural produce or notified commodities.

Shri C. R. Thakore, C/o Life Insurance Corporation of India, Yogakshema, Madame Cama Road, Bombay-20.

RAJINDER SINGH
Managing Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-85, the 5th January 1973

ORDER

No. Ref. s 7(77)/72/Esta XII/15.—In pursuance of the proviso to sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I hereby terminate forthwith the services of Shri C. K. Ismail, Tradesman 'A', Transport Maintenance Unit. Shri Ismail shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of pay and allowances for a period of one month (in lieu of the period of notice) calculated at the same rate at which he was drawing them immediately before the date on which this order is served on or, as the case may be, tendered to, him.

T. V. RANGARAJAN

Head Personnel Division

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

Central Silk Board

Bombay-2, the 22nd December 1972

No. CSB/18(172)/70-ES.—In exercise of the powers conferred by Rule 28 of the Central Silk Board Rules 1955, the Board has been pleased to promote Shri B. V. Satyanarayana Rao, Assistant Superintendent, Central Scricultural Research & Training Institute, Mysore as Administrative Office in the scale of Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950 in the same Institute with effect from 13-11-1972 (F.N.) as per Ministry of Foreign Trade, Government of India, letter No. 25011/8/72-Tex(F) dated 23rd October, 1972.

INDER J. MALHOTRA

Chairman

AGRICULTURAL REFINANCE COPORATION

Bombay, the 2nd February 1973

No. G.S.R.—In exercise of the powers conferred by Section 46 of the Agricultural Refinance Corporation Act, 1963 (10 of 1963) the Board of the Corporation, with the previous approval of the Reserve Bank of India, is pleased to make the following amendments to the Agricultural Refinance Corporation (Staff) Regulations, 1964.

In Appendix I to the Agricultural Refinance Corporation (Staff) Regulations, 1964, for clause 1(a) of Section 1—Pay Scales, the following shall be substituted, namely:—

"(a) Managing Director: Rs. 2,000-100-2,400

(But Rs. 1,650-75-2,100 if a senior staff officer Grade II of the Reserve Bank is appointed as Managing Director; in that case there shall be paid a special pay of such amount, as the Board may, with the previous approval of the Reserve Bank determine from time to time.)

M. A. CHIDAMBARAM

Managing Director

INDIAN AIRLINES

New Delhi, the 7th March 1973 CORRIGENDUM

The following omissions/errors were crept/printed in The Gazette of India Part III Sec. IV dated 16-9-72 in respect of the Notf. of Indian Airlines, New Delhi.

- 1. Gazette notificiation Page 1386 column 2 line 63 [Regulation 194 clause (4) sub-clause (ii) last line] instead of the word 'subsequently' the word 'subsequent' has been printed.
- 2. Notification Fage 1387 column 1 line 7 [Regulation 194 clause (4) Explanation sub-clause (f)].

Instead of word 'brother,' the word 'brother' has been printed.

3. Page 1387 column 1 after line 27, (At the end of Regulation 194 clause (5)]

At the end of first notification the signatures of Secretary Indian Airlines have not been printed.

- 4. Notification page 1388 column 2 line 62-63 (Chapter XVII Regulation 191 clause 1 line 3-4) the word 'the' between the word subject to and other provisions has not been printed.
- 5. Notification Page 1390 column 1 line 6/8 after bracket [Regulation 194 clause (4) Explanation Subclause (f)].

Beyond bracket the word 'step' between the word 'and' and 'sisters' has not been printed.

PUNJAB UNIVERSITY

Chandigarh, the 26th February 1973

No. 3-73/O.S.D.—The Central Government (Ministry of Education & S.W.) have accorded approval vide their letter No. Dy. 233/73-U.I., dated 25-1-73 to the following Regulations:—

- 1. Regulation 1.1 of the Chapter II(A)(iv) 'Academic nuncil' at pages 18-19 of the Calendar Volume I, 1972, all read as under:—
- 1.1. There shall be an Academic Council which shall nsist of the following:—
 - (a) The Vice-Chancellor, as Chairman.
 - (b) The Dean of University Instruction.
 - (c) One Principal of a University Evening College, by rotation.
 - (d) The Deans of Arts, Languages, Science & Mathematics, Commerce, Education and Design & Fine Arts Faculties-ex-officio.
 - (e) The University Professor/s (including the Director of V.I.S. & I.S. Hoshiarpur, the Director-cum-Professor of Physical Education, the Librarian-cum-Professor of Library Science), and those designated by the Syndicate as Professors, in such subjects of University teaching as belong to the Faculties of Arts, Science & Mathematics, Commerce, Languages, Education and Design & Fine Arts, and if in any of such subjects there is no University Professor, the Head of the University Department concerned not below the rank of a Reader.
 - (f) The Principals/Directors of such Arts and Science Colleges/University Post-graduagte Regional Centres as undertake teaching up to Master's degree in two or more subjects.

- (g) Six reachers of degree classes as defined in Regulation 2 below, elected from amongst themselves.
- (h) Six Principals of such Arts and Science Colleges a: undertake Honours teaching in at least three subjects elected from amongst themselves.
- (i) Two University Lecturers (one from the Science & Mathematics Faculty and one from other Faculties) to be nominated by the Syndicate, by rotation.
- (j) Five Fellows of the University elected by the Senate.
- (k) Not more than two University Readers, nominated by the Syndicate.
- (1) Three nominees of the Vice-Chancellor,
- 2. Regulations 1, 4.1, 4.2 and 7 of the Chapter II(A)(V) 'Faculties' at pages 23, 26 and 27 of the Calendar Volume I, 1972, shall read as under:—
 - 1. The Faculties constituted by the Senate are:
 - (1) Languages
 - (2) Arts
 - (3) Science & Mathematics
 - (4) Law
 - (5) Medical Sciences
 - (6) Commerce
 - (7) Engineering & Technology
 - (8) Education
 - (9) Dairying, Animal Husbandry & Agriculture.
 - (10) Design & Fine Arts.
- 4.1. University Professors (including the Director-cum-Professor of Physical Education and the Librarian-cum Professor of Library Science), and such Readers as are Heads of Departments shall be ex-officio members of the Faculties concerned and shall exercise all rights given by regulations to Added Members: they shall be in addition to the number elected by Fellows under Regulation 3.
- 4.2. Principals of colleges affiliated in the following Faculties are co-opted as members of their respective Faculties but they shall not have right of vote:—
 - (1) Medical Sciences.
 - (2) Engineering & Technology including Textiles Technology.
 - (3) Dairying, Animal Husbandry & Agridulture.
 - (4) Design & Fine Arts.

Design & Fine Arts-Four

7. The number of members required to form a quorum at a meeting of a Faculty shall be as under:—

Arts—Eight
Languages—Seven
Law—Five
Science & Mathematics—Five
Medical Sciences—Four
Commerce—Four
Engineering & Technology—Four
Education—Four
Dairying, Animal Husbandry & Agriculture—Four

At a joint meeting of more than two Faculties and at a joint meeting of the Arts and Languages Faculties ten members, and at a joint meeting of any other two Faculties eight members, shall form a quorum.

- 3. Regulations 2.2, 2.5 and 2.6 of the Chapter $\Pi(\Lambda)$ (vi) 'Boards of Studies' at pages 30—35 of the Calendar Volume I, 1972, shall read as under:—
 - 2.2. Each Board of Studies shall consist of-
 - (a) (i) Seven members in the case of English, History, Economics, Political Science and Civics, Hindi and Panjabi Boards;
 - (ii) Six members in the case of Sanskrit, Philosophy, Mathematics, Statistics and Astronomy, Physics, Chemistry, Botany, Zoology and Geography Boards;

and shall be elected every alternate year in the manner laid down in Regulations 3 and 4 and the Rules;

(b) Ex-Officio members:

The University Professor or Professors (including the Director of V.I.S. & I.S., Hoshiarpur, who shall also be ex-Officio member of Sanskrit Board, the Director-cum-Professor of Physical Education and the Librarian-cum-Professor of Library Science); if there is no University Reader or Readers; if there is neither a University Professor nor a University Reader the Head of the University Teaching in the subject or subjects of the Board.

- (c) One or two members nominated by the Vice-Chancellor if considered necessary.
- 2.5. The Boards of Studies in the following subjects as also the Conveners of these Boards shall be nominated by the Syndicate:—
 - I. Arabic
 - II. Persian
 - III. Urdu
 - IV. Bengali
 - V. Tamil
 - VI. Sindhi
 - VII. French
 - VIII. German
 - IX. Russian
 - X. Tibetan
 - XI. Music
 - XII. Arts
 - XIII. Psychology
 - XIV. Sociology
 - XV. Public Administration
 - XVI. General Education
 - XVII. Ancient Indian History, Culture & Archaeology
 - XVIII. Courses in Library Science
 - XIX. Anthropology
 - XX. Military Science
 - XXI. Physiology
 - XXII. Human Anatomy
 - XXIII. Bio-Physics
 - XXIV. Bio-Chemistry
 - XXV. Microbiology
 - XXVI. Geology
 - XXVII. Pharmacology
- XXVIII. Post-Graduate Studies in Pharmaceutical Sciences
- XXIX. Dairying, Animal Husbandry & Agriculture
- XXX. Textile Technology
- XXXI. Chemical Engineering
- XXXII, Civil Engineering

- XXXIII, Electrical Engineering
- XXXIV. Mechanical Engineering
- XXXV. Aeronautical Engineering
- XXXVI. Applied Sciences
- XXXVII. Metallurgical Engineering
- XXXVIII. Electronics and Electrical Communication
- XXXIX. Engineering & Production Engineering
 - XL. Commerce
 - XLI. Post-Graduate Medical Education & Research
 - XLII. Dental Surgery
 - XLIII. Home Science
 - XLIV. Architecture
 - XLV. Physical Education
 - XLVI. Pharmacy
- XLVII. Nursing
- XLVIII. Law

2.6. For the Boards XXIX to XLIII and XLVI to XLVIII the Dcan of the Faculty concerned shall be an ex-officio member.

Principals of colleges affiliated for the Master's degree course in Dairying & Animal Husbandry and Textiles Technology and Head of the University Department in Chemical Engineering shall be ex-officio members of the Board of Studies concerned.

Provided that-

- (i) A person shall not be eligible to seek election, if whether by himself or by any person or a body of persons in trust for him or for his benefit or on his account, he has any share or interest in—
 - (a) a firm engaged in printing, publishing or selling books to or for the use of the University or students of any of its courses;
 - (b) a contract for supply of goods to the University;
 - (c) execution of any works of the University.
- (ii) A person who, in one way or the other, is involved in publication of cheap notes, guides or help books, shall not be eligible to be a memoer of a Board of Studies.
- (iii) A person shall not be eligible to seek election to a Board of Studies—
 - (a) if he is shown as author, co-author or collaborator of a book prescribed for a University examination excepting M.A. course, whether or not he has in fact contributed to the writing of the book; or
 - (b) if he is found, after a proper enquiry to be the writer of such book, though his name does not appear as an author, co-author or collaborator.

Note: This shall not apply to a person who prepared a book at the instance of the University and did not receive any royalty for the same.

Persons affected by these provisions shall be given a chance to defend their cases before final action is taken by the University.

 (iv) A member shall not continue to hold office if he incurs any of the disqualifications mentioned ed in (i), (ii) and (iii) above.

- , 4. Regulation 17.3 of the Chapter VI 'Conditions of service of University Employees' at page 96 of the Calcular Volume I, 1972, shall read as under:—
- 17.3. All whole-time members of the teaching staff (including the Director-cum-Professor of the Physical Education and the Librarian-cum-Professor of Library Science) and other teachers of these departments as defined in Regulation 1.1 of Chapter V (A), shall retire on reaching the age of 60 years;

Provided that-

- extension for a period up to three years may be allowed by Senate on the recommendation of Vice-Chancellor and Syndicate to a teacher who continues to be efficient and fit both physically and mentally. Such extension, however, shall not be beyond July 31 of the year in which the incumbent attains the age of 63 years;
- (2) if in the opinion of the Vice-Chancellor, further retention (beyond the age of 63 years) of a teacher is in the interests of the University owing to his exceptional eminence in the field and outstanding contribution of national or international significance, and if he continues to be efficient and fit both physically and mentally, Syndicate may decide that the post held by such a teacher need not be advertised and recommended to Senate for grant of further extension for a period extending up to two years. Such extension, however, shall not be beyond July 31 of the year in which the incumbent attains the age of 65 years.
- 5. Regulation 6(C) for B.A./B.Sc. examination at page 28 of Calendar, Volume 11, 1972, shall read as under:—
- 6(C). A candidate who has passed Honours examination in a Modern Indian Language [Hiudi or Urdu or Panjabi (Gurmukhi Script)] and/or in a Classical Language (Sanskrit or Persian or Arabic) from the Panjab University, may, if he so desires be exempted from taking the examination in the Language/Languages in which he has passed the Honours examination. If the candidate avails of such exemption, he shall be deemed to have obtained minimum pass marks in such Language/Languages.
- 6. Regulation 8.2 (Revised) for B.A./B.Sc. examination, shall read as under:—
- 8.2. A candidate who has passed Honours Examination in a Modern Indian Language [Hindi or Urdu or Panjabi (Gurmukhi Script] and/or in a Classical Language (Sanskrit or Persian or Arabic) from the Panjab University, may, if he so desires be exempted from taking the examination in the Language/Languages in which he has passed the Honours examination. If the candidate avails of such exemption, he shall be deemed to have obtained minimum pass marks in such Language/Languages.

Chandigarh

Dated: February 22, 1973

K. C. WALIA
Officer on Special Duty (R)

Scaled in my presence with the Common Scal of Panjab University, this day the 22nd of February, 1973.

JAGJIT \$INGH Registrar No. 4-73/O.S.D.—The Central Government (Ministry of Education and Social Welfare) have accorded approval vide their letter No. 3-13/72-U.I., dated 5-2-1973 to the following Regulation 21 of the Chapter III 'General Regulations for Examinations' relating to the Examination Fees, at page 490 of the Calendar Volume II, 1972:—

21. Except in the case of members of regular armed forces who belong to the Punjab, Haryana or Union Territory of Chandigarh, an extra fee of Rs. 10 shall be charged from private candidates who apply for an examination from outside these areas, or who appar in an examination held at Delbi or at any other town where the University holds that examination, outside the Punjab, Haryana and Union Territory of Chandigarh.

Chandigarh

Dated: February 22, 1973

K. C. WALIA

Officer on Special Duty (R)

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University, this day the 22nd of February, 1973.

> JAGJIT SINGH Registrar

No. 5-73/O-S.D.—The Central Government (Ministry of Education and Social Welfare) have accorded approval vide their letter No. 3-13/72-U.I., dated 22-1-1973, to the following Regulation 14-10 of Chapter VI 'Conditions of Service of University employees', at pages 92-93 of the Calendar Volume I, 1972:—

14.10. For purposes of calculation of half-yearly interest payable to the depositor, amount less than 50 paise will be ignored. If the amount comes to more than 50 paise, it shall be rounded off to a full rupee.

Chandigarh

Dated: 22-2-1973

K. C. WALIA

Officer on Special Duty (R)

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University, this day the 22nd of February, 1973.

> JAGJIT SINGH Registrar

No. 6-73/O.S.D.—The Central Government (Ministry of Education & S.W.) have accorded approval vide their letter No. 3-6/72-U.I., dated 25-1-1973 to the following Regulations:—

- 1. Regulation 2 of the Chapter IV(A)(i) 'Dean of University Instruction' at pages 51-52 of the Calendar Volume 1, 1972, shall read as under:—
- 2. Duties and functions of the Dean of University Instruction shall be---
 - to co-ordinate and supervise admission of students made by the Boards of Control to the various University Departments.
 - (ii) to decide applications for exemption from payment of University tuition fee up to 10 per cent of the total number of students in a class. If the number of students in a class is less than ten, the Dean of University Instruction may grant full or half-fee concession to one student.
 - (iii) to submit to the Academic Council time-tables of all University classes including Regional

- Centres, evening classes, diploma courses, etc., and lists of holiday and to see that the same are properly pursued.
- (iv) to arrange for the accommodation of all University classes including evening classes, diploma courses, etc., provided in the case of Regional Centre at Rohtak for which the Director of the Centre shall make such arrangements.
- (v) to see that the discipline and routine in all University classes, including evening classes, diploma course, etc., is maintained in accordance with wishes and decisions of the Boards of Control and Academic Council. He shall exercise control through the Heads of the departments concerned. Provided that in case of Regional Centre at Rohtak, the Director of the Centre shall exercise these powers.
- (vi) to call for and examine proposals from affiliated degree colleges for permission to start Honours classes, before referring them to the Academic Council.
- (vii) to co-ordinate, wherever necessary, the work of the teaching staff of the University teaching departments, but not to interfere with or directly control the work of the Heads of Departments in their respective departments.
- (viii) to sanction casual leave to the members of the teaching staff in the departments.
- (ix) to make recommendations to the Vice-Chancellor in regard to grant of privilege leave and to suggest consequential arrangements in all University classes including evening classes, diploma courses, etc.
- (x) to appoint, control and remove class C employees except chowkidars in the University Teaching Departments, subject to Regulations and Rules, if any.
- (xi) to operate the accounts of Amalgamated Fund allocated for academic activities of students as per Rules approved by Syndicate.

- (xii) to maintain service books of the staff employed in the University Teaching Departments and such other relevant records as may be necessary:
- (xiii) to make arrangements for extension lectures and to recommend to the Vice-Chancellor delegates to the various conferences.
- (xiv) to guide the students proceeding abroad for higher studies and to look after the work of the Foreign Information Bureau.
- 2. Regulation 6 of the Chapter V(A) 'University Teachers' at page 59 of the Calendar, Volume I, 1972, shall read as under:—
- 6. Save as provided in Regulations 5 and 8, whenever a Professor or a Reader is to be appointed Syndicate shall appoint a Selection Committee consisting of five persons, atleast two of whom shall be experts, in the subject concerned, from outside the territorial jurisdiction of the University.

This Committee shall interview suitable persons and make recommendations which will be placed before the Syndicate. If the Syndicate does not accept the recommendation of the Selection Committee is may order readvertisement of the post or take such other action as may be considered necessary.

The Committee, in recommending a person for appoints ment as Professor or Reader, shall have regard to (i) his capacity for research, (ii) his ability as a teacher, and (iii) generally his eminence in the subject of his profession.

Chandigarh

Dated: 22-2-1973

K. C. WALIA
Officer on Special Duty (R)

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University, this day the 22nd of February, 1973.

> JAGJIT SINGH Registrar